रजिस्ट्री सं० डी०(डी)-73

Registered No. D.(D) 73

Central Library Govt. of India

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 23, 1974/अग्रहायन 2, 1896

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 23, 1974/AGRAHAYANA 2, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1974

का० आ० 3060.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 177-जमालपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रमानन्द भगत, ग्राम महदेवा, पत्रालय बरियारपुर, जिला मुंगेर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री प्रमानन्द भगत को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स० । 177/72(122)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 24th September, 1974

S.O. 3060.—Whereas Election Commission is satisfied that Shri Pramanand Bhagat, Village Mahadeva, P. O. Bariarpur, District Monghyr who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 177-Jamalpur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

100 GI/74—1

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pramanand Bhagat to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislature Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/177/72(12)]

आदेश

का.आ. 3061:—यत , निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 282-बहरागोड़ा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री श्याम चन्द्र हांसदा, ग्राम हरीन्दा, पो० मुराल, जिला सिंहभम, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे असफल रहे है;

और, यत , उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 10—क के अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्याम चन्द्र हासदा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/282/72(128)]

ORDER

S.O. 3061.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shyam Chandra Hansda Village Harinda, P.O. Mural, Singhbhum (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 282-Baharagora constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shyam Chandra Hansda to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for a period of three years from the date this order.

[No BR-LA/282/72(128)]

आदेश

का.आ. 3062.— यत , निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 मे हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 282-बहरागोड़ा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुराई हैम्ब्रम, ग्राम जाड़ा बोनी, पो० केसरदा, थाना बहरागोड़ा, जिला सिंहभूम, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत', उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का भी यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 10—क के अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सूराई हैम्बरम, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/282/72(129)]

ORDER

S.O. 3062.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Surayee Hembram, Villaget Tarabani, P.O. Kusardah, P. S. Bharagora, Singhbhum (Bihar(who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 282-Baharagora constituency held in March 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Surayee Hembram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/282/72(129)]

आदेश

का०आ० 3063.—यत निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 मे हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 282—बहरागोड़ा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री देवेन्द्र महतो, ग्राम सिमदी, जिला सिंहभूम, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे असफल रहे है;

और, यत', उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10—क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री देवेन्द्र महतो को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/282/72(130)]

ORDER

S.O. 3063.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Davendra Mahato, Village Simddh, P.O. Chakulia Singhbhum (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 282-Baharagora constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Davendra Mahato to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. BR-LA/282/72(130)]

आदेश

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1974

का०आ० 3064.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 180-मुंगेर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मनोहर प्रसाद, बड़ी बाजार (मुंगेर), जिला मुंगेर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है,

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री मनोहर प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/180/72(123)]

ORDER

New Delhi the 25th September, 1974

S.O. 3064.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Manohar Prasad, Bari Bazar, Monghyr, District Monghyr who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 180-Monghyr constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder,

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Manohar Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No BR-LA/180/72(123)]

आदेश

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1974

का० आ० 3065.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 289-चाईबासा (एस०टी०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुरेन तानसोय, ग्राम नवागांव, सिंहभूम लोक प्रतिनिधित्व, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सुरेन तानसोय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/289/72(127)]

ORDER

New Delhi, the 27th September, 1974

S.O. 3065.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Suren Tansoi, Village Nawagaon, P. O. Jhinkpani, District Singhbhum (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 289-Chaibasa constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Suren Tansoi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/289/72(127)]

आदेश

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1974

का० आ० 3066.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 187-बखरी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मेदनी प्रसाद, ग्राम-पो० गिरधर, बेगूसराय लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री मेदनी प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं०बिहार-वि०स०/187/72126)]

ORDER

New Delhi, the 28th September, 1974

S.O. 3066.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Medni Prasad, Village & P.O. Singhal, Begusarai who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 187-Bakhri constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Medni Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/187/72(126)]

आदेश

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1974

का० आ० 3067.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 208-मासौद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बुधराव पाडू, डहरगांव, डाकघर खादी-सावलीगढ़, जिला बैतूल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 10—क के अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री बुधराव पाडू को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं०म०प्र०-वि०स०/208/72(62)]

ORDER

New Delhi, the 14th October, 1974

S.O. 3067.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Budhrao Pandoo, Dahargaon, Post Khedi Saeligarh Tahsil and District Betul who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 208-Masod constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Budhrao Pandoo to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/208/72(62)]

आदेश

का०आ० 3068.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 35-पटना निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विद्या सागर मिस्त्री, मदरहमाहपुर, पो० पटना सिटी, पटना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री विद्या सागर मिस्त्री को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/35/71(21)]

ORDER

S.O. 3068.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vidya Sagar Mistry, Mdarhmapur, P. O. Patna City, Patna who was a contesting candidate for election to the House of the People from 35-Patna constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vidya Sagar Mistry to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/35/71(21)]

आदेश

का०आ० 3069.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 197-एकंगरसराय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामजी पासवान, ग्राम, पो० जगाय, पटना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधानधन हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10—क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री रामजी पासवान को संसद् के किसी भी सदन

के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/197/72(135)]

ORDER

S.O. 3069.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramji Paswan, Village & P. O. Jagni, Patna who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 197-Kkangersarai constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, an dthe Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramji Paswan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/197/72(135)]

का०आ० 3070.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 286—सैलाना निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लक्ष्मण सिंह झीतरा, बाजना, तहसील सैलाना, जिला रतलाम लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10—क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री लक्ष्मण सिंह झीतरा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं०म०प्र-वि०स०/286/72(59)]

S.O. 3070.—Whereas Election Commission is satisfied that Shri Laxman Singh Jhitra, Bajna, Tahsil Sailana, District Ratlam who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 286-Sailana constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Laxman Singh Jhitra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/286/72(59)]

का०आ० 3071.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 269-खरगोन निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नागेश्वर राजाराम त्रिवेदी, खरगोन, जिला पश्चिम निमाड़ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है,

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री नागेश्वर राजाराम त्रिवेदी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं०म०प्र-वि०स०/269/72(61)]

S.O. 3071.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nageshwar Rajaram Trivedi, Tilak Peth, Khargone, District West Madhya Pradesh Legislative Assembly from 269-Khargone constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nageshwar Rajaram Trivedi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/269/72(61)]

का०आ० 3072.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 284-सान्वेर निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रूप सिंह गाव गोपालपुरा, तहसील, तथा पो०आ० परसाबाद, जिला झाबुआ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 10—क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री रूप सिंह को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं०म०प्र-वि०स०/284/72(58)]

ORDER

S.O. 3072.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Roop Singh, Village Gopalpura, Tahsil and Post Petlawad District Jhabua who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 284-Thandla constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Roop Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-I A/284/72(58)]

आदेश

का०आ० 3073.—यत , निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 207-मुलताई निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मानिक राव जिन्दा, पो० आ० आमला, तहसील मुलताई, जिला बैतूल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे असफल रहे है,

और, यत', उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री मानिकि राव जिन्दा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं०म०प्र०-वि०स०/207/72(63)]

ORDER

S.O. 3073.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Manikrao Jinda, At and Post Amla, Tahsil Multai District Betur who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 207-Multai constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Manikrao Jinda to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/207/72(63)]

का०आ० 3074.—यत निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधा सभान के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 295 नीमच निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लालाराम परमाल' ओकार निवास नीमन कैन्ट जिला मन्दसौर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है,

और, यत, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

अत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री लालाराम परमाल को संसद् के किसी भी सदन या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं०म०प्र०-वि०स०/295/72(60)]

ORDER

S.O. 3074.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lalaram Parmal, Onkar Niwas, Kumbharaoli, Neemuch Cantt District Mandsaur who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 295-Neemuch constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuace of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lalaram Parmal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/295/72(60)]

नई दिल्ली, 15 अक्तूबर, 1974

का०आ० 3075.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान-सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 193-बख्तियारपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम नरेश सिंह, ग्राम पो० रत्नाइच, जिला पटना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने मे असफल रहे है,

और, यत., उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा श्री राम नरेश सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/193/72(139)]

ORDER

New Delhi, the 15th October, 1974

S.O. 3075.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Naresh Singh, Village and Post Office Rawaich, District Patna who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 193-Bakhtiarpur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Naresh Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. BR-LA/193/72(139)]

आदेश

का०आ० 3076.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 193-बख्तियारपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामबृक्षसिंह ग्राम किचनी, पो० हरनौत, जिला पटना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री रामबृक्ष सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/193/72(140)]

ORDER

S.O. 3076.— Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Briksh Singh, Village Kichni, P.O. Harnaut, District Patna who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 193-Bakhtiarpur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the people Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Briksh Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/193/72(140)]

आदेश

का०आ० 3077.— यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 193-बख्तियारपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामजी चौधरी, ग्राम-पो० शवानी, जिला पटना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री रामजी चौधरी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/193/72(141)]

ORDER

S.O. 3077.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramji Choudhari, Village & P.O. Sawani, District Patna who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 193-Bakhtiarpur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his electon expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramji Choudhari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. BR-LA/193/72(141)]

आदेश

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1974

का०आ० 3078.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 202-मसौढी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री दिनेश्वर प्रसाद सिंह, ग्राम हासाडीह, पो० हासाडीह, जिला पटना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं

दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री दिनेश्वर प्रसाद सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/202/72(144)]

ORDER

New Delhi, the 23rd October, 1974

S.O. 3078.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dineshwar Prasad Singh Village & P.O. Hansadih, District Patna who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 202-Masaurhi constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dineshwar Prasad Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. BR-LA/202/72(144)]

आदेश

का०आ० 3079.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 202-मसौढ़ी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सहजानन्द सिंह ग्राम रामपुर इस्माइल, पो० बहपुरा, जिला पटना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सहजानन्द सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/202/72(145)]

ORDER

S.O. 3079.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sahjanand Singh, Village Rampur Ismail, P.O. Bahpura, District Patna who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 202-Masaurhi constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commision is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sahjanand Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/202/72(145)]

आदेश

का० आ० 3080.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुये बिहार विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 202-मसौढ़ी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बासगीत ठाकुर, ग्राम पो० चैसी, जिला पटना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री बासगीत ठाकुर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स० 202/72(146)]

ORDER

S.O. 3080.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Basgit Thakur, Village & P.O. Chesi, District Patna who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 202-Masaurhi constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Basgit Thakur to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/202/72(146)]

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर, 1974

का० आ० 3081.—भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना सं० 154/अ० नि०/74(1), तारीख 19 सितम्बर, 1974 में, "श्री ओ० एस० चौहान शब्दों के पश्चात्, आये शब्द "उपायुक्त, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह " के स्थान पर, "उपायुक्त अण्डमान जिला" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें।

[सं० 154/अ० नि०/74(1)]

ए० एन० सेन, सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th October, 1974

S.O. 3081.—In the Election Commission of India Notification No. 154/ANI/74(1), dated the 19th September, 1974, the words "Deputy Commissioner, Andaman and Nicobar Islands" occuring after "Shri O. S. Chauhan" may be substituted by the words "Deputy Commissioner, District of Andamans".

[No. 154/ANI/74(1)]

A. N. SEN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1974

का०आ० 3082.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 183-अलौली निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शैलेन्द्र पासवान ग्राम संझौली, मंत्रालय गोरियामी, जिला मुंगेर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री शैलेन्द्र पासवान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/183/72(124)]

ORDER

New Delhi, the 25th September, 1974

S.O. 3082.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shailendra Paswan, Village Sanjhauli, P.O. Goriami, District Monghyr who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 183 Allauli constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shailendra Paswan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/183/72(124)]

आदेश

का० आ० 3083.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 183-अलौली निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री धनपत दास, ग्राम बलुआहा, पत्रालय गोरियामी, जिला मुंगेर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री धनपत दास को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीखों से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/183/72(125)]

ORDER

S.O. 3083.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dhanpat Das, Village Baluaha, P. O. Goriami, District Monghyr who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 183-Allauli constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dhanpat Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/183/72(125)]

आदेश

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर, 1974

का० आ० 3084.—यत, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि अप्रैल, 1974 को हुए आंध्र प्रदेश विधान सभा के लिए उप निर्वाचन के लिए 140 चित्तूर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एम० चेंगारेड्डी, थिम्मियापाले, दक्षिण ब्राह्मण पाले, पो०आ० माराकालाकुप्पम, चित्तूर तालुक (आंध्र प्रदेश), लोक-प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचनाएं दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री एम० चेंगा रेड्डी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० आ०प्र-वि०स०/140/74]

वी० नागासुब्रमण्यन्, सचिव

New Delhi, the 26th October, 1974

S.O. 3084.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri M. Chenga Reddy, Thimmiahpalle h/o Dakshinabrahmanapalle, Markalakuppam P. O., Chittoor Taluk (Andhra Pradesh), a contesting candidate for the bye-election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in April, 1974, from 140-Chittoor constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri M. Chenga Reddy to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/140/74.]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

वित्त मंत्रालय

राजस्व और बीमा विभाग

आयकर

नई दिल्ली, 3 अक्तूबर, 1974

का० आ० 3085—सर्व साधारण की जानकारी के लिये यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित संस्था को भारतीय समाज विज्ञान अनुसन्धान परिषद ने जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के प्रयोजनों के लिये विहित प्राधिकारी है, पहली अप्रैल, 1974 से तीन वर्ष की अवधि के लिये इस शर्त के अधीन रहते हुये अनुमोदित किया है कि उक्त संस्था भारतीय समाज विज्ञान अनुसन्धान परिषद को वार्षिक रिपोर्ट देगी जिसमें अनुमोदन के अधीन प्राप्त निधियों के लेखाओं का संपरीक्षित विवरण तथा ही अनुसंधान कार्यक्रम जिनके लिए ए० सी० निधियों का उपयोग किया जाता है, दर्शाये जायेंगे।

संस्था

जेवियर लेबर रिलेशन्स इन्स्टीट्यूट,

जमशेदपुर

[सं० 730 (फा० सं० 203/64/73-आई० टी० ए० II)]

एम० के० पाण्डेय, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue & Insurance)

New Delhi, the 3rd October, 1974

INCOME TAX

S.O. 3085.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act 1961 for a period of three years w.e.f. 1st April, 1974 subject however to the condition that the said Institution submits to the Indian Council of Social Science Research and annual report setting forth an audited statement of accounts of the funds received under this approval and the research programmes for which they are utilised.

INSTITUTION

XAVIER LABOUR RELATIONS INSTITUTE, JAMSHEDPUR.

[No. 730 (F. No. 203/64/73-ITA. II)]

M. K. PANDEY, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1974

का० आ० 3086—भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 21 की उपारा (1) के खंड (ग) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से श्री करसन भाई मोहनभाई वाघेला, राजकोट को 6 नवम्बर, 1974 से स्टेट बैंक के अहमदाबाद स्थानीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित करती है।

[सं० 8(5)/74-बी० ओ० 1]

(Department of Banking)

New Delhi, the 6th November, 1974

S.O. 3086.—In pursuance of clause (c) of sub-section (1) of section 21 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government, in consultation with the Reserve Bank of India, hereby nominates Shri Karsanbhai Mohanbhai Waghela, Rajkot to be a member of the Ahmedabad Local Board of the State Bank of India with effect from 6th November, 1974.

[No. F. 8/5/74-BO. I]

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1974

का० आ० 3087— भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 21 की उपधारा (1) के खंड (ग) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से श्री श्रीपद दास, कृष्णनगर (पश्चिम बंगाल) को 11 नवम्बर, 1974 से स्टेट बैंक के कलकत्ता के स्थानीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित करती है।

[सं० 8(5)/74-बी० ओ० 1]

द० म० सुकथनकर, निदेशक

New Delhi, the 11th November, 1974

S.O. 3087.—In pursuance of clause (c) of sub-section (1) of section 21 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government, in consultation with the Reserve Bank of India, hereby nominates Shri Sreepada Das, Krishnagar (West Bengal) to be a member of the Calcutta Local Board of the State Bank of India with effect from 11th November, 1974.

[No. F. 8/5/74-BO. I]

D. M. SUKTHANKAR, Director

रिजर्व बैंक आफ इंडिया

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1974

का० आ० 3088.—रिजर्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम, 1934 के अनुसरण में नवम्बर, 1974 की 1 तारीख को समाप्त हुये सप्ताह के लिये लेखा

इशू विभाग

देयतायें	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुये नोट	22,24,79,000		सोने का सिक्का और बुलियन.—		
			(क) भारत में रखा हुआ	182,52,68,000	
			(ख) भारत के बहर रखा हुआ	..	
संचलन में नोट	5941,03,66,000		विदेशी प्रतिभूतियां	141,73,97,000	
जारी किये गये कुल नोट		5963,28,45,000	जोड़		324,26,65,000
			रुपये का सिक्का		18,66,90,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां		5620,34,90,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र		
कुल देयताएं		5963,28,45,000	कुल आस्तियां		5963 28,45,000

तारीख : 6 नवंबर, 1974

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

1 नवम्बर, 1974 को रिजर्व बैंक आफ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयतायें	रुपये	आस्तियां	रुपये
चुकता पूंजी	5,00,00,000	नोट	22,24,79,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	5,93,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	284,00,00,000	छोटा सिक्का	4,08.000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि	95,00,00,000	खरीदे गये और भुनाये गये बिल	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	265,00,00,000	(क) देशी	105,80,42,000
जमाराशियां :—		(ख) विदेशी	..
(क) सरकारी		(ग) सरकारी खजाना बिल	745,62,87,000
(i) केन्द्रीय सरकार	53,10,79,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया*	615,07,26,000
(ii) राज्य सरकारें	12,34,20,000	निवेश**	282,96,59,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	587,57,91,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	15,20 28,000	(ii) राज्य सरकारों को‡	73,61,20,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,49,63,000	ऋण और अग्रिम :—	
(iv) अन्य बैंक	2,11,55,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ×	49,73,85,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को × ×	281,83,53,000
		(iii) दूसरों को	21,92,26,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम:—	
		(i) राज्य सरकारों को	56,29,38,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	13,74,79,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	63,50,00,000

देयतायें	रुपये	आस्तियां	रुपये
(ग) अन्य	522,00,23 000	(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंको के डिबेंचरो मे निवेश	11,16,98,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम राज्य सहकारी बैंको को ऋण और अग्रिम . .	47,51,30,000
देय बिल . .	128,25,79,000		
अन्य देयतायें . . .	631,93,33,000	राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश . .	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम . .	231,20,08,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडो/डिबेंचरो मे निवेश	..
		अन्य आस्तियां	130,69,40,000
रुपये	2753,04,71,000	रुपये	2753,04,71,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि मे से किये गये निवेश शामिल नहीं है।

†राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नही है; परन्तु राज्य सरकारो को दिये गये अस्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल है।

×रिजर्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलो पर अग्रिम दिये गये 19,02,00,000 रुपये शामिल हैं।

××राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नही है।

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

[सं० फ० 10(1)/74-बी० ओ०-1]

च० ब० मीरचन्दानी, अवर सचिव

तारीख :6 नवंबर, 1974

RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi, 8 November, 1974

S. O. 3088.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended the 1st day of November, 1974

(Issue Department)

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department . . .	22,24,79,000		Gold Coin and Bullion:—		
			(a) Held in India .	182,52,68,000	
Notes in Circulation .	5941,03,66 000		(b) Held outside India .	..	
Total Notes issued.		5963,28,45,000	Foreign Securities . .	141,73,97,000	
			Total . . .		324,26,65,000
			Rupee Coin . . .		18,66,90,000
			Government of India Rupee Securities . .		5620,34,90,000
			Internal Bills of Exchange and other Commercial paper .		..
Total Liabilities . . .		5963,28,45,000	Total Assets . . .		5963,28,45,000

Dated, the 6th November, 1974

S. JAGANNATHAN, Governor

New Delhi, the 8th November, 1974

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 1st November, 1974

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Capital Paid up	5,00,00,000	Notes	22,24,79,000
		Rupee Coin	5,93,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Small Coin	4,80,000
		Bills Purchased and Discounted :—	
National Agricultural Credit (Long term Operations) Fund	284,00,00,000	(a) Internal	105,80,42,000
		(b) External	..
		(c) Government Treasury Bills	745,62,87,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	95,00,00,000	Balance Held Abroad*	615,07,26,000
		Investments**	282,96,59,000
		Loans and Advances to :—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	265,00,00,000	(i) Central Government	..
		(ii) State Governments@	73,61,20,000
Deposits :—		Loans and Advances to :— (i) Scheduled Commercial Banks†	49,73,85,000
		(ii) State Co-operative Banks‡	281,83,53,000
(a) Government		(iii) Others	21,92,26,000
(i) Central Government	53,10,79,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long term Operations) Fund	
(ii) State Governments	12,34,20,000	(a) Loans and Advances to :—	
(b) Banks		(i) State Governments.	56,29,38,000
		(ii) State Co-operative Banks.	13,74,79,000
(i) Scheduled Commercial Banks	587,57,91,000	(iii) Central Land Mortgage Banks.	..
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	63,50,00,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	15,20,28,000	(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	11,16,98,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,49,63,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
(iv) Other Banks	2,11,55,000	Loans and Advances to State Co-operative Banks	47,51,30,000
(c) Others	522,00,23,000	Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	231,20,08,000
Bills Payable	128,25,79,000	(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
Other Liabilities	631,94,33,000	Other Assets	130,69,40,000
RUPEES	2753,04,71,000	RUPEES	2753,04,71,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

†Includes Rs. 19,02,00,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

‡Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 6th day of November, 1974

S. JAGANNATHAN, Governor.

[No. F. 10 (I)/74—BO—I]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 10th October, 1974

S.O. 3089.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, and of all other powers enabling him in this behalf, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General of India in respect of persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely:—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Ninth Amendment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 16 of the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 (hereinafter referred to as the said rules), in sub-rule (3), the following Note shall be inserted at the end, namely:—

"Note.—A subscriber who has taken loan from Government and in lieu thereof has mortgaged the house or house-site to the Government shall be required to furnish the declaration to the following effect, namely:—

I do hereby certify that the house or house-site for the construction of which or for the acquisition of which I have taken a final withdrawal from the Provident Fund continues to be in my possession but stands mortgaged to Government."

3. To rule 16A of the said rules, the following Notes shall be inserted at the end, namely:—

"Note 1.—The Head of Office in the case of non-gazetted subscribers and the Treasury Officer concerned in the case of Gazetted subscribers may be asked by the Administrative authority to stop recoveries from the pay bills when the application for such conversion is forwarded to the Accounts Officer by that authority. In the case of Gazetted subscribers, the administrative authority shall endorse a copy of the letter forwarding the subscriber's intimation to the Treasury Officer from where he draws his pay in order to permit stoppage of further recoveries.

Note 2.—For the purposes of sub-rule (1) of rule 16, the amount or subscription with interest thereon standing to the credit of the subscriber in the account at the time of conversion plus the outstanding amount of advance shall be taken as the balance. Each withdrawal shall be treated as a separate one and the same principle shall apply in the event of more than one conversion."

4. In the Fifth Schedule appended to the said rule, after paragraph 3, the following paragraph shall be inserted namely:—

"4. In respect of any person who is on deputation from one Central Ministry or Department to another, the borrowing Ministry or Department shall be competent to grant advance for which special reasons are required under sub-rule (2) of rule 12."

[No. 13(4)-E.V.(B)/74-GPF]

V. K. PANDIT, Dy. Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1974

का० आ० 3090—यतः इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (1) में सूचीबद्ध कार्यालय उसके स्तम्भ (2) में सूचीबद्ध कार्यालयों के रूप में पुनर्गठित किये गये हैं। अतः अब राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 12 के उपनियम (2) के खण्ड (ख) और नियम 24 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, यह विनिर्दिष्ट करते हैं कि पुनर्गठित कार्यालयों के ऐसे प्राधिकारी उन कार्यालयों में कार्य करने वाले कर्मचारियों की बाबत, इन नियमों के अधीन अनुशासनिक अपील प्राधिकारियों की ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेंगे जिनका प्रयोग, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 3777, तारीख 5 सितम्बर, 1969 द्वारा यथा संशोधित, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० नि० आ० 639, तारीख 28 फरवरी, 1957 की अनुसूची के अनुसार, पुनर्गठन से पूर्व अभी तक तत्स्थानी प्राधिकारियों द्वारा किया जाता था।

अनुसूची

1. महालेखाकार, पश्चिमी बंगाल	1. (1) महालेखाकार, पश्चिमी बंगाल (2) महालेखाकार, केन्द्रीय
2. महालेखाकार, महाराष्ट्र	2. (1) महालेखाकार, महाराष्ट्र-I (2) महालेखाकार, महाराष्ट्र-II (3) महालेखाकार, केन्द्रीय
3. महालेखाकार, उत्तर प्रदेश	3. (1) महालेखाकार, उत्तर प्रदेश-I (2) महालेखाकार, उत्तर प्रदेश-II
4. महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश	4. (1) महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश-I (2) महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश-II
5. महालेखाकार, तमिलनाडु	5. (1) महालेखाकार, तमिलनाडु-I (2) महालेखाकार, तमिलनाडु-II
6. महालेखाकार, मध्य प्रदेश	6. (1) महालेखाकार, मध्य प्रदेश-I (2) महालेखाकार, मध्य प्रदेश-II
7. महालेखाकार, बिहार	7. (1) महालेखाकार, बिहार-I (2) महालेखाकार, बिहार-II
8. लेखापरीक्षक निदेशक रक्षा सेवायें	8. (1) लेखापरीक्षक निदेशक, रक्षा सेवायें (2) मुख्य लेखापरीक्षक, आयुध कारखाना
9. (1) मुख्य लेखापरीक्षक, पूर्वी रेल (2) मुख्य लेखापरीक्षक, दक्षिणी रेल	9. (1) मुख्य लेखापरीक्षक, पूर्वी रेल (2) मुख्य लेखापरीक्षक, दक्षिणी रेल (3) मुख्य लेखापरीक्षक, रेल उत्पादन यूनिट

[सं० सी०-11021/1/74-ई० जी० आई०]

एन० एम० के० नायर, संयुक्त सचिव

(Deptt. of Expenditure)

New Delhi, 7th Nov., 1974.

S.O.3390—WHEREAS the offices listed in column (1) of the Schedule appended hereto have been reconstituted into the offices listed in column (2) thereof. Now, therefore, the President, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-rule (2 of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 hereby specifies that such authorities in the reconstituted offices shall exercise such powers of disciplinary/appellate authorities under these rules in respect of employees working in those offices as were hitherto exercised by the corresponding authorities, prior to reconstitution, according to the schedule to the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance No. S.R.O. 639 dated the 28th February, 1957 as amended by the notification of he Government of India, in the Ministry of Finance, No. S.O. 3777, dated the 5th September, 1969.

SCHEDULE

1. A.G. West Bengal	1. (i) A.G. West Bengal (ii) A.G. Central
2. A.G. Maharashtra	2. (i) A.G. Maharashtra-I (ii) A.G. Maharashtra-II (iii) A.G. Central
3. A.G. Uttar Pradesh	3. (i) A.G. Uttar Pradesh-I (ii) A.G. Uttar Pradesh-II
4. A.G. Andhra Pradesh	4. (i) A.G. Andhra Pradesh-I (ii) A.G. Andhra Pradesh-II
5. A.G. Tamil Nadu	5. (i) A.G. Tamil Nadu-I (ii) A.G. Tamil Nadu-II
6. A.G. Madhya Pradesh	6. (i) A.G. Madhya Pradesh-I (ii) A.G. Madhya Pradesh-II
7. A.G. Bihar	7. (i) A.G. Bihar-I (ii) A.G. Bihar-II
8. Director of Audit, Defence Services.	8. (i) Director of Audit, Defence Services. (ii) Chief Auditor, Ordance Factories.
9. (i) Chief Auditor, Eastern Railway. (ii) Chief Auditor, Southern Railway.	9. (i) Chief Auditor, Eastern Railway. (ii) Chief Auditor, Southern Railway. (iii) Chief Auditor, Railway Production Units.

[No. C-11021/1/74-EGI]

N.N.K. NAIR, Joint Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

(केन्द्रीय उत्पाद)

बंगलौर, 13 सितम्बर, 1974

का०आ० 3091.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 283 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये मैं निम्नलिखित अनुदेश जारी करता हूं।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं लवण अधिनियम 1944 की प्रथम अनुसूची की टैरिफ मद संख्या 4 की उपमद संख्या 1 के विभिन्न वर्गों के अधीन पृथक दरों पर निर्धारणीय ऐसे तम्बाकू के मिश्रण की, जिसमें अनाभिनिर्मित तम्बाकू अन्तर्निहित है, निकासी करने वाले थोक विक्रेता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 की प्रथम अनुसूची की उक्त वर्णित उपमद के अधीन पृथक दरों पर मूल्यांकित मिश्रण मे अन्तर्निहित तम्बाकू की मात्रा व किस्म नियमावली 1944 के 32 वें नियम के अधीन जारी किये गये सदृश परिवहन दस्तावेजों (टी० पी० 1 या बिक्री नोटों) पर उपदर्शित करेंगे। अनुवर्ती निकासी के लिये सभी गोण परिवहन दस्तावेजों तथा विक्री नोटों पर भी इस प्रकार का अंकन किया जाना चाहिये।

[सी० सं० 4/16/217/74-बी० 2]

आर० बी० सिन्हा,

समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

(Central Excise)

Bangalore, the 13th September, 1974

S.O. 3091.—In exercise of the powers conferred under Rule 233 of the Central Excise Rule, 1944, I issue the following instructions.

Wholesale dealers clearing mixtures of tobacco containing unmanufactured tabocco assessable at different rates under different categories of sub-item 1 of tariff Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excise and Salt Act, 1944, shall indicate on the corresponding transport documents (T.P. 1 or Sale Note) issued under Rule 32, of the Central Excise Rules, 1944, the quantity and variety of tobacco contained in the mixture assessed at different rates under the sub-item referred to above of the First Schedule to the Central Excise and Salt Act 1944. Such indication should also be made on all subsidiary transport documents and Sale Notes for subsequent removal.

[C. No. IV/16/217/74-B. 2]

R. B. SINHA, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, 11 नवम्बर 1974

रद्द करने का आदेश

का० आ० 3092.—सर्वश्री ओरियन्टल होटल लि०, ताज कोरोमंडल, 5, नुगमबक्कम हाई रोड, मद्रास को अप्रैल, 73—मार्च, 74 लाइसेंस अवधि के लिये लाइसेंस के लिये संलग्न सूची के अनुसार डिब्बाबन्द मछली के आयात के लिये 10,000/- रुपये (दस हजार रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस संख्या पी०ए०, 1395148, दिनांक 4-8-73 स्वीकृत स्वीकृत किया गया था। फर्म ने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति खो गई है। लाइसेंस किसी भी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं करवाया गया था और उसका बिल्कुल उपयोग नहीं किया गया था। उन्होंने आयात व्यापार नियंत्रण नियमों के अनुसार आवश्यक शपथपत्र भेजे हैं।

अधोहस्ताक्षरी फर्म द्वारा दिये गये विवरण से सन्तुष्ट है और निदेश देता है कि उन्हे लाईसेंस की सीमाशुल्क नियंत्रण प्रति जारी की जाये। मूल लाइसेंस (सीमाशुल्क प्रति) एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

[सं० 54-एच०/ए०एम०-74/आई० एल० एस०/एम० एल०-1/764]

जे० शंकर, उप-मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 11th November, 1974

Cancellation Order

S.O. 3092.—M/s. Oriental Hotel Ltd., Taj Coromondel, 5, Nungambakkam High Road, Madras were granted import licences No. P/A/1395148 dt. 4-8-73 for Rs. 10,000 (Ten Thousand only) for the import of Canned Fish as per list attached for the licensing period April 73—March 74. The firm have applied for grant of duplicate Custom copy of the aforesaid licence on the ground that the origial has been lost. The licence has not been registered with any custom house and have not been utilised at all. They have furnished necessary affidavits as per I.T.C. Rules.

The undersigned is satisfied with the statement given by the firm and directs and duplicate copy of the Customs Control of the licence may be issued. The original licence (Custom Copy) is hereby cancelled.

[File No. 54-H/AM-74/ILS/ML.-I/764]

J. SHANKAR, Dy. Chief Controller

पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पैट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1974

शुद्धि पत्र

का०आ० 3093.—भारत सरकार के राजपत्र भाग-2 खण्ड-3 उपखण्ड (II) दिनांक 5 जनवरी, 1974 पृष्ठ 25 से 29 तक का०आ०सं० 31 के अधीन प्रकाशित भारत सरकार, पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) नई दिल्ली की अधिसूचना संख्या 12016/4/73 एल एण्ड एल/1 दिनांक 29 दिसम्बर 1973 में :

पढ़े				के स्थान पर			
सर्वेक्षण संख्या	क्षेत्र			सर्वेक्षण संख्या	क्षेत्र		
गांव—सैज, तालुका कलोल, जिला—महसाना							
1171/4	0	04	80	1179/4	0	04	80
1152/1	0	03	45	1151/1	0	03	45
गांव—कादी, तालुका :—कादी, जिला—महसाना							
1976/पी	0	18	00	1976	0	24	00
1978/पी	0	14	25	1978	0	24	25
गांव—लक्ष्मीपुरा, तालुका:—कादी, जिला—महसाना							
242	0	16	95	242	0	14	15
243	0	12	00	243	0	05	95
कार्ट ट्रैक	0	04	20	कार्ट ट्रैक	0	08	45
गांव—अदूनदरा, तालुका :—कादी, जिला—महसाना							
863	0	27	75	863	0	25	95
861	0	02	80	861	0	18	75
606	0	78	30	606/पी	0	08	10
					0	37	65
					0	31	35

[सं० 12016/4/73-एल० एण्ड एल०]

पी० पी० गुप्ता, उप सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM & CHEMICALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, 4th November, 1974

ERRATUM

S.O.**2893**.—In the notification of Government of India in the Ministry of Petroleum & Chemicals (Department of Petroleum), New Delhi No. 12016/4/73-L&L/I dated 29th December, 1973 published under S.O. No. 31 in the Gazette of Government of India, Part II, Section 3, sub-Section (ii) dated 5th January 1974, pages from 25 to 29.

READ		FOR	
Survey No.	Area	Survey No.	Area
Village—SAIG, Taluka—KALOL, District—MEHSANA			
1171/4	0-04-80	1179/4	0-04-80
1152/1	0-03-45	1151/1	0-03-45
Village—KADI, Taluka—KADI, District—MEHSANA			
1976/P	0-18-00	1976	0-24-00
1978/P	0-14-25	1978	0-04-25
Village—LAXMIPURA, Taluka—KADI, District—MEHSANA			
242	0-16-95	242	0-14-15
243	0-12-00	243	0-05-95
Cart track	0-04-20	Cart track	0-08-45
Village—Adundra, Taluka—KADI, District—MEHSANA			
863	0-27-75	863	0-25-95
861	0-02-80	861	0-18-75
606	0-78-30	606 P	0-08-10
			0-37-65
			0-31-35

[No. 12016/4/73-L&L]

P.P. GUPTA, Deputy Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1974

का०आ० 3094.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 23 जुलाई, 1962 अधिसूचना सं० ओ० 2446 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए यूनिवर्सिटी आव जार्जटाउन, वाशिंगटन (संयुक्त राज्य अमरीका) द्वारा प्रदत्त 'एम०डी०' की चिकित्सा अर्हता मान्य चिकित्सा अर्हता होगी;

और यतः डा० आइलोन नीइफील्ड को जिसके पास उक्त अर्हता है तथा अपने देश के पंजीकृत चिकित्सक हैं धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल होली फैमिली हास्पिटल, मन्दार रांची जिले के साथ सम्बद्ध है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के खण्ड (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद द्वारा—

(1) 31 दिसम्बर, 1974 को समाप्त होने वाली आगे की अवधि

अथवा

(2) उस अवधि को जब तक डा० आइलीन नीडफील्ड होली फैमिली हस्पताल, मन्दार, रांची जिले के साथ सम्बद्ध रहने है, जो भी कम हो वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है जिसमें पूर्वोक्त डा० मैडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[सं० बी० 11016/15/74-एम०पी०टी०]

सती नायर, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 8th November, 1974

S.O. 3094.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. S. 02446, dated the 23rd July, 1962, the Central Government has directed that the Medical qualification, "M.D." granted by the University of Georgetown, Washington (United States of America), shall be recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Eileen Niedfield who possesses the said qualification and is registered as a medical pratitioner in her own country is for the time being attached to the Holy Family Hospital, Mandar, Ranchi District, for the purposes of teaching, research and charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

(i) a further period ending with the 31st December, 1974, or

(ii) the period during which Dr. Eileen Niedfield is attached to the Holy Family Hospital, Mandar, Ranchi District, whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/15/74-MPT]

MRS. SATHI NAIR, Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1974

का०आ० 3095.—मोटर गाड़ी अधिनियम, 1939 (1939 का 4) की धारा 63 की उपधारा (10) के खंड (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० 39-टी ए जी(42)/70 दिनांक 8 सितम्बर, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात :—

उक्त अधिसूचना में "जगह और जगह का विन्यास" संबंधी मद संख्या 13 के उप मद (क) में "कम से कम 21 के आगे जाने के की जगह सहित" शब्द और संख्या के लिए "कम से कम 18 के आगे जाने की जगह सहित" अक्षर और शब्द रखे जायेंगे।

[सं० 39-टी० ए० जी० (42)/70]

एन० ए० ए० नारायणन, अवर सचिव

100 GI/74—3

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 4th November, 1974

S.O. 3095.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-section (10) of Section 63 of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification No. 39-TAG (42)/70 dated the 8th September, 1972, of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing), namely:—

In the said notification, in item No. 13 relating to "SEATS AND SEATING LAYOUTS", in sub- item (a) for the words and figures "with a gangway of at least 21" the words and figures "with a gangway of at least 18" shall be substituted.

[No. 39-TAG(42)/70]

N. A. A. NARAYANAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1974

का०आ० 3096.—यतः मद्रास डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1956 में और संशोधन करने के लिए कतिपय प्रारूप स्कीम डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा यथापेक्षित भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (II), तारीख 1 जून, 1974 में पृष्ठ 1461 और 1462 में भारत सरकार के श्रम, और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1340 तारीख, 14 मई, 1974 के अधीन प्रकाशित की गई थी, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है आक्षेप और सुझाव राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकासन की तारीख से दो मास की समाप्ति तक मांगें गए थे।

और यतः उक्त राजपत्र जनता को 1 जून, 1974 को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और यतः उक्त प्रारूप पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया गया है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार मद्रास डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1956 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इस स्कीम का नाम मद्रास डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) तृतीय संशोधन स्कीम, 1974 है।

(2) ये राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. मद्रास डाक कर्मकार (नियोजन का विनियोमन) स्कीम, 1956 के खण्ड 34 के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:

"34—जब नियुक्ति के पश्चात काम उपलब्ध न किया जाए तब मजदूरी का संदाय:—जब आरक्षित पूल का कोई कर्मकार काम के लिए उपस्थित होता है और किसी कारणवश वह काम, जिसके लिए वह हाजिर हुआ है, प्रारम्भ न हो सका हो या आगे न बढ़ सका हो और नियोजक द्वारा उसके लिए कोई दूसरा काम न ढूंढा गया हो तो उक्त नियोजक द्वारा उसे वापस भेजा जा सकेगा और काम के लिए उसके हाजिर होने के दो घंटे के भीतर प्रशासनिक निकाय द्वारा यथा निर्दिष्ट पत्तन में किसी स्थान को वापस भेजा जा सकेगा। इस प्रकार वापस भेजा गया

कर्मकार पारी—पर्यन्त प्रशासनिक निकाय द्वारा यथा निर्दिष्ट नियत स्थान पर प्रतीक्षा करेगा और उसी पारी में कोई अन्य रोजगार, जो प्रशासनिक निकाय द्वारा दिया जाए, स्वीकार करेगा। यदि कोई काम नहीं दिया जाता है तो वह एक पूर्ण कालानुपाती दर मजदूरी, जिसमें महगाई भत्ता और अन्य भत्ते सम्मिलित है, के आधार पर आशांभंग राशि का हकदार होगा। जहां काम दिया जाता है, वहां वह किए गए काम के लिए मात्रानुपाती-दर मजदूरी का हकदार होगा और पारी की शेष अवधि के लिए आनुपातिक मूल मजदूरी तथा भत्तों का हकदार होगा।"

[सं०एस०-70012/6/73(1)पी०एण्ड-डी०/एल०-डी०]

New Delhi, the 11th November, 1974

S.O. 3096.—Whereas certain draft scheme further to amend the Madras Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1956 was published as required by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948) at pages 1461 and 1462 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii), dated the 1st June, 1974 under the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1340 dated the 14th May, 1974 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of two months from the date of publication of the said notification in the Official Gazette.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 1st June, 1974;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby makes the following scheme to amend the Madras Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1956 namely:—

1. Short title and commencement—(1) This scheme may be called the madras Dock Workers (Regulation of Employment) Third Amendment Scheme, 1974.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. For clause 34 of the Madras Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1956 the following clause shall be substituted, namely:—

"34. Payment of wages when work is not available after engagement:—When a worker in the Reserve Pool presents himself for work and for any reason the work for which he has attended cannot commence or proceed and no alternative work can be found for him by the employer, he may be returned by the said employer and sent back to any place in the Port as directed by the Administrative Body within 2 hours of his attending for work. The worker so returned shall wait at the stipulated place as directed by the Administrative Body throughout the shift and accept any other employment in the same shift that may be offered by the Administrative Body. If no work is offered he shall be entitled to the disappointment money on the basis of one full time-rate wage including dearness allowance and other allowances. Where work is offered he shall be entitled to piece-rate wages for work done and for the rest of the period of the shift proportionate basic wage plus allowances."

[No. S-70012/6/73(i)-P&D/LD]

का०आ० 3097.—यतः मद्रास अरजिस्ट्रीकृत डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 में और संशोधन करने के लिए कतिपय प्रारूप स्कीम डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9), की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा यथापेक्षित, भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (II), तारीख 1 जून, 1974 में पृष्ठ 1461 पर भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० 1339, तारीख 14 मई, 1974 के अधीन प्रकाशित की गई थी, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है आक्षेप और सुझाव, राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो मास की समाप्ति तक मांगे गए थे।

और यत उक्त राजपत्र जनता को 1 जून, 1974 को उपलब्ध करा दिया गया था,

और यत, उक्त प्रारूप पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया गया है,

अब, अब, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार मद्रास अरजिस्ट्रीकृत डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात —

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इस स्कीम का नाम मद्रास अरजिस्ट्रीकृत डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) पांचवां संशोधन स्कीम, 1974 है।

(2) यह राजपत्र में उसके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. मद्रास अरजिस्ट्रीकृत डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 के खण्ड 13-घ के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात :—

"13-घ—जब नियुक्ति के पश्चात काम उपलब्ध न किया जाए तब मजदूरी का संदाय:—जब पूल का कोई कर्मकार काम के लिए उपस्थित होता है और किसी कारणवश वह काम जिसके लिए वह हाजिर हुआ हो, प्रारम्भ न हो सका हो या आगे न बढ़ सका हो और नियोजक द्वारा उसके लिए कोई दूसरा काम न ढूंढा गया हो तो उक्त नियोजक द्वारा उसे वापस भेजा जा सकेगा और काम के लिए उसके हाजिर होने के दो घण्टे के भीतर प्रशासनिक निकाय द्वारा यथानिर्दिष्ट पत्तन में किसी स्थान को वापस भेजा जा सकेगा। इस प्रकार वापस भेजा गया कर्मकार पारी-पर्यन्त प्रशासनिक निकाय द्वारा यथा निर्दिष्ट नियत स्थान पर प्रतीक्षा करेगा और उसी पारी में कोई अन्य रोजगार, जो प्रशासनिक निकाय द्वारा दिया जाए, स्वीकार करेगा। यदि कोई काम नहीं दिया जाता है, तो वह एक पूर्ण कालानुपाती-दर मजदूरी जिसमें महगाई भत्ता और अन्य भत्ते सम्मिलित है, के आधार पर आशाभंग राशि का हकदार होगा। जहां काम दिया जाता है, वहां वह पूर्ण कालानुपाती-दर मजदूरी तथा ऐसी मात्रानुपाती-दर मजदूरी का, जो वह काम की अवधि के लिए उपार्जित करे, हकदार होगा।"

[स०एस०70012/6/73 (2)-पी०एण्ड डी०/एल०डी०]

बी० शंकरालिंगम, अवर सचिव

S.O. 3097.—Whereas certain draft scheme further to amend the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme 1957, was published as required by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948) at page 1461 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii), dated

the 1st June, 1974 under the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), No S.O. 1339 dated the 14th May, 1974 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of two months from the date of publication of the said notification in the Official Gazette.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 1st June, 1974;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby makes the following scheme to amend the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) This Scheme may be called the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Fifth Amendment Scheme, 1974.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. For clause 13-D of the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957 the following clause shall be substituted, namely :—

13-D. Payment of wages when work is not available after engagement :—When a worker in the pool presents himself for work and for any reason the work for which he has attended cannot commence or proceed and no alternative work can be found for him by the employer, he may be returned by the said employer and sent back to any place in the port as directed by the Administrative Body within 2 hours of his attending for work. The worker so returned shall wait at the stipulated place as directed by the Administrative Body throughout the shift and accept any other employment in the same shift that may be offered by the Administrative Body. If no work is offered he shall be entitled to the disappointment money on the basis of one full time-rate wage including dearness allowance and other allowances. Where work is offered he shall be entitled to full time-rate wage plus any piece-rate wage he may earn for the period of work."

[No. S-70012/6/73(ii)-P&D/LD]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1974

का०आ० 3098.—नाविक भविष्य निधि योजना, 1966 का पैरा 44 के साथ पठित नाविक भविष्य निधि अधिनियम, 1966 (1966 का 4) की धारा 4 की उपधारा (3) के अनुसरण में तथा भारत सरकार नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या का०आ० 1463 दिनांक 3-6-74 के अतिक्रमण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निर्देश देती है कि भविष्य निधि अंशदान ब्याज तथा अन्य प्राप्तियों जो अनिवार्य व्यय घटाकर, हुई में के संचयन राशि का निवेश निम्नलिखित ढंग के अनुसार किया जायेगा, अर्थात :—

(1) केन्द्रीय सरकार की जमानतें	45 प्रतिशत
(2) राज्य सरकार की जमानतें तथा राज्य अथवा केन्द्रीय सरकार की गारंटी शुदा जमानतें	25 प्रतिशत
(3) डाकघर सावधिक जमा तथा अन्य बचतें	30 प्रतिशत

उपरोक्त ढंग 1, अक्तूबर, 1974 से 30 नवम्बर, 1974 तक की अवधि के लिए लागू रहेगा।

2. भविष्य निधि संचयन के सभी पुनर्निवेश (चाहे केन्द्रीय सरकार द्वारा सृजित एवं निर्गत जमानतों में लगाया गया हो अथवा केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी शुदा बचत प्रमाण पत्रों में अथवा राज्य सरकार द्वारा जारी शुदा एवं सृजित जमानतों में लगाया गया हो) का उपयोग भी उपरोक्त पैरा 1 में उल्लिखित ढंग से किया जायेगा।

[सं०एम०डब्ल्यू०एस० (15)/74-एम०टी०]

दीवान चन्द अहीर अवर सचिव

New Delhi, the 12th November, 1974

S.O. 3098.—In pursuance of sub-section (3) of Section 4 of the Seamen's Provident Fund Act, 1966 (4 of 1966) read with paragraph 44 of the Seamen's Provident Fund Scheme, 1966, and in supersession of the notification of the Government of India, in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 1463 dated 3-6-1974 the Central Government hereby directs that accumulations out of provident fund contributions, interest and other receipts as reduced by obligatory outgoings, shall be invested in accordance with the following pattern, namely—

(i) Central Government securities	—	45%
(ii) State Government securities and State or Central Government guaranteed securities.	—	25%
(iii) Post Office Time Deposits and Small Savings.	—	30%

The above pattern will be in force for the period from the 1st October, 1974 to 30th November, 1974.

2. All re-investment of provident fund accumulations (whether invested in securities created and issued by the Central Government or in savings certificates issued by the Central Government or in securities created and issued by a State Government) shall also be made according to the pattern mentioned in paragraph 1 above.

[No. MWS(15)/74-MT]

D. C. AHIR, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1974

का०आ० 3099.—यत केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री आर० डी० रैड्डिज, ठेकेदार, गाल्कर बिल्डिंग, प्रथम तल, वास्कोडिगामा (गोवा), से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अत, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं० 2 मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या पांच पलेवालियों और एक सौ उन्नीस गैंगमैनों की, जिन्होंने श्री आर०वी० रैडिज, ठेकेदार, साल्कर बिल्डिंग, प्रथम तल, वास्को-डी-गामा, के अधीन पांच वर्ष से अधिक सेवा की थी, सूचना-वेतन और छंटनी प्रतिकर के संदाय, 13 अप्रैल, 1971 से 14 दिसम्बर, 1973 तक नाइट वेटेज भत्ते के संदाय और 1972-73 और 1973-74 वर्षों के लिए 10 प्रतिशत की दर पर बोनस के संदाय की मांगें न्यायोचित हैं ? यदि हां तो वे किन फायदों के हकदार हैं ?

[स० एल-36011/7/74-पी डी०/सी०/एम०टी०]

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 11th November, 1974

S.O. 3099.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to Shri R. V. Redij, Contractor, Salkar Building, 1st Floor, Vasco-da-Gama (Goa) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the demands of five palowallies and one hundred and nineteen gangmen who served under Shri R. V. Redij, Contractor, Salkar Building, First Floor, Vasco-da-Gama for more than five years for payment of notice pay and retrenchment compensation, for payment of night weightage allowance from the 1st April, 1971 to the 14th December, 1973 and for payment of bonus at the rate of 10 per cent for the years 1972-73 and 1973-74 are justified ? If so, to what benefits are they entitled ?

[No. L-36011/7/74-PD/CMT]

S.O. 3100.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Master Labour Suppliers, 13, Mourbhanj Road, Calcutta-23 and their workmen, which was received by the Central Government on the 28th October, 1974.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 14 of 1973

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Master Labour Suppliers, 13, Mourbhanj Road, Calcutta-23.

AND

Their Workmen.

APPEARANCE :

On behalf of Employers—Shri N. Chakraberty, Advocate.

On behalf of Workmen—Shri M. R. Choudhury, Advocate, with Shri Shaukat Ali, Asstt. Secretary for Calcutta Dock Workers' Union.

State : West Bengal. Industry : Port & Dock.

AWARD

The Government of India, in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), by Order No. L-32012/3/73-P&D, dated 10th October, 1973, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Messrs Master Labour Suppliers, 13, Mourbhanj Road, Calcutta-23 and their workmen, to this Tribunal for adjudication.

2. The question that has to be decided in this Reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 is whether the claim for re-employment of six workmen, viz., (1) Sheikh Nance Miah, (2) Mohamed Yunus, (3) Mohamed Mansoor, (4) Mohamed Israfil, (5) Amirullah and (6) Mobarak, under Messrs Master Labour Suppliers, is legal and just.

3. Both parties contested the reference by filing written statements and during the trial P.Ws. 1 and 2 and D.Ws. 1 to 3 were examined on either side. Some documents were also marked. But, when the reference came up for hearing on 15-10-1974, the parties entered into a compromise, the terms of which are set-forth below :

"(i) That subject to the conditions occurring hereafter, the six workmen involved in the instant reference will be reinstated by the Respondent/Employer as casual workers on the terms and conditions as were previously applicable to them with effect from this day.

(ii) That the Dock Permits issued to the workmen concerned at the instance of the Respondent/Employer shall only be used by the workmen for doing work under the instant employer. Such Dock Permits shall not be used for doing work under any other employer, if any. In the event of any workman working under any other employer, the said Dock Permit shall be deposited with the Respondent/Employer. The workmen shall not accept any employment under any other employer as and when the respondent/employer will book them.

(iii) That the Respondent/Employer will pay an ex-gratia payment of Rs. 500/- only to each workmen concerned within the last day of November, 1974, in full and final settlement of all claims of the workmen concerned under this Reference.

(iv) That the Hon'ble Tribunal be jointly requested to pass award in terms of the above settlement, treating the instant petition as part of the award."

They also prayed that an award may be passed in terms of the compromise. On scrutiny of the terms of the settlement, I am satisfied that the compromise is entered into in the best interest of the management and labour and as such it can be accepted.

4. In the result, in answering the reference an award is passed in terms of the compromise. Appropriate Government may be informed accordingly.

Dated, Calcutta, the 16th October, 1974.

[No. L-32012/3/73-P&D/CMT]

E. K. MOIDU, Presiding Officer.

New Delhi, the 12th November, 1974

S.O. 3101.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of Bikaner and Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd November, 1974.

CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN, JAIPUR

Case No. CIT-3 of 1972

Ref.:—Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation Order No. 51/44/66-LR. IV dated 30-10-67.

In the Matter of an Industrial Dispute,

BETWEEN

The Management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Jaipur

AND

Their workmen represented by Rajasthan Bank Employees Union, Jaipur.

APPEARANCES :

For the Union—Shri Mohan Punamia.

For the Management—Shri Chhabra.

Date of Award : 10th September, 1974.

AWARD

The Central Government has made the following reference to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of the State Bank of Bikaner and Jaipur, Jaipur in discharging Shri I. R. Bhandari Stenographer with effect from the 25th August, 1965 was an act of victimisation ? If so, to what relief is the workman entitled."

The statement of claim was filed on behalf of the Rajasthan Bank Employees Union, Jaipur. The allegations in the statement of claim are that Shri I. R. Bhandari was an employee of the State Bank of Bikaner and Jaipur and was posted as Steno-typist to the Agent of the Jalori Gate Branch, Jodhpur. He was served with a charge sheet and an enquiry was conducted in which the Bank Management found the charge proved. The management discharged Shri I. R. Bhandari on the ground of proved charge. It is contended that this action was taken by the management because Shri I. R. Bhandari was an active worker of the Union and was Joint Secretary of the Union and in that capacity had espoused the cause of the workman. It is further alleged that the workers of that branch of the bank made certain complaints against the Agent Shri Jindal and resorted to hunger Strike. The management decided to hold an enquiry on the complaints made by the workmen. In that enquiry Shri I. R. Bhandari along with another workman put up the case on behalf of the employees. Shri Jindal was, therefore, annoyed and was seeking opportunity to wreck vengeance against Shri Bhandari. It is pleaded that the charge against Shri Bhandari was not proved and in-spite-of that the management punished Shri Bhandari. The matter was taken before the Conciliation Officer but as the conciliation failed, the Government made this reference to the Tribunal.

In the reply on behalf of the Bank the allegations have been denied. It is pleaded that Shri Bhandari was discharged after proper enquiry was made against him, and he was given full opportunity to participate and defend himself in the enquiry. It has been denied that he was in any way victimised for his trade union activities.

In support of their claim the union examined Sarvashri I. R. Bhandari, T. C. Tapuriah, G. R. Purohit and L. N. Bhayal.

In rebuttal the bank examined Sarvashri A. C. Chatterji, Vedraj Jindal and N. R. Mahajan.

The Tribunal has to see whether the charge levelled against Shri Bhandari has been proved or not and if not whether the action of the management was to victimize him. It is an admitted fact that the incident of alleged misconduct was committed on 24-11-64 while the charge-sheet was served on 15-3-65. The charge against Shri Bhandari was that while working as Steno-Typist of the Agent he was directed on 24-11-64 to type a confidential letter addressed to Shri A. C. Chatterji of Head Office Jaipur. The contents of that letter were unauthorisedly disclosed by Shri Bhandari to persons who were not entitled to know them. Admittedly there is no direct evidence to prove that the contents of that confidential letter were disclosed by Shri Bhandari. It is because the letter was typed by him and till it was despatched no other workman had the opportunity to see that letter, the management suspected that Shri Bhandari alone could disclose the contents of that letter. Shri Jindal has stated in evidence that the letter was despatched by the despatcher but he did not allow him to read the contents of that letter. The despatcher has not been produced in evidence to say that the contents were not read by him. About him it is said that the letter was given to him for despatch after the Agent had made certain corrections in it, and therefore, if the despatcher had disclosed the contents, then they would have been the corrected ones and not incorrected ones. This letter when reached the Head Office at Jaipur was perhaps dealt with by the Receipt Clerk because it bears the receipt number. Shri Chatterji at that time did not know that the contents had been disclosed. It was only when an enquiry was held regarding complaints against Shri Jindal and a copy of this letter was produced on behalf of the workman before the Enquiry Officer, that the management came to know that the contents of this letter were known to the Union members. The receipt clerk of the Jaipur Office has also not been produced to say that he did not either read the contents of the letter before it was put up before Shri Chatterji or that he did not disclose the contents to any other person. Shri Jindal and Shri Chatterji have not stated that Shri Bhandari was the person who had disclosed the contents. It is because the confidential letter did not pass through any other hand that Shri Jindal has presumed that none else than Shri Bhandari could disclose the contents. Similarly Shri Chatterji presumes that the contents of the letter could be disclosed at Jodhpur only because the letter was received by him and he had kept it in his custody. In his cross-examination, although he has stated that all confidential letters and D.Os. are opened by him and they do not pass through the Receipt Clerk, in this case the Receipt Clerk had put the Receipt number which shows that the letter had reached in the hands of the Receipt Clerk also. The bank management has only presumed that Shri Bhandari alone could disclose the contents of the letter though there is no positive proof of the fact.

On the other hand the Union produced Shri T. C. Tapuria and Shri L. N. Bhayal who have stated that on 24th November, 1964 at about 6 P.M. they went to the Jalori Gate Branch of the Bank to type an urgent letter of the Union; at that time Shri Bhandari had already left the office. Since the matter was urgent and was required to be mailed out on the same day, Shri Tapuria tried to type out the letter on the type-writer of the Bank. It it stated by them that when Shri Tapuria took out the Carbon Paper from the Drawer of the Table, they found that the Carbon paper was new and looking to the script of the Carbon paper they found that it was a D.O. letter addressed to Shri Chatterji by the Agent of the Branch. They took away that carbon paper and typed out the script in the office of the Union. It was that copy which they produced at the time of the enquiry. In support of this statement Shri G. K. Purohit President of the Jodhpur Unit of the Union has also been examined. He has stated that Shri Bhayal, Secretary of the Union had shown him a photographic copy of the D.O. letter addressed to Shri Chatterji by Shri Jindal. This is the positive evidence of the fact that Shri Tapuria had typed out the contents of the D.O. letter from the Carbon paper, which he and Shri Bhayal had obtained from the branch office of the bank. During arguments some contradictions in the statements of the witnesses were pointed out but they are not

very material On the one side there is positive evidence which says that Shri Tapuria had typed the contents of the D O letter and on the other hand there is the evidence which only presumes that it could be Shri Bhandari who had typed the contents. It is difficult to brush aside the positive evidence and rely on the evidence which only suspects Shri Bhandari

In this connection it is further submitted on behalf of the Union that the Union of which Shri Bhandari was a office bearer had given a representation marked Ex M-3 dated 26-11-64 against Shri Jindal If Shri Bhandari wanted to disclose the contents of the D O letter then a reference of this letter would have been made in the representation. Shri Chatterji admits that when this representation Ex M-3 was received by him he did not know that the contents of the D O letter which he had received earlier from Mr. Jindal had been disclosed It is submitted that Shri Bhandari was equally affected by the proposals made by Shri Jindal in his D.O letter and he could easily bring it to the knowledge of the Union members and made hue and cry of the proposals in the representation presented to the management

It is further argued that the contents of the letter could not be considered as confidential because it is not a matter covered under Proviso 18.20(4)(b) of the Desai Award It is submitted that if the letter had been confidential Shri Jindal could not have given it to Shri Bhandari for typing because Shri Jindal knew that Shri Bhandari was the Secretary of the Bank Employees Union It is further submitted on behalf of the Union that the contents of the letter were not regarding the affairs of the bank, the disclosure of which was likely to be prejudicial to the interests of the bank. Admittedly the D O letter was only a proposal for mass transfers. It is submitted on behalf of the bank that Shri Bhandari was not affected by the proposals contained in the letter because he was an office bearer and therefore he did not take up the matter But being the Secretary of the Union it was his duty to take up all matters affecting the members of the Union It is further contended on behalf of the management that in the representation dated 26-11-64 he has indirectly made reference to this D O letter But that is not true. If the Union wanted to take up this matter, then they would have made out a case and referred the D.O. of Shri Jindal

It is submitted on behalf of the Bank that the evidence recorded at the time of domestic enquiry only may be read by the Tribunal unless the Tribunal gives a finding that the enquiry was in any way defective In this case the finding of the Enquiry Officer has been challenged on the ground that it is based on no evidence and the Bank had requested to adduce further evidence The Tribunal has considered both the evidence recorded in the enquiry and before it and find that there is no evidence to prove the guilt against Shri Bhandari.

It is submitted on behalf of the Bank that there is no positive evidence of victimisation against Shri Bhandari. Merely because Shri Bhandari was the Secretary of the Union does not mean that the action taken against him was to victimise him But the fact that action has been taken without any positive evidence of his guilt is nothing but victimisation of the workman The very fact that the action of discharge from service taken against Shri Bhandari without any proof of guilt against him shows that the management had a bias against him I, therefore, hold that the action of the Bank management in discharging Shri I. R Bhandari from service was unjustified, and he is entitled to reinstatement with back wages

The reference is answered accordingly. It may be sent to the Central Government for publication.

U. N MATHUR, Presiding Officer.

[F. No 51/44/66-LR IV/LR III]

New Delhi, the 14th November, 1974

S.O. 3102.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Rare Earths Limited, Minerals Division, Manavalakurichi and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th November, 1974.

BEFORE THIRU T. PALANIAPPAN, B A , B.L.,
(Constituted by the Central Government)
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
MADRAS

Industrial Dispute No. 60 of 1973.

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Indian Rare Earths Ltd., Quilon.)

BETWEEN

The workmen represented by,

The Secretaries:—

1. Indian Rare Earths Employees Union, Manavalakurichi.
2. Mineral Staff Association, Manavalakurichi.
3. Mineral Workers Union, Manavalakurichi,
4. Kanyakumari District Mineral Workers Union, Manavalakurichi.

AND

The Senior Administrative Officer, Indian Rare Earths Limited, Beach Road, Quilon.

Ref —Order No. L-22011/33/73-LR IV, dated 14-11-1973 of the Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, Government of India, New Delhi

This dispute coming on for final hearing on Monday the 30th day of September, 1974 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru J. Ramachandran, President of Union No 1, Thiru P. Yesu Salvaraj, Secretary of Union No 2, Thiru A Rabi, Secretary of Union No. 3 and Thiruvelergal B. N. Dolia, A. L. Somayaji and R Jamal Nazeem, advocates for Union No. 4 and of Thiru K V. R. Shenoy for Menon and Pai, advocates for the management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

The Government of India by their order No. L-29011/33/73-LR IV, dated 14-11-1973 of the Labour and Employment Department under section 10(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred to the Industrial Tribunal Madras the dispute set out below between the employer (i.e.) the management of the Indian Rare Earths Limited, Minerals Division, Manavalakurichi and their workmen for adjudication.

2. The issue is as follows :—

"Whether the workmen of Indian Rare Earths Limited, Manavalakurichi who were laid-off consequent on the imposition of power cut by the Tamil Nadu State Electricity Board, were entitled to compensation for the intervening holidays and weekly holidays during the lay-off period under section 25(C) of the Industrial Disputes Act and if so, to what extent :—

3 Union No 1, (i e) Indian Rare Earths Employees Union, Manavalakurichi has filed a claim statement stating that the lay-off imposed on the workers by the respondent could have been averted if it wanted to do so, that the management has not paid wages to the Sundays, holidays and other off days of the workers; that the workers of the Indian Rare Earths Limited at Kanavalakurichi are monthly paid employees who are paid full wages for weekly holidays, and being monthly paid employees they are also entitled to

full wages for the weekly holidays and intervening holidays during the period of lay-off. Thus the Union No. 1 claims to get full wages for holidays during the period of lay-off from 26th February, 1973 to 1st June, 1973.

4. Union No. 2 the Mineral Staff Association, Manavalakurichi has filed a claim statement contending that on 26th February, 1973 the management put up lay-off notice and inspite of that, work was distributed to workmen during the lay-off period on weekly rotational basis, and so wages should be calculated according to the existing normal practice, and as the workers were on duty the workmen became eligible for wages for Sundays and intervening holidays and that the action of the management in deducting wages for Sundays and other intervening holidays is not justifiable. During the lay-off period, some workmen applied for eligible leave and they were granted leave and paid wages according to existing leave rules. Further the management during the lay-off period had drafted workmen for work. Under those circumstances the action of the management in deducting wages for Sundays and holidays under the cover of Section 25(C) of the Industrial Disputes Act is against the very spirit of the Act. The claiment states that the plant at Manavalakurichi under Indian Rare Earths management, works throughout the year except Sundays and 12 holidays and all the Sundays and holidays are paid weekly day or new and declared holidays and the 12 declared holidays also are paid holidays and as the workmen have worked during lay-off period and also gone on leave during lay-off period, the workers are entitled to wages for Sundays and intervening holidays.

5. Union No. 3, the Mineral Workers Union, Manavalakurichi has filed a claim statement practically raising the same contentions just like Union No. 2.

6. Union No. 4, the Kanyakumari District Mineral Workers Union, Manavalakurichi has filed a claim statement stating that the obligation to pay wages for weekly holidays and National and Festival holidays is governed by the provisions of the Factories Act and Tamil Nadu Industrial Establishment National and Festival Holidays Act, 1958, that under the provisions of National and Festival Holidays Act, the obligation to pay wages for holidays allowed under Section 3 of the Act is absolute and independent, that during the period of lay off the relationship of master and servant does subsists that the rights created under Act XXXIII of 1965 and the Factories Act are not extinguished by the imposition of lay-off. It is also alleged that the rights created under the National and Festival Holidays Act and the Factories Act are preserved specifically by Section 23(c) of the Industrial Disputes Act and the grant of weekly holidays and other holidays is mandatory and cannot be curtailed or abridged. The claiment also states that the Industrial Disputes Act does not over-ride the provisions of Factories Act and National and Festival Holidays Act. The Union claims that the workers are entitled to the payment of full wages for the intervening holidays and weekly holidays during the lay-off period.

7. The management has filed a counter statement to the claim statement of Union No. 1 contending as follows: The workmen of the Industrial establishment at Manavalakurichi of the Indian Rare Earths Limited concerned in the reference, were laid off from 26-2-1973, because the management was unable to give employment to all the workmen on account of shortage of power, that the workmen laid off are not entitled to or eligible under Section 25(C) of the Industrial Disputes Act, 1947 to claim or get lay-off compensation for the weekly holidays (Sundays) and the intervening holidays during the period of lay-off; that even though the workmen were monthly-paid employees the claim for lay-off compensation does not depend upon whether they are monthly-paid or not. The Management deny the claim of the Union for full wages during the period of lay-off from 26th February 1973 to 1st June 1973, and also contends that the lay-off compensation due to them has been paid.

8. In the counter statement filed to the claim statement of Unions 2 and 3 the management contends that the workmen laid off are not entitled or eligible under Section 25(C) of the Industrial Disputes Act, 1947, to claim or get lay-off compensation for the weekly holidays (Sundays) and the intervening holidays during the period of lay off other than the recognised paid holidays and that the claim made in this reference is unsustainable. The management disputes the allegation that there is any practice or convention to as pay compensation for holidays that intervened during a period of lay-off.

9. The management has filed a counter to the Union No. 4 contending as follows : The workmen laid off are not entitled to or eligible under Section 25(C) of the Industrial Disputes Act to claim or get lay-off compensation for the weekly holidays (Sundays) and the intervening holidays during the period lay-off and that the claim by the Union should be rejected. The next contention is that the Factories Act and the Tamil Nadu Industrial Establishments National and Festival Holidays Act, 1958 do not apply to the management, and those Acts cannot be applied for intervening Section 25(C) of the Industrial Disputes Act; that the obligation to pay compensation for lay-off is governed by Section 25(C) of the Industrial Disputes Act and not by the provisions of the Factories Act or the Tamil Nadu Industrial Establishments National and Festival Holidays Act, 1958. Thus the management contends that the entitlement to any lay-off compensation is a matter to be decided under the Industrial Disputes Act, 1947, and not with reference to the provisions of the Factories Act or the Tamil Nadu Industrial Establishments National and Festival Holidays Act, 1958.

10. Issue : The simple point that arises for determination under this issue is whether the workmen of the Indian Rare Earths Limited, Manavalakurichi who were laid-off consequent on the imposition of the powers out by the Tamil Nadu State Electricity Board are entitled to compensation for the intervening holidays and weekly holidays during the lay-off period under Section 25(C) of the Industrial Disputes Act. Ex. M-1 is the notice of lay-off dated 26-2-1973 issued by the management, namely, Indian Rare Earths Ltd., Quilon. It relates to the lay-off imposed by the management in respect of the first and second shift. Ex. M-2, dated 26-2-1973 in the notice of lay-off in respect of the general shift. The fact that there was a lay-off in the working of the division from 26th February, 1973 to 1st June, 1973 is admitted by the management. During that period of lay-off certain holidays intervened. The management had given certain holidays as per the agreement besides weekly holidays as per the agreement between them. The relevant portion necessary for the instant case in Section 25(C) of the Industrial Disputes Act reads as follows :—

> "25C Night of workmen laid-off for compensation,—whenever a workman (other than a badli workman or a casual workman) whose name is borne on the muster rolls of an industrial establishment and who has completed not less than one year of continuous service under an employer is laid off, whether continuous or intermittently, he shall be paid by the employer for all days during which he is so laid off, except for such weekly holidays as may intervene, compensation which shall be equal to fifty per cent. of the total of the basic wages and dearness allowance that would have been payable to him had he not been so laid off :"

Some of the Unions have claimed as wages for the period of lay-off except Sundays. The Union is not correct in claiming wages as such for the period of lay-off except Sundays in the face of Section 25(C) of the Industrial Disputes Act. Section 25(C) of the Industrial Disputes Act says that for the period of lay-off the workers can claim only compensation except for weekly holidays. So at the most the Union can claim only compensation for the intervening holidays during the period of lay-off.

11. The next question that has to be determined under this issue is whether the workmen are entitled to compensation for certain holidays which they were entitled under the Tamil Nadu Industrial Establishments National and Festival Holidays Act and the agreement during the period of lay-off. Admittedly during the period of lay-off a local festival holiday on 13-3-1973 and May Day and one more holiday intervened. The workers claimed wrongly wages for these three holidays. The learned counsel for the Management Mr. Shenoy argued that the workmen are not entitled to claim even compensation for the intervening holidays during the period of lay-off. There is considerable force in his argument, because the question of claiming compensation for holidays arises only if there is normal working of the mine. The management were forced to declare lay-off because of the power cut introduced by the Tamil Nadu Electricity Board. Consequent on the introduction of the power cut, the Mines could not work. It is only when there is normal work in any establishment, the question of paying for holidays would arise. When the Indian Rare Earths Limited were driven to the necessity of even closing the Mines and as the management is liable to pay only

compensation for the period of lay-off under Section 25(C) except for weekly holidays, the workmen are not justified in asking for compensation for the intervening holidays during the period of lay-off. If really it was the intention of the legislature to give wages or compansation for the intervening holidays during the period of lay-off including the holidays which the workmen are entitled to under the agreement or as per the standing orders, the legislature would not have failed in making mention in Section 25(C) of the Industrial Disputes Act to the effect that they would be entitled to get compensation for the holidays which they were entitled to under the agreement or as per the Standing Orders of the concerned Company. Further the very fact of the legislature denying even that compensation for the lay-off period for such weekly holidays, leads me to some to the conclusion that the legislature never intended to give any compensation for the intervening holidays during the period of lay-off.

12. The learned counsel for Union No. 4. Mr. Venkataraman pressed into service the Madras Industrial Establishments (National and Festival Holidays) Act, 1958 and argued that as per the provisions of this Act the workmen are entitled to get wages for the intervening holidays during the period of lay-off. It is true that under section 3 of the Madras Industrial Establishments (National and Festival Holidays) Act, 1958, every employee shall be allowed in each calendar year a holiday of one whole day on 26th January, 15th August and 2nd October and five other holidays, each of one whole day for such festivals as the Inspector may, in consultation with the employer and the employees, specify in respect of any industrial establishment. The proviso to that Section 3 reads that, if the majority of the employees so desire the 1st May shall be one of the five festival holidays. Mr. Venkataraman appearing for Union No. 4 referred as to Section 5 of the above Act and argued that notwithstanding any contract to the contrary, every employee shall be paid wages for each of the holidays allowed to him under Section 3. Thus he contended that the obligation to pay wages for the holidays that intervened during the period of lay-off which came to there holidays is absolute and the liability to pay wages for those intervening holidays cannot be avoided by the management. In reply to this argument, Mr. Shenoy appearing for the management referred me to Section 10 of this Act. It reads as follows :—

"10. Exemptions.—(1) Nothing contained in this Act shall apply to—

(a) any employee in a position of management;

(b) any employee whose work involved travelling;

(c) any industrial establishment under the control of the Central or any State Government, legal authority, Reserve Bank of India, a railway administration operating any railway as defined in clause (20) of Article 366 of the Constitution or a cantonment authority; or

(d) any mine or oil field.

(2) The Government may, by notification, except either permanently or for any specified period any establishment or clause of establishments, or person or class of persons from all or any of the provisions of this Act, subject to such conditions as the Government may deem fit."

Thus this exemption shows that the provisions of this Act will not apply to mines and exemption 1(d) shows that fact. It is significant to note that this is a Central Government reference under Section 10(2) of the Industrial Disputes Act. It is only because this industry happened to be a mining industry, the Central Government took cognisance of this dispute and referred the matter to this Tribunal. Further Ex. M-5, dated 8-11-1973 clearly shows that the respondent is a mining industry and that is why the Joint Director of Mines Safety, Ooagaurm Region, Oorgaum addressed the Mines Manager of the respondent company. In the face of Ex M-5 and also of the act of the Central Government referring this dispute relating to the mines, the Unions cannot say that the Rare Earths Industry is not a mining industry. Further the Standing Order of the Company which is marked as Ex. M-3 also shows that the respondent industry is a mining industry. Clause 21(a) of the Standing Order relates to the leave with wages and it reads that every workman shall be entitled to leave with wages prescribed under the Mines Act as modified by the Company from time to time. Section 10 of the Madras Industrial Establishments (National and Festival Holidays) Act, 1958 exempts mines from the operation of this Act. Hence Union No. 4 cannot place any reliance on Section 5 of the Madras Industrial Establishments (National and Festival Holidays) Act, 1958. In view of my discussion above, this issue is found against the unions.

13. In the result, there will be an award holding that the workmen of the Indian Rare Earths Limited, Minerals Division, Manavalakurichi who were laid-off consequent on the imposition of power cut by the Tamil Nadu State Electricity Board are not entitled to compensation for the intervening holidays and weekly holidays during the lay-off period under Section 25(C) of the Industrial Dispute Act and the workmen are not entitled to any relief. There will be no order as to costs.

T. PALANIAPPAN, Presiding Officer

WITNESS EXAMINED:

For both sides : Nil.

DOCUMENTS MARKED :

For workmen:

Ex.V-1/29-5-'75—Memorandum of settlement under Section 18(1) of the Industrial Disputes Act, 1947 between portion, (copy).

For management:

Ex. M-1/26-2-'73—Notice of lay-off in respect of first and second shift.

Ex. M-2/26-2-'73—Notice of lay-off in respect of general shift.

Ex. M-3 — —Standing Orders.

Ex. M-4/15-6-'73—Joint application under Section 10(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 for reference of an Industrial Dispute (copy).

Ex. M-5/8-11-73—Central Government's letter for a list of names of persons for Blasters' examination.

Note : Parties are directed to take return of their documents within six months from the date of the award.

Dated, this 15th day of October, 1974.

T. PALANIAPPAN,

[No. L-20011/33/73-LR. IV]

S.O. 3103.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial Tribunal, Rajasthan, Jalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shri Kartar Singh, Mine Owener, Sand Stone Mine, Budhpura, Chhawani, Kota and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd November, 1974.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN, JAIPUR

Case No. CIT-II of 1973

Ref :—Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. L-29011/69/72-LRIV dated 19th February, 1973.

In the Matter of an Industrial Dispute.

BETWEEN

The Management of Sand Stone Mine of Shri Kartar Singh, Chhawani, Kota

AND

Their workmen represented by Patthar Khan Mazdoor Sangh, Kota

APPEARANCES :

For the Management.—None

For the Sangh.—Shri Mahabir Prashad Sharma

Date of Award.—24th August, 1974

AWARD

The Central Government has made the following reference to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the workmen employed in the Budhapura Sand Stone Mine of Shri Kartar Singh, Chhawani. Kota (Rajasthan) are entitled for grant of any paid national and festival holidays."

The Patthar Khan Mazdoor Sang sought several adjournments for filing the statement of claim, on 24-8-74 the President of the Sangh submitted before the Tribunal that a settlement has been arrived at with the management and a no dispute award be passed. Hence a no dispute award is accordingly passed.

U. N. MATHUR, Presiding Officer

[No. I-29011/69/72-LR. IV]

S.O. 3104.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Associated Stone Industries (Kotah) Limited, Ramgunjmandi and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd November, 1974.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN, JAIPUR

Case No. CIT-8 of 1973

Ref.—Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. L-29012/33/72/T.R.IV dated 30th January, 1973.

In the Matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Associated Stone Industries (Kotah) Limited, Ramgunjmandi

AND

Their workmen represented by the Patthar Khan Mazdoor Sangh, Kota.

APPEARANCES

For the Management :—Shri P. C. Jain

For the Sangh:—Shri Mahabir Prashad Sharma

Date of Award:—24th August, 1974

AWARD

The Central Government has made the following reference to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of Associated Stone Industries Limited in terminating the services of Shri Ghasilal Chowkidar, with effect from 4th July, 1972 was justified? If not, to what relief, if any, is the workman entitled?"

The statement of claim was filed on behalf of Patthar Khan Mazdoor Sangh, Kota and a reply was filed on behalf of Associated Stone Industries, Ramganj Mandi, Kota.

Before evidence could be recorded, the parties submitted that they have come to a settlement and therefore a no dispute award be passed. Hence a no dispute award is accordingly passed.

U. N. MATHUR, Presiding Officer,

[No. L-29012/33/72-LR IV]

S.O. 3105.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial, Tribunal Rajasthan, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Associated Stone Industries (Kota) Limited, Ramgunjmandi and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd November, 1974.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN, JAIPUR

Case No. CIT-9 of 1973

Ref:—Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation, Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. L-29012/29/72-LR. IV dated 31-1-73.

In the matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Management of Laxmipur Lime Stone Quarry of Messrs. Associated Stone Industries (Kota) Limited, Ramgunjmandi (District Kota)

AND

Their workmen represented by Patthar Khan Mazdoor Sangh, Kota.

APPERANCES:

For the Management:—Shri P. C. Jain

For the Sangh:—Shri Mahabir Prashad Sharma

Date of Award:—24th August, 1974

AWARD

The Central Government has made the following reference to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of Laxmipur Lime Stone Quarry of Messrs. Associated Industries (Kota) Limited, Ramgunjmandi (District Kota) in refusing employment of Shrimati Zorawar Bai, female Mazdoor with effect from the 14th March, 1972 was justified? If not. to what relief, if any, is she entitled?"

The statement of claim was filed on behalf of Patthar Khan Mazdoor Sangh, Kota and the reply was filed on behalf Messrs. Associated Stone Industries, Kota.

The statement of the workman was recorded but before further proceedings could be taken the Associated Stone Industries sought time for mutual settlement. On 24th August 1974 the parties submitted before the Tribunal that the settlement has been arrived at and a no dispute award be passed. Hence a no dispute award is passed.

U. N. MATHUR, Presiding Officer

[No. L-29012/29/72-LR.IV]

S.O. 3106.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pyrites Phosphates and Chemicals Limited, Saladipura Exploratory Mines, Post Office Khandela, District Sikar and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd November, 1974

CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN,

JAIPUR

Case No. CIT-35 of 1972

Ref:—Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation Department of Labour and Employment, New Delhi Order No. L-29012/5/72-LR-IV dated 30-6-72.

In the Matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Management of Pyrites Phosphates and Chemicals Limited, Saladipura Exploratory Mines, Post Office, Khandela, District Sikar,

AND

Their workmen represented by Khan Workers Union, Saladipur, Khandela.

APPEARANCES :

For the Union—Shri P. K. Sharma.

For the Management—Shri N. C. Jain.

Date of Award—22nd August, 1974.

AWARD

The Cental Government has made the following reference to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Pyrites Phosphates and Chemicals Limited, Saladipura, Post Office Khandela, District Sikar in terminating the services of Shri Chotu Ram, Driver (daily rated) with effect from the 13th September, 1971 is justified ? If not, to what relief he is entitled ?"

The statement of claim was filed on behalf of the Khan Workers Union, Saladipur, Khandela, (Sikar). The allegations are that Choturam was employed with the Pyrites Phosphates and Chemicals Limited, as Driver on 1st December, 1970. He was treated as casual daily rated workman so as to deprive him from the benefits of a permanent employee. On 12-7-71, he was given a charge-sheet for which a reply was given by the workman but no enquiry was conducted by the Management. On 20-10-71 Choturam was removed from service on the ground that there was no work for him. It is alleged that Chotu Ram had put in 240 days service in the concern and was, therefore, entitled to retrenchment compensation, which the management did not pay. His retrenchment was, therefore, illegal.

In reply to these allegations on behalf of the management it is pleaded that there were no charges against Chotu Ram and the charge-sheet was wrongly issued to him. He was retrenched because his services were no longer required. Further, he was not entitled to retrenchment compensation because his period of service had been less than one year.

In evidence the statement of the workman was recorded. The management did not choose to adduce any evidence in rebuttal.

Arguments were heard. The only point argued on behalf of the workman is that even if he was retrenched, the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act were not complied with, hence his retrenchment was bad in law and he is entitled to reinstatement. It has been admitted on behalf of the management that the formalities of Section 25F were not complied with because the workman had not put in one year's service with the management. It is submitted that as per the definition given in Section 25B(1) of the Industrial Disputes Act the workman cannot be considered in continuous service, because he did not put in one year's service. In reply, it is submitted on behalf of the workman that, if the workman cannot be considered in continuous service within the meaning of clause (1) for a period of one month, he shall be deemed in continuous service under clause (2) of Section 25F of the Industrial Disputes Act. It may be noted that clause (2) of Section 25B has been amended It is the contention on behalf of the management that the case of this workman is covered under clause (1) of Section 25B of the Industrial Disputes Act and not under clause (2). But this submission, in my opinion, is fallicious. Clause (1) of Section 25B defines what is continuous service for a period. Clause (2) contemplates a case where a workman is not in continuous service within the meaning of clause (1) for a period of one year. It thus provides an alternative when a certain period shall still be treated as continuous service for one year. Therefore, it cannot be argued that the instant case is covered under clause (1) and not under clause (2). The question before us is whether the workman was in continous service for the purpose of Section 25F of the Industrial Dispute. If the management thinks that the workman was not in continuous service within the meaning of clause (1) of Section 25B of the Industrial Disputes Act, then he is covered under clause (2) of Section 25B. According to the arguments on behalf of the management a workman covered under clause (1) is not entitled to retrenchment compensation, while a workman covered under clause (2) shall be entitled to retrenchment compensation. This view, in my opinion, is incorrect. The Rajasthan High Court in the case of Vinai Kumar Maju Vs. State and others cited as 1968 L.I.C. 1180 has dealt with this point in extense and has giver an example of a case in which a workman had rendered 240 days service and had been in service for a period of 365 days, and another workman who may have rendered service for 360 days and he had been in service only for 360 days; if the interpretation of the management is accepted, then that the workman who had put in 240 days service will get the benefits, whereas the workman who had worked on all the 360 days will not be entitled to claim the benefits. It was, therefore held that "Therefore, Sub-section (2) has to be construed as it is, without straining a word here or there, or saying any thing by way of addition. It would not have been difficult for the Legislature to say, if it wanted to do so, that the wokman must have actually been in employment for the minimum period of one year. The idea seems to be that if within a unit period of one year a person had put in, at least 240 days, then he must get the benefits conferred by the statute."

In the instant case it is not denied that the workman has put in 240 days service in the concern. Therefore, under Section 25F of the Industrial Disputes Act this workman who has put in 240 days continuous service is entitled to retrenchment benefits The provisions of Section 25F being mandatory, non-compliance of these provisions would render the retrenchment order illegal and ineffective In the pesent case since the workman was not given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment nor was he paid wages in lieu of such notice nor was the workman paid compensation at the time of retrenchment, the order of his retrenchment was, therefore, illegal and is set aside. I pass an award accordingly.

U. N. MATHUR, Presiding Officer

[No. L-29012/5/72-LR. IV]

आदेश

का०आ० 3107 यत. केन्द्रीय सरकार की राय है कि इस से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयो के बारे मे कलकत्ता पत्तन, आयुक्त, कलकत्ता के प्रबन्ध तन्त्र मे सम्बद्ध नियोजको और उनके कर्मकारो के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यत. केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायानिर्णयन के लिए निर्देशित करना वाछनीय समझती है ,

अत , अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

डाको और जेट्टियो, अर्थात स्थोरा डाक खाद्य भण्डागार, कण्टापुकुर, कोयला डाक और कलकत्ता जेट्टियो के विभिन्न सैक्शनों में 'क' प्रवर्ग के स्थोरा की धरा उठाई करने वाले तटीय कर्मकारों की बुकिंग की वर्तमान पद्धति और विभिन्न सैक्शनो मे उक्त कर्मकारो के प्रोत्साहन-उपार्जनो में असमानताओ को ध्यान में रखते हुए, क्या, जैसे और जब आवश्यक समझा जाए, बुकिंग की वर्तमान पद्धति मे परिवर्तन करके एक समुचित प्रणाली तैयार की जानी चाहिए जिससे डाको और जेट्टियो के विभिन्न सैक्शनो से सम्बद्ध, स्थोरा की धरा उठाई करने वाले प्रत्येक कर्मकार को प्रोत्साहन उपार्जनो के यथा-साध्य समान या न्याय सगत अवसर दिए जा सके , जो पत्तन पर कार्य की अपेक्षाओ के अनुरूप हो और पूर्वोक्त पाचो सैक्शनों मे से किसी सैक्शन पर सामान्य या अन्यावश्यक स्थोरा की धरा उठाई के कार्य पर किसी प्रकार प्रतिकूल प्रभाव न डाले ? यदि हा, तो वह कौन सी प्रणाली होनी चाहिए।

[सं० एल-32011/11/74-पी०डी०सी०एम०टी०]

आर० कुजीथापदम, अवर सचिव

ORDER

S.O. 3107.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners, Calcutta, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Having regard to the existing system of booking of 'A' category Cargo Handling Shore workers in the different sections at Docks and Jetties namely Cargo Docks, Tea Warehouse, Kantapukur, Coal Dock and Calcutta Jetties and the disparities in incentive earinings of the said workers from section to section, whether a suitable method should be evolved effecting change in the existing system of booking as and when deemed necessary in order to ensure equal or equitable opportunities of incentive earnings to the individual cargo handling workers attached to the different sections of Docks and Jetties as far as practicable—consistent with the work requirements of the Port and without in any way affecting normal or pressing cargo handling work at any of the aforesaid five sections, and if so, what should be the method ?

[No. L-32011/11/74-PD/CMT]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

का०आ० 3108.—कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 5 के साथ पठित पैरा 4 के उप पैरा (1) अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित व्यक्तियों को, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 3140 तारीख 29 अगस्त, 1967 के अधीन, राजस्थान राज्य के लिए स्थापित क्षेत्रीय समिति के सदस्य नियुक्त करती है, अर्थात :—

अध्यक्ष

1. सचिव, राजस्थान सरकार, श्रम और रोजगार विभाग, जयपुर।	केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त

सदस्य

2 श्रम-आयुक्त, राजस्थान, जयपुर 3 उप सचिव, राजस्थान सरकार, वित्त विभाग (व्यय), जयपुर	राज्य सरकार की सिफारिश पर केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त व्यक्ति
4. श्री बी एन मोरल, प्रबन्धक, पोद्दार स्पिनिंग मिल्स, पोद्दारपुरी, जयपुर-6 5. श्री ए०के० जैन, प्रबन्ध-निदेशक, मैसर्स सुन्दर प्लास्टिक्स, औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर । 6 श्री बाके लाल गुप्ता, मैसर्स सैन्ट्रल स्टील एण्ड जनरल इण्डस्ट्रीज, सी-28, औद्योगिक एस्टेट, जयपुर-6	राज्य में के नियोजकों के संगठनों के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त, नियोजको के प्रतिनिधि ।

7. श्री दामोदर मौर्य, अध्यक्ष, आई०एन०टी०यू०सी०, राजस्थान शाखा, मजदूर मैदान, जयपुर-6	राज्य में के कर्मचारियों के संगठनों के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त, कर्मकारियों के प्रतिनिधि ।
8. श्री बी० चौधरी, महासचिव, आई०एन०टी०यू०सी० राजस्थान शाखा, 24, रेजीडेंसी रोड, उदयपुर	
9. कामरेड हीरेन मुखर्जी, राजस्थान स्टेट ट्रेड यूनियन कांग्रेस, 'सोमानी भवन' स्टेशन रोड, जयपुर-6	

[बी० 20012(4)/72-पी० एफ 2]

S.O. 3108 In pursuance of sub-paragraph (i) of paragraph 4 read with paragraph 5 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, the Central Government hereby appoints the following persons to be members of the Regional Committee set up for the State of Rajasthan under the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment No. S.O. 3140, dated the 29th August, 1967, namely:—

Chairman	
1. The Secretary to the Government of Rajasthan, Labour and Employment Department Jaipur.	Appointed by the Central Government.
Members	
2. The Labour Commissoner, Rajasthan, Jaipur. 3. The Deputy Secretary to the Government of Rajasthan. Finance Department (Expenditure), Jaipur.	Persons appointed by the Central Government on the recommendation of the State Government.
4. Shri V. N. Soral, Manager, Podar Spinning Mills, Podarpuri, Jaipur-6. 5. Shri S. K. Jain, Managing Director of Messrs Sunder Plastics, Industrial Area, Jaipur. 6. Shri Bankeylal Gupta of Messrs Central Steel and General Industries, C-28 Industrial Estate, Jaipur-6.	Representives of employees appointed by the Central Government in consultation with the organisation of employees in the state.
7. Shri Damodar Maurya, President—INTUC Rajasthan Branch, Mazdoor Maidan, Jaipur-6. 8. Shri B. Chaudhury, General Secretary—INTUC Rajasthan Branch, 24, Residency Road, Udaipur. 9. Com. Hiren Mukherjee, Rajasthan State Trade Union Congress, 'Somani Bhavan', Station Road, Jaipur-6.	Representatives of employees appointed by the Central Government in consultation with the organisation of Employers in the State.

[No. V. 20012(4)/72-PF.II]

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1974

का०आ० 3109 कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्री देवव्रत गांगुली को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित स्कीम और कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हैं, सम्पूर्ण पश्चिम बंगाल राज्य और अण्डमान और निकोबार द्वीप के संघ राज्य क्षेत्र के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए-12016(17)/73-पी० एफ० 1]

आर०पी० नरूला, अवर सचिव

New Delhi, the 15th November, 1974

S.O. 3109.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Debabrate Ganguly to be an Inspector for the whole of the State of West Bengal and the Union territory of the Andaman and Nicobar Islands for the purposes of the said Act, and the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establisment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(17)/73-PF. I]

R. P. NARULA, Under Secy.

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 28 मई, 1973

का० आ० 3110.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 36 के अनुसरण में, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की 1971-72 वर्ष के लिए वार्षिक रिपोर्ट जनसाधारण की सूचना के लिए एतद्द्वारा प्रकाशित की जाती है ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सदस्यों की सूची

1971-72

अध्यक्ष

श्री आर० के० खाडिलकर

श्रम और पुनर्वास मंत्री, भारत सरकार

उपाध्यक्ष

श्री ए० के० किस्कू

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन उपमंत्री, भारत सरकार

सदस्य

केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि

3. श्री बाल गोविन्द वर्मा, उपमंत्री, श्रम और पुनर्वास, भारत सरकार।
4. श्री पी० एम० नायक, सचिव, भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार विभाग ।
5. श्री डी० एस० निम, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, श्रम और रोजगार विभाग ।
6. डा० जे० बी० श्रीवास्तव, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार ।
7. श्री डी० के० जैन, उप-सचिव, भारत सरकार, वित्त और व्यय मंत्रालय ।

राज्य सरकारों के प्रतिनिधि

8. श्री इ० वी० राम रैड्डी, सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार, गृह (श्रम III) विभाग ।
9. श्री टी० एस० गिल, सचिव, असम सरकार, श्रम विभाग ।
10. श्री आई० एन० ठाकुर, सचिव, बिहार सरकार, श्रम और रोजगार विभाग ।
11. श्री आर० बी० शुक्ला, सचिव, गुजरात सरकार, पंचायत एवं स्वास्थ्य विभाग ।
12. श्री बिहारी लाल आहुजा, सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम और रोजगार विभाग ।
13. श्री के० वी० रामाकृष्णा आयर, सचिव, केरल सरकार, श्रम विभाग ।
14. डा० एस० एल० शाह, प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, मध्य प्रदेश ।
15. श्री बी० एस० सुब्बिया, सचिव, तमिल नाडु सरकार, श्रम विभाग ।
16. श्री एच० नन्जुन्दियाह, सचिव, महाराष्ट्र सरकार, नागरिक विकास, जन स्वास्थ्य एवं गृह विभाग ।
17. श्री एम० के० वैंकटेशन, सचिव, मैसूर सरकार, खाद्य, सिविल पूर्ति और श्रम विभाग ।
18. श्री रविन्द्र नाथ मोहन्ती, सचिव, उड़ीसा सरकार, श्रम, रोजगार तथा गृह विभाग ।
19. श्री एन० के० जोशी, श्रमायुक्त और उप-सचिव, राजस्थान सरकार, श्रम विभाग ।
20. श्री प्रीतमोहिन्द्र सिंह, स्वास्थ्यायुक्त एवं सचिव, पंजाब सरकार, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन विभाग ।
21. श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश ।
22. श्री एस० आर० दास, सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार, श्रम विभाग ।

संघ क्षेत्रों के प्रतिनिधि

23. श्री बी० के० चानना, श्रमायुक्त, दिल्ली प्रशासन ।

नियोजकों के प्रतिनिधि

24. श्री डी० पी० मुकर्जी
25. श्री आर० एन० जोशी
26. श्री मदन मोहन मंगलदास
27. श्री पी० चिन्तसल राव
28. प्रो० बी० बी० कामथ

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

29. श्री टी० एन० सिधन्ता
30. श्री एम० टी० शुक्ला
31. श्री विष्णु बैनर्जी
32. श्री आर० रंगास्वामी
33. श्री राम देसाई

चिकित्सा व्यवसाय के प्रतिनिधि

34. डा० जे० मजूमदार
35. श्री कविराज केशव प्रसाद अतरिया

संसद् के प्रतिनिधि

36. श्री एस० एम० बनर्जी
37. श्री राजा कुलकर्णी

पदेन सदस्य

38. श्री टी० सी० पुरी, महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति के सदस्यों की सूची,

1971-72

अध्यक्ष श्री बाल गोविन्द वर्मा, उप-मंत्री श्रम एवं पुनर्वास, भारत सरकार ।

केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि

2 श्री पी० एम० नायक, सचिव, भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार विभाग ।

3 डा० जे० बी० श्रीवास्तव, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं ।

4 श्री डी० के० जैन, उप-सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय व्यय विभाग ।

राज्य सरकारों के प्रतिनिधि

5 श्री आर० बी० शुक्ला, सचिव, गुजरात सरकार पंचायत तथा चिकित्सा विभाग ।

6 श्री एच० नन्जुन्दियाह, सचिव, महाराष्ट्र सरकार, लोक स्वास्थ्य, नागरिक विकास एवं गृह विभाग ।

7. श्री एस० आर० दास, सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार, श्रम विभाग ।

नियोजकों के प्रतिनिधि

8 श्री आर० एन० जोशी

9 श्री मदन मोहन मगनदास

10 प्रो० वी० बी० कामथ

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

11. श्री टी० एन० सिधन्ता

12. श्री आर० रंगास्वामी

13 श्री राम देसाई

चिकित्सा व्यवसाय के प्रतिनिधि

14. डा० जे० मजूमदार

संसद् के प्रतिनिधि

15 श्री राजा कुलकरनी

पदेन सदस्य

16 श्री टी० सी० पुरी, महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम ।

चिकित्सा लाभ परिषद् के सदस्यों की सूची, 1971-72

अध्यक्ष डा० जे० बी० श्रीवास्तव, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं ।

सदस्य

केन्द्रीय सरकार तथा निगम के प्रतिनिधि

2 डा० जे० सी० सचदेव, उप-महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं (चिकित्सा) ।

3 चिकित्सा आयुक्त, कर्मचारी राज्य बीमा निगम ।

राज्य सरकारों के प्रतिनिधि

4 डा० पी० सेशागिरि राव उप-निदेशक, चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सेवाएं (फ० रा० बी०) आन्ध्र प्रदेश सरकार ।

5. श्री के० एन० ब्रह्म प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, असम सरकार ।

6 डा० जे० के० पी० सिन्हा, उप-निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (चिकित्सा), बिहार सरकार ।

7 डा० एच० एन० पटेल, निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, गुजरात सरकार ।

8 डा० हकमत राय, सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, (सामाजिक बीमा) हरियाणा सरकार

9 डा० टी० एन० एन० भट्टाठिरीपाद, उप-निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, केरल सरकार ।

10 डा० एम० एल० शाह, प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, मध्य प्रदेश सरकार ।

11 डा० पी० आर० बालकृष्णन, निदेशक, चिकित्सा सेवाएं तथा परिवार नियोजन, तमिल नाडु सरकार ।

12 डा० एल० डी० थट्टे, उप-निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, महाराष्ट्र ।

13 डा० पी० आर० देसाई, निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन सेवाएं मैसूर सरकार ।

14 डा० एन० एन० पारिडा, प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी कर्मचारी राज्य बीमा योजना, उड़ीसा सरकार ।

15 डा० मोहन सिंह, निदेशक, स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन सेवाएं, पंजाब ।

16 डा० आर० एल० चोरडा, उप-निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, (कर्मचारी राज्य बीमा योजना), राजस्थान सरकार ।

17 डा० डी० एन० शर्मा, निदेशक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तर प्रदेश ।

18 श्री कादर नवाज, निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा (एम० बी०) योजना, पश्चिम बंगाल सरकार ।

नियोजकों के प्रतिनिधि

19 डा० सुरेन्द्र प्राण लाल शाह

20 श्री आर० एन० जोशी

21 श्री आर० एन० मोतरा

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

22 श्री एस० डब्ल्यू० धाबे

23 डा० टी० राजगोपाल

24 डा० जी० कन्नाबिरान

चिकित्सा व्यवसाय के प्रतिनिधि

25 डा० डी० एम० मुनागेकर

26 डा० नरेन्द्र नाथ भट्टाचारजी

27 वैद्य लीला वती पटेल

कर्मचारी राज्य-बीमा निगम - एक नज़र में

	31-3-1969	31-3-1971	31-3-1972	1971-72 में प्रगति
राज्य	16	16	18	2
केन्द्र	313	324	318	- 6
कर्मचारी	34,49,000	38,39,000	39,75,500	1,36,500
परिवार एकक	35,74,100	41,97,050	42,95,350	98,300
बीमाकृत व्यक्ति	37,76,500	42,18,000	43,44,000	1,26,000
बीमाकृत महिलायें	2,69,100	2,87,000	2,96,500	9,500
कुल हितलाभाधिकारी	1,40,69,000	1,63,05,500	1,67,14,550	4,09,050
कर्मचारी जो योजना के अन्तर्गत आते है	5,65,400	6,23,600	6,15,950	
नकद भुगतान कार्यालय	502	535	×555	× 20
निरीक्षण कार्यालय	114	116	×113	× - 3
कर्मचारी राज्य-बीमा हस्पताल	31	41	× 46	× 5
कर्मचारी राज्य-बीमा उपभवन	20	20	× 19	× - 1
पलंग :	5			
कर्मचारी राज्य-बीमा हस्पताल	5,239	6,149	×6,781	×623
कर्मचारी राज्य-बीमा उपभवन	476	380	× 380	-
रक्षित	3,698	3,186	× 3061	× - 125
कुल पलंग	9,413	9,715	×10,222	×507
राज्य बीमा औषधालय	688	694	× 723	× 29
बीमा चिकित्सा अधिकारी तथा बीमा चिकित्सा व्यवसायी	6,167	6,154	×6,164	×10

पूंजीगत निर्माण (लाख रुपयों में)

स्वीकृत राशी तक	4,388,37	4,367,07	×4 597,32	× 230,25
अग्रिम राशी तक	2,773 75	3,011, 13	×3,228,43	× 217, 30

आय तथा व्यय (लाख रुपयों में)

	1968 - 69	1970 - 71	1971 - 72
राजस्व आय	3,321, 96	4959 89	5,358,62 ×
राजस्व व्यय	3, 198 46	4,474, 01	4,761,40 ×

× अनुमानित

उपलब्धियाँ

संख्या में वृद्धि	प्रथम योजना 1951 - 1956	द्वितीय योजना 1956-61	तृतीय योजना 1961-66	1966-69	1969-72
केन्द्र	31	89	139	54	5
बीमाकृत व्यक्ति	12,92,000	6,47000	14,66 000	371,500	5,67,500
परिवार एकक		6,78,656	2355,350	5,40,200	7,21,250
हितलाभाधिकारी	1292,000	26,01,000	8249360	1927,250	26,44,650
नकद भुगतान कार्यालय	99	129	178	96	x 53
निरीक्षण कार्यालय	82	32	29	21	x - 1
क.रा.बी. हस्पताल	-	7	7	17	x 15
क.रा.बी. उपभवन	-	-	17	9	x - 1
कुल पलंग (रक्षितों सहित)	878	1610	3,487	3438	x 809
रा.बी. औषधालय	98	296	239	115	x 35
बी.चि.अ. तथा बी.चि.न्य.	1767	1036	2660	704	- x 3
पूंजीगत निर्माण (लाख रुपयों में)					
स्वीकृत (स्वीकृत ऋण सहित)	17·28	4·47·67	2614 84	1308·58	208·95 x
अग्रिम दिया	10·28	84·06	1619·67	1059·74	454·68 x

x अनुमानित

भूमिका

1 1. बहुत समय से बीमा चिकित्सा व्यवसायी केपिटेशन शुल्क, जो उन्हें दी जाती थी बढ़ाने के लिये आंदोलन कर रहे थे। यह विषय कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अध्यक्ष के निर्णय पर छोड़ दिया गया था। मामले के सब पहलुओं को विचाराधीन रखते हुए अध्यक्ष महोदय ने तय किया कि कैपिटेशन शुल्क की दर 20 रुपये से 28 रुपये प्रति बीमाकृत व्यक्ति परिवार एकक 1 अक्तूबर, 1971 से आरम्भ होने वाले दौर से बढ़ा दी जाये।

बीमा-चिकित्सक व्यवसायियों को अदा होने वाली कैपिटेशन शुल्क मे बढ़ौतरी होने के कारण योजना की चिकित्सा-पक्ष मे सुधार के लिये एक संयुक्त कार्यशक्ति शुरू की गई। राज्य सरकारों से पेनल डाक्टरों के उपचार-गृहों का निरीक्षण करने के लिये प्रार्थना की गई थी तथा उन्हें भी यह सलाह दी गई थी कि छुट्टी, हड़ताल तथा तालाबन्दी के समय प्रमाण-पत्र देने में प्रतिरोध करे। ये उपाय जनवरी, 1972 से कार्यान्वित किये गये थे तथा इन उपायों से 1971-72 वर्ष मे अंतिम दौर मे अच्छे परिणाम प्रस्तुत हुए।

निगम ने एक सदर्श आयोजना पर एक समिति भी नियुक्त की। यह समिति अन्य बातों के साथ-साथ यह जांच करे तथा अपनी सिफारिशें दे कि चिकित्सा हितलाभ के स्तर मे समानता, जैसे योग्य योजना के कार्यक्रम में गति-वृद्धि, "परितोषिक प्रार्थी नही" की योजना चालू करने की संभावना तथा केन्द्रीय सरकार से सहायता या राज्य सरकारों द्वारा अपना अंश बढ़ाने आदि से पर्याप्त आर्थिक स्रोतों को तैयार करके हिसाब लगाये।

1 2 वर्ष के अन्तर्गत कर्मचारी राज्य बीमा योजना का विस्तार 31 अतिरिक्त क्षेत्रों मे काम करने वाले और 55,000 बीमाकृत व्यक्तियों पर आन्ध्र प्रदेश, असम, बिहार, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मैसूर, पंजाब तथा तमिलनाडु राज्यों में किया गया। इस संबंध में विस्तृत बातें इस रिपोर्ट मे बाद में दी गई हैं।

निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया गया —

राज्य	क्षेत्र
आन्ध्र प्रदेश	टाडेपल्ली तथा विजयवाडा की सीमाएं
असम	तिनसुखिया नगरपालिका के बाहरी क्षेत्र
बिहार	रामगढ़
केरल	एडुमुलकल तथा कुलूर-मुरियाद
मध्य प्रदेश	कुम्हारी, अमलाई, खंडवा तथा इटारसी
महाराष्ट्र	नासिक
मैसूर	स्वेत क्षेत्र तथा काडुगोडी, काडुगोडानाहाल्ली तथा के० जी० एफ०
पंजाब	समाडु तथा अकन्सो गांव
तमिलनाडु	पोट्टानेरी-नालागोन्डानपट्टी, वीराकल पुदुर, पलानी, नौकरपट्टी, उसिलामपट्टी, गांव पेरुमडी, के० वाई० एम० औद्योगिक क्षेत्र, सीमानूर तथा अरासुर।

विभिन्न राज्यों में परिवारों को दी जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति इस प्रकार है :—

(क) 'प्रतिबंधित' चिकित्सा सुविधाएं

महाराष्ट्र राज्य में बृहत्तर बम्बई, नासिक, पुलगांव, जलगांव, अमलनेर तथा औरंगाबाद : पंजाब राज्य में कपूरथला, लुधियाना, जलन्धर, फगवाड़ा के उपनगर मलेर कोटला, मलौटमंडी तथा नाभा उत्तरप्रदेश (नैनी के उपनगर, बामरौली, गोरखपुर, हरिद्वार, कानपुर और मोदीनगर) पश्चिमी बंगाल में 24 परगना तथा जिला हुगली ।

परिवार (बी० ब्य०) एकको की कुल संख्या = 15 31 लाख

(ख) 'विस्तरित' चिकित्सा देख-रेख

आन्ध्र प्रदेश (अदोनी, चिराला, इलूरू, गुन्टाकल, गुन्टूर, हैदराबाद-सिकन्दराबाद, कुरनूल, मचेरला, टाडेपल्ली तथा मार्कपुरम, मसूलीपटनम, नाट्टयापालेम, पेड्डाकाकनी, रामागुन्डम, सीरपुर कागजनगर, विजयवाड़ा की सीमाएं, विजयवाड़ा तथा विजयवाड़ा की सीमाएं एवं वारंगल को छोड़कर) असम, बिहार, चण्डीगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा (सूरजपुर, यमुनानगर तथा जगाधरी को छोड़कर) मध्य प्रदेश (इन्दौर को छोड़कर) महाराष्ट्र (बृहत्तर बम्बई, नासिक, पुलगांव, जलगांव, अमलनेर, औरंगाबाद, इचालकरंजी, धूलिया तथा बल्लारपुर को छोड़कर) मैसूर (बंगलौर तथा इसकी सीमाएं, श्वेत मैदान, के० जी० एफ०, धारवाड़, बैल्लारी तथा हासपेट को छोड़कर) उड़ीसा, पांडीचेरी तथा माहे, पंजाब (जालंधर, कपूरथला, लुधियाना, फगवाड़ा के उपनगर, मलेरकोटला, मलौटमण्डी तथा नाभा को छोड़कर), राजस्थान, तमिलनाडु (कोइम्बटूर, कोविलपट्टी, सोमानूर एवं अरासूर तथा मद्रास को छोड़कर), उत्तर प्रदेश में कानपुर तथा मोदीनगर, पश्चिमी बंगाल (24 परगना तथा जिला हुगली को छोड़कर) ।

परिवार (बी० ब्य०) एककों की कुल संख्या = 20.55 लाख

(ग) 'पूर्ण' चिकित्सा देख-रेख

आन्ध्र प्रदेश में अदोनी, चिराला, इलूरू, गुन्टाकल, गुन्टूर, हैदराबाद-सिकन्दराबाद, कुरनूल, मचेरला, टाडेपल्ली (मरकापुरम की सीमाओं सहित), मसूलीपट्टनम, पेड्डाकाकनी, रामागुन्डम, सीरपुर कागजनगर, विजयवाड़ा तथा इसकी बाहरी सीमाएं तथा वारंगल : मध्य प्रदेश में इन्दौर, मैसूर में बंगलौर तथा उसके उपनगर, श्वेत-मैदान तथा के० जी० एफ० तमिलनाडु में कोयम्बटूर, कोविलपट्टी तथा मद्रास : हरियाणा राज्य में यमुना नगर तथा जगाधरी तथा सम्पूर्ण केरल राज्य (कायमकुलम को छोड़कर) ।

परिवार (बी० ब्य०) एककों की कुल संख्या = 7 09 लाख

1.3 वर्ष के अन्तर्गत पांच और अस्पताल खोले गये थे । एक विशाखापटनम आन्ध्र प्रदेश में (30 पलंग), एक मुलुन्द महाराष्ट्र में (100 टी० बी० पलंग), एक दिल्ली में (150 पलंग), एक उद्योग मण्डल केरल में (120 पलंग), तथा अन्य मदुराई तमिलनाडु में (177 सामान्य पलंग एवं 25 टी० बी० पलंग) । इस प्रकार वर्ष के अंत में पूर्णरूप से काम करने वाले 46 कर्मचारी राज्य बीमा हस्पताल थे जिनका कि पूर्ण विवरण निम्न प्रकार है :—

क्र० सं०	राज्य	स्थान	चालू करने की तारीख	पलंगों की संख्या		विवरण
				सामान्य	क्षय	
(1)	मैसूर	बंगलौर	29-12-61	170	—	420 पलंगों की व्यवस्था की गई ।
			29-2-68	154	40	
(2)	उत्तर प्रदेश	कानपुर	26-1-62	112	—	
			27-8-66	100	—	
(3)	महाराष्ट्र	बम्बई	28-3-62	642	—	
(4)	तमिलनाडु	मद्रास	1-4-62	175	25	
			27-11-67	425	—	
(5)	बिहार	मुंगेर	26-1-63	30	—	
(6)	महाराष्ट्र	वर्ली	27-3-64	120	—	
		बम्बई	15-8-68	130	—	
(7)	आन्ध्र प्रदेश	हैदराबाद	29-3-64	150	—	230 पलंगों की जिनमें 20 क्षय रोग पलंग सम्मिलित हैं व्यवस्था कर दी है ।
			1-2-68	60	—	
(8)	पश्चिमी बंगाल	सियालदा	17-12-64	100	—	
			25-7-67	150	—	
(9)	पश्चिम बंगाल	कमरहाटी	29-3-64	100	—	
			4-12-65	75	—	
(10)	आन्ध्र प्रदेश	सीरपुर कागजनगर	1-1-65	30	—	110 पलंगों की जिनमें 40 क्षय रोग पलंग सम्मिलित हैं व्यवस्था की गई है ।
			25-10-71	30	—	

क्र० सं०	राज्य	स्थान	चालू करने की तारीख	पलंगों की संख्या		विवरण
				सामान्य	क्षय	
(11)	उड़ीसा	चौद्वार	23-3-65	50	—	
(12)	प० बंगाल	बेलूर बल्ली	15-4-65	—	100	
(13)	प० बंगाल	सेरामपुर	2-10-65	166	—	
(14)	पंजाब	अमृतसर	1-3-66	25	—	
			1-6-68	25	—	
			30-9-68	75	—	
(15)	मध्य प्रदेश	इन्दौर	15-8-66	90	—	राज्य सरकार ने इन्दौर में पलंगों की संख्या 150 से घटा 90 तथा 75 क्षय रोग पलंगों से घटाकर 40 कर दी है।
(16)	मध्य प्रदेश	इन्दौर	15-8-66	—	40	
(17)	उत्तर प्रदेश	कानपुर (चैस्ट हस्पताल)	26-1-67	—	180	
(18)	प० बंगाल	बांकरा	1-2-67	416	—	
(19)	प० बंगाल	उल्बेरिया	26-2-67	166	—	
(20)	बिहार	मैथन	27-10-67	36	—	
			31-8-68	74	—	
(21)	उत्तर प्रदेश	मोदीनगर	27-1-68	100	—	
(22)	हरियाणा	फरीदाबाद	15-2-68	80	—	
(23)	आन्ध्र प्रदेश	विजयवाड़ा	26-2-68	30	—	90 पलंगों की 40 क्षय रोग सहित व्यवस्था की गई।
			उपलब्ध नहीं			
(24)	आन्ध्र प्रदेश	वारंगल	18-3-68	30	—	50 पलंगों की व्यवस्था की गई है।
(25)	केरल	मुलकुंथुकाडू	25-4-68	—	100	
(26)	केरल	असराम	1-6-68	100	—	
(27)	उत्तर प्रदेश	कानपुर (प्रसूती हस्पताल)	23-7-68	144	—	
(28)	प० बंगाल	कल्याणी	20-12-68	266	—	
(29)	केरल	अलेप्पी	6-2-69	55	—	
(30)	पंजाब	लुधियाना	11-2-69	80	—	
(31)	केरल	पिछरकावा	28-3-69	50	—	
(32)	हरियाणा	यमुनानगर	25-4-68	60	—	
(33)	मैसूर	इन्डेली	9-5-69	24	—	
(34)	गुजरात	नरोडा	1-7-70	—	200	
(35)	तमिलनाडु	कोयम्बतूर	31-8-70	300	—	500 पलंगों की, 25 क्षय रोग पलंगों सहित की व्यवस्था की गई।
(36)	आन्ध्र प्रदेश	अदोनी	25-10-70	25	—	50 पलंगों की व्यवस्था की गई।
(37)	महाराष्ट्र	नागपुर	1-1-71	50	—	150 पलंगों की व्यवस्था की गई।
(38)	गुजरात	बापूनगर अहमदाबाद	26-1-67	200	—	500 पलंगों की व्यवस्था की गई।
(39)	केरल	त्रिचूर	13-3-71	60	—	
(40)	मध्य प्रदेश	उज्जैन	22-3-71	50	15	
(41)	हरियाणा	पानीपत	15-6-71	15	—	50 पलंगों की व्यवस्था की गई।
(42)	आन्ध्र प्रदेश	विशाखापटनम	26-1-72	30	—	110 पलंगों की व्यवस्था की गई।
(43)	महाराष्ट्र	मुलन्ड	23-12-71	—	100	600 पलंगों की व्यवस्था की गई।
(44)	केरल	उद्योग मंडल	27-11-71	120	—	
(45)	दिल्ली	दिल्ली	1-12-71	150	—	
(46)	तमिलनाडु	मदुराय	13-4-71	177	25	
				6102	825	
			योग :	6927		

बंगलौर, हैदराबाद, सीरपुर, कागजनगर, विजयवाड़ा, वारंगल, कोयम्बतूर, बापूनगर, पानीपत, विशाखापटनम और मुलुन्द में पलंगो की संख्या को कुछ समय में 56, 20, 50, 30, 20, 200, 300, 35, 80, तथा 500 से क्रमशः बढ़ा दिया जायेगा।

1.4 वर्ष के अन्त में निम्नलिखित हस्पताल (जिनके निर्माण के लिये निगम ने निधि स्वीकृत की थी) निर्माण की विभिन्न अवस्थाओं में थे (जिनमें से कुछों की शीघ्र ही तैयार होने की आशा थी) —

क्रम सं०	राज्य	स्थान	पलंगों की संख्या	
			सामान्य	क्षय
1	बिहार	डालमियानगर	50	—
2	केरल .	परोपल्ली	—	100
3	केरल	वेवावतूर (कोट्टायम)	50	—
4	केरल	अर्नाकुलम	50	—
5.	केरल .	एलूकोन	150	—
6	केरल .	अरपुकारा	—	80
7	मध्य प्रदेश .	रायपुर	—	75
8	उड़ीसा .	कोसाबहल	40	—
9	पंजाब .	जालंधर	60	—
10	राजस्थान .	जयपुर	113	—
11	प० बंगाल .	बजबज	300	—
12	प० बंगाल .	गौहाटी	150	—
13	महाराष्ट्र .	औंध	—	410
		योग	963+665=1628	

1.5. पैरा 1.3 और 1.4 में बताए गए हस्पतालों के अतिरिक्त निगम, योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित 3 और क० रा० बी० हस्पतालों के निर्माण के लिये भी सहमत हो गया है —

क्र० स०	राज्य	स्थान	पलंगो की संख्या	
			सामान्य	क्षय
1	मैसूर .	बंगलौर	60	—
2	प० बंगाल .	मनिकोटला	400	—
3	प० बंगाल .	आसनसोल कल्यापुर	—	150
		योग .	460+150 =610	

1.6 वर्ष के दौरान कोयम्बतूर में एक 84 पलंगो वाली अनेक्सी जोकि जनवरी, 1959 से कर्मचारी राज्य बीमा योजना द्वारा प्रयोग में लाई जा रही थी, बन्द कर दी है तथा 4 राजस्थान में चालू की गई। इस प्रकार वर्ष के अंत में नीचे दिये गये ब्यौरों के अनुसार निगम को कुल मिलाकर 23 क० रा० बी० अनेक्सियां चल रही थीं —

क्र० स०	राज्य	स्थान	चालू करने की तारीख	पलंगो की संख्या	
				सामान्य	क्षय
1	आन्ध्र प्रदेश	इरामनुमा	5-1-59	—	24
2	महाराष्ट्र	नागपुर	1-1-58	—	25
3	बिहार	इटकी	1-12-69	—	20
4	हरियाणा	फरीदाबाद	1-4-68	—	12
5	हरियाणा .	धर्मपुर	1-4 65	—	12
6	केरल	पुलायानरकोटा	5-1-64	—	24
7	मैसूर	बंगलौर	1-4-61	—	16
			16-8-63	—	16
8	उड़ीसा .	चौद्वार	23-3-65	—	12
9.	पंजाब .	अमृतसर	1-4-65	—	12
10.	राजस्थान .	जयपुर	दिसम्बर, 1961	—	15
11	राजस्थान .	बारीउदयपुर	20-5-66	—	16
12	राजस्थान	पाली	15-3-66	12	—
13	राजस्थान	भीलवाड़ा	12-3-66	12	—
14	राजस्थान	जोधपुर	25-8-65	20	—
15	तमिलनाडु	शिवकासी	21-1-61	12	—
16	तमिलनाडु .	तम्बारम	20-8-63	—	52
17	तमिलनाडु	काइलपट्टी	20-3-68	32	—
18	तमिलनाडु	लालगुडी	12-3-64	10	—
19	तमिलनाडु	नागरकोइल	11-2-69	—	26
20	राजस्थान	कोटा	1-11-71	24	—
21	राजस्थान	श्रीगंगानगर	1-11-71	6	—
22	राजस्थान	उदयपुर	1-11-71	6	—
23	राजस्थान	भरतपुर	1-11-71	10	—
		योग		144+282=426	

1.7 कावेरी नगर (तमिलनाडु) में एक 10 पलंगो का वार्ड लगभग पूर्ण हो चुका था तथा विजराज नगर में भी एक 16 पलंगो का क०रा० बी० वार्ड वर्ष के अन्त में चालू करने के लिये तैयार था। पैरा 1.6 में बताई गई अनेक्सियों के अलावा निम्नांकित अनेक्सियां वर्ष के अन्त में निर्माण हेतु थीं। जिनका ब्यौरा नीचे दिया गया है —

क्र० स०	राज्य	स्थान	पलंगो की संख्या	
			सामान्य	क्षय
(i)	तमिलनाडु	पुडुकोट्टाई	—	16
(ii)	तमिलनाडु .	विरुनगर	—	16
		योग	—	32

1.8 बीमाकृत व्यक्तियों और कालान्तर में उनके परिवार के सदस्यों के उपयोग में आने वाले पलंगों की संख्या चालू किये गये, निर्माणाधीन और स्वीकृत (जिनमें कार्य अभी प्रारम्भ होना है) क० रा० बी० हस्पतालों और अनेक्सियों में निम्न प्रकार थी —

परियोजना का प्रकार	चालू किये गये			निर्माणाधीन			निर्माण के लिये स्वीकृत		
	परियोजनाओं की संख्या	पलंगों की संख्या		परियोजनाओं की संख्या	पलंगों की संख्या		परियोजनाओं की संख्या	पलंगों की संख्या	
		सामान्य	क्षय		सामान्य	क्षय		सामान्य	क्षय
हस्पताल . .	46	6102	825	13	1148	180	3	460	150
एनेक्सी . .	23	169	257	2	—	32	—	—	—
योग :	69	6271	1082	15	1448	212	3	460	150
			7353			1660			610

1.9. वर्ष के अंत में निगम को चालू रा० बी० डिसपेंसरियों की संख्या 142 थी। इनमें दिल्ली स्थित वह 6 रा० बी० डिसपेंसरियां शामिल नहीं है जो केन्द्रीय सरकार/दिल्ली प्रशासन के भवनों में स्थित हैं।

1.10. 31-3-1972 को योजना के अन्तर्गत पूंजीगत निर्माण कार्यक्रम के लिये स्वीकृत राशि का ब्यौरा निम्न प्रकार है :—

परियोजना का वर्ग	31-3-1971 की स्वीकृत राशि	31-3-1972 की स्वीकृत राशि
(क) चिकित्सालय/एनेक्सी/ उपस्कर/औषधालय तथा स्टाफ क्वार्टर आदि . .	35,63,62,815.40	36,54,39,730.85
(ख) महाराष्ट्र सरकार को ऋण	4,00,00,000.00	5,34,00,000.00
(ग) सहायक अनुदान .	1,00,00,000.00	1,00,00,000.00
(घ) निगम के कार्यालय/ स्टाफ क्वार्टर .	3,03,44,507.39	3,08,92,109.76
	43,67,07,322.79	45,97,31,840.61

1.11. समीक्षाधीन वर्ष मे निगम ने नकद लाभों के रूप मे 2113 लाख रुपये दिये। चिकित्सा लाभों की लागत में निगम के अंश के रूप में वर्ष के दौरान 1703 लाख रुपये का भुगतान किया गया। इसके अतिरिक्त 570 लाख रुपये का भुगतान 1970–71 तक चिकित्सा हितलाभ निगम के पुराने संचित दायित्वों के अंश के रूप में किया गया।

1.12. रा० बी० निगम एक नजर में चार्ट में वर्ष 1971-72 में निगम की प्रगति दिखाई गई है। आकड़ो द्वारा 31-3-69, 31-3-71 और 31-3-72 की स्थिति बताई गई है। तीनों योजना अवधियो में से प्रत्येक में और 1966-69 तथा 1969-72 की अवधियों के दौरान योजनाओं की कुछ महत्वपूर्ण बातों से सबधित प्रगति भी चार्ट 'उपलब्धियां' मे दिखाई गई है।

2. कार्यान्वयन में प्रगति

समीक्षाधीन वर्ष में नीचे दिये गये राज्यों के निम्नलिखित अतिरिक्त क्षेत्रो मे योजना कार्यान्वित की गई :—

राज्य	स्थान	योजना का विस्तार
आन्ध्र प्रदेश	साट्यपालेम, टाडेपल्ली तथा विजयवाड़ा के उपांत	बीमाकृत व्यक्ति तथा परिवार
असम	लिनसुखिया की नगर पालिका सीमा के बाहर का क्षेत्र।	बीमाकृत व्यक्ति तथा परिवार
बिहार	रामगढ़	बीमाकृत व्यक्ति तथा परिवार
केरल	पुलूर-मुरियाद तथा कायमकुलम	बीमाकृत व्यक्ति तथा परिवार
मध्य प्रदेश	आमलाई, खंडवा तथा इटारसी	बीमाकृत व्यक्ति तथा परिवार
महाराष्ट्र	नासिक इचालकरंजी बल्लारपुर तथा धूलिया	बीमाकृत व्यक्ति तथा परिवार
मैसूर	श्वेत-क्षेत्र, काडुगोडी काडुगोंडानहाल्ली, के० जी० एफ०, धारवाड़, बेलारी तथा हासपेट	बीमाकृत व्यक्ति तथा परिवार
पंजाब	समाधू तथा धकंसी ग्राम	बीमाकृत व्यक्ति तथा परिवार
तमिलनाडु	पोट्टानेरी-नालागोंडानपट्टी, वेराकल पूदूर पलानी, निकारपट्टी, उसिलामपट्टी, ग्राम पेरमंडी, के० बाई० एम० औद्योगिक क्षेत्र, सोमासूर तथा आराशूर।	बीमाकृत व्यक्ति तथा परिवार

वर्ष के दौरान 51,300 अतिरिक्त व्यक्ति उपरोक्त क्षेत्रो में योजना के अंतर्गत लाये गये और उन क्षेत्रो के बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या में घटबढ़ को ध्यान मे रखते हुये जहां योजना कार्यान्वित की जा चुकी है वर्ष के अंत में योजना के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियो की संख्या लगभग 39,75,500 थी। वर्ष के अंत में योजना सभी राज्यो और दिल्ली, पाडीचेरी तथा चंडीगढ़ के संघ क्षेत्रों में 318 केन्द्रो में लागू थी।

3. बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर चिकित्सा देख-रेख का विस्तार

समीक्षाधीन वर्ष में निम्नलिखित राज्यों में, उनके सामने दी गई तारीखो से लगभग 28,600 परिवार (बी० व्य०) एकको पर (अर्थात

लगभग 82,350 अधिक लाभाधिकारियों पर) चिकित्सा क्षेत्र-रेख का विस्तार किया गया :—

राज्य	क्षेत्र	31-3-72 को परिवार (बी०व्य०) एककों की संख्या	विस्तार की तारीख
आन्ध्र प्रदेश	टाडेपल्ली विजयवाड़ा के उपांत	टाडेपल्ली सहित 1700	6-2-72
असम	तिनसुखिया नगर-पालिका की सीमा के बाहर का क्षेत्र	तिनसुखिया में सम्मिलित	26-12-71
बिहार	रामगढ़	3750	27-2-72
केरल	पुलूर-मूरियाद	2100	23-1-72
	एडुमुयकल	850	23-5-71
मध्य प्रदेश	कुम्हारी	1500	20-6-71
	आमलाई	2700	25-7-71
	खंडवा	2350	15-8-71
	इटारसी	1050	15-8-71
महाराष्ट्र	नासिक	3700	30-1-72
मैसूर	श्वेत क्षेत्र तथा काडुगोडी, काडुगोडानहल्ली (बंगलौर उपनगर)	1400 बंगलौर सम्मिलित	26-12-71 6-2-72
	के० जी० एफ०	3400	26-3-72
पंजाब	समाधू और धकंसो गांव (राजपुरा के उप-नगर)	राजपुरा में सम्मिलित	19-9-71
तमिलनाडु	पोट्टानेरी-नालागौडाम-हाल्ली तथा वीरकल-पुदूर	1750	29-8-71
	पलानी तथा निक्कार-पट्टी	1700	26-9-71
	उसिलामपट्टी	650	26-9-71
	पेरूमंडी गांव	कुंभाकोनम में सम्मिलित	28-11-71
	के० वाई० एम० उद्योग क्षेत्र	तिरूनेलवेली में सम्मिलित	28-11-71
	योग .	28600	

योजना के अंतर्गत पहले से आये हुए क्षेत्रों में कर्मचारियों की घटबढ़ को ध्यान में रखते हुए, वर्ष के अंत में परिवार चिकित्सा सुविधाओं में शामिल परिवार (बी० व्य०) एककों की संख्या लगभग 42,95,350 (अर्थात बीमाकृत व्यक्तियों को छोड़कर लगभग 1,23,70,550 परिवार सदस्य) थी।

4. योजना का विस्तार

विभिन्न राज्यों के निम्नलिखित क्षेत्रों में उनके सामने दी गई तारीखों को योजना लागू की गई :—

राज्य	क्षेत्र	विस्तार की तारीख
आन्ध्र प्रदेश	नाट्यपालेम	2-1-72
	टाडेपल्ली	7-11-71
	विजयवाड़ा के उपांत	7-11-71
असम	तिनसुखिया की नगरपालिका सीमा से बाहर का क्षेत्र	26-9-71
बिहार	रामगढ़	28-11-71
केरल	पुलूर-मुरियाद	24-10-71
	कायमकुलम	16-1-72
मध्य प्रदेश	आमलाई	25-4-71
	खंडवा	16-5-71
	इटारसी	16-5-71
महाराष्ट्र	नासिक	31-10-71
	इचालकरंजी	30-1-72
	बल्लारपुर	27-2-72
	धूलिया	26-3-72
मैसूर	श्वेत क्षेत्र तथा काडुगोडी	26-9-71
	काडुगौडानहल्ली	7-11-71
	के० जी० एफ०	26-12-71
	धारवाड़	16-1-72
	बेलारी	26-3-72
	हासपेट	26-3-72
पंजाब	समाधी तथा धकंसो गांव	20-6-72
तमिलनाडु	पोट्टानेरी-नालागौडानहल्ली तथा वीराकलौदूर	30-5-71
	पलानी तथा निक्कारपट्टी	27-6-71
	उसिलामपट्टी	27-6-71
	पेरूमंडी गांव	29-8-71
	के० वाई० एम० उद्योग क्षेत्र	29-8-71
	सोमानूर और आरामूर	30-1-72

आयोग, समितियां और सम्मेलन

5. निगम

11 अगस्त, 1971 और 18 फरवरी, 1972 के क० रा० बी० निगम की दो बैठकें हुईं। इन बैठकों में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय परिशिष्ट-1 में दिये गये है।

6. स्थायी समिति

क० रा० बी० निगम की स्थायी समिति की दो बैठकें 16 नवम्बर, 1971 और 17 फरवरी, 1972 को हुई। इन बैठकों में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय परिशिष्ट-2 में दिये गये है।

7. चिकित्सा हित लाभ परिषद्

चिकित्सा हितलाभ परिषद की केवल एक बैठक 9 फरवरी, 1972 को हुई। परिषद की महत्वपूर्ण सिफारिशें परिशिष्ट-3 में दी गई हैं।

8. क्षेत्रीय बोर्ड

वर्ष के अंत में पंजाब राज्य को छोड़कर शेष सभी राज्यों में क्षेत्रीय बोर्डों का गठन हो चुका था। विभिन्न क्षेत्रीय बोर्डों की वर्ष के दौरान हुई बैठकों की संख्या नीचे दी गई है :—

क्षेत्रीय बोर्ड का नाम	बैठकों की संख्या और तारीख
आन्ध्र प्रदेश . . .	1 4-5-71
असम	1 4-9-71
बिहार	2 24-5-71 तथा 7-12-71
दिल्ली	1 6-5-71
गुजरात . . .	2 29-11-71 तथा 10-12-71
हरियाणा	2 14-5-71 तथा 28-10-71
केरल	4 5-4-71, 7-5-71, 22-7-71 तथा 22-11-71
मध्य प्रदेश . . .	2 5-5-71 तथा 28-8-71
महाराष्ट्र . . .	3 15-6-71, 2-9-71 तथा 25-11-71
मैसूर . . .	2 21-5-71 तथा 11-2-72
पांडीचेरी . . .	3 15-5-71 5-7-71 तथा 14-2-72
उड़ीसा	1 24-2-72
राजस्थान . . .	1 5-5-71
तमिलनाडु . . .	3 25-4-71, 17-5-71 तथा 24-9-71
उत्तर प्रदेश . . .	1 6-7-71
पं० बंगाल . . .	1 23-6-71

9. स्थानीय समितियां :

क० रा० बी० (सामान्य) विनियम 1950 के अधीन 10-क के अधीन समीक्षाधीन वर्ष में निम्नलिखित स्थानों पर 8 और स्थानीय समितियां स्थापित की गई।

क्षेत्र का नाम	किस क्षेत्र के लिये स्थापित की गई
1. बिहार . . .	गया, रांची और मोकामह
2. गुजरात . . .	सूरत
3. महाराष्ट्र . . .	अमलनेर
4. उड़ीसा . . .	जेकेपुर
5. तमिलनाडु . . .	नेलीकुप्पम तथा उसिलामपट्टी

वर्ष के अंत में समस्त देश में 166 स्थानीय समितियां स्थापित हो चुकी थी।

प्रशासन

10. क्षेत्रीय संगठन

31 मार्च 1972 को सभी राज्यों और संघ क्षेत्रों में 15 क्षेत्रीय कार्यालय, 1 उप क्षेत्रीय कार्यालय, 263 स्थानीय कार्यालय, 47 लघु स्थानीय कार्यालय, 5 उप स्थानीय कार्यालय, 235 भुगतान कार्यालय और 113 निरीक्षण कार्यालय कार्य कर रहे थे।

11. कर्मचारियों की संख्या

निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की कुल प्राधिकृत संख्या (निदेशालय चिकित्सा दिल्ली के कार्यालय को छोड़कर) 31 मार्च 1971 को 7144 की तुलना में 31 मार्च, 1972 को 7486 थी। 31 मार्च 1972 को मुख्यालय तथा विभिन्न क्षेत्रों के लिये प्राधिकृत कर्मचारी वर्ग परिशिष्ट-4 (भाग-1) में दिखाया गया है। निदेशालय (चिकित्सा), दिल्ली के कार्यालय के लिये प्राधिकृत कर्मचारी वर्ग उक्त परिशिष्ट के भाग-2 में दिया गया है।

12. कर्मचारियों का स्थायीकरण

वर्ष 1968-69 के श्रेणी I और श्रेणी-II के स्थायी पद सृजन हेतु केन्द्रीय सरकार का अनुमोदन इस वर्ष प्राप्त हो गया था और इन पदों का स्थायीकरण किया जा रहा है। समय समय पर स्वीकृत स्थायी पदों का श्रेणी-III और श्रेणी-IV के कर्मचारियों को भी क्षेत्रों/कार्यालयों में स्थायीकरण कर दिया है। अन्य कार्यालयों में कर्मचारियों के स्थायीकरण की कार्यवाही की जा रही है।

13. प्रधान अधिकारी

श्री बी० आर० नटेसन ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम के बीमा आयुक्त का पद 2 जुलाई, 1971 को त्याग दिया।

14. स्थानीय कार्यालय प्रबन्धकों तथा बीमा निरीक्षकों का प्रशिक्षण

कर्मचारियों के प्रशिक्षण की आवश्यकता और उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए समीक्षाधीन वर्ष में प्रबन्धक ग्रेड-II तथा बीमा निरीक्षकों के लिये दो प्रशिक्षण कार्यक्रम बम्बई तथा मद्रास में आयोजित किये गये। वर्ष के अन्तर्गत कुल 42 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

15. सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मिलाने की दिशा में प्रगति

प्रो० एन० एन० चटर्जी, भूतपूर्व संयुक्त सचिव, श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय, के सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एकीकरण से संबंधित वैधिक, प्रशासनिक तथा संगठन करने के मामलों की विस्तृत रूप से जांच करने के लिये नियुक्त किया था और उन्होंने विस्तृत रूप-रेखा प्रस्तुत कर दी है जो केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन है।

16. प्रचार

आकाशवाणी के विभिन्न स्टेशनों से विभिन्न भाषाओं में कई वार्ताओं और परिचर्चाओं का प्रसारण किया गया। निगम के अधिकारियों ने विभिन्न केन्द्रों में कार्यकर्ताओं और प्रशिक्षणों के समक्ष भाषण भी दिये फिर भी जब योजना के अंतर्गत हितलाभों को विशेष विषय दिया गया, तब पहले से भिन्न इन वार्ताओं और परिचर्चाओं में बीमाकृत आबादी के निश्चित वर्ग द्वारा योजना में दिये गये हितलाभों का दुरुपयोग रोकने की आवश्यकता को महत्व दिया गया।

शिक्षाप्रद प्रचार के रूप में बीमाकृत व्यक्तियों में योजना के अंतर्गत हितलाभों को दुरुपयोग पर पाबंदी लाने के लिये 11 जनवरी, 1972 से प्रतिदिन तीन महीने के लिये आकाशवाणी, कलकत्ता की कार्मशियल सर्विसेज पर एक रेडियो स्पोट भी प्रसारण की गई।

यह समस्या निगम का ध्यान आकर्षित कर रही थी कि योजना का दुरुपयोग बढ़ोत्तरी पर है। इसके लिये यह निर्णय किया गया कि बीमाकृत व्यक्तियों को प्रशिक्षण देने के लिये सामरिक स्थानों पर उचित नारे दिये जायें। उचित नारे एकत्रित करने के लिये कर्मचारी राज्य बीमा निगम कर्मचारियों में एक नारा प्रतियोगिता हुई तथा इन नारों की प्राप्ति के लिये अन्तिम तिथि 15 मई 1972 तक बढ़ा दी गई

उपरोक्त के अतिरिक्त अंग्रेजी तथा क्षेत्रीय भाषाओं के बहुत से महत्वपूर्ण समाचारपत्रों में कर्मचारियों राज्य बीमा योजना की प्रगति के संबंध में समाचार भी प्रकाशित हुए।

योजना का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिये संबंधित पक्षों के साथ पहले की तरह निकट सम्पर्क बनाया रखा गया। क्षेत्रीय कार्यालयों/स्थानीय कार्यालयों में आये कर्मचारियों/बीमाकृत व्यक्तियों तथा मजदूर संघों के प्रतिनिधियों की शंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

17. भारत में सामाजिक सुरक्षा में मलेशिया से आये एक व्यक्ति का प्रशिक्षण

श्री एस० कृष्णपिलाई, सहायक निदेशक, श्रम विभाग (मलेशिया) कोलम्बो योजना के अन्तर्गत 5-6-71 से 5-7-71, भारत में प्रशिक्षण के लिये आये। निगम द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा योजना में शिक्षा एवं प्रशिक्षण की आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की।

विस्तार क्षेत्र

18. योजना के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारी आदि (परिशिष्ट 5 तथा 6)

परिशिष्ट 5 और 6 तक में योजना के विस्तार क्षेत्र संबंधी ब्यौरे दिये गये हैं। 31-3-72 को योजना के अन्तर्गत आने वाली फैक्टरियों की संख्या 23,496 थी जबकि एक वर्ष पूर्व यह संख्या 21,856 थी। इनमें से लगभग 21,737 फैक्टरियों, क्रियान्वयन क्षेत्रों में थी। पिछले वर्ष यह संख्या 20,217 थी तथा शेष 1759 फैक्टरियां उन क्षेत्रों में थी जहां कि अभी क्रियान्वयन किया जाना है। क्रियान्वयन केन्द्रों के कर्मचारियों की कुल संख्या 39.75 लाख थी और उन क्षेत्रों के कर्मचारियों की संख्या लगभग 6.16 लाख थी जिनमें कि अभी क्रियान्वयन किया जाना है। डाक्टरी इलाज पाने के हकदार बीमाकृत व्यक्तियो की संख्या 43.44 लाख और परिवार (बी० व्य०) एककों की संख्या लगभग 42.95 लाख थी। कुल मिलाकर डाक्टरी इलाज पाने के हकदार हिताधिकारियों (बीमाकृत व्यक्तियों सहित) की कुल संख्या 31-3-72 को लगभग 167.15 लाख थी।

चिकित्सा सुविधा के स्तर में सुधार

19. अंतरंग रोगियों के इलाज के लिए हस्पतालों में पलंगों की व्यवस्था

19.1. वर्ष 1971-72 के दौरान निम्नलिखित हस्पतालो में 778 पलंगों की व्यवस्था की गई :—

1.	क० रा० बी० हस्पताल, विशाखापटनम (आन्ध्र प्रदेश)	30
2.	*कर्मचारी रा० बी० हस्पताल, सीरपुर कागजनगर (आन्ध्र प्रदेश)	30
3.	*क० रा० बी० हस्पताल, विजयवाड़ा (आन्ध्र प्रदेश)	30
4.	क० रा० बी० हस्पताल, दिल्ली (दिल्ली)	150
5.	क० रा० बी० हस्पताल, मुलन्द (महाराष्ट्र)	100
6.	क० रा० बी० हस्पताल, मदुराय (तमिलनाडु)	202
7.	**क० रा० बी० हस्पताल, बालटीकुरी (पं० बंगाल)	116
8.	क० रा० बी० हस्पताल, उद्योगमंडल (केरल)	120
	योग:	778

*प्रारम्भ में हस्पतालो को 30 पलंगों से चालू किया गया था परन्तु अब प्रत्येक हस्पताल में पलंगों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है।

**प्रारम्भ में हस्पतालों को 300 पलंगों से चालू किया गया था परन्तु अब पलंगों की संख्या बढ़कर 116 हो गई है।

31-3-72 को क० रा० बी० योजना के अधीन पलंगों की कुल संख्या 10257 थी जिनके ब्यौरे परिशिष्ट-7 में दिये गये है।

19.2. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा हस्पताल में प्रतिदिन प्रति पलंग आवर्ती लागत इस प्रकार थी :—

	रु० पै०
1. क० रा० बी० हस्पताल, हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश 210 पलंग)	22.74
2. क० रा० बी० हस्पताल, सीरपुर-कागजनगर (आन्ध्र प्रदेश 60 पलंग)	16.13
3 क० रा० बी० हस्पताल, वारंगल (आन्ध्र प्रदेश 30 पलंग)	18.22
4. क० रा० बी० हस्पताल, विजयवाड़ा (आन्ध्र प्रदेश 60 पलंग)	21.25
5 क० रा० बी० हस्पताल आदोनी (आन्ध्र प्रदेश 25 पलंग)	14.48
6. क० रा० बी० हस्पताल, विशाखापटनम (आन्ध्र प्रदेश 30 पलंग)	17.75
7. क० रा० बी० हस्पताल, मैथन (बिहार 110 पलंग)	19.94
8. क० रा० बी० हस्पताल, मुंगेर (बिहार 30 पलंग)	21.05
9. क० रा० बी० हस्पताल, बसईदारापुर, दिल्ली (दिल्ली 150 पलंग)	अप्राप्य
10. क० रा० बी० हस्पताल, नरोदा, अहमदाबाद (गुजरात 200 पलंग)	12.03
11. क० रा० बी० हस्पताल, बापूनगर, अहमदाबाद (गुजरात 200 पलंग)	11.53
12. क० रा० बी० हस्पताल, फरीदाबाद, (हरियाणा 80 पलंग)	14 51*
13. क० रा० बी० हस्पताल, जगाधरी (हरियाणा 60 पलंग)	अप्राप्य
14 क० रा० बी० हस्पताल, पानीपत (हरियाणा 15 पलंग)	9.00*
15 क० रा० बी० हस्पताल, मुलाकन्नाथकावू (केरल 100 पलंग)	17.00*
16 क० रा० बी० हस्पताल, असरगमम (केरल 100 पलंग)	17.00*
17. क० रा० बी० हस्पताल, अल्लेपी (केरल 55 पलंग)	17.00*
18. क० रा० बी० हस्पताल, पेरुरकाडे (केरल 50 पलंग)	17.00*
19. क० रा० बी० हस्पताल, त्रिचूर (केरल 60 पलंग)	17.00*

कर्मचारियों का प्रादेशिक सीमा क्षेत्र (31-3-1970 तक)

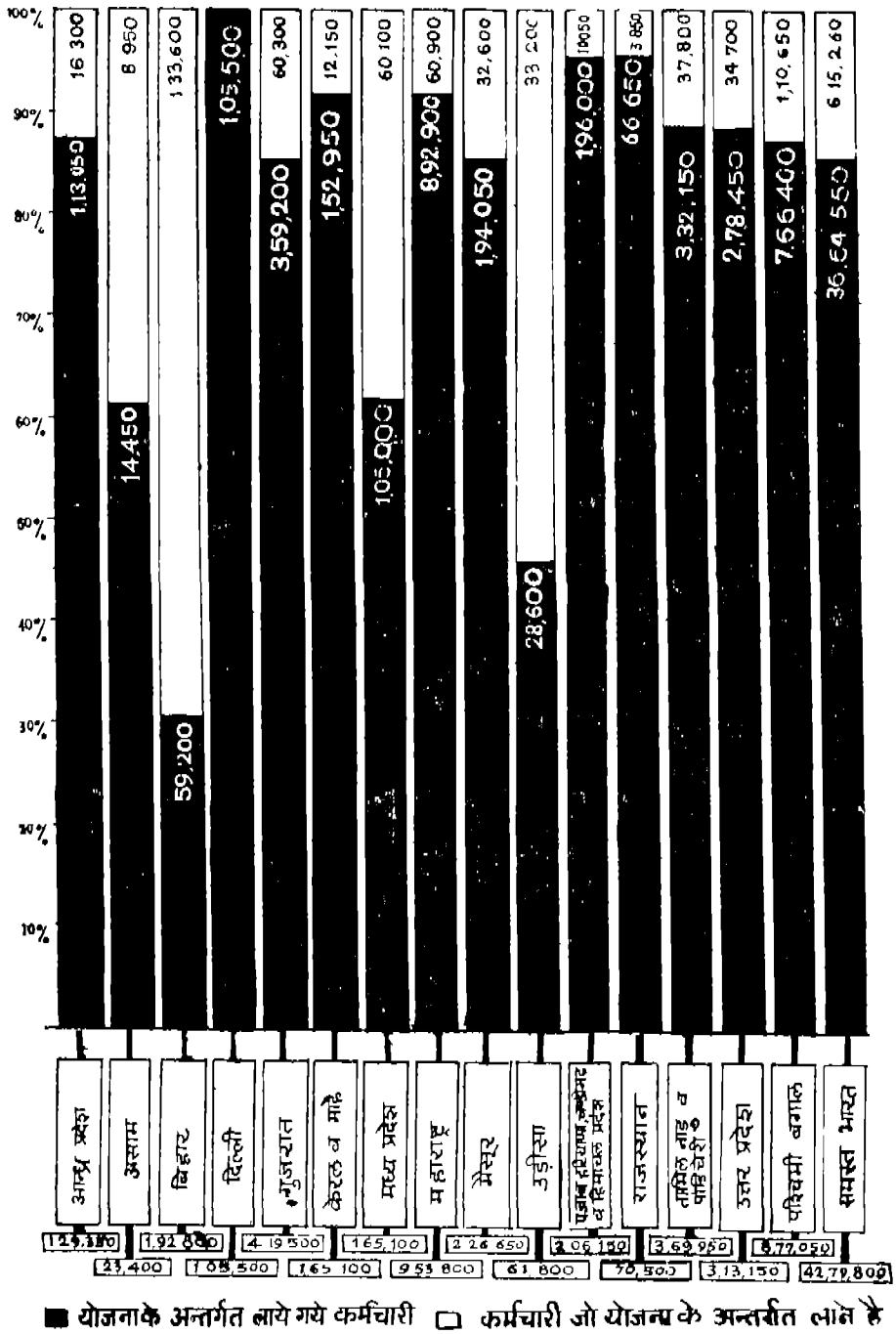

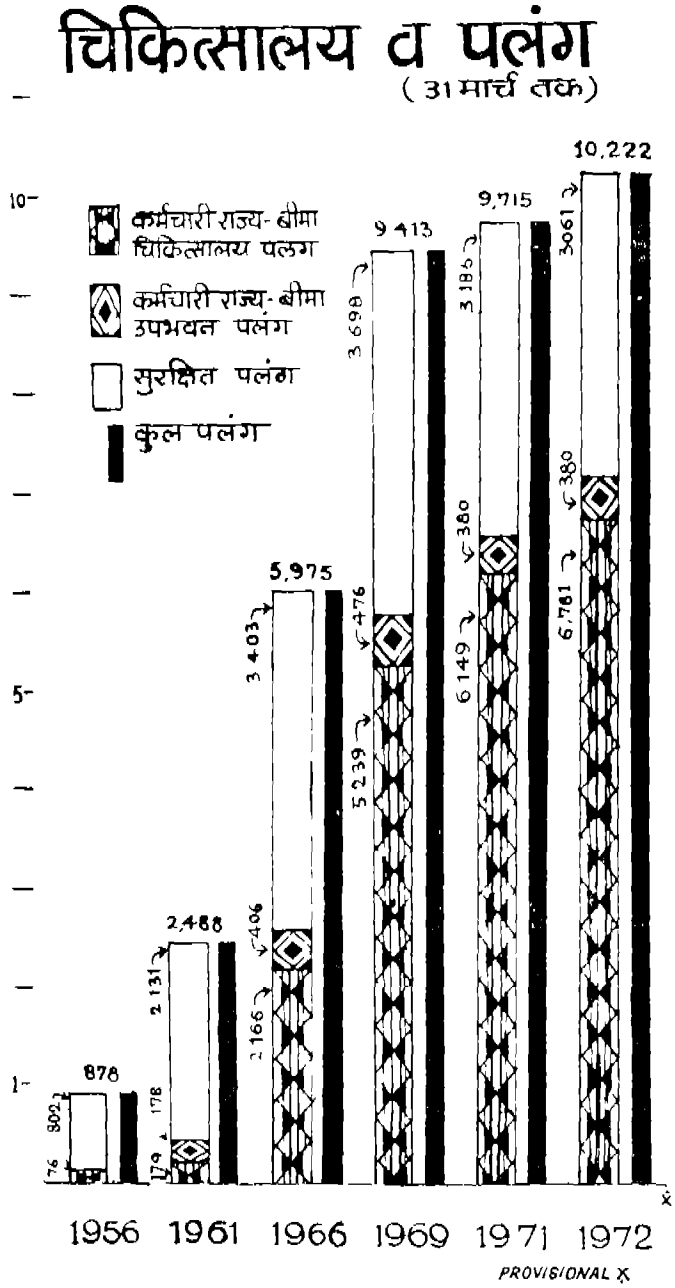

चिकित्सालय व पलंग

(31 मार्च तक)

	रु० पै०
20 क० रा० बी० हस्पताल, उद्यान मंडल (किरन 120 पलंग)	17 00*
21 क० रा० बी० हस्पताल, इन्दौर (मध्य प्रदेश 90 पलंग)	11.93
22 क० रा० बी० हस्पताल, इन्दौर (मध्य प्रदेश 11 पलंग)	15 90
23 क० रा० बी० हस्पताल, उज्जैन (मध्य प्रदेश 65 पलंग)	11 96
24 क० रा० बी० हस्पताल, बम्बई (महाराष्ट्र 642 पलंग)	22 89
25 क० रा० बी० हस्पताल, वर्ली, बम्बई (महाराष्ट्र 250 पलंग)	26.51
26 क० रा० बी० हस्पताल, मुलन्द, बम्बई (महाराष्ट्र 100 पलंग)	21 02
27. क० रा० बी० हस्पताल, नागपुर (महाराष्ट्र 50 पलंग)	23.00
28. क० रा० बी० हस्पताल, बंगलौर (मैसूर 364 पलंग)	15.00
29 क० रा० बी० हस्पताल, डनहेली (मैसूर 24 पलंग)	14.00
30. क० रा० बी० हस्पताल, चौद्वार (उड़ीसा 50 पलंग)	14.00
31. क० रा० बी० हस्पताल, अमृतसर (पंजाब 125 पलंग)	43 08
32 क० रा० बी० हस्पताल, लुधियाना (पंजाब 80 पलंग)	20 70*
33 क० रा० बी० हस्पताल, मद्रास (तमिलनाडु 625 पलंग)	19.97
34 क० रा० बी० हस्पताल, कोयम्बटूर (तमिलनाडु 300 पलंग)	19.26
35 क० रा० बी० हस्पताल, मदुरै (तमिलनाडु 202 पलंग)	20.00
36. क० रा० बी० हस्पताल, कानपुर (उत्तर प्रदेश 212 पलंग)	15 11*
37. क० रा० बी० हस्पताल, कानपुर (उत्तर प्रदेश 180 पलंग)	13.77*
38. क० रा० बी० हस्पताल, कानपुर (उत्तर प्रदेश 114 पलंग)	अप्राप्त
39. क० रा० बी० हस्पताल, मोदीनगर (उत्तर प्रदेश 100 पलंग)	17.94*
40 क० रा० बी० हस्पताल, सियालदा (पं० बंगाल 250 पलंग)	16.91
41 क० रा० बी० हस्पताल, कमरहट्टी (पं० बंगाल 175 पलंग)	15.15
42 क० रा० बी० हस्पताल, बालटिकुरि (प० बंगाल 416 पलंग)	14 25
43 क० रा० बी० हस्पताल, सीरामपुर (प० बंगाल 166 पलंग)	15.93
44 क० रा० बी० हस्पताल, उलुबेरिया (प० बंगाल 166 पलंग)	20 10
45 क० रा० बी० हस्पताल, कल्याणी (प० बंगाल 266 पलंग)	19 07
46 क० रा० बी० हस्पताल, बैलुर-बल्ली (प० बंगाल 100 पलंग)	16 39

*लगभग लागत को दर्शाता है।

20. राज्य बीमा औषधालय तथा बीमा चिकित्सा व्यवसायियों की निदानशालाएं (पैनल डाक्टर)

31-3-1972 को औषधालयों, चलती-फिरती और कर्मचारी उपयोगिता डिस्पेंसरियों सहित सभी डिस्पेंसरियों के ब्यौरे, बीमा चिकित्सा अधिकारियों/बीमा चिकित्सा व्यवसायियों की संख्या, अनुमोदित दवा विक्रेताओं और दवा स्टोरों की संख्या परिशिष्ट 8 में दिखाई गई है।

21. विशेषज्ञ सेवाएं :

समीक्षाधीन वर्ष के अन्त में विभिन्न राज्यों में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत उपलब्ध विशेषज्ञों के ब्यौरे परिशिष्ट 7 में दिये गये हैं।

(खाना 13 और 14)।

22. बीमाकृत व्यक्तियों के कृत्रिम अंग लगाने की व्यवस्था :

समीक्षाधीन वर्ष में कृत्रिम अंग लगाने के लिये 70 व्यक्ति लिये गये। योजना के अन्तर्गत 5?7 बीमाकृत व्यक्तियों के कृत्रिम अंग लगाये गये या लगाये जा रहे हैं या पुनः लगाये गये हैं।

23. कृत्रिम दांतों की व्यवस्था :

समीक्षाधीन वर्ष में 7 ऐसे बीमाकृत व्यक्तियों को निःशुल्क कृत्रिम दांत दिये गये जिनके दांत रोजगार चोट के कारण टूट गये थे। योजना के अन्तर्गत अब तक कुल मिलाकर 41 बीमाकृत व्यक्तियों को कृत्रिम दांत दिये गये हैं।

24. चश्मों की व्यवस्था :

समीक्षाधीन वर्ष में ऐसे 9 बीमाकृत व्यक्तियों को निःशुल्क चश्मे दिये गये जिनकी आंखें रोजगार के कारण कमजोर हो गई थीं।

चिकित्सा हित लाभ की व्यवस्था

25. डिसपेंसरियों और हस्पतालों में उपस्थिति और घर जाकर इलाज करना (परिशिष्ट 9)

25 1. (क) प्रतिवर्ष प्रति 1,000 बीमाकृत व्यक्ति और प्रति 1,000 परिवार (बी. इ.) एकक उपस्थिति, (ख) बीमाकृत व्यक्तियों और परिवारों के घर जाकर इलाज करने और (ग) (1) हस्पतालों में दाखिल किये गये और (2) विशेषज्ञ के पास जांच के लिये भेजे गये बीमाकृत व्यक्तियों के केसों की संख्या संबंधी आंकड़े इस परिशिष्ट में दिये गये हैं। ये आंकड़े डिसपेंसरियों और पैनल डाक्टरों द्वारा भेजे गये विवरणों पर आधारित हैं। चिकित्सा के लिये उपस्थितियों की दर का हिसाब निकालने के लिये केवल रिपोर्ट भेजने वाली डिसपेंसरियों/निदानशालाओं से सम्बद्ध (बी० इ०) एकक उपस्थिति, (ख) बीमाकृत व्यक्तियों और परिवारों के घर जाकर इलाज करने और (ग) (1) हस्पतालों में दाखिल किये गये और (2) विशेषज्ञ के पास जांच के लिये भेजे गये बीमाकृत व्यक्तियों के केसों की संख्या संबंधी आंकड़े इस परिशिष्ट में दिये गये हैं। ये आंकड़े डिसपेंसरियों और पैनल डाक्टरों द्वारा भेजी गई विवरणियों पर आधारित हैं। चिकित्सा के लिये उपस्थितियों की दर का

विश्राव/निकासन के लिये केवल रिपोर्ट भेजने वाली डिस्पेन्सरियों/निदानशालाओं में सम्बद्ध बीमाकृत व्यक्तियों/परिवार (प० व्य०) एककों का ध्यान में रखा गया है।

25.2 समीक्षाधीन वर्ष में प्रति 1,000 बीमाकृत व्यक्ति नई उपस्थिति की अखिल भारत दर 1970-71 की तुलना में 3,153 से [illegible] 3,398 हो गई। प्रति 1,000 बीमाकृत [illegible] की पुरानी उपस्थिति दर भी 1970-71 की तुलना में 6,977 से बढ़कर 7,391 हो गई। इस वर्ष पुरानी और नई उपस्थितियों का अनुपात 2.18 था जबकि 1970-71 में यह 2.21 था। इससे औसत तौर पर यह पता चलता है कि [illegible] डाक्टरी इलाज के लिये अपेक्षित अवधि तुलनात्मक रूप से कम [illegible] है। नई उपस्थितियों की दर के हिसाब से बीमारियों की घटनाओं में [illegible]।

25.3 प्रति 1,000 परिवार एकक नई उपस्थिति की अखिल भारत दर 1970-71 की तुलना में 3,308 से बढ़कर 3,[illegible] हो गई। प्रति 1,000 परिवार एकक पुरानी उपस्थिति दर भी 1970-71 की तुलना में 7,1[illegible] से बढ़कर 7,357 हो गई। नई उपस्थिति की तुलना में पुरानी उपस्थिति का अनुपात भी 1970-71 के 2.17 से थोड़ा-सा बढ़कर 1971-72 में 2.21 [illegible]। इस तरह बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों के मामलों में बीमारियों की घटनाओं में थोड़ी कमी हुई तथा डाक्टरी इलाज के लिये अपेक्षित अवधि में भी थोड़ी-सी बढ़ोत्तरी हुई।

25.4 डिस्पेन्सरियों में [illegible] के दौरान बीमाकृत व्यक्तियों (नीचे खाना 2 और 3) तथा उनके परिवारों (नीचे खाना 4 और 5) से सम्बन्धित नई और अनुवर्ती दोनों मिलाकर समस्त राज्यवार घटनाएं नीचे दी गई हैं। इस [illegible] से मोटे तौर पर [illegible] राज्यों में बहिरंग रोगियों के इलाज की घटनाओं का पता चलता है :—

राज्य	प्रति 1,000 बीमाकृत व्यक्तियों की डिस्पेन्सरियों में जाने की कुल सं०		प्रति 1,000 परिवार (बी० व्य०) एकक डिस्पेन्सरियों में जाने की कुल संख्या	
1	2	3	4	5
	1970-71	1971-72	1970-71	1971-72
आन्ध्र प्रदेश	17,713	15,030	22,[illegible]	19,8[illegible]
असम	[illegible]	[illegible]099	3,877	2,667
बिहार	[illegible]	[illegible]	12,246	11,286
चंडीगढ़	10,[illegible]13	9,[illegible]4	3,937	3,372
दिल्ली	9,581	8,[illegible]	10,[illegible]91	9,356
गुजरात	10,212	10,[illegible]	13,816	13,363
हरियाणा	[illegible]	8,[illegible]	6,567	7,590
केरल	[illegible]	[illegible]	[illegible],37	9,750
मध्य प्रदेश	16,1[illegible]	[illegible]	[illegible],[illegible]00	22,3[illegible]
महाराष्ट्र	11,65[illegible]	11,781	[illegible]07	6,9[illegible]4
मैसूर	11,14[illegible]	11,[illegible]	[illegible]	1[illegible],013
उड़ीसा	[illegible]75	790[illegible]	[illegible]1	8104
पांडीचेरी तथा माहे	[illegible]	[illegible]37	[illegible]	9,537
पंजाब	9,173	8,881	8,958	8,127
राजस्थान	11,187	10,877	13,163	12,264
तमिल नाडु	13,11[illegible]	13,934	13,[illegible]91	14,211
उत्तर प्रदेश	8,571	7,598	89,50	9,347
प० बंगाल	5,637	8,365	6,691	5,511
समस्त भारत	10,135	10,780	10,196	10,[illegible]17

25.5 बीमाकृत व्यक्तियों के सम्बन्ध में घर की विजिटों की कुल संख्या 1970-71 की तुलना में लगभग [illegible]2% बढ़ गई और परिवारों के सम्बन्ध में लगभग 8% की कमी हुई। प्रति 1,000 बीमाकृत व्यक्ति विजिटों की संख्या के आधार पर घर की विजिटों की समग्र घटनाओं में वृद्धि 1970-71 की तुलना में 1971-72 में 85 से बढ़कर 142 हो गई।

25.6 परिशिष्ट के खाना (5) में [illegible] अस्पताल में दाखिल किये गये केसों की संख्या तथा खाना (6) में जांच के लिये विशेषज्ञों को भेजे गये केसों की संख्या दिखाई गई है। अस्पताल में दाखिल किये गये केसों में वृद्धि 1970-71 की तुलना में 1971-72 में 1[illegible],157 से बढ़कर 1,33,161 हुई है। विशेषज्ञों के पास भेजे गये केसों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है, अर्थात् 1970-71 की तुलना में 1971-72 में यह संख्या 8,60,318 से बढ़कर 8,[illegible],131 हो गई है।

26. बीमारी प्रतिरूप (परिशिष्ट 10)

26.1 समस्त भारत के लिये बीमारी प्रतिरूपों विषयक सूचना जोकि प्रति 1,000 बीमाकृत व्यक्ति नये केसों की संख्या के रूप में व्यक्त की गई है, बीमाकृत व्यक्तियों और उनके परिवारों के सदस्यों के लिये अलग-अलग प्रत्येक [illegible] कारण ग्रुप के लिये [illegible] परिशिष्ट में दिखाई गई है।

26.2 बीमाकृत व्यक्तियों के सम्बन्ध में सभी कारण ग्रुपों को मिलाकर घटना दरें 1970-71 की तुलना में 1971-72 में बढ़ी हैं। परन्तु उनके परिवारों के सम्बन्ध में घटना दरें कम हुई हैं किसी बीमाकृत व्यक्ति से सम्बन्धित प्रत्येक अवधि में 0.968 अवधियां रहीं जबकि 1970-71 में यह 1.01[illegible] थी। यदि यह बात ध्यान में रखी जाय कि प्रत्येक बीमाकृत व्यक्ति के परिवार के सदस्यों की संख्या 2.8[illegible] है तो नये केसों का घटनाओं के आधार पर गणना के मामले बीमाकृत व्यक्तियों की तुलना में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों के सदस्यों के सम्बन्ध में पहले की तरह कम ही रहे।

26.3 बीमाकृत व्यक्तियों की बीमारी के कारण ग्रुपवार घटनायें लगभग सभी सूचित बीमारियों में बीमाकृत व्यक्ति के परिवार के सदस्यों से सम्बन्धित तदनुरूपी दरों से काफी कुछ मिलती हैं। फिर भी, केवल थोड़े-से कारण ग्रुपों की घटनाओं में बहुत अधिक अन्तर से यह पता चलता है कि कुछ रोग विशिष्ट रोगों में अधिक इलाज की आवश्यकता होती है जो किसी विशेष समूह पर अपेक्षाकृत आसानी से हो जाते हैं।

चिकित्सा हित लाभ सम्बन्धी अन्य मामले

27. चिकित्सा सेवाएं और प्रावधान समितियां :

[illegible] समितियों द्वारा किये गये [illegible] के ब्यौरे परिशिष्ट-11 में दिये गये हैं।

28. चिकित्सा निर्देशी

वर्ष के अन्त में अलग-अलग राज्यों में ड्यूटी पर तैनात पूर्णकालिक और अंशकालिक चिकित्सा निर्देशियों का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है :—

क्र० सं०	राज्य का नाम	चिकित्सा निर्देशियों की संख्या	
		अंशकालिक	पूर्णकालिक
1	2	3	4
1	आन्ध्र प्रदेश . . .	13	—
2	असम . . .	3	—
3	बिहार . . .	5	—
4	चंडीगढ़ प्रशासन . . .	—	—
5	दिल्ली . . .	—	1
6	गुजरात . . .	12	2
7.	हरियाणा . . .	10	—
8.	केरल . . .	10	—
9.	मध्य प्रदेश . . .	13	—
10.	महाराष्ट्र .		
	(क) बृहत्तर बम्बई . .	—	5
	(ख) नागपुर क्षेत्र . .	6	—
	(ग) पश्चिम महाराष्ट्र . .	2	1
11.	मैसूर . . .	7	1
12	उड़ीसा . . .	6	—
13	पांडीचेरी . . .	1	—
14	पंजाब . . .	10	—
15.	राजस्थान . . .	9	—
16.	तमिलनाडु . . .	—	3
17.	उत्तर प्रदेश . . .	17	1
18	प० बंगाल . . .	7	7
	योग . . .	131	21

29. चिकित्सा हितलाभ की व्यवस्था पर खर्च-राज्य सरकारों को प्राधिकृत अदायगियां

समीक्षाधीन वर्ष में परिशिष्ट-12 में दिखाये गये अनुसार क० रा० बी० योजना के अन्तर्गत चिकित्सा लाभ की व्यवस्था पर खर्च में निगम के अंशदान के रूप में निगम द्वारा राज्य सरकारों को 21,80,01,913.49 रुपये की अदायगियां प्राधिकृत की गई। उक्त राशि के ब्यौरे इस प्रकार हैं :—

		रु० पै०
1	1964-65 के लिये अन्तिम अदायगी .	848951 19
2.	1965-66 के लिये अन्तिम अदायगी .	70191.06
3	1966-67 के लिये अन्तिम अदायगी .	264832.97
4.	1967-68 के लिये अन्तिम अदायगी .	2462130 24
5.	1968-69 के लिये लेखे में अदायगी .	6700000.00
6.	1968-69 के लिये अन्तिम अदायगी .	1684297 64
7	1969-70 के लिये लेखे में अदायगी .	18250000 00
8.	1969-70 के लिये अन्तिम अदायगी .	15322507 39
9.	1970-71 के लिये लेखे में अदायगी .	11420000 00
10.	1971-72 के लिये लेखे में अदायगी .	160979000 00
	योग . .	218001913.49

30. चिकित्सा हितलाभों के खर्च पर नियन्त्रण रखने के उपाय

बीमारी एवं अस्थायी अपंगता के कारण अनुपस्थिति की अधिक आपात पर नियन्त्रण रखने के लिये बृहत्तर बम्बई तथा पश्चिमी बंगाल में बीमाकृत चिकित्सा व्यवसायियों को दिये गये प्रमाण-पत्रों के दिनांकवार रिकार्ड (लिपिकबद्ध रूप) को बनाये रखने को कहा गया है, तथा उसके उचित कार्यवाही करने हेतु मासिक नियत कालिक विवरण को क्षेत्रीय उपचिकित्सा आयुक्त के पास भेजने को कहा गया है। जहां सेवा-पद्धति विद्यमान है तथा अनुपस्थिति की घटनायें अधिक है, राज्यों के राज्य-सरकारों को समान उपाय करने का अनुरोध किया है जोकि उन क्षेत्रों में किये गये है जहां पेनल पद्धति विद्यमान है। चिकित्सा निर्देशियों को यह भी सलाह दी गई है कि वे कर्मचारी राज्य बीमा के औषधालयों एवं पेनल डाक्टरों की चिकित्सालयों के निरीक्षण को दृढ़ करें।

2 समीक्षाधीन वर्ष में वर्षों के दौरान निगम ने 109 दवाइयों, इन्जेक्शनों तथा औषधियों के लिये भेषज निर्माताओं से दर ठेके लिये हैं। राज्य सरकारों को दर ठेकों के विषय में सूचित कर दिया गया है।

31. क० रा० बी० अधिनियम, 1948 की धारा 58 (3) के अधीन राज्य सरकारों और क० रा० बी० निगम के बीच करार :

क्र० सं०	उन राज्य सरकारों के नाम जिनके साथ करार करने के लिये अभी तक पत्र-व्यवहार हो रहा है	की गई या प्रस्तावित अद्यतन कार्यवाही
1	गुजरात सरकार .	राज्य सरकार से करारनामे का मसौदा अभी प्राप्त होना है।
2	उत्तर प्रदेश सरकार .	मामला अभी राज्य सरकार और निगम के विचाराधीन है।
3.	महाराष्ट्र सरकार . .	करारनामे की लगभग सभी धाराओं पर समझौता हो चुका है तथा अन्तिम मसौदा विचाराधीन है।

बीमाकृत व्यक्तियों के लिये की जाने वाली सेवाओं में सुधार

32 स्थानीय कार्यालयों के कार्यों में दक्षता :

लाभ मिसिल प्रणाली के स्थान पर प्रारम्भ की गई खाता प्रणाली का वर्ष के दौरान और भी विस्तार किया गया और इस समय 248 स्थानीय कार्यालयों में खाता प्रणाली लागू कर दी गई है।

प्रयोगात्मक आधार पर चुने गये 45 स्थानीय कार्यालयों में से 31 मार्च, 1972 को देश भर में 44 स्थानीय कार्यालयों में टैलर प्रणाली चालू थी। अब तक किये गये सीमित प्रयास के परिणाम बहुत उत्साहवर्धक रहे हैं।

33. नकद हितलाभ में सुधार :

33.1 कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत विविध लाभों की अदायगियों के लिये कानूनी समय-सीमाओं को कम करके शीघ्र अदायगियों का अब सुनिश्चित कर दिया गया है। विनियम 52(1) का इसलिये संशोधित किया गया है. (क) बीमारी हितलाभ सात दिन के अन्दर-2 दिया जाता है, (ख) अन्त्येष्टि हितलाभ 15 दिन के अन्दर-2 दिया जाता है, (ग) प्रसूति लाभ की प्रथम अदायगी 14 दिन के अन्दर-2 की जाती है, (घ) आंशिक अपंगता हितलाभ की प्रथम अदायगी 1 महीने के अन्दर-2 की जाती है, (ङ) स्थायी अपंगता हितलाभ की प्रथम अदायगी 1 महीने के अन्दर-2 की जाती है तथा (च) आश्रित हितलाभ की प्रथम अदायगी 3 महीने के अन्दर-2 की जाती है। अधिकतम समय-

साराश यह है कि लाभों सभी अदायगियों का भुगतान ठीक सीमाओं के अन्तर्गत किया जाता है।

33.2 स्थायी अपंगता हितलाभ के रूपान्तरित मूल्य की अन्तिम अदायगी की व्यवस्था करने में कभी-2 विलम्ब हो जाता है। जहां लाभाधिकारी के पास आयु का कोई प्रमाणित प्रमाण नहीं होता है। इस उपचार के हेतु चिकित्सा बोर्डों से अब यह मांग की जा रही है कि वे बीमाकृत व्यक्ति की संभावनीय आयु का ब्यौरा उसके स्थायी अपंगता के निर्धारण के समय दें। उक्त आयु तब लागू होती है जब बीमाकृत व्यक्ति अपनी आयु का संतोषजनक प्रमाण नहीं दे सकता।

33.3 अपंगता के सभी कठोर मामलों में जहां अनुमानित अपंगता 25% से अधिक होने की संभावना होती है, चिकित्सा मण्डल द्वारा नियमित निर्धारण के पूर्वानुमान अदायगी प्रत्यक्ष रूप से प्राधिकृत करके अनुमानित हितलाभ के 75% तक अस्थायी अदायगियों के रूप में तत्कालिक नकद सहायता दी जाती है। जब चिकित्सा मण्डल के परिनिर्णय का पता चलता है, अदायगियों का आवश्यक समायोजन कर दिया जाता है। इस क्रियाविधि का चलन 30 सितम्बर, 1972, से विस्तारित किया गया है।

34 अन्य सुधार

34.1 हितलाभ की अदायगी, किसी नामजदगी की अनुपस्थिति में उत्तराधिकार प्रमाण के प्रस्तुत करने पर यदि अदायगी की राशि 100 रुपये से अधिक हो, बीमाकृत व्यक्ति का उसकी मृत्यु के समय प्राय उसके वैध उत्तराधिकारियों को दी जाती है। उत्तराधिकार-प्रमाण-पत्र की आवश्यकता अब समाप्त कर दी गई है और अब वैध उत्तराधिकारियों को केवल एक क्षतिपूर्ति बंध पत्र जो उसी राशि के बराबर हो। केवल प्रस्तुत करने पर 500 रुपये तक अब अदायगी प्राधिकृत की जाती है।

34.2 दीर्घकालीन रोगों से पीड़ित बीमाकृत व्यक्तियों को कानून द्वारा सेवा से निकाले जाने से संरक्षण की गारन्टी दी जाती है। नीचे दिये गये रोगों के मामलों में यह संरक्षण 18 महीनों तक विस्तारित की गई है।

1 क्षयरोग
2 कोढ़
3 मानसिक रोग
4 दुर्दम्य रोग
5 अधरांगघात
6 पक्षाघात
7 चिरकाल से संकुलित हृद्‌विफलता
8 कच्चा मोतियाबिन्द जबकि प्रभावित नेत्र की वीक्षण शक्ति 6/60 या कम हो, तथा निम्नलिखित रोगों की स्थिति में 12 महीने तक ——
   1 फुफ्फुसनालालसन और फुफ्फुस का फोड़ा।
   2 मायोकार्डियल इन्फार्कशन।
   3 कम्पवात
   4 अन्तराकाकस बिम्ब का विस्थापन और भ्रंश।
   5 असाध्य रक्तहीनता।
   6 पारणहीय वाहिन्यरोग के कारण कोथ और उसके परिणाम।
   7 सन्धिस्थिकारी काकस कोप।
   8 जलोदर के साथ यकृत का अधितन्तुरोग।
   9 टांग का अस्थिभंग।
   10 दृष्टिपटल का वियोजना।

नकद लाभ

(परिशिष्ट 13 से 15)

35 नकद लाभ अदायगी की संख्या (परिशिष्ट 13 का खाना 4)

35.1 निगम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित किये गये स्थानीय/लघु/उप-स्थानीय भुगतान कार्यालयों नकद लाभों का भुगतान किया जाता है। 31 मार्च 1972 को इस प्रकार के कार्यालयों की संख्या लगभग 555 थी जबकि एक वर्ष पूर्व इनकी संख्या 535 थी।

35.2 वर्ष 1970-71 और 1971-72 के दौरान प्रत्येक राज्य में की गई नकद लाभों की अदायगियों की संख्या खाना-1 दिखाई गई है। कुल मिलाकर 1971-72 में लगभग 58.39 लाख अदायगियों (स्थायी अपंगता दावों के रूपान्तरण के आवेदनों से संबंधित एवं मृतक अदायगियों के 8,191 दावों सहित) की गई। यह पिछले वर्ष की अदायगियों से लगभग 1.18 लाख कम है। प्रत्येक मास औसतन लगभग 4.87 लाख अदायगियां की गई जबकि 1970-71 में अदायगियों का प्रतिमास औसतन 4.99 लाख थी 1970-71 के 1.66 की तुलना में 1971-72 में प्रति कर्मचारी अदायगियों की संख्या 1.51 थी।

36. बीमारी हितलाभ (परिशिष्ट 13 के खाना 3 और 6 से 8)

36.1 1 जुलाई 1970 और 30 जून 1971 के बीच नये केन्द्रों में योजना के लाभ उपबन्धों के क्रियान्वित हो जाने के कारण और उन क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि होने के कारण जहां योजना पहले से लागू है समीक्षाधीन वर्ष में 1,88,550 अतिरिक्त कर्मचारी बीमारी हितलाभ प्राप्त करने के हकदार हो गये। 1971-72 के दौरान बीमारी हितलाभ दावों के हकदार कर्मचारियों की संख्या अनुमानत 37.88 लाख थी जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 35.99 लाख थी (खाना 3 देखिये)।

36.2. वर्ष के दौरान बीमारी नकद लाभ के रूप में 1369.64 लाख रुपये की राशि अदा की गई जबकि 1970-71 में यह राशि 1371.01 लाख थी। कमी का मुख्य कारण प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष बीमारी हितलाभ दिनों की संख्या में कमी है।

36.3. प्रति कर्मचारी नई अवधियों की औसत संख्या 1970-71 के 1.07 से घटकर 1971-72 में 0.97 हो गई। इसके अलावा प्रति कर्मचारी प्रतिवर्ष लाभ दिनों की औसत संख्या 1970-71 के 9.5 से घटकर 1971-72 में 8.4 हो गई। प्रति कर्मचारी दैनिक लाभ दर की राशि 4 रुपये से बढ़कर 4.31 रुपये हो गई। इस वृद्धि का कारण शायद कर्मचारियों की औसत मजदूरी दर में वृद्धि और संभवत मजदूरी ग्रुप के सदर्भ बीमारी घटनाओं में वृद्धि है।

36.4. पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी बीमारी लाभ दावों की घटनाओं और अवधियों में प्रत्येक राज्य में आपस में बहुत बड़ी घटबढ़ भी रही। महानिदेशक विभिन्न केन्द्रों पर बीमारी दावों की अवधियों पर लगातार निगरानी रख रहे हैं। प्रति मास मुख्यालय में प्राप्त होने वाले सम्बन्धित आंकड़ों का सांख्यिक रूप से विश्लेषण किया जाता है और किसी केन्द्र की किसी असामान्य घटबढ़ के बारे में क्षेत्रीय निदेशकों और प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों से पत्र-व्यवहार किया जाता है ताकि वह जहां कहीं आवश्यक और संभव समझें इस घटबढ़ को दूर करने के लिये उपयुक्त और शीघ्र कार्यवाही करें।

37. विस्तरित बीमारी हितलाभ (परिशिष्ट 13 के खाना 9 और 10)

37.1. कुछ विशिष्ट रोगों जैसे क्षय, कोढ़, मानसिक और दुर्दम्य रोग आदि से पीड़ित बीमाकृत व्यक्ति बीमारी हितलाभ के 56 दिनों के अतिरिक्त पूरी बीमारी लाभ दर के बराबर की दर पर विस्तरित बीमारी हितलाभ प्राप्त करने के हकदार हैं।

37.2. वर्ष 1971-72 में इस मद में बीमाकृत व्यक्तियों को 104.55 लाख रुपये की राशि अदा की गई जबकि पिछले वर्ष यह

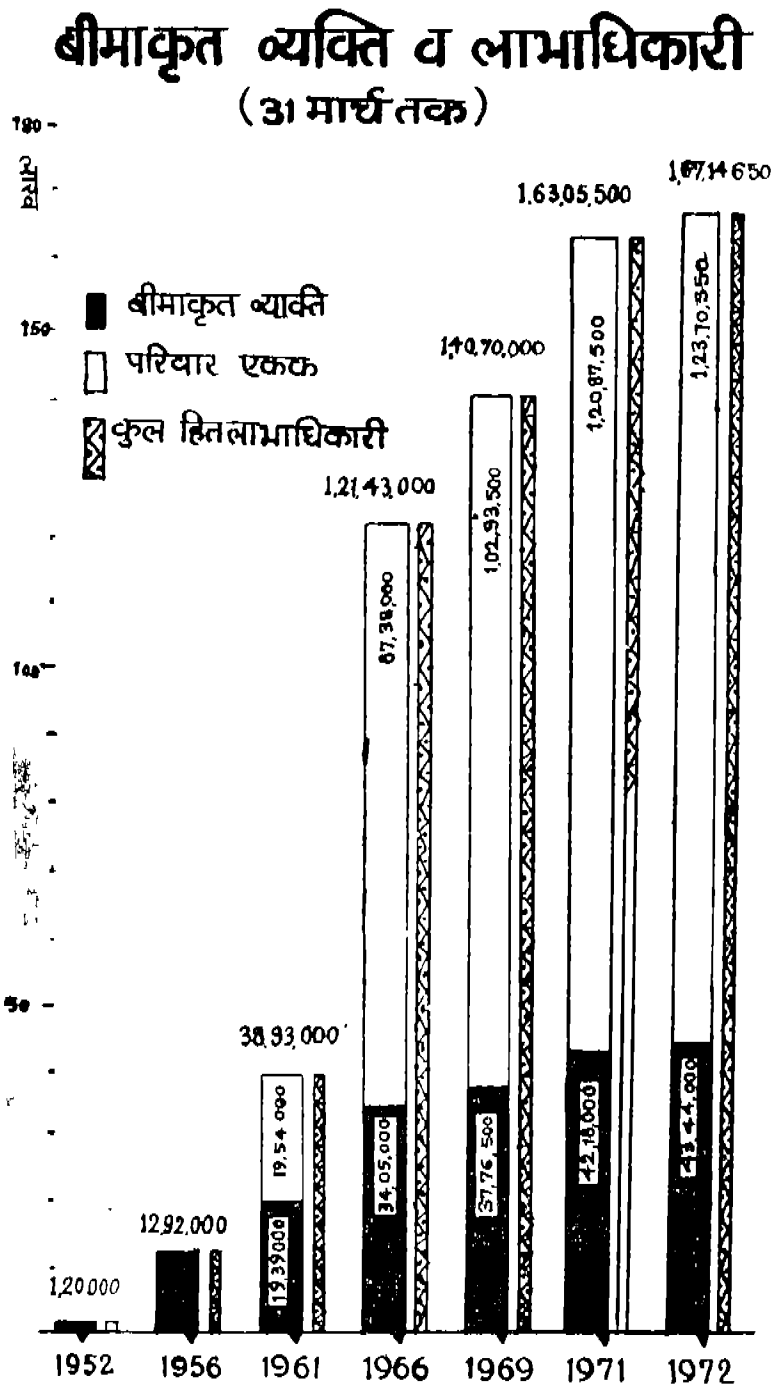

बीमाकृत व्यक्ति व लाभाधिकारी

(31 मार्च तक)

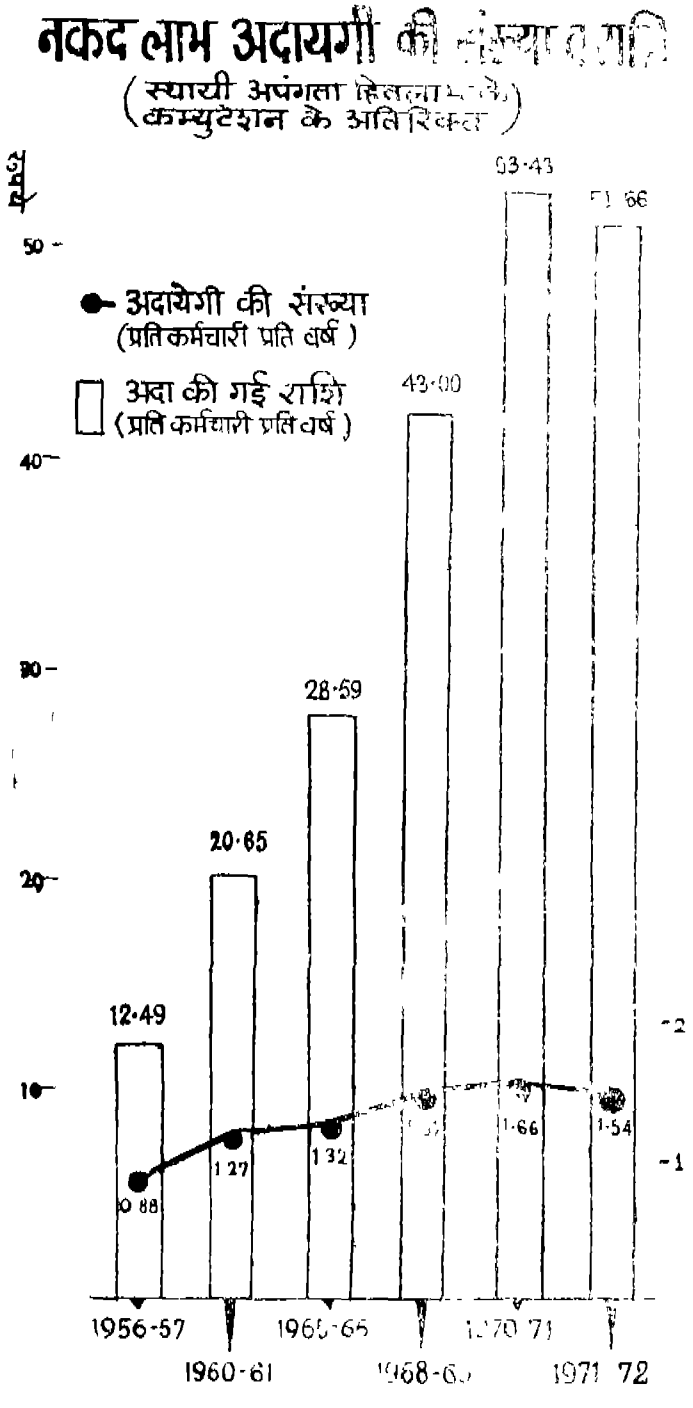

नकद लाभ अदायगी की संख्या व राशि
(स्थायी अपंगता हितलाभ के
कम्युटेशन के अतिरिक्त)

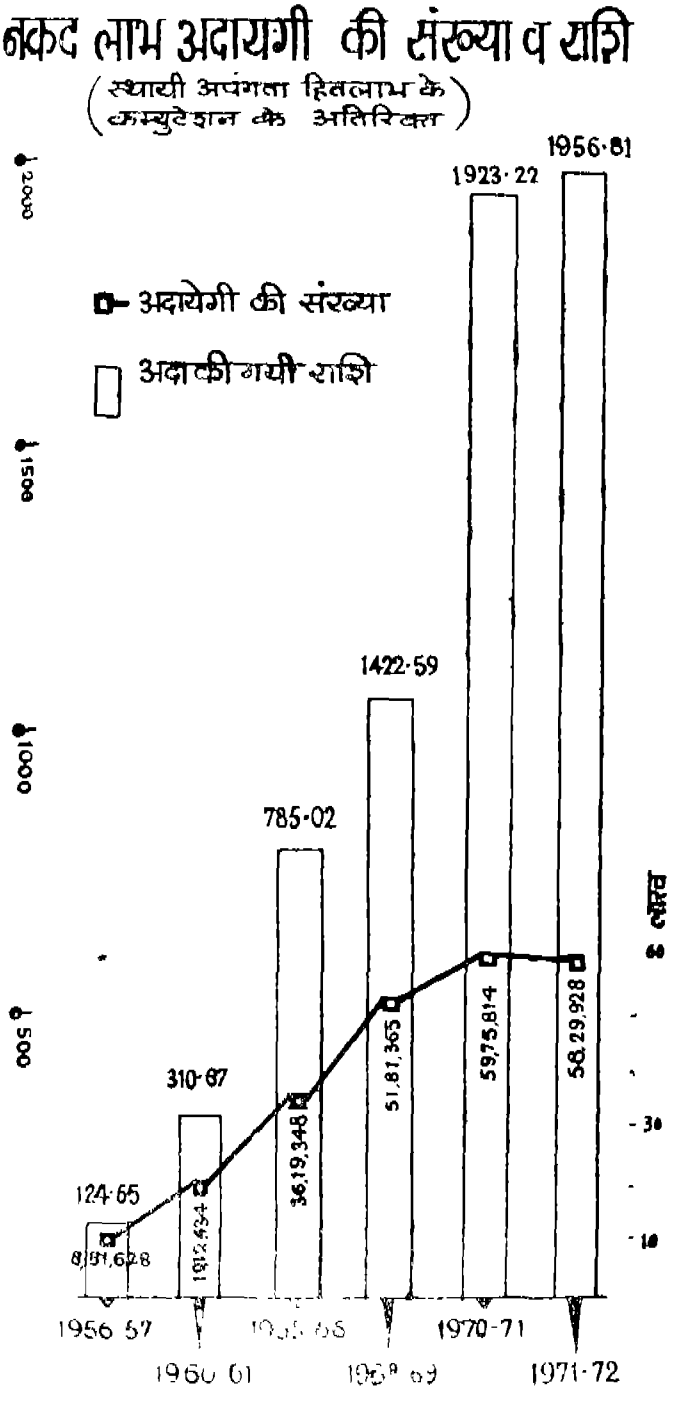

नकद लाभ अदायगी की संख्या व राशि
(स्थायी अपंगता हितलाभ के
कम्युटेशन के अतिरिक्त)

राशि 100 87 लाख रुपये थी। इस वृद्धि का कारण योजना का कार्य-क्षेत्र बढ़ जाना तथा शायद कर्मचारियों की मजदूरी में वृद्धि और सम्भवत मजदूरी ग्रुप के सदर्भ में बीमारी घटनाओं में वृद्धि है।

37 3 वर्ष 1971-72 तथा 1970-71 के विस्तरित बीमारी हितलाभ दावों की घटनायें प्रति 1000 जोखिमग्रस्त कर्मचारी और समाप्त दावों की अवधि खाना 9 तथा 10 में दिखाई गई है।

38 प्रसूति हितलाभ (परिशिष्ट 13 के खाना 11 और 12)

38 1 प्रसूति हितलाभ को हकदार महिला कर्मचारियों की संख्या 1970-71 में 2,19,800 से बढ़कर 1971-72 में 2,59,650 हो गई। प्रसूति लाभ के रूप में अदा की गई कुल राशि 64 54 लाख रुपये थी जबकि 1970-71 में यह राशि 60 23 लाख रुपये थी। प्रति प्रसूति दावा नकद लाभ की औसत राशि 1970-71 में 389 से बढ़कर 427 रुपये हो गई इसका कारण सम्भवतया औसत मजदूरी में वृद्धि और प्रसव बनाम मजदूरी ग्रुप की घटनाओं में परिवर्तन है।

38 2 प्रति 1000 बीमाकृत महिला कर्मचारी दावों की संख्या 1970-71 में 62 2 से घटकर 1971-72 में 58 2 हो गई जिसका कारण सम्भवतया महिला कर्मचारियों की आयु और विवाह सबन्धी स्थिति में अन्तर और परिवार-नियोजन कार्यक्रमों का परिणाम हो सकता है।

39 अस्थायी अपंगता हितलाभ (परिशिष्ट 14 के खाना 3 से 6)

39 1 वर्ष 1971-72 के दौरान रोजगार चोट से ग्रस्त कर्मचारियों की संख्या 39.98 लाख थी जबकि 1970-71 में यह संख्या 37 52 लाख थी (देखिये खाना 3)। वर्ष 1971-72 में अस्थायी अपंगता हितलाभ के रूप में अदा की गई राशि 302 27 लाख रुपये थी जबकि 1970-71 में यह राशि 289 90 लाख रुपये थी। नई अवधियों की औसत संख्या प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष लाभ दिनों की संख्या और औसत लाभ दर क्रमश 0 09, 1 54 और 5 04 है जबकि 1970-71 में क्रमश 0 10, 1 67 और 4 61 रुपये थी (देखिये खाना 4 से 6)। प्रति अवधि का औसत काल बढ़कर 16 11 से 16 50 हो गया है पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी इन दावों की घटनाओं और काल में विभिन्न राज्यों में घटबढ़ रही।

39 2 प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी नई अवधियों की दर तथा प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी लाभ दिनों की संख्या से पता चलता है कि पश्चिमी बंगाल में अस्थायी अपंगता लाभ के प्रकोपों में भयप्रद बढ़ोत्तरी हुई है। पहले में 1970-71 में 0 25 से 1971-72 में 0 22 की कटौती हुई तथा दूसरे में 1970-71 के 4 49 से 1971-72 में 4 05 की बढ़ोत्तरी हुई।

40 स्थायी अपंगता हितलाभ (परिशिष्ट 14 के खाना 7 से 10)

40 1 वर्ष 1971-72 में स्वीकृति नये केसों की संख्या 10985 थी जबकि 1970-71 में यह 13988 थी। प्रति 1000 बीमाकृत कर्मचारी घटनायें 1970-71 में 3 71 से घटकर 2 82 हो गई। असम, गुजरात और पंजाब में यह घटनायें अपेक्षाकृत अधिक हुई।

40 2 वर्ष के प्रारम्भ में निधि के दावेदारों की संख्या 30,031 थी जो वर्ष के अन्त में बढ़कर 32764 हो गई। (देखिये खाना 10) लाभ के रूप में वास्तव में सविस्तरित राशि 205 60 लाख रुपये थी (128 38 लाख रुपयों की रूपान्तरित राशि सहित) जोकि 1970-71 में यह राशि 199 98 लाख रुपये (132 06 लाख रुपयों को रूपान्तरित राशि सहित) थी।

40 3 वर्ष के दौरान स्वीकृत नये केसों में सबन्धित स्थायी अपंगता हितलाभ दावों का पूंजीकृत मूल्य 288 90 लाख रुपये था जबकि 1970-71 में यह 316 94 लाख रुपये थी। वर्ष के अन्त में स्थायी अपंगता हितलाभ निधि 782 45 लाख रुपये थी जबकि निर्णीत वर्ष के प्रारम्भ में यह 735 91 लाख रुपये थी।

40 4 आवधिक अदायगियों के बदले में रूपान्तरित मूल्य लेने का विकल्प करने वाले स्थायी अपंगता हितलाभ के दावेदारों की संख्या 1970-71 में 105 90 थी जो 1971-72 में घटकर 8191 हो गई।

41 स्थायी अपंगता हितलाभ वाले (परिशिष्ट 15)

41 1 (क) उद्योगों के मुख्य समूहों और (ख) उद्योग-वार 1000 कर्मचारियों पर दावों की घटनाओं के आधार पर वर्ष के दौरान स्वीकृत स्थायी अपंगता हितलाभ के 10985 केसों का विश्लेषण किया गया। पिछले वर्ष की तरह 'वस्त्र' में दुर्घटनाओं की संख्या सबसे अधिक थी और इसके बाद 'इंजीनियरिंग तथा धात्विक खनिज' आते है। वस्त्रोद्योग में यह घटनाये ज्यादा थी जबकि 'अधात्विक खनिज' में कम थी। वर्ष 1970-71 की तदनुरूपी घटनाओं की तुलना करने से यह मालूम होता है कि इस वर्ष सभी उद्योगों में घटनाओं में कमी हुई है। तथा परिवहन धात्विक खनिज तथा अधात्विक खनिजों में महत्वपूर्ण कमी हुई है।

41 2 औसत स्थायी अपंगता 9 81 प्र० थी जबकि पिछले वर्ष यह 10 14 प्र० थी। अधिकतम दुर्घटनाये आठवें मजदूरी ग्रुप अर्थात् 8 रुपये और 15 रुपये के बीच दैनिक मजदूरी वाले ग्रुप में हुई।

41.3 महिला कर्मचारियों में स्थायी अपंगता हितलाभ के केसों की संख्या केवल 127 थी। इन घटनाओं के कम होने का कारण सम्भवत यह है कि महिलाओं को जोखिम वाले व्यवसायों और ड्यूटियों आदि पर नहीं लगाया जाता।

42 आश्रितजन हितलाभ (परिशिष्ट 14 के खाना 11 और 12)

42 1 वर्ष के दौरान आश्रितजन हितलाभ के लिये स्वीकृत नये दावों की संख्या 1970-71 में 374 से कम होकर समीक्षाधीन वर्ष में 373 हो गई (देखिये खाना 11 और 12)। पिछले वर्ष की तुलना में यह घटनायें कम है वर्ष के दौरान स्वीकृत आश्रितों की संख्या 1090 थी।

42 2 वर्ष के प्रारम्भ में तथा अन्त में सभी आश्रितों का श्रेणी-वार वितरण इस प्रकार है :—

विवरण	31 मार्च को 1971	31 मार्च को 1972
विधवाएं	2,405	2,681
पुत्र और पुत्रियां	4,108	4,521
पिता	255	314
माता	379	450
अन्य आश्रित बालक	254	308
योग	7,401	8,274

42 3 आश्रितजन हितलाभ के रूप में अदा की गई राशि 1970-71 में 25 54 लाख रुपये थी जो 1971-72 में बढ़कर 30 59 लाख रुपये हो गई। वर्ष के दौरान स्वीकृत आश्रितजन हितलाभ दावों का पूंजीकृत मूल्य 66 69 लाख रुपये था जबकि 1970-71 में यह 66 59 लाख रुपये था। 31 मार्च 1972 को आश्रितजन हितलाभ निधि 343 77 लाख रुपये थी जबकि 31 मार्च 1971 को यह 315 74 लाख रुपये थी।

अंशदान तथा प्रवर्तन

43. **अंशदानों से आय**

अंशदानों की दरें वही हैं जो पिछले वर्ष थी जैसे कि (1) क्रियान्वयन में नियोजकों के विशेष अंशदान योजना के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियो के संबन्ध में कुल मजदूरी बिल का 4% की दर से (2) गैर-क्रियान्वित क्षेत्रों में नियोजकों के विशेष अंशदान योजना के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों के संबन्ध में कुल मजदूरी बिल का 3/4% की दर से (3) कर्मचारियों के अंशदान, कर्मचारियों की मजदूरी का लगभग 2½% वर्ष के दौरान कुल 3334.81 लाख रुपये की राशि नियोजकों के विशेष अंशदान के रूप में तथा 1770.05 लाख रुपये की राशि कर्मचारियों के अंशदान के रूप में एकत्रित की गई जबकि गत वर्ष के दौरान क्रमश: 2955.07 लाख रुपये तथा 1,649.67 लाख रुपये एकत्रित किये गये।

44. **अंशदान एकत्रित करने का तरीका**

नियोजकों के विशेष अंशदान और कर्मचारियों के अंशदान एकत्रित करने के तरीके में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। फ्रेंकिंग अंशदान कार्डों के लिये फ्रेंकिंग मशीनों के उपयोग के लिये समीक्षाधीन वर्ष में कुल 55 नये लाइसेंस जारी किये गये। वर्ष के अन्त तक जारी किये गये कुल लाइसेंसों की संख्या 670 थी जबकि गत वर्ष यह 615 थी।

45. **निरीक्षण**

समीक्षाधीन वर्ष में मुख्यालय ने निरीक्षण कार्य की प्रगति पर कड़ी निगरानी रखी। निरीक्षको ने नियोजकों और उनके कर्मचारियों को रिकार्ड रखने तथा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम तथा विनियमो के विभिन्न उपबन्धों का पालन करने में मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण दिया।

वर्ष के अन्त में कुल मिलाकर 173 बीमा निरीक्षक थे। वर्ष 1971-72 के दौरान 20,642 निरीक्षण किये गये।

46. **कर्मचारी बीमा न्यायालय**

क्रियान्वयन क्षेत्रो में कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 74 के अधीन 1971-72 में स्थापित किये गये क० बी० न्यायालय निम्नलिखित हैं :—

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अधीन स्थापित कर्मचारी बीमा न्यायालय

राज्य का नाम	वह क्षेत्र जिसके लिये कर्मचारी बीमा न्यायालय स्थापित किया गया	न्यायालय का वह पीठासीन अधिकारी जिसे कर्मचारी बीमा न्यायालय के रूप में कार्य करने की शक्तियां दी गई
1	2	3
महाराष्ट्र	(1) जलगांव शहर की नागरीय सीमायें	संयुक्त सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ विभाग)
	(2) राजस्व ग्राम महरुन तथा	जलगांव
	(3) राजस्व सर्वेक्षण संख्या 191 तथा पिम्पराले गांव का 192 तथा तालुक जिला जलगांव में मीमखेदी गांव के 75 तथा 77।	
मैसूर	हसन शहर की नागरीय सीमायें तथा उसके ग्रामअदूवाली, बूवानकाली गुड्डेनावाली, चन्नापटना तथा हसन जिले में दूद-नंदोगंनाहाली।	जिला न्यायाधीश हसन

47. **कानूनी कार्यवाही** :

वर्ष के दौरान दायर किये गये न्यायालय वादों पर हुए खर्च की राशि और कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अधीन वसूल की गई राशि राज्य-वार रूप में परिशिष्ट-16 में दिखाई गई है।

बजट और वित्त

48. **वित्तीय तथा लेखा सेवाएं**

48.1 वर्ष 1971-72 के परिशोधित प्राक्कलन और वर्ष 1972-73 के बजट प्राक्कलन निगम की 18 फरवरी 1972 को हुई बैठक में स्वीकार किये गये और 24 मार्च 1972 को केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किये गये। यह लोकसभा तथा राज्य सभा के पटल पर क्रमश: तारीख 25-5-72 और तारीख 26-5-72 को रखे गये।

48.2 निगम के लेखाओं की लेखा परीक्षा का कार्य केन्द्रीय सरकार ने नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक के परामर्श से महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली को सौपा है। महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व, संबन्धित राज्य महालेखाकारों की मार्फत लेखा परीक्षा का संचालन करता है। राज्य महालेखापाल उपालेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में कार्य करते हैं। समेकित लेखा परीक्षा रिपोर्ट महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व द्वारा तैयार की जाती है। क० रा० बी० निगम के लेखाओं पर वर्ष 1969-70 को समेकित लेखा परीक्षा रिपोर्ट महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व ने 1 मार्च 1972 को केन्द्रीय सरकार को प्रेषित की थी और कर्मचारी राज्य बीमा निगम में वह 14 मार्च 1972 को प्राप्त हुई थी। वर्ष 1969-70 के कर्मचारी राज्य बीमा निगम की लेखा परीक्षा रिपोर्ट परीक्षित लेखों के विवरण सहित, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की तथा उसकी स्थायी समिति में प्रस्तुत कर एवं स्वीकृत करके श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय को लोक सभा व राज्य सभा के पटल पर रखने के लिये भेज दिये जायेंगे।

49. **बैंकिंग व्यवस्था**

वर्ष के दौरान स्टेट बैंक आफ इण्डिया की शाखाओं, इसके सहायक तथा राष्ट्रीयकृत बैंकों में 20 बैंक खाते खोले गये और 2 खाते बन्द किये गये। 31 मार्च 1972 को उक्त बैंकों मे बैंक खातों की कुल संख्या 376 थी। स्टेट बैंक आफ इण्डिया की 13 और शाखाओं और इसके सहायक बैंको के साथ कर्मचारी राज्य बीमा अंशदान टिकट बेचने की व्यवस्था की गई। 31 मार्च 1972 को अंशदान टिकटों का विक्रय कुल 320 शाखाओं में किया जा रहा था।

एक नई लेखा पद्धति जैसे कि लेखा संख्या नं० 1 (केन्द्रीय) के नाम से स्टेट बैंक आफ इण्डिया में सितम्बर, 1971 से खोली गयी है जिसमें 10000 रुपये से अधिक की सभी अतिशेष राशियां जो क्षेत्रों मे एकत्रित हुई ये प्रत्येक स्वत: स्थानान्तरित हो जाती है। इस लेखे से क्षेत्रीय तथा स्थानीय कार्यालयों के अदायगी लेखे तार द्वारा भेजे जाते हैं। निधियां जो तात्कालिक आवश्यकताओं से अधिक होती हैं, स्टेट बैंक आफ इंडिया के पास जमा शर्त या विषय में लगाई जाती है। यह व्यवस्था क्षेत्रीय तथा स्थानीय कार्यालयों को समय पर निधि भेजने की सुनिश्चितता के अतिरिक्त वर्ष के दौरान निगम को 32.46 लाख रुपये तक का ब्याज कमाने योग्य बना दिया है।

50. विनियोग

वर्ष के आरम्भ में सामान्य नकद शेष में कोई विनियोग नहीं था। वर्ष के दौरान स्टेट बैंक आफ इंडिया के अदायगियों (शर्तें) में कुल 28,90,07,800 रुपये का विनियोग किया गया। जिसमें 26,64,00,000 रुपये वसूल किये गये। इस प्रकार वर्ष के अन्त में 2,26,07,800.00 रुपये विनियोग के रूप में, सामान्य रोकड़ शेष मे शेष रही।

31 मार्च 1972 को विभिन्न आरक्षित निधियों से संबन्धित कुल विनियोग तथा सामान्य नकद शेष 21,62,23,235.49 रुपये था जबकि वर्ष के प्रारम्भ में यह राशि 16,06,92,389.33 रुपये थी।

विनियोग के ब्यौरे नीचे दिये गये हैं :—

	1-4-1971 को जैसे था	31-3-1972 को जैसे था
1. भारत में केन्द्रीय और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	8,65,78,909.33	7,23,28,655.49
2. 12 वर्षीय डाक प्रमाण पत्र	63,17,300.00	56,79,300.00
3. स्टेट बैंक आफ इंडिया नई दिल्ली में आवधिक जमा	6,77,96,180.00	13,82,15,280.00
योग :	16,06,92,389.33	21,62,23,235.4

51. आय और व्यय लेखा तथा तुलन पत्र

निगम का वर्ष 1970-71 का आय तथा व्यय लेखा तथा 31-3-71 को तुलनपत्र क्रमशः परिशिष्ट 17 और 18 में दिखाए गये हैं। बाह्य परीक्षकों के द्वारा इनकी लेखा परीक्षा हो चुकी है परन्तु लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र अभी महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व से प्राप्त नहीं हुआ है। निगम का वर्ष 1971-72 की आय तथा व्यय लेखा तथा 31 मार्च 1972 को तुलनपत्र क्रमशः परिशिष्ट 19 और 20 में दिया गया है। यह अब बाह्य लेखा परीक्षकों द्वारा इनकी लेखा परीक्षा की जा चुकी है परन्तु लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र आना शेष है।

52. प्रशासन की सापेक्ष लागत

परिशिष्ट 21 में दिये गये विवरण में वर्ष 1966-67 से प्रशासन की सापेक्षा लागत दिखाई गई है। लाभों की लागत, एकत्र किये गये राजस्व की राशि और बीमाकृत व्यक्तियों के अनुपात मे कर्मचारी राज्य बीमा निगम के कर्मचारी वर्ग के अनुपात और नकद लाभ अदायगियों की संख्या को देखते हुए पिछले पाच वर्ष के दौरान (1967-68 से 1971 72) प्रशासम की तुलनात्मक लागत नीचे दी गई है :—

	1967-68	1968-69	1969-70	1970-71	1971-72
प्रति कर्मचारी राज्य बीमा निगम कर्मचारी नकद लाभ अदायगियों की संख्या	721	774	800	838	780
प्रति कर्मचारी राज्य बीमा निगम कर्मचारी वसूल किया गया अंशदान	40,839	48,357	53,459	64,456	68,192
कुल लाभों में प्रशासनिक खर्च का अनुपात	12.02%	11.39%	11.19%	10.14%	12.51%
कुल अंशदानों में प्रशासनिक खर्च का अनुपात	11.01%	9.96%	10.25%	8.08%	9.35%
प्रति एक लाख बीमाकृत व्यक्तियों में क०रा०बी०निग० कर्मचारी वर्ग का अनुपात	188	194	186	190	192

*अधिक प्रशासनिक व्यय इस कारण अंकित किया गया ताकि गत वर्ष के किये मूल्यांकन की सिफारिश पर 76,04,575 रुपये का घाटा सामान्य वार्षिक अंशदान के अतिरिक्त पेंशन आरक्षित निधि में पूरा किया गया इस व्यवस्था को छोड़कर, प्रतिशततः क्रमशः 10.51 तथा 7.86 निकाली जायेंगी।

इससे पता चलेगा कि अर्जित राजिस्व में वर्ष प्रतिवर्ष पर्याप्त वृद्धि हुई तथा समीक्षाधीन वर्ष में यह वृद्धि सबसे अधिक थी। पश्चिम बंगाल तथा महाराष्ट्र में कुछ प्रशासनिक उपाय करने के फलस्वरूप नकद लाभ अदायगियों की संख्या जो असामान्य रूप में गत वर्ष में बढ़ गई थी, कम हो गई।

'कर्मचारी' 'बीमाकृत व्यक्ति' और 'हिताधिकारी' शब्दों की परिभाषाएं

(क) किसी विशेष तरीका को कर्मचारियों की संख्या उन फैक्टरियो में प्रभावी पदों की अनुमानित संख्या होती है जो योजना के अन्तर्गत आती है। यह मोटे तौर पर उस तारीख के आस-पास फैक्टरी द्वारा प्रतिदिन नियोजित कर्मचारियों की औसत संख्या होगी और इसमें उस तारीख को वास्तव मे नियोजित कर्मचारियो की औसत संख्या होगी और इसमें उस तारीख को वास्तव में नियोजित कर्मचारियों की संख्या से बहुत अधिक अन्तर नही होगा। यह ध्यान में रखा जाये कि किसी अवधि मे किसी स्वीकृत पद पर वास्तव में काम करने वाले व्यक्तियों की संख्या अधिक हो सकती है। क्योंकि किसी नियमित कामगार के ध्यान पर उसकी अनुपस्थिति, छुट्टी आदि के दौरान छुट्टी रिजर्व या बदली कामगार अस्थायी तौर पर स्थानापन्न रुप में काम कर रहे होते है।

(ख) इस रिपोर्ट के प्रयोजन के लिये किसी तारीख को 'बीमाकृत व्यक्तियो' की संख्या से तात्पर्य उन व्यक्तियो की संख्या से है जो उस तारीख को चिकित्सा हितलाभ के हकदार माने गये हैं। यह भी कि किसी दिन 'बीमाकृत व्यक्तियों' की संख्या उस तारीख को काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या से अधिक हो सकती है क्योंकि अधिनियम के अन्तर्गत चिकित्सा हितलाभ की पात्रता शर्तों के अधीन किसी दिन चिकित्सा लाभ के पात्र व्यक्तियों मे न केवल वे व्यक्ति शामिल होंगे जो उस दिन नियोजित थे बल्कि ऐसे भूतपूर्व कर्मचारी भी शामिल होंगे जो उस तारीख से पहले की अवधि के दौरान अंशदान की शर्तों के कारण उस तारीख को इस प्रकार के लाभ के पात्र होंगे।

आय-व्यय और अतिशेष

(लाख रुपयों में)

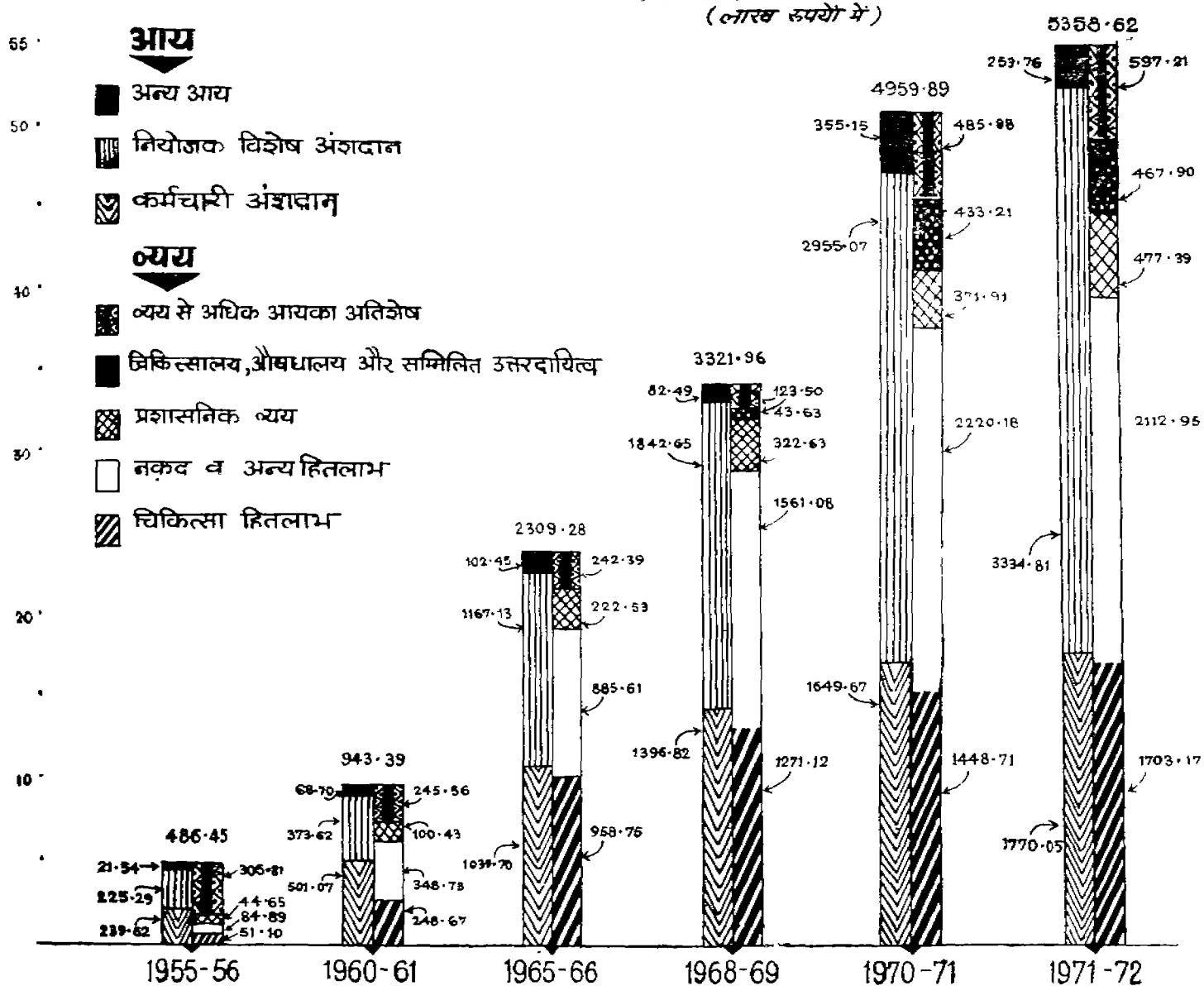

(ग) किसी तारीख को 'हिताधिकारियों' की कुल संख्या में ऐसे सभी व्यक्ति शामिल हैं जो उस तारीख को योजना के अन्तर्गत चिकित्सा लाभों के पात्र माने गये हैं । इनमें 'बीमाकृत व्यक्ति' शामिल हैं और जहां बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर योजना का विस्तार हो गया है वहां उनके परिवारों के सदस्य भी इनमें शामिल हैं । 'बीमाकृत व्यक्ति' के परिवार के सदस्यों की कुल संख्या (बीमाकृत व्यक्ति के अतिरिक्त) प्रति 'बीमाकृत व्यक्ति' औसतन 2.88 सदस्य मानकर ज्ञात की गई है।

परिशिष्ट-I

वर्ष 1971-72 के अन्तर्गत कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय :—

I. 11 अगस्त, 1971

(i) निगम ने स्थायी समिति के लिये अपने निम्नलिखित सदस्य चुने :—

1. श्री मदनमोहन मगलदास	नियोजकों के प्रतिनिधि
2. श्री आर० एन० जोशी	वही
3. श्री प्रो० वी० बी० कामथ	वही
4. श्री आर० रगास्वामी	कर्मचारियों का प्रतिनिधि
5 श्री टी० एन० सिद्धान्त।	वही
6. श्री राम देसाई	वही
7. डा० जे० मजुमदार	चिकित्सा व्यवसाय के प्रतिनिधि
8. श्री राजा कुलकरनी	संसद सदस्य

(ii) निगम ने वैक्षानिक तथा अन्य उपायों पर उस समिति की रिपोर्ट जिनका सुझाव दिया गया था, पर विचार किया ताकि पश्चिम बंगाल में अस्थायी अपंगता हितलाभ में भयप्रद वृद्धि से निपटा जा सके । यह निश्चय किया कि जबकि कानून के अन्तर्गत नकद हितलाभ जोकि बीमाकृत व्यक्ति ले रहे थे, को हटाना या उसमें कमी करना उचित नही था । व्यय की भयप्रद प्रवृत्ति को प्रभावपूर्ण रूप से रोका जाना चाहिये । इस कार्य के लिय उचित नियंत्रित उपाय किय जाये । यह भी निश्चित किया गया कि क्षेत्रीय बोर्ड तथा राज्य सरकारों द्वारा समय-समय पर स्थिति का पुनरीक्षण किया जाना चाहिये ।

(iii) निगम ने प्रति व्यक्ति शुल्क की दर के संबन्ध में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत बीमाकृत व्यवसायों से प्रतिवेदन पर विचार किया तथा यह निश्चय किया कि यह मामला निगम के अध्यक्ष द्वारा अन्तिम निर्णय लेने के लिये छोड़ दिया जाय । निगम के अध्यक्ष ने अपने निर्णय में प्रति बीमाकृत व्यक्ति परिवार एकक प्रतिवर्ष 20 रु० से 25 रु० की प्रति व्यक्ति शुल्क में वृद्धि करने की सिफारिश की ।

(iv) निगम ने यह निश्चय किया कि कर्मचारी राज्य बीमा हस्पतालों मे अधिशेष पलंगों, राज्य सरकारो द्वारा योजना के केवल लाभाधिकारियों के प्रयोग के लिए, को चालू रखने के लिये अनुमति दी जाये बशर्ते राज्य सरकारें अधिशेष पलगों को ठीक ढंग से रखने के लिये वित्तीय दायित्व को सहन करने का पूर्ण रूप से दायित्व ले तथा इन पलंगों को चालू करने के कारण निगम द्वारा निर्धारित उच्चक मूल्य से अधिक राजस्व व्यय को करने के लिये दायित्व ले ।

II. 18 फरवरी, 1972

1. निगम ने अन्त में विनियम 76-बी- (5) में एक सशोधन को स्वीकार किया जिसके फलस्वरूप स्थायी अपगता हितलाभ का रूपान्तरित मूल्य सुनिश्चित हो गया जहां बीमाकृत व्यक्ति के पास अपनी आयु का कोई स्वाधीन प्रमाण न हो । चिकित्सा परिषद् बीमाकृत व्यक्ति की अवशिष्ट स्थायी अपगता को निर्धारित करते हुए उसकी संभावित आयु को अब दिखाना पड़ता है । लाभाधिकारी को उसकी स्थायी अपंगता की रूपान्तरित कीमत के कारण उसकी देय तथा देने योग्य राशि की गणना करते हुए यह आयु लागू होती है ।

2 निगम ने अन्तिम रूप मे कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 की स्थानापति स्वीकार की ताकि कर्मचारी के निकाले जाने के विरुद्ध अथवा कुछ निम्नलिखित उल्लेखित दीर्घकालीन पीड़ित रोगों के कारण चिकित्सा लेते हुए कर्मचारी की कमी के लिये बचाव की व्यवस्था की जाये :—

(अ) नीचे दिये गये ग्रुप 'क' के अन्तर्गत रोगो में 18 महीने तक तथा

(ब) तथा नीचे दिये गए ग्रुप 'ख' के अन्तर्गत रोगों में 12 महीने तक

वर्ग 'क'

1. यक्ष्मा
2. कुष्ठ
3. मानसिक रोग
4 दुर्दम्य रोग
5. अधरांगघात
6. पक्षाघात
7. चिरकाल से संकुलित हृद्‌पफलता
8. कच्चा मोतियाबिन्द जबकि प्रभावित नेत्र की वीक्षण-शक्ति 6/60 या कम हो ।

वर्ग 'ख'

1. फुफ्फुसनालोत्तन और फुफ्फुस का फोड़ा
2 मायोकार्डियल इन्फार्कशन
3 कम्पवात
1. अन्तराकीकस बिम्ब का विस्थापन और भंग
5. असाध्य रक्तहीनता
6. परिणाहीय वाहिन्यरोग के कारण कोथ और उसके परिणाम
7. सन्धिस्थिरकारी कोकस रोग
8. जलोदर के साथ यकृत का अधिनतुरोग
9. टांग का अस्थिभंग
10. दृष्टिपटल का वियोजन

3. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 52 (1) के लिय अन्तिम रूप से सशोधन स्वीकार किया ताकि निम्नलिखित विविध हितलाभो की अदायगी के लिये अधिकतम समय सीमाओं को कम करके शीघ्र अदायगिया की जा सकें :—

(क) बीमारी हितलाभ की व्यवस्था मे 7 दिन के अन्दर

(ख) अन्त्येष्टि हितलाभ अवस्था में 15 दिन के अन्दर

(ग) प्रसूति हितलाभ की प्रथम अदायगी की अवस्था में 14 दिन के अन्दर

(घ) अस्थायी अपंगता हितलाभ की प्रथम अदायगी एक महीने के अन्दर

(ङ) स्थायी अपंगता हितलाभ की प्रथम अदायगी एक महीने के अन्दर

(च) आश्रितजन हितलाभ की प्रथम अदायगी की अवस्था में तीन महीने के अन्दर।

उसके दावो के पश्चात् उचित चिकित्सा अथवा अन्य प्रमाण पत्रो तथा अन्य प्रमाणित प्रमाण सहित जो इन विनियमों के अन्तर्गत मंगवा जाये सकते हैं, प्रस्तुत किया गया है जो उपयुक्त कार्यालय के लिये प्रत्येक रूप में पूर्ण है।

4. निगम ने अन्तिम रूप में कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 में एक नए विनियम 31-ख को बनाने के लिये स्वीकृति थी। इस विनियम के अन्तर्गत लिये जाने वाले अग्रदान जो कि ठीक समय में विनियम 31-क के अधीन न दिया गया हो, पर ब्याज भूमि राजस्व के बकाया के रूप में वापिस लिया जायेगा।

5. निगम के क०रा०बी० (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 75 के संशोधन को स्वीकार किया ताकि निगम द्वारा चिकित्सा परिषद् के लिये संविधान दिया जा सके और जहां आवश्यकता पड़े ऐसे चिकित्सा परिषदों को बनाने के लिये राज्य सरकार को मिला जा सके। पिछली बार राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा परिषद् बनाई गई थी क्योंकि बीमाकृत कर्मचारियों के लिये कोई अलग हस्पताल नहीं था। अब निगम ने कई कर्मचारी राज्य बीमा हस्पताल बनवाये हैं, जहां विशेषज्ञों को चिकित्सा परिषद् के लिये नियुक्त करने के लिये उपलब्ध न हो।

6. निगम के विनियम 17 तथा 95 (क) के संशोधन को स्वीकृत किया तथा समस्त भारत में वर्तमान शनाख्त कार्ड तथा परिवार शनाख्त कार्ड के बदले मे एक संयुक्त शनाख्त कार्ड जारी करने की स्वीकृति दी।

7. निगम ने स्थाई समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया ताकि प्रसूति दावों की प्रतिपूर्ति का प्रश्न राज्य सरकारों द्वारा प्रत्येक राज्य में वहां की चल रही स्थितियो के अनुसार अन्तिम रूप से निश्चित करने के लिये छोड़ा जाये।

8. निगम ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् को पांच लाख रुपये की तदर्थ अनुदान देने के लिये अपना अनुमोदन प्रदान किया तथा अस्थाई समिति द्वारा अनुमोदित तथा उसकी क्रियाकलापों मे सम्मिलित होने के लिये स्वीकृति प्रदान की।

9. निगम ने विनियम 10(9) के संशोधन को अंतिम रूप से स्वीकार किया, ताकि क्षेत्रीय मंडल के लिये चिकित्सा परिषद् के लिये तिमाही में कम से कम एक बार मिलना अनिवार्य हो जाये।

10. निगम ने विनियम 10 (14) के संशोधन को स्वीकार किया जो इस प्रकार है :—

"(14)क एक क्षेत्रीय परिषद् अपने क्षेत्र में जिसके लिये वह बनाई गई है, निम्नलिखित कर्तव्यो का पालन करेगी :—

(क) ऐसे प्रशासनिक तथा/अथवा कार्यपालिक संबन्धी कार्य जो उसे समय-समय पर निगम/प्रस्ताव द्वारा, निगम द्वारा अथवा स्थायी समिति द्वारा उसे सौपे जाते हैं अथवा प्रत्यायुक्त किये गए हों।

(ख) अधिनियम, नियम व विनियमों तथा फार्मों व योजना के परिचालन की कार्यविधियों में जो भी परिवर्तन उचित समझे जायें उनके लिये सिफारिश करनी।

(ग) सामान्य आदेशो के विशाल कार्य-रचना के अधीन तथा निगम की प्राथमिकताओं के प्रोग्राम के अन्तर्गत निर्णय करने के लिये निम्नलिखित कार्य में बशर्ते कि जहा निगम की विशेष अनुमति अथवा उपयुक्त सरकार की अनुमति की आवश्यकता हो, अनुमति ली जायेगी।

(i) निगम द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं के क्रम के अनुसार अन्य स्थापनाओं के वर्गों पर योजना का विस्तार।

(ii) नये क्षेत्रों पर योजना का विस्तार तथा परिवारो के लिये चिकित्सा देखरेख का विस्तार।

(iii) क्षेत्र में असाधारण स्थिति से निपटने के लिये विशेष उपायों को अपनाना।

(iv) हितलाभो मे सुधार।

(v) अन्तरग रोगी चिकित्सा की व्यवस्था।

(vi) बीमाकृत व्यक्तियों के पुनर्वास के लिये जो स्थायी अपंग हो चुके हों, उपाय तथा व्यवस्था करना।

(vii) क०रा०बी० अधिनियम के विविध व्यवस्थाओं, विनियमों तथा अन्य कानून व आदेशों का नियोजकों द्वारा मान्यता प्राप्त करना।

(घ) राज्य में योजना की प्रक्रिया का समय-समय पर चिकित्सा तथा नकद हितलाभ पर पुनरीक्षण करना तथा निगम एवं राज्य सरकार की योजना की प्रक्रिया के उपायो पर नकद हितलाभों की अदायगी तथा चिकित्सा हितलाभों के प्रशासन की ओर विशेषतया स्वास्थ्य सुधार के उपायों में उन्नति, रक्षा तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य विज्ञान की सुरक्षा निगम एवं राज्य सरकार को सलाह देना व योजना के अन्य कुप्रथाओं तथा शिथिल प्रमाणपत्रों की रोकथाम के लिये निरीक्षण करना।

(ङ) बीमाकृत व्यक्तियो, नियोजकों की सामान्य शिकायतो तथा कठिनाइयों आदि को देखना जैसे कि वह उपयुक्त समझे।

(च) स्थायी समिति अथवा महानिदेशक द्वारा सम्मति लेने के लिये भेजे गए उन सब मामलो/विषयो पर निगम को सलाह देना।

क्षेत्रीय परिषद् अपने किसी भी कार्य को करने के लिये एक उपयुक्त उच्च समिति बना सकती है तथा जहां उचित समझे स्थानीय मण्डलों की राय अथवा सहायता प्राप्त कर सकती है।

परिशिष्ट-2

वर्ष 1971-72 के दौरान क० रा० बी० निगम की स्थाई समिति द्वारा लिये गए महत्वपूर्ण निर्णय

16 नवम्बर, 1971

1. समिति ने यह निश्चय किया कि नियोजकों को गाइड को प्रचार के प्रभावशाली माध्यम के रूप में निःशुल्क वितरित किया जाये।

2. समिति की आम राय यह थी कि निम्नलिखित उद्देश्यो को देखते हुए बीमार उद्योगों के लिये अब वर्तमान विमोचन नीति के पुनरीक्षण की आवश्यकता है :—

(1) कर्मचारियो को हितलाभ से वंचित न रखा जाये तथा एक विशेष उपक्रम में विमोचन के लिये उनकी सम्मति को उनके सच्चे हितों का निर्देशन के रूप में नहीं समझना चाहिये।

(2) इन मिलों से अदायगियों की वसूलियां करने के लिये प्रत्येक साधनों का अनुसंधान करना चाहिये अथवा दूसरा तरीका यह है कि अंशदानों की वसूली दिये गये हितलाभों की स्थिति में हुई क्षतिपूर्ति के लिये निगम को मुआवजा के लिये सरकार के पास पहुंच करनी चाहिये ।

(3) बन्द को बचाने हेतु सरकार द्वारा रोगी वस्त्रोद्योग को पुन-स्थापित करने के लिये निगम को उनके प्रयत्नों को विफल नहीं करना चाहिये ।

3. समिति ने चिकित्सा हितलाभ परिषद् की सिफारिश पर उप चिकित्सा आयुक्त को प्रतिमास 100 रुपये का कर्मचारी राज्य बीमा विशेष भत्ता देने के प्रस्ताव को स्वीकार किया। जिनके पद जी०डी०ओ० ग्रेड-1 के संवर्ग में बीमाकृत चिकित्सा अधिकारियों के साथ विनियमशील थे तथा जिनको कि ऐसे भत्ते पहले से ही स्वीकृत है ।

4. समिति ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को 5 लाख रुपये का तदर्थ अनुदान देने की स्वीकृति प्रदान करने का निश्चय किया। तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम के महानिदेशक को अंशदानों को देने के लिये विस्तृत विवरण निकालने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की गतिविधियों मे निगम के सम्मिलित होने के लिये प्राधिकृत किया ।

5. समिति ने क०रा०बी०नि० के महानिदेशक को हस्पतालों, राज्यों में योजना के प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों के कार्यालयों में तथा निगम के अन्य विभिन्न कार्यालयों में काम आने वाली वाहन की व्यवस्था करने के लिये प्राधिकृत किया ।

परिशिष्ट 3

वर्ष 1971-72 के दौरान चिकित्सा हितलाभ परिषद की महत्वपूर्ण सिफारिशें

9 फरवरी 1972

1. चिकित्सा हितलाभ परिषद ने कठिनाइयों को दृष्टि में रखते हुए तथा फोटो की पद्धति में हुए खर्च को देखते हुए, बीमाकृत व्यक्तियों एवं परिवार पहचान कार्डों पर फोटो चिपकाने के संबन्ध में परीक्षण जो कि आन्ध्र प्रदेश में सारंगल मे हो रहा है को आगे बढ़ाने की आवश्यकता नहीं समझी ।

2. चिकित्सा हितलाभ ने परिषद चिकित्सालयों/औषधालयों आदि के लिये निगम द्वारा बनाये गये भवनों के संबन्ध मे राज्य सरकारों द्वारा निगम को दिये जाने वाले किराये को चिकित्सा लाभ पर निर्धारित उच्च मूल्य मे सम्मिलित करने के प्रश्न पर विचार किया। परिषद् ने ध्यान-पूर्वक विचार करने के पश्चात् कि किराये को किसी लेखा पद्धति के अन्तर्गत नहीं निकाला जा सकता ।

3. परिषद् ने कर्मचारी राज्य बीमा हस्पतालों तथा औषधालयो में काम करने वाले पैरा-मैडिकल स्टाफ को कर्मचारी राज्य बीमा विशेष वेतन तथा अन्य भत्ते देने के प्रश्न को प्रत्येक राज्य सरकार द्वारा निगम की सर्वसम्मति के साथ विचार करने के लिये छोड़ दिया जाये ।

4. चिकित्सा हितलाभ परिषद् ने उप समिति द्वारा भेजी गई रिपोर्ट को अपनाया जो कि अंशकालिक विशेषज्ञों आदि के लिये कुछ परिवर्तनों के साथ विशेषज्ञ सेवा मानदेय के मान (स्केल) की व्यवस्था के लिये मानदण्ड के निरीक्षण करने के लिये बनाई गई थी ।

परिशिष्ट—4

भाग—1

31 मार्च, 1972 को प्राधिकृत कर्मचारी राज्य बीमा निगम का कर्मचारी वर्ग

क्रम सं०	पदों का नाम	मुख्या-लय	आन्ध्र प्रदेश		असम		बिहार		दिल्ली		गुजरात	
			क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1.	महानिदेशक . . .	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
2	बीमा आयुक्त . .	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
3.	वित्तीय सलाहकार व मुख्य लेखाधिकारी .	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4.	चिकित्सा आयुक्त . . .	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
5.	बीमांकक	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
6.	प्रशासन निदेशक	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
7.	संयुक्त बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-I .	1	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—
8.	निदेशक (सं० एवं प्र०)/उप वित्तीय सलाहकार/ क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-II . . .	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
9.	प्र० अ०/उप बी० आ०/क्षे०नि०ग्रेड-III/उप मुख्य लेखा अधिकारी/सु०क्षे०नि० . .	6	1	—	—	—	—	—	1	—	—	—
10.	उप चि० आ०/चि० निर्देशी . .	4	1	—	—	—	1	—	1	—	3	—
11.	क्षे० नि० ग्रेड-IV/उप प्र० अ०/सहायक बी० आ०/ उप क्षे०नि०/सहायक बीमांकक/लेखा अधिकारी	7	2	—	1	—	1	—	2	—	4	—

क्र० सं०	पदों का नाम	केरल		मध्य प्रदेश		महाराष्ट्र			मैसूर		उड़ीसा	
		क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	उप० क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का
1	2	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
1.	महानिदेशक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
2.	बीमा आयुक्त	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
3.	वित्तीय सलाहकार व मुख्य लेखाधिकारी	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4.	चिकित्सा आयुक्त	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
5.	बीमांकक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
6.	प्रशासन निदेशक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
7.	संयुक्त बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-I	—	—	—	—	1	—	—	—	—	—	—
8.	निदेशक (सं० एवं० प्र०)/उप वित्तीय सलाहकार/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-II	—	—	—	—	—	—	—	1	—	—	—
9.	प्र० अ०/उप बी० आ०/क्षे० नि० ग्रेड-III/उप मुख्य लेखा अधिकारी/सु०क्षे०नि०	1	—	1	—	1	—	—	—	—	—	—
10.	उप चि०आ०/चि० निर्देशी	2	—	1	—	12	—	—	2	—	—	—
11.	क्षे० नि० ग्रेड -IV उप प्र० अ०/सहायक बी० आ०/उप क्षे० नि०/सहायक बीमांकक/लेखा अधिकारी	2	—	2	—	9	—	—	2	—	1	—

क्र० सं०	पदों का नाम	पंजाब		राजस्थान		तमिलनाडु		उत्तरप्रदेश		पं० बंगाल		योग
		क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का	क्षे० का	स्था० का	
1	2	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35
1.	महानिदेशक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
2.	बीमा आयुक्त	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
3.	वित्तीय सलाहकार व मुख्य लेखाधिकारी	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
4.	चिकित्सा आयुक्त	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
5.	बीमांकक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
6.	प्रशासन निदेशक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
7.	संयुक्त बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-I	—	—	—	—	1	—	—	—	1	—	5
8.	निदेशक (सं० एवं० प्र०) / उप वित्तीय सलाहकार/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-II	1	—	—	—	—	—	1	—	—	—	4
9.	प्र० अ०/उप बी० आ०/क्षे० नि० ग्रेड-III/उप मुख्य लेखा अधिकारी/सु०क्षे०नि०	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	12
10.	उप चि० आ०/चि० निर्देशी	2	—	1	—	1	—	3	—	10	—	47
11.	क्षे०नि०ग्रेड–IV/उप प्र० अ० /सहायक बी०आ०/उप क्षे०नि०/सहायक बीमांकक/लेखा अधिकारी	2	—	1	—	4	—	4	—	9	—	53

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
12.	सहायक क्षे० नि०/प्र०ग्रेड-I/उप ले० अ०/अ० अधिकारी	19	1	—	—	—	2	—	1	2	3	1
13.	बी०नि०/लेखा परीक्षक निरीक्षक/उप प्रबन्धक/ निरीक्षक (सं० एवं प्र०)	2	9	13	—	3	6	5	12	2	18	23
14.	महानिदेशक का निजी सचिव	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
15.	प्र०ग्रेड-III/मु०लि०/सहायक/मु०लि० (खजांची)	69	5	9	1	1	5	5	5	3	15	4
16.	वैयक्तिक सहायक	8	1	—	—	—	—	—	1	—	1	—
17.	तकनीकी सहायक	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
18.	कलाकार	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
19.	रखवाल	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
20.	पुस्तकाध्यक्ष	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
21.	स्वागती	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
22.	उच्च श्रेणी लिपिक कार्यभारी/उच्च श्रेणी लिपिक खजांची/उच्च श्रेणी लि०	61	25	37	3	4	17	12	23	17	66	66
23.	आशुलिपिक	13	1	—	1	—	2	—	2	—	3	—
24.	संगणक	4	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
25.	निम्न श्रे० लि०/एडेमा प्रचालक/टेलेक्स प्रचालक	85	52	39	7	4	30	11	46	12	144	47
26.	गेस्टेटनर प्रचालक	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
27.	स्टाफ कार चालक	4	1	—	—	—	—	—	—	—	1	—
28.	कनिष्ठ पुस्तकालय परिचर	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—

1	2	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
12	सहायक क्षे०नि०प्र०ग्रेड-I/उप ले०अ०/अ० अधिकारी	1	1	1	3	8	1	27	2	3	1	—
13.	बी०नि०/लेखा परीक्षक निरीक्षक/उप प्रबन्धक/ निरीक्षक (सं०एवं प्र०)	12	22	7	9	62	—	37	13	11	3	4
14.	महानिदेशक का निजी सचिव	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
15.	प्र०ग्रेड-III/मु०लि०/सहायक/मु०लि० (खजांची)	7	9	5	6	42	2	36	9	8	3	3
16.	वैयक्तिक सहायक	1	—	1	—	1	—	—	1	—	—	—
17.	तकनीकी सहायक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
18.	कलाकार	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
19.	रखवाल	—	—	—	—	1	—	—	—	—	—	—
20.	पुस्तकाध्यक्ष	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
21.	स्वागती	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
22.	उच्च श्रेणी लिपिक कार्य/भारी उच्च श्रेणी लिपिक खजांची/उच्च श्रे० लि०	32	61	23	30	168	8	209	37	49	8	9
23	आशुलिपिक	1	—	2	—	8	1	—	2	—	2	—
24.	संगणक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
25.	निम्न श्रे० लि०/एडेमा प्रचालक/टेलेक्स प्रचालक	68	71	48	27	390	14	254	82	36	17	8
26.	गेस्टेटनर प्रचालक	—	—	—	—	1	—	—	—	—	—	—
27.	स्टाफ कार चालक	1	—	—	—	1	—	—	1	—	—	—
28.	कनिष्ठ पुस्तकालय परिचर	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—

1	2	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35
12.	सहायक क्षे० नि०/प्र० ग्रेड-I/उप ले० प्र०/प्र० अधिकारी	2	—	2	—	5	8	3	1	9	35	142
13.	बी०नि०/लेखा परीक्षक निरीक्षक/उप प्रबन्धक/निरीक्षक (सं०एवं प्र०)	15	11	5	5	31	25	16	15	90	34	520
14.	महानिदेशक का निजी सचिव	--	--	--	--	--	--	--	—	--	--	1
15.	प्र० ग्रेड-III/मु० लि०/सहायक/मु०लि०/(खजांची)	10	5	5	7	16	20	14	7	40	46	422
16.	वैयक्तिक सहायक	1	--	--	--	1	—	1	--	--	--	18
17.	तकनीकी सहायक	--	—	—	--	—	—	—	—	—	—	1
18.	कलाकार	—	--	--	--	--	--	--	--	--	—	1
19.	रखवाल	--	--	—	—	—	—	—	—	—	—	2
20.	पुस्तकाध्यक्ष	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
21.	स्वागती	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
22.	उच्च श्रेणी लिपिक कार्य भारी/उच्च श्रेणी लिपिक खजांची/उच्च श्रे० लि०	39	19	14	7	68	113	54	31	181	224	1715
23.	आशुलिपिक	2	—	2	—	4	—	4	—	10	—	60
24.	संगणक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	4
25.	निम्न श्रे० लि०/एड्रेमा प्रचालक/टेलेक्स प्रचालक	83	33	30	16	155	115	119	36	405	338	2822
26.	गेस्टेटनर प्रचालक	—	—	—	—	1	—	1	—	1	—	5
27.	स्टाफ कार चालक	1	—	—	—	1	—	1	—	2	—	14
28.	कनिष्ट पुस्तकालय परिचर	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
29.	जमादार	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
30.	रिकार्ड सार्टर वफतरी (प्रवर श्रेणी वफतरी सहित)	26	12	17	1	4	8	9	12	7	24	28
31.	चपरासी	48	9	12	4	—	9	6	9	9	19	30
32.	चौकीदार	3	2	—	1	—	1	—	1	—	1	—
33.	फराश	7	1	—	—	—	1	—	1	—	2	—
34.	सफाई कर्मचारी	8	2	—	—	—	1	—	1	—	2	—
35.	माली	1	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—
36.	लिफ्टमैन	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
37.	सशस्त्र-गार्ड	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
	योग :	392	126	127	19	16	84	48	118	52	307	199

1	2	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
29.	जमादार	—	—	--	—	—	—	—	—	—	—	
30.	रिकार्ड सार्टर वफतरी (प्रवर श्रेणी वफतरी सहित)	15	32	9	19	52	3	104	16	20	4	7
31.	चपरासी	12	28	8	11	47	3	89	12	20	6	5
32.	चौकीदार	1	—	2	—	3	1	—	2	—	1	—
33.	फराश	1	—	1	—	2	1*	—	1	—	1	—
34.	सफाई कर्मचारी	1	—	1	—	4	—	—	1	—	1	—
35.	माली	—	—	—	—	—	—	--	—	—	—	—
36.	लिफ्टमैन	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
37.	सशस्त्र-गार्ड	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
	योग :	158	224	112	105	813	34	756	184	147	48	36

1	2	25	27	27	28	29	30	31	32	33	34	35
29.	जमादार	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
30.	रिकार्ड सार्टर दफ्तरी (प्रवर श्रेणी दफ्तरी सहित)	15	17	7	12	28	50	27	21	71	138	815
31.	चपरासी	12	19	7	6	20	50	19	19	52	103	703
32.	चौकीदार	2	—	1	—	3	—	2	—	4	—	31
33	फराश	2	—	1	—	2	—	1	—	5	—	30
34.	सफाई कर्मचारी	2	—	1	—	3	—	1	—	8	—	37
35.	माली	—	—	—	—	—	—	1	—	—	—	3
36.	लिफ्टमैन	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	1
37.	सशस्त्र-गार्ड	—	—	—	—	—	—	—	—	8	—	8
	योग :	191	104	77	53	347	381	272	130	908	918	7486

*कराश- ब - सफाई कर्मचारी

परिशिष्ट—4

भाग—II

31 मार्च, 1972 को निदेशक (चिकित्सा) दिल्ली के कार्यालय और कर्मचारी राज्य बीमा डिसपेंसरियों में प्राधिकृत कर्मचारी वर्ग और वास्तव में नियुक्त कर्मचारियों की स्थिति का विवरण

क्र० सं०	पदों का नाम	निदेशक का कार्यालय		क० रा० बी० डिसपेंसरियां		योग	
		प्राधिकृत	वास्तविक नियुक्ति	प्राधिकृत	वास्तविक नियुक्ति	प्राधिकृत	वास्तविक नियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	निदेशक (चिकित्सा) दिल्ली	1	1	—	—	1	1
2.	प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी	1	—	—	—	1	—
3.	उप प्रशासनिक अधिकारी (चि०)	1	1	—	—	1	1
4.	लेखा अधिकारी (चि०)	1	1	—	—	1	1
5.	बीमा चिकित्सा अधिकारी- ग्रेड—I/II	—	—	103	98	103	98
6.	लेखा परीक्षा निरीक्षक	1	1	—	—	1	1
7.	निदेशक (चि०) दिल्ली का वैयक्तिक सहायक	1	1	—	—	1	1
8.	मुख्य लिपिक/सहायक	9	8	—	—	9	8
9.	उच्च श्रेणी लिपिक खजांची	1	1	—	—	1	1
10.	उच्च श्रेणी लिपिक	25	25	19	19	44	44
11.	आशुलिपिक	2	2	—	—	2	2
12.	निम्न श्रेणी लिपिक	42	42	56	56	98	98
13.	औषधकारक	5	5	84	80	89	85
14.	सामाजिक गाइड	2	1	—	—	2	1
15.	नर्स ए/बी ग्रेड	—	—	23	19	23	19

1	2	3	4	5	6	7	8
16.	मिड वाईफ/दाई	—	—	51	51	51	51
17.	महिला स्वास्थ्य निरीक्षक	—	—	18	27	18	27
18.	प्रयोगशाला तकनीशियन	—	—	18	9	18	9
19.	रेडियोग्राफर	—	—	1	1	1	1
20.	डार्क रूम सहायक	—	—	1	1	1	1
21.	एम्बुलेंस चालक	—	—	4	4	4	4
22.	गेस्टेटनर प्रचालक	1	1	—	—	1	1
23.	वफतरी	4	3	—	—	4	3
24.	एम्बुलेंस परिचर	—	—	3	2	3	2
25.	ड्रेसर	—	—	55	53	55	53
26.	चपरासी	11	13	39	35	50	48
27.	आया	—	—	28	33	28	33
28.	चौकीदार	—	—	19	19	19	19
29.	सफाई कर्मचारी	—	—	57	62	57	62

खाना 3,5 और 7 में दिखाये गये प्राविहृत पदों में वे पद सम्मिलित नहीं हैं जिन्हें अतिरिक्त घोषित कर दिया गया है और जिनका कर्मचारी राज्य बीमा हस्पताल बसईदारा पुर, नई दिल्ली में भविष्य में होने वाली रिक्तियों/शिष्टपदों के स्थान पर समायोजन करना है ।

परिशिष्ट–5

वर्ष 1971–72 के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अन्तर्गत आने वाली फैक्टरियों और कर्मचारियों की राज्यवार संख्या

राज्य	क्रियान्वित क्षेत्र		अक्रियान्वित क्षेत्र		सभी क्षेत्र	
	फैक्टरियों की संख्या*	31–3–72 को कर्मचारियों की संख्या	फैक्टरियों की संख्या*	31–3–72 को कर्मचारियों	फैक्टरियों की संख्या*	31–3–72 को कर्मचारियों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7
आन्ध्र प्रदेश	867	1,32,800	78	18,350	945	1,51,150
असम	176	15,500	42	9,750	218	25,250
बिहार	416	64,000	223	1,24,750	639	1,88,750
चंडीगढ़	72	8,000	—	—	72	8,000
दिल्ली	1,372	1,15,000	—	—	1,372	1,15,000
गुजरात	1,614	3,78,400	376	85,900	1,990	4,64,300
हरियाणा	694	1,08,900	18	3,300	712	1,12,200
हिमाचल प्रदेश	—	—	21	3,350	21	3,350
केरल तथा माहे	1,061	1,62,700	9	1,600	1,070	1,64,300
मध्य प्रदेश	531	1,10,000	64	53,450	595	1,63,450
महाराष्ट्र	5,380	9,61,800	419	65,400	5,799	10,27,200
मैसूर	915	2,07,200	81	26,150	996	2,33,350
उड़ीसा	122	33,800	79	40,150	201	73,950
पांडीचेरी	31	12,200	—	—	31	12,200
पंजाब	1,278	1,00,300	19	2,300	1,297	1,02,600
राजस्थान	421	70,200	38	84,00	459	75,000
तमिलनाडु	1,895	3,64,800	157	30,700	2,052	3,95,500
उत्तर प्रदेश	1,481	3,39,900	27	23,900	1,508	3,63,800
प० बंगाल	3,411	7,90,000	108	1,22,100	3,519	9,12,100
समस्त भारत	21,737	39,75,500	1,759	6,15,950	23,496	45,91,450
(1972)						
समस्त भारत	20,217	38,39,000	1,639	6,23,600	21,856	44,62,600
(1971)						

*योजना के अन्तर्गत आने वाली फैक्टरियों के कार्यालय आदि भी शामिल हैं ।

परिशिष्ट–6

31–3–72 को योजना के अन्तर्गत आने वाले केन्द्रों, कर्मचारियों, बीमाकृत व्यक्तियों, परिवार (बी० व्य०) एककों तथा हिताधिकारियों की राज्यवार संख्या

राज्य	केन्द्रों की संख्या	कर्मचारियों की संख्या	बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या	परिवार (बी० व्य०) एककों की संख्या	हिताधिकारियों की संख्या
1	2	3	4	5	6
आन्ध्र प्रदेश	34	1,32,800	1,41,000	1,39,750	5,43,500
असम	7	15,500	17,000	17,000	65,950
बिहार	18	64,000	80,000	80,000	3,10,400
चंडीगढ़	1	8,000	9,500	9,500	36,850
दिल्ली	1	1,15,000	1,22,500	1,22,500	4,75,300
गुजरात	14	3,78,400	4,45,000	4,45,000	17,26,000
हरियाणा	16	1,08,900	1,25,000	1,23,500	4,80,700
केरल तथा माहे	49	1,62,700	1,72,500	1,65,800	6,50,000
मध्य प्रदेश	19	1,10,000	1,16,500	1,16,500	4,52,000
महाराष्ट्र	17	9,61,800	10,22,500	10,08,100	39,25,800
मैसूर	17	2,07,200	2,19,500	2,14,500	8,37,250
उड़ीसा	11	33,800	36,000	36,000	1,39,700
पांडीचेरी	1	12,200	13,000	13,000	50,450
पंजाब	21	1,00,300	1,14,000	1,14,000	4,42,300
राजस्थान	16	70,200	79,500	79,500	3,08,450
तमिलनाडु	37	3,64,800	3,90,000	3,88,600	15,09,150
उत्तर प्रदेश	35	3,39,900	3,90,500	3,72,100	14,62,150
प० बंगाल	4	7,90,000	8,50,000	8,50,000	32,98,000
समस्त भारत	318*	39,75,500	43,44,000	42,95,350	1,67,14,550
(1972)					
समस्त भारत	324	38,39,000	42,18,000	41,97,050	1,63,05,500
(1971)					

*प० बंगाल में कई केन्द्रों के सम्मिश्रण के कारण कमी ।

परिशिष्ट—7

31-3-1972 को पलंगों, विशेषज्ञों और एम्बुलेंसों की संख्या

क्र० सं०	राज्य	उपबन्धित पलंगों की संख्या				
		क० रा० बी० हस्पताल		एनेक्सियां		
		सामान्य	प्रसूति	क्षय	सामान्य	प्रसूति
1	2	3	4	5	6	7
1.	आन्ध्र प्रदेश	415	—	—	—	—
2.	असम	—	—	—	—	—
3.	बिहार	140	—	—	—	—
4.	चंडीगढ़ प्रशासन	—	—	—	—	—
5.	दिल्ली	150	—	—	—	—
6.	गुजरात	200	—	200	—	—
7.	हरियाणा	155	—	—	—	—
8.	केरल	385	—	100	—	—
9.	मध्य प्रदेश	140	—	55	—	—
10.	महाराष्ट्र					
	(क) बृहत्तर बम्बई	892	—	100	—	—
	(ख) नागपुर क्षेत्र	50	—	—	—	—
	(ग) पश्चिमी महाराष्ट्र	—	—	—	—	—
11.	मैसूर	324	24	40	—	—
12.	उड़ीसा	50	—	—	—	—
13.	पांडीचेरी	—	—	—	—	—
14.	पंजाब	205	—	—	—	—
15.	राजस्थान	—	—	—	90	—
16.	तमिलनाडु	877	200	50	54	—
17.	उत्तर प्रदेश	312	144	180	—	—
18.	प० बंगाल	1439	—	100	—	—
	योग	5734	368	825	144	—

					विशेषज्ञ			
	अन्य अस्पताल			योग				विवरण
क्षय	सामान्य	प्रसूती	क्षय	योग	अंशकालिक	पूर्णकालिक	एम्बुलेंस	
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	16
24	4	1	12	456	60	—	12	एक टैम्पो
—	3	1	11	15	—	—	2	
20	24	—	10	194	—	2	12	
—	2	—	—	2	5	—	—	
—	50	—	90	290	29	—	5	
—	280	26	63	769	242	3	3	
24	30	—	36	245	22	12	2	
24	64	23	41	637	50	23	3	
—	80	—	53	328	83	8	6	
—	127	*	510	1629	104	23	12	
								*रुपये 52 50 पैसे प्रति प्रसव की दर से बीमाकृत महिलाओं के प्रसव के लिये मान्यता प्राप्त 11 प्रसूतिगृह बृहत्तर बम्बई के लिये और 6 पश्चिमी महाराष्ट्र के लिये बशर्ते कि ठहरने की अवधि 7 दिन से कम हो और यदि ठहरने की अवधि 7 दिन से अधिक हो तो 60 रुपये।
25	43	11	29	158	15	—	2	
—	89	*	50	145	27	—	2	
32	65	23	47	555	26	7	8	एक डिलीवरी गाड़ी
12	—	—	—	62	5	—	3	
—	14	4	10	28	5	—	—	
12	41	—	17	275	21	9		
31	6	1	—	128	11	—	1	
78	192	37	199	1597	78	48	22	
—	—	—	—	636	—	21	4	
—	101	—	468	2108	302	—	14	एक युटिलिटी गाड़ी
282	1125	127	1652	10257	1085	156	117	

परिशिष्ट—8

31-3-1972 को राज्य बीमा डिसपेंसरियों पेनल डाक्टरों आदि की संख्या

क्र० सं०	राज्य	डिसपेंसरियां				बी० चि० अ० की कुल संख्या			बीमा चिकित्सा व्यवसायों की कुल संख्या	नियोजकों की डिस-पेंसरियों में डाक्टरों की कुल संख्या	अनुमोदित केमिस्ट/दवाई स्टोर/डिपो	विवरण
		पूर्णकालिक	अंश-कालिक	चलती फिरती	नियोजकों की	योग	स्वीकृत	वर्तमान				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
1.	आन्ध्र प्रदेश	49	8	—	1	58	108	104	1	2	1 दवाई स्टोर	
2.	असम	12	—	—	—	12	14	14	—	—	1 दवाई स्टोर	
3.	बिहार	24	1	7	—	32	86	66	—	—	—	
4	चंडीगढ़ प्रशासन	1	—	—	—	1	2	2	2	—	1 दवाई स्टोर 4 केमिस्ट	
5.	दिल्ली	19	4	—	—	23	107	98	—	—	1 दवाई स्टोर 1 केमिस्ट	
6.	गुजरात	76	—	2	—	78	329	285	184	—	6 दवाई स्टोर 25 केमिस्ट	
7.	हरियाणा	23	—	—	3	26	73	70	8	6	1 दवाई स्टोर 6 केमिस्ट	
8.	केरल	65	11	4	2	82	143	124	—	2	5 दवाई स्टोर	
9.	मध्य प्रदेश	47	—	—	1	48	142	120	2	1	2 केमिस्ट	
10.	महाराष्ट्र											
	(क) बृहत्तर बम्बई	3	—	1	3	7	5	3	1722	2	8 दवाई स्टोर 152 केमिस्ट	
	(ख) नागपुर क्षेत्र	20	—	1	—	21	65	54	—	—	—	
	(ग) पश्चिमी महाराष्ट्र	13	—	—	—	13	32	19	232	—	1 दवाई स्टोर 20 केमिस्ट	
11.	मैसूर	55	4	—	7	66	172	153	—	27	4 दवाई स्टोर 85 केमिस्ट	
12.	उड़ीसा	13	—	—	—	13	30	30	—	—	1 दवाई स्टोर	
13.	पांडीचेरी	6	—	—	—	6	11	11	—	—	1 दवाई स्टोर	
14.	पंजाब	16	—	—	—	16	38	22	77	—	5 दवाई स्टोर	
15.	राजस्थान	22	—	5	1	28	70	70	—	2	9 केमिस्ट	
16.	तमिलनाडु	93	3	8	3	107	350	328	—	8	3 दवाई स्टोर	
17.	उत्तर प्रदेश	78	—	9	—	87	238	183	—	—	1 दवाई स्टोर 2 केमिस्ट	
18.	प० बंगाल	—	—	—	5	5	—	—	1691	27	34 सरकारी केमिस्ट दुकानें 179 केमिस्ट	
	योग :	635	31	37	26	729	2015	1756	3919	77	485 केमिस्ट 34 सरकारी केमिस्ट दुकानें 40 दवाई स्टोर	

परिशिष्ट—9

1970-71 और 1971-72 में डिसपेंसरियों में उपस्थिति अस्पतालों में भेजने और घर निरीक्षण की घटनाओं की संख्या—राज्यवार (बीमाकृत व्यक्तियों और उनके परिवारों के संबंध में)

राज्य	अवधि	बीमाकृत व्यक्ति					परिवार (बी० व्य०) एकक		
		प्रति वर्ष प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति उपस्थितियों की संख्या		अस्पतालों में दाखिल केसों की संख्या	जांच के लिये विशेषज्ञों के पास भेजे गये केसों की संख्या	घर पर निरीक्षणों की सं०	प्रति वर्ष प्रति 1000 परिवार (बी० व्य०) एकक उपस्थितियों की संख्या		घर पर निरीक्षणों की संख्या
		नये केस	पुराने केस				नये केस	पुराने केस	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
आन्ध्र प्रदेश (से प्र)	1970-71*	3154	14559	328	42253	21990	5515	16704	19354
	1971-72	2914	12166	112	38684	4949	4966	14857	15766
असम (से प्र) .	1970-71*	2980	3699	59	4737	2655	2004	1873	360
	1971-72**	2438	2661	68	4416	2099	1533	1134	200
बिहार (से प्र) .	1970-71	2804	5934	4104	20698	10016	4548	7699	11205
	1971-72%	2680	5544	3670	25011	10142	4241	7045	11989
चंडीगढ़ (से प्र) .	1970-71	2614	7629	306	4000	240	2134	1802	185
	1971-72	2032	7172	351	4236	680	2041	1331	348
दिल्ली (से प्र) .	1970-71	1380	8204	366	23560	23749	3442	7159	23817
	1971-72	1441	7055	559	24595	23815	3029	6327	17961
गुजरात (पे प्र) .	1970-71	1632	8830	13736	71015	7614	2609	11507	6495
	1971-72	1533	8657	14046	92235	5782	2448	11098	5729
गुजरात (से प्र) .	1970-71	3721	4741	1163	13030	2446	5434	6175	1822
	1971-72	4087	4985	1093	12437	2052	5448	6007	956
हरियाणा (से प्र) .	1970-71	2146	4363	835	4041	3785	1988	3825	4494
	1971-72	2778	5995	711	9810	7028	2391	5065	4756
हरियाणा (पे प्र) .	1970-71	3688	4835	3354	10619	4393	4010	5900	2195
	1971-72	3380	4723	751	9713	2762	3405	5079	2241
केरल (से प्र) .	1970-71	2629	9000	10962	12438	7261	2277	6860	1045
	1971-72	2823	8242	14310	13721	8716	2603	6892	644
केरल (पे प्र) .	1970-71	केरल में सम्मिलित (से प्र)							
	1971-72	4537	10375	874	2439	—	4827	19440	—
मध्य प्रदेश (से प्र) .	1970-71	2242	13890	4614	41118	15269	5711	17189	9483
	1971-72	2392	14361	5574	42997	14585	5428	17068	10307

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
मध्य प्रदेश (पे प्र)	1970–71	मध्य प्रदेश में सम्मिलित (से प्र)							
	1971–72	2399	7933	85	631	102	3767	8313	101
महाराष्ट्र									
(1) बम्बई क्षेत्र (से प्र)	1970–7	3566	7342	—	396	—	2492	4725	—
	1971–72	3999	7843	—	1013	3	3197	5004	—
(2) बम्बई क्षेत्र (पे प्र)	1970–71	5062	6104	30899=	138119	31800	2653	2771	11584
	1971–72	5297	6000	32116=	129571	28869	2687	2706	5720
(3) नागपुर क्षेत्र (से प्र)	1970–71	3445	16329	1839	18414	15548	4933	23157	3992
	1971–72	3747	14921	2603	18520	17989	5087	23698	4748
मैसूर (से प्र)	1970–71	3178	7969	15552	53108	22476	4774	8328	7676
	1971–72	3464	8312	16876	64651	29541	5416	9629	9790
उड़ीसा (से प्र)	1970–71	3575	5000	1066	7941	6931	3660	4321	3491
	1971–72	3501	4401	1345	10788	7277	3891	4213	2592
पांडीचेरी तथा माहे (से प्र)	1970–71	2689	17681	356	5259	1436	1670	7663	1334
	1971–72	2566	16204	486	7010	947	1989	7548	2263
पंजाब (से प्र)	1970–71	5416	4699	2343	4302	5003	5093	4545	2239
	1971–72	4433	3424	1150	5230	3823	4090	3492	2223
पंजाब (पे प्र)	1970–71	4474	4456	2423	10812	12450	4394	3990	975
	1971–72	5270	4570	3566	10129	9780	4965	4236	3167
राजस्थान (से प्र)	1970–71	2883	8305	3810	24742	3422	4138	9025	1297
	1971–72	2819	8058	3556	30706	3651	3884	8380	1315
तमिल नाडु (से प्र)	1970–71	2946	10132	19441	163960	6017	3350	10553	13337
	1971–72	3239	10690	18122	168410	1877	3634	10482	8585
तमिलनाडु (पे प्र)	1970–71	4590	12710	909	1843	2151	7371	13554	3773
	1971–72	5299	10387	1033	2539	2686	7285	14979	3309
उत्तर प्रदेश (से प्र)	1970–71	2547	6024	6385	81490	6623	2434	6156	23951
	1971–72	2722	4876	6458	68951	5279	2317	7030	29389
प. बंगाल (पे प्र)	1970–71*	2836	2801	5607	102423	112535	3136	2555	29801
	1971–72	4007	4358	3556	83688	332324	2798	2713	24675
समस्त भारत	1970–71*	3158	6977	130457	860318	325810	3308	7189	183905
	1971–72	3398	7391	133161	882131	526758	3290	7357	168774

* आज तक के आंकड़े लिये गये ।

** जून 71, जुलाई 71, फरवरी, 72, तथा मार्च 72 के आंकड़े प्राप्त नहीं हुये, भारित औसत ले ली गई है ।

%मार्च 72 के आंकड़े प्राप्त नहीं हुये, भारित औसत ले ली गई ।

—दिसम्बर, 71 से मार्च 72 के लिये आंकड़े प्राप्त नहीं हुये, भारित औसत ले ली गई ।

= (से प्र) शामिल हैं ।

से प्र—सेवा प्रणाली

पे प्र—पेन्शन प्रणाली

परिशिष्ट–10

1970–71 और 1971–72 में रुग्णता के प्रकोप अर्थात् प्रति बीमाकृत व्यक्ति और प्रति 1000 परिवारों (बी० एम०) एकक नये केसों की संख्या—समस्त भारत

कारण ग्रुप संख्या	रोग	बीमाकृत व्यक्ति		परिवार	
		1970–71	1971–72	1970–71	1971–72
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	श्वसन प्रणाली का क्षय रोग	14.7	11.1	11.5	10.8
2.	अन्य प्रकार का क्षय रोग	5.1	5.0	4.8	4.1
3.	सिफिलिस और इसके अनुगम	3.8	3.5	1.4	1.1
4.	गोनो कोकल संक्रमण	7.2	6.7	3.7	3.1
5.	सभी प्रकार की पेचिश	224.6	245.3	223.5	203.2
6.	हैजा, आन्त्र ज्वर, आन्ध्र पथ में होने वाले अन्य संक्रामक रोग	18.2	20.9	23.8	19.6
7.	स्कारलेट ज्वर, डिप्थीरिया, कुकर खांसी, खसरा, कनपेड़, छोटी माता	13.4	16.3	37.7	34.5
8.	टाइफस और अन्य रिकेट्सिया रोग	0.5	1.1	0.6	1.0
9.	मलेरिया	14.4	16.6	13.3	14.6
10.	फाईलेरिया रोग, अंकुशकृमि रोग और अन्य कृमि	41.4	45.7	68.4	72.2
11.	संक्रामक और परजीवी वर्ग के अन्य सभी रोग	47.7	42.2	55.0	54.5
12.	दुर्दम अर्बुद सभी साइट	0.5	0.4	0.6	0.3
13.	सुवाम्य अर्बुद सभी साइट	0.6	0.5	0.8	0.6
14.	एलर्जिक विकार	87.0	82.5	98.8	85.1
15.	अवटु ग्रंथि के रोग	1.3	1.6	1.7	1.3
16.	मधुमेह मैलीटस	3.3	4.5	4.6	4.0
17.	अविटामिनता और अन्य कमियों की स्थिति	137.3	128.2	146.0	123.0
18.	अरक्तता	102.4	92.7	125.0	113.0
19.	विक्षिप्ति और मनोविक्षिप्ति	2.7	2.5	2.2	2.7
20.	रक्तधर विक्षति सी० सी० एन० एस०	0.7	0.8	1.6	0.8
21.	नेत्र रोग	109.4	165.4	105.8	139.9
22.	कान और मोसटाइड प्रक्रिया के रोग	45 9	50.3	68.2	70.3
23.	रुमेटी ज्वर	11.6	9.7	8.7	7.4
24.	जीर्ण रुमेटी हृद रोग	1.2	1.1	1.2	0.9
25.	धमनी काठिन्यज और व्यग्रजनक रोग	0.9	0.9	1.1	0.6
26.	अतिरिक्त दाबी रोग	5.7	5.8	6.4	6.6
27.	शिराओं के रोग	7.3	7.7	6.6	7.0
28.	तीव्र नेजोफै रेनजाइटिस (सामान्य नजला)	293.6	313.0	311.7	305.6
29.	तीव्र गलशोथ और टान्सिलशोथ	98.0	100.6	110.8	110.5

1	2	3	4	5	6
30.	इन्फ्ल्युएंजा	189.2	180.8	158.5	158.2
31.	निमोनिया	7.3	6.0	12.5	10.2
32.	श्वसनी शोथ	249 3	268.6	254.6	256.6
33	सिकतामयता और व्यावसायिक फुफ्फुसी तन्तुमयता	1.1	0.4	0.6	0.2
34.	अन्य श्वसन रोग	54.5	69.2	65.6	76.2
35.	आमाशय तथा पक्वाशय रोग	132.4	140.3	109 6	105.6
36.	उण्डुक पुच्छशोथ	2.4	3.0	2.8	1.9
37.	उदरीय गुहा की हर्निया	2.4	3.2	1.5	1.4
38.	प्रवाहिका और आन्त्रशोथ	195.1	200.5	229.0	215.0
39.	पित्ताशय और पित्तवाहिनी के रोग	2.7	2.9	2.7	1.9
40	पाचन तन्त्र के अन्य रोग	153 6	162.0	140.7	143.9
41.	वृक्कशोथ और अपवृक्कता	2.4	3.0	2.7	2.7
42.	जननांगों के रोग	21.1	14.4	37.6	35.9
43.	प्रसव, गर्भधारण की जटिलतायें, शिशु जन्म और प्रसवोत्तरकाल	49.5*	48.1*	15.9	15.3
44	फुन्सी, फोड़े, मयोजक अतिशोथ और अन्य त्वचा संक्रमण	162.8	167.3	213.7	193.6
45.	त्वचा के अन्य रोग	75.8	82.9	87.0	85.7
46.	धमनीशोथ और आमवात	177.4	189.2	125.0	129.4
47.	हड्डियों और संचालन के अन्य अंगों के रोग	132.2	14.5	7 4	7.0
48.	जन्मजात कुरचना और शिशुकाल में होने वाली बीमारियां	0.6	0.9	0.6	0.8
49.	अन्य विशिष्ट और अपरिभाषित रोग	242.1	280.5	270.9	286.9
50.	दुर्घटनायें, विष देना और हिंसा	190.8	212 3	155.9	160.9
51.	अन्य विविध ग्रुप	3 3	2.1	2.0	1.5
	नये केसों की कुल संख्या	3158.4**	3397 9	3307.5**	3289.6

*प्रति 1000 बीमाकृत महिला कर्मचारी

**आज तक लाया गया

परिशिष्ट–11

1971–72 के दौरान चिकित्सा सेवायें और आवटन समितियां

क्रम संख्या	राज्य का नाम	बैठकों की संख्या	सूची में लाये गये नये केसों की संख्या	शेष केसों की संख्या	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	हरियाणा	—	2	2	—
2.	गुजरात	9	41	—	—
3	बृहत्तर बम्बई	7	197	15	—
4.	पश्चिमी महाराष्ट्र	3	12	2	—
5.	पंजाब	1	1	—	—
6.	प० बंगाल	12	88	31	—

परिशिष्ट–12

राज्य सरकारों को की गई अदायगियों और प्रति परिवार/बीमाकृत व्यक्ति चिकित्सा सुविधाओं की लागत–राज्यवार

क्र० सं०	राज्य	वर्ष	अदा की गई कुल राशि	प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी या परिवार एकक लगभग लागत	क्या चिकित्सा सुविधायें केवल बीमाकृत व्यक्तियो को दी जाती हैं या बीमाकृत व्यक्तियों और उनके परिवारो को	अदायगी की प्रकार
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
			रु० पै०	रु० पै०		
1.	आन्ध्र प्रदेश	1965–66	21,694.73		बीमाकृत व्यक्तियो और	अन्तिम
		1966–67	81,250.54		और उनके परिवारों के लिये	अन्तिम
		1967–68	84,681.03			वही
		1970–71	8,50,000.00			लेखे में
		1971–72	59,40,000.00	79 46		वही
2.	असम	1971–72	5,68,000.00	46 79	वही	वही
3.	बिहार	1967–68	61,252.87			अन्तिम
		1971–72	26,73,000.00	74.50	वही	लेखे में
4.	चंडीगढ़ प्रशासन	1967–68	3,805.75			अन्तिम
		1967–68	6,066.38			वही
		1968–69	3,545.25			वही
		1969–70	4,054.75		वही	वही
		1970–71	20,000.00			लेखे में
		1971–72	1,30,000.00	29.37		वही
5.	गुजरात	1964–65	7,92,425.32			अन्तिम
		1965–66	15,633.28			वही
		1966–67	10,787.84			वही
		1967–68	16,909.12			वही
		1968–69	2,24,296.73			वही
		1969–70	17,23,042.63			वही
		1970–71	15,00,000.00			लेखे में
		1971–72	1,67,68,000.00	63.47	वही	वही
6.	हरियाणा	1970–71	8,00,000.00		वही	लेखे में
		1971–72	44,05,000.00	55.27		वही
7.	केरल	1967–68	1,45,430.33		बी० व्य० के और उनके परि-	अन्तिम
		1968–69	8,58,320.97		वारों के लिये	वही
		1970–71	5,00,000 00			लेखे में
		1971–72	69,60,000.00	58.68		वही
8.	मध्य प्रदेश	1964–65	49,888.81			अन्तिम
		1965–66	7,883.28			वही
		1966–67	23 331 36			वही
		1970–71	5,00,000.00			लेखे मे
		1971–72	5,42,000 00	60.41	वही	वही
9.	महाराष्ट्र					
	(क) बृहत्तर बम्बई	1969–70	85,00,000.00			लेखे मे
		1971–72	3,29,54,000.00	51.75	वही	वही
	(ख) नागपुर क्षेत्र	1969–70	8,72,529.91			अन्तिम
		1971–72	18,40,000.00		वही	लेखे में
	(ग) पं० महाराष्ट्र	1971–72	32,50,000,.00		वही	वही

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
10.	मैसूर	1967–68	16,72,990 33			अन्तिम
		1968–69	7,00,000.00			लेखे मे
		1969–70	2,43,3090.39			अन्तिम
		1970–71	8,00,000 00			लेखे में
		1971–72	98,40,000.00	68 65	वही	यही
11.	उड़ीसा	1964–65	6,637 06			अन्तिम
		1965–66	24,982 77			अन्तिम
		1966–67	17,532.83			वही
		1967–68	22,417 76			वही
		1968–69	20,920.98			वही
		1969–70	5,50,000.00			लेखे मे
		1970–71	1,15,000.00			वही
		1971–72	12,14,000.00	48.04		वही
12	पांडीचेरी	1969–70	1,10,338.35			अन्तिम
		1970–71	85,000.00			लेखे मे
		1971–72	4,70,000.00	43.18		वही
13.	पंजाब	1969–70	70,00,00.00			लेखे मे
		1970–71	2,50,000.00			वही
		1971–72	40,03,000.00	47.46	वही	वही
14.	राजस्थान	1967–68	79,291.56			अन्तिम
		1968–69	4,58,834.61			वही
		1971–72	30,34,000.00	55.52	वही	लेखे में
15.	तमिलनाडु	1966–67	98,283.02			अन्तिम
		1967–68	52,265.62			वही
		1968–69	60,000.00			लेखे मे
		1969–70	82,89,451.36			वही
		1970–71	35,00,000.00			वही
		1971–72	1,82,74,000.00	91.61 लगभग	वही	वही
16.	उत्तर प्रदेश	1966–67	29,841.63			अंतिम
		1967–68	60,764.-3			वही
		1968–69	58,379.10			वही
		1969–70	19,00,000.00			लेखे में
		1970–71	10,00,000.00			वही
		1971–72	79,40,000.00	30 80	वही	वही
17.	पं० बंगाल	1967–68	2 80,060.81			अन्तिम
		1968–69	60,00,000 00			लेखे मे
		1969–70	85,00,000.00			वही
		1970–71	15,00,000.00			वही
		1971–72	3,56,74,000.00	57.78	वही	वही
18.	दिल्ली	1971–72	—	66 10	वही	—
	योग		21,80,01,913 49	59 07		

टिप्पणी :— 1. खाना 5 मे दी गई सूचना केवल 1971–72 के लिये है ।

2. 1971–72 मे की गई अदायगियो में दो राशियां शामिल है जैसे क० रा० बी० निगम भवना के किराये के रूप मे रुपये 1,44,75 818 00 और बीमारी की अधिक घटनाओ के लिये रुपये 44,64,587 00 ये राशिया वास्तव मे राज्य सरकार को अदा नही की गई अपितु समायोजित की गई ।

3. अन्य कुल अदायगियो मे निगम द्वारा संघ क्षेत्र दिल्ली मे किया गया खर्च और बम्बई प्रभव खर्च शामिल नही है ।

परिशिष्ट 13

1970-71 और 1971-72 में बिमारी और प्रसूति लाभ दावों की घटनाएं—राज्यवार

राज्य	अवधि	बीमारी/विस्तरित बीमारी हितलाभ के लिये जोखिमग्रस्त माने गये कर्मचारियों की संख्या	नकद लाभ अदायगियों की कुल संख्या	प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी नकद लाभ अदायगियों की सं० की औसत	बीमारी हितलाभ: प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी नई अवधियों की दर	बीमारी हितलाभ: प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी हितलाभ दिनों की संख्या की औसत	बीमारी हितलाभ: औसत दैनिक दर	विस्तरित बीमारी हितलाभ: प्रति वर्ष प्रति 1000 कर्मचारी नये केसों की दर	विस्तरित बीमारी हितलाभ: प्रति समाप्त केस की औसत अवधि	प्रसूति हितलाभ: प्रति 1000 बीमाकृत महिला कर्मचारी प्रसव की दर	प्रसूति हितलाभ: प्रति प्रसव अदा की गई राशि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
							रु० पै०				
आन्ध्र प्रदेश	1970-71	112300	200038	1.8	1.22	9.3	3.15	3.5	184.4	68.4	315
	1971-72	120150	222230	1.8	1.19	9.0	3.36	3.1	201.5	62.1	417
असम	1970-71	14350	27576	1.9	1.01	7.0	3.27	3.4	202.2	18.3	372
	1971-72	14800	25525	1.7	1.12	7.5	3.49	3.9	222.0	13.9	273
बिहार	1970-71	58550	67905	1.2	0.74	7.3	3.52	5.5	223.7	55.4	283
	1971-72	59600	72978	1.2	0.79	8.0	3.77	3.6	241.6	63.6	277
चंडीगढ़	1970-71	4800	1986	0.4	0.26	2.3	3.82	2.3	*	43.3	380
	1971-72	6100	2584	0.4	0.29	2.1	4.38	2.5	100.0	27.1	305
दिल्ली	1970-71	102150	88036	0.9	0.46	5.3	4.68	10.0	210.1	16.7	305
	1971-72	108950	76828	0.7	0.36	4.1	4.31	4.6	217.8	14.8	391
गुजरात	1970-71	347050	342955	1.0	0.52	4.5	4.49	3.7	158.1	80.2	391
	1971-72	367600	350062	1.0	0.50	4.3	4.60	4.1	161.1	83.2	353
हरियाणा	1970-71	94600	43498	0.5	0.25	2.8	3.58	2.0	*	22	319
	1971-72	101200	50619	0.5	0.28	3.0	3.74	2.0	177.1	19.2	—
केरल	1970-71	149850	352877	2.4	1.38	10.4	2.74	5.3	166.2	109.1	353
	1971-72	151650	323467	2.1	1.35	9.7	3.15	4.5	192.7	107.4	304
मध्य प्रदेश	1970-71	101350	191324	1.9	1.07	10.6	3.62	5.2	192.4	57.9	329
	1971-72	105750	217611	2.1	1.15	11.3	3.96	4.6	203.6	57.4	289
महाराष्ट्र	1970-71	862650	1471189	1.7	1.16	10.1	4.75	6.7	182.1	41.9	666
	1971-72	907950	1332481	1.5	0.98	8.2	4.86	7.6	158.9	38.4	705
मैसूर	1970-71	190200	277829	1.5	1.10	7.9	3.75	2.5	174.9	73.9	467
	1971-72	195400	288453	1.5	1.07	8.1	4.02	2.9	165.3	80.3	474
उड़ीसा	1970-71	29100	43669	1.5	0.91	8.5	2.92	1.8	202.2	55.8	265
	1971-72	31050	50014	1.6	1.03	7.6	3.13	1.7	200.0	59.1	337
पांडीचेरी	1970-71			तमिलनाडु में सम्मिलित							
	1971-72	11450	35526	3.1	1.11	14.5	3.78	8.5	241.8	74.4	510
पंजाब	1970-71	93950	37356	0.4	0.21	1.9	3.18	1.7	197.1	13.2	182
	1971-72	98600	39087	0.4	0.21	1.7	3.28	1.2	168.2	10.1	282
राजस्थान	1970-71	65300	64333	1.0	0.59	4.7	3.26	4.1	172.7	52.3	346
	1971-72	67650	69231	1.0	0.59	5.0	3.51	3.9	191.3	157.0	300
तमिलनाडु	1970-71	332500	697697	2.1	1.49	10.5	3.90	4.5	163.3	48.9	402
	1971-72	346600	774291	2.2	1.79	10.9	4.46	3.7	160.9	44.7	470
उत्तर प्रदेश	1970-71	271800	197896	0.7	0.54	5.3	3.48	3.1	238.7	31.5	202
	1971-72	307500	203873	0.7	0.43	4.7	3.82	2.3	235.4	16.9	352
पश्चिम बंगाल	1970-71	768850	6880240	2.4	1.50	15.4	3.86	3.3	219.0	42.6	528
	1971-72	785900	1703260	2.2	1.19	12.7	4.36	3.7	229.6	44.6	619
योग	1970-71	3599350	5986404	1.7	1.07	9.5	4.00	4.5	177.4	62.2	388
	1971-72	3787900	5838119	1.5	0.97	8.4	4.31	4.5	178.7	58.2	427

*पंजाब में सम्मिलित

परिशिष्ट—14

1970-71 तथा 1971-72 में स्वीकृत अपंगता और आश्रितजन हितलाभ दावे—राज्यवार

राज्य	अवधि	जोखिमग्रस्त माने गये कर्मचारियों की संख्या	अस्थायी अपंगता हितलाभ			स्थायी अपंगता हितलाभ			आश्रितजन हितलाभ		
			प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी नई अवधियों की संख्या	प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी अ०अ० हि०ला० दिनों की संख्या	अ०अ० हितलाभ की औसत दैनिक दर	स्वीकृत नये केसो की संख्या	प्रति वर्ष प्रति 1000 कर्मचारी नये केसों की दर	एक मुश्त के लिये रूपान्तरित केसों की संख्या	वर्ष के अंत में हिताधिकारियों की संख्या	मृत्यु के स्वीकृत मामलो की संख्या	वर्ष के अंत में हिताधिकारियो की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
आन्ध्र प्रदेश	1970-71	118050	0 06	0.88	3.60	116 1†	0.99	125	212	20	230
	1971-72	127450	0.06	0.90	3.89	388 1†	3.05	299	302	8	241
असम	1970-71	14650	0.04	1.32	3.61	68	4.64	34	69	2	42
	1971-72	15200	0 04	0.98	3.69	82	4.39	56	93	2	48
बिहार	1970-71	59400	0.04	0.82	3.78	63	1.06	46	239	3	158
	1971-72	61250	0.03	0.89	3.91	67	1.09	23	283	1	154
चंडीगढ़	1970-71	5750	0.01	0.35	3.94	8	1.39	4	11	1	1
	1971-72	7250	0 02	0.30	3.63	21	2.90	17	12	1	2
दिल्ली	1970-71	107750	0.05	0.88	5.00	334	3.10	302	1147	5	288
	1971-72	112500	0 04	0.86	4.95	362 15 †	3.35	250	1273	11	315
गुजरात	1970-71	365200	0.07	1.06	5.10	1377 39†	3.88	1379	516	31	475
	1971-72	374250	0.07	1 02	5.26	1531 62†	4.25	1365	744	58	621
हरियाणा	1970-71	99600	0.04	0.77	3.94	218	2.19	129	449	13	230
	1971-72	105900	0.04	0.73	4.17	287	2.71	279	446	20	267
केरल	1970-71	151300	0.06	0.86	4.07	201	1.33	191	192	19	350
	1971-72	154050	0.07	0.84	4 26	282	1.83	179	291	18	395
मध्य प्रदेश	1970-71	105000	0.11	1.70	4.26	147	1.40	115	277	10	278
	1971-72	110350	0.14	2.07	4 68	227 3†	2.08	113	393	24	307
महाराष्ट्र	1970-71	900550	0.06	0.82	5 50	3782 112†	4.32	3325	9045	99	2192
	1971-72	928950	0.05	0.74	5 57	2980 107†	3.32	2580	9548	113	2458
मैसूर	1970-71	194750	0.06	0.69	3.91	374	1 92	250	420	16	296
	1971-72	198400	0 06	0 77	4.17	373 1†	1.89	502	284	16	336
उड़ीसा	1970-71	30200	0.02	2.34	3.59	92	3.05	47	232	5	58
	1971-72	32750	0.10	1.54	3.70	68	2.08	50	239	4	72

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
पांडीचेरी . .	1970-71				तमिलनाडु में सम्मिलित						
	1971-72	11850	0.19	3.00	4.81	23	1.94	13	10	—	—
पंजाब .	1970-71	97900	0.03	0.59	3 43	168	1.72	216	439	14	212
	1971-72	100700	0.03	0.57	3.75	381	3.78	280	557	19	255
राजस्थान .	1970-71	67250	0.08	1 04	3.61	185	2 75	171	199	7	219
	1971-72	69000	0 07	0 11	3.83	158	2.29	139	209	1	219
तमिलनाडु .	1970-71*	353000	0 09	1 06	4 64	819 15दू	2.36	785	527	34	432
	1971-72	364600	0 08	0.89	5 17	759 19दू	2.13	530	771	21	489
उत्तर प्रदेश .	1970-71	298300	0 05	0.81	4.08	378	1.27	187	3821	33	675
	1971-72	328100	0 04	0.90	4 56	410	1.22	371	3851	34	747
पं बंगाल . .	1970-71	782950	0.25	4 49	4.63	5431	6.94	3284	12236	62	1265
	1971-72	794750	0 22	5 05	5.19	2387	3.00	1165	13458	32	1348
योग .	1970-71	3751600	0 10	1 67	4 64	13761 167दू	3.71	10590	30031	374	7401
	1971-72	3897800	0 09	1.54	5.04	10777 208दू	2.82	8191	32764	373	8274

दू–से अभिप्राय है दूसरी घटना

* पांडीचेरी सम्मिलित

परिशिष्ट– 15

वर्ष 1970-71 तथा 1971-72 में स्वीकृत स्थायी अक्षमता हितलाभ वाले–उद्योगवार

उद्योग	अवधि	जोखिमग्रस्त कर्मचारियों की अनुमानित संख्या	दुर्घटनाओं के स्वीकृत केसों की संख्या	प्रति वर्ष प्रति 1000 कर्मचारी स्थायी अपंगता हितलाभ केसों की दर
1	2	3	4	5
खाद्य, पेय तथा तम्बाकू	1970-71	193671	295	1.52
	1971-72	203471	270	1.33
वस्त्र	1970-71	1524472	7131	4.68
	1971-72	1370682	5621	4.10
चमड़ा तथा रबड़	1970-71	88865	229	2 58
	1971-72	99141	222	2 24
रसायन तथा रसायनिक उत्पाद . . .	1970-71	217411	444	2.04
	1971-72	236344	413	1.75
अधात्विक खनिज	1970-71	169182	345	2.04
	1971-72	227824	294	1.29
धात्विक खनिज	1970-71	324136	1403	4.33
	1971-72	434955	1153	2.65
इन्जीनियरी	1970-71	557800	2130	3.82
	1971-72	580968	1479	2.55
परिवहन	1970-71	244753	1062	4 34
	1971-72	284318	735	2.59
कागज तथा मुद्रण	1970-71	171490	353	2.06
	1971-72	164099	310	1.89
विविध	1970-71	259820	536	2.06
	1971-72	295998	488	1.65
योग .	1970-71	3751600	13928	3.71
	1971-72	3897800	10985	2.82

परिशिष्ट 16

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अधीन वर्ष 1971-72 में की गई कानूनी कार्यवाहियों के ब्यौरे

राज्य	निम्नलिखित धाराओं के अन्तर्गत दायर किये गये केसों में सम्बद्ध राशि				निम्नलिखित धाराओं के अन्तर्गत की गई कानूनी कार्यवाही द्वारा वसूल की गई राशि				धारा 85 के अन्तर्गत दायर किए गये मुकद्दमों की संख्या
	धारा 66	धारा 67	धारा 73-ध	धारा 75 (2)/45-ख	धारा 66	धारा 67	धारा 73-ध	धारा 75(2)/45-ख	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
आन्ध्र प्रदेश . .	—	—	1590326	361189	—	—	55240	25138	15
असम . . .	—	—	195228	28898	—	—	115115	14235	4
बिहार . . .	—	—	1860440	104179	—	—	131931	64987	12
दिल्ली . . .	—	—	412274	232276	6016	—	165166	68785	22
गुजरात . .	—	—	1040854	182359	10419	—	46911	34407	38
केरल . . .	—	—	2206591	1055532	—	—	1067174	413343	10
मध्य प्रदेश . . .	—	—	3617183	1004694	19169	—	15374	227338	18
महाराष्ट्र . . .	6503	—	4386207	1878616	20671	—	6755362	594525	183
नागपुर क्षेत्र . .	—	—	749362	369414	—	—	295172	122529	51
मैसूर . . .	—	11585	1326731	1008413	—	—	614730	489391	62
उड़ीसा . . .	—	—	457018	293912	—	—	25452	11026	04
पंजाब . . .	—	—	1958847	1180351	9219	—	452106	308501	456
राजस्थान . . .	—	—	525160	94322	11037	—	302667	84072	26
तमिलनाडु . . .	—	—	15077456	890779	—	—	14873	2069	116
उत्तर प्रदेश . .	13915	—	1568166	369871	1719	—	427260	204837	41
प० बंगाल . . .	—	—	8000359	513927	470	—	762432	47683	105
योग . . .	20418	11585	44972202	9568732	78720	—	11246965	2712866	1163

परिशिष्ट-17

31 मार्च, 1971 को समाप्त हुए वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

नोट : वर्ष 1970-71 के लेखाओं की लेखा परीक्षा हो चुकी है परन्तु महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व से अभी लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

आय

गत वर्ष (1969-70)	लेखा का शीर्ष	राशि	योग
रुपये		रुपये	रुपये
	अंशदानों के द्वारा :		
21,25,42,559	केवल नियोजकों का अंश	29,55,06,981	
15,20,48,404	केवल कर्मचारियों का अंश	16,49,66,819	
36,45,90,963	कुल अंशदान		46,04,73,800
	निगम द्वारा चिकित्सा हितलाभ पर प्रारम्भिक रूप से किये गये व्यय में राज्य सरकारों/संघ		
6,84,513	राज्यों का अंश	14,29,296	14,29,296
	राजस्व के अन्य शीर्ष :		
33,46,082	ब्याज तथा लाभांश	37,82,273	
21,17,306	क्षतिपूर्ति	4,12,671	
	किराया महसूल तथा कर :		
1,34,103	(1) निगम के कार्यालय (स्टाफ क्वार्टरों सहित)	2,14,769	
1,15,99,250	(2) हस्पताल, डिसपेंसरियां तथा स्टाफ क्वार्टरर्स	2,91,12,763	
32,977	शुल्क, जुर्माना तथा अधिहरण	18,866	
5,28,852	विविध	5,44,410	
1,77,58,570	राजस्व के अन्य शीर्ष का योग		3,40,85,752

गत वर्ष (1969-70)	लेखा का शीर्ष	राशि	योग व्यय
रुपये		रुपये	रुपये
	1. बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को हितलाभ		
	अ—चिकित्सा हितलाभ		
	(1) चिकित्सा उपचार तथा मातृत्व हितलाभ आदि पर राज्य में होने वाले खर्च में निगम के अंश को राज्य सरकार को अदायगी	24,13,55,195	
14,42,32,703	कम—कम-राज्य सरकारों को वर्ष के मध्य चिकित्सा सुविधा संबंधी भुगतान जो पूंजीगत/निर्माण/चिकित्सा (सचित) दायित्व आरक्षित निधि को हस्तांतरित	(—) 10,40,19,294	
		13,73,35,901	
	(2) चिकित्सा उपचार व सुविधा व मातृत्व हितलाभ (निगम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से वहन किया गया व्यय	75,34,675	
73,98,467			
15,16,31,170	कुल अ-चिकित्सा हितलाभ		14,48,70,576
	ब—नकद लाभ :		
11,62,25,881	1. बीमारी हितलाभ	13,71,00,949	
96,31,862	2. विस्तरित बीमारी हितलाभ	1,00,86,820	
61,02,649	3. मातृत्व हितलाभ	60,23,031	
	4. अपंगता हितलाभ :		
1,96,16,014	(क) अस्थायी	2,89,90,066	
2,40,03,000	(ख) स्थायी (पंजीकृत मूल्य)	3,16,94,000	
49,79,000	5. आश्रितजन हितलाभ (पंजीकृत मूल्य)	66,59,000	
7,26,322	6. अन्त्येष्टि हितलाभ	7,84,637	
18,12,84,728	कुल व नकद लाभ		22,13,38,503

आय

गत वर्ष (1969-70)	लेखा का शीर्ष	राशि	योग
रुपये		रुपये	रुपये

व्यय

गत वर्ष (1969-70)	लेखा का शीर्ष	राशि	योग
रुपये		रुपये	रुपये
	स—अन्य हितलाभ		
79,693	(क) अपंग बीमाकृत व्यक्तियों के पुनर्वास पर	25,875	
1,71,216	(ख) चिकित्सा मंडल तथा अपील अधिकरण	2,34,843	
	(ग) बीमाकृत व्यक्तियों को अदायगी —		
1,15,854	1 सवारी शुल्क तथा/या मजदूरी की हानि	1,22,746	
2,12,308	2 परिवार नियोजन के अंतर्गत प्रासंगिक व्यय	316	
—	(घ) सहायक अनुदान	—	
2,98,023	(ङ) विविध	2,99,021	
8,77,094	कुल स—अन्य हितलाभ		6,79,801
	बीमाकृत व्यक्तियों व उनके परिवारों के लिए		
33,37,92,992	कुल लाभ		36,68,88,880
	2. प्रशासन व्यय		
	अ. अधीक्षण :		
32,136	1 निगम, स्थायी समिति क्षेत्रीयमंडल आदि	39,525	
1,77,724	2 प्रधान अधिकारी	1,49,017	
20,75,740	3. अन्य अधिकारी	24,36,891	
(—) 1,000	4 अभियन्ता कोष्ठ	—	
90,48,133	5 लिपिक वर्गीय स्थापना	1,03,15,177	
16,16,472	6 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	17,85,629	
28,35,783	7 आकस्मिक व्यय	27,97,927	
1,57,84,988	कुल अ—अधीक्षण		1,75,24,166
	ब—क्षेत्रीय कार्य :		
5,56,310	1 अधिकारी	6,63,745	
1,06,67,221	2 लिपिक वर्गीय स्थापना	1,20,01,780	
18,78,766	3. चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	21,03,181	
15,19,278	4 आकस्मिक व्यय	15,04,946	
1,46,21,575	कुल ब—क्षेत्रीय कार्य		1,62,73,652

आय

पिछला वर्ष (1969-70)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपये		रुपये	रुपये
38,30,34,046	महायोग		49,59,88,848

व्यय

पिछला वर्ष (1969-70)	लेखा के शीर्ष	राशि	
रुपये		रुपये	रुपये
	स—अन्य खर्चे :		
1,74,275	1. विविध खर्चे	1,71,986	
1,12,857	2. बीमा न्यायालय	—	
5,984	3. प्रचार तथा विज्ञापन	6,598	
7,305	4. बैंकिंग लेखा रखने के लिये व्यय	37,368	
42,103	5. लेखा परीक्षा शुल्क	83,590	
83,472	6. छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	1,26,961	
1,67,835	7. कार्यालयों की इमारतों/स्टाफ कारों का मूल्यह्रास	1,71,335	
4,20,700	8. कार्यालय की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण	4,28,693	
	9 अवकाश प्राप्ति हितलाभ :—		
55,78,500	(क) निगम के कर्मचारियों के लिये पेंशन आ०निधि	21,70,700	
2,15,290	(ख) क०रा०बी० निगम भविष्य निधि में नि०का० अंशदान	2,06,610	
6,20,233	(ग) क०रा०बी०नि० भविष्य निधि में दिया गया ब्याज	7,63,217	
(—) 4,75,981	(घ) कर्म–भविष्य निधि के अतिशेषों के विनियोगों द्वारा प्राप्त ब्याज	(—) 7,91,495	
700	10. अनुकंपा आरक्षित निधि	1,230	
8	11. विविध	7,545	
—	12. हानियां	9,143	
69,53,281	कुल स—अन्य खर्चे		33,93,471
3,73,59,844	कुल शीर्ष –2 प्रशासन खर्चे		3,71,91,289
	3. चिकित्सा व औषधालय व संचितदायित्व आदि :—		
15,18,356	1. चिकित्सालय की इमारतों व उपकरणों का मूल्य ह्रास	16,39,457	
43,45,746	2. चिकित्सालय की इमारतों/औषधालयों की मरम्मत व अनुरक्षण	47,17,209	
—	3. पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा दायित्व आदि	3,69,64,000	
58,64,102	कुल शीर्ष—3 चि०व०औ०य० सचित दायित्व आदि		4,33,20,666
37,70,16,938	राजस्व लेखा पर कुल व्यय		44,74,00,835
60,17,108	व्यय से अधिक आय को तुलनपत्र पर आगे ले जाया गया		4,85,88,013
38,30,34,046	महायोग		49,59,88,848

नई दिल्ली
दिनांक 31 मई, 1971

परिशिष्ट-18

31 मार्च, 1971 को जैसा था—तुलन-पत्र

नोट :—वर्ष 1970-71 के लेखाओं की लेखा परीक्षा हो चुकी है परन्तु महालेखाकार केन्द्रीय-राजस्व से अभी परीक्षा प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुआ है ।

आय

पिछला वर्ष (1969-70)	लेखा के शीर्ष दायित्व	राशि	योग
	व्यय से अधिक आय का प्रतिशोध		
35,91,34,716	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	36,51,51,824	
60,17,108	वर्ष के दौरान संचयन	4,85,88,013	
36,51,51,824		41,37,39,837	
	कम-पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (संचित) दायित्व का आरक्षित निधि को हस्तांतरित राशि :		
--	(क) पिछले वर्ष के संचयन से	(--) 3,01,39,082	
--	(ख) इस वर्ष के संचयन से	(--) 1,62,82,348	
36,51,51,824			33,73,18,407
	पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (संचित) दायित्व आरक्षित निधि :		
	आदि शेष	3,01,39,082	
--	व्यय से अधिक आय के प्रतिशोध से हस्तान्तरित राशि	4,62,82,348	
--	स्थायी अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि से हस्तान्तरित राशि	--	
--	जमा—वर्ष में किया गया उपबंध (नियोजक विशेष अंशदान की बढ़ी हुई दर का 0.5%)	3,69,64,000	
--		11,33,85,430	
--	कम—वर्ष में किया गया भुगतान	(-) 10,40,19,294	
			93,66,136
	स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आ० निधि :		
5,03,83,531	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	5,90,93,644	
2,40,03,000	वर्ष के दौरान किया गया उपबंध	3,16,94,000	
25,21,369	विनियोग से प्राप्त ब्याज	27,91,535	
7,69,07,900		9,35,79,179	
(--) 1,78,14,256	कम—वर्ष के दौरान अदायगी	(--) 1,99,87,882	
5,90,93,644			7,35,91,297

व्यय

पिछला वर्ष (1969-70)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
	भूमि तथा भवन		
	(निगम के पूर्ण रूप से निजी)		
	(क) निगम के कार्यालयों के लिये भवन :		
1,09,30,627	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,09,52,783	
22,156	वर्ष के दौरान संकलन	—	
1,09,52,783		1,09,52,783	
	(ख) चिकित्सालय और औषधालय :		
12,86,87,751	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	15,08 75,470	
2,21,87,719	वर्ष के संकलन	1,26,59,638	
15,08,75,470		16,35,35,108	
	(ग) **चिकित्सालयों के लिये उपकरण आदि** :		
—	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	—	
—	वर्ष के दौरान संकलन	49,542	
16,18,28,253			17,45,37,433
	भूमि व भवन (निगम तथा राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से ली गई) में निगम का भाग :		
	(क) चिकित्सालय तथा औषधालय आदि ।		
7,95,250	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,95,250	
—	वर्ष में संकलन	—	
7,95,250		7,95,250	
	(ख) **चिकित्सालयों आदि के लिये उपकरण आदि**		
49,680	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	49,680	
—	वर्ष में संकलन	—	
49,680		49,680	
8,44,930			8,44,930

आय

पिछला वर्ष (1969-70)	दायित्व	राशि	योग
रुपये		रुपये	रुपये
	आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि :		
2,21,94,863	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,62,19,906	
49,79,000	जमा—वर्ष में आंकलित राशि	66,59,000	
11,51,704	विनियोग से प्राप्त ब्याज	12,49,253	
2,83,25,567		3,41,28,159	
21,05,661	कम—वर्ष के दौरान अदायगी	(–) 25,54,162	
2,62,19,906			3,15,73,997
	कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि :		
1,17,43,202	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,32,80,277	
	जमा—वर्ष आंकलित राशि	3,62,38,61	
31,33,976	(1) कर्मचारी चन्दा		
2,15,290	(2) निगम का अंशदान	2,06,610	
6,20,233	(3) ब्याज (कर्मचारी तथा निगम के अंशदान पर)	7,63,217	
1,57,12,701		1,78,73,965	
(–) 23,60,796	कम—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	(–) 24,19,406	
1,33,51,905		1,54,54,559	
(–) 71,628	कम—पेंशन आरक्षित निधि में हस्तांतरित राशि	(–) 2,957	
1,32,80,277			1,54,51,602
	निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) का मूल्यह्रास आरक्षित निधि :		
4,51,085	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	6,17,209	
1,45,860	वर्ष में किया गया उपबन्ध	1,48,616	
20,264	विनियोग से प्राप्त ब्याज तथा लाभ	38,695	
6,17,209			8,04,520
	चिकित्सालय तथा परीक्षण केंद्रों के उपकरण का मूल्यह्रास आरक्षित निधि :		
59,371	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	66,022	
4,052	वर्ष में किया गया उपबन्ध	2,068	
2,599	विनियोग से प्राप्त ब्याज	2,599	
66,022			70,689

पिछला वर्ष (1969-70)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रुपये		रुपये	रुपये
	उचित (i) पूंजीगत व्यय के लिये दी गई अग्रिम राशि		
12,85,42,353	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	11,95,06,736	
1,33,76,845	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	—	
14,19,19,198		11,95,06,736	
	(ii) **पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (संचित) दायित्व आरक्षित निधि में से दी गई अग्रिम राशि**		
—	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	—	
—	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	93,66,136	
(—) 2,24,12,462	कम—समायोजन तथा वसूली	(—) 1,29,75,495	
11,95,06,736			11,58,97,377
	स्टाफ कार		
1,63,514	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,01,217	
37,703	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	26,096	
2,01,217			2,27,313
	निगम के कार्यालय के अध्यक्षों को स्थायी अग्रिम अदायगी		
27,112	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	29,112	
2,145	जमा—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	1,805	
29,257		30,917	
(—) 145	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 285	
29,112			30,632
	निगम के कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिये अग्रिम वेतन अदायगी		
39,988	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	22,601	
62,769	जमा—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	74,572	
1,02,757		97,173	
(—) 80,156	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 81,595	
22,601			15,578

पिछला वर्ष (1969-70)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	चिकित्सालयों की इमारतों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
36,02,874	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	53,05,679	
15,14,304	वर्ष मे किया गया उपबंध	16,37,389	
1,88,501	विनियोगो से प्राप्त ब्याज	4,13,446	
53,05,679			73,56,514
	स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
84,676	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,11,284	
21,975	वर्ष में किया गया उपबंध	22,719	
4,633	विनियोग से प्राप्त ब्याज	5,556	
1,11,284			1,39,559
	निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वाटर सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
9,33,454	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	13,94,857	
4,20,700	वर्ष में किया गया उपबंध	4,28,693	
45,739	विनियोग से प्राप्त ब्याज	54,648	
13,99,893		18,78,198	
(—) 5,036	कम—वर्ष मे की गई अदायगी	(—) 1,35 482	
13,94,857			17,42,716
	चिकित्सालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि का लेखा		
87,69,884	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,34,24,772	
43,45,746	वर्ष मे किया गया उपबन्ध	47,17,209	
3,27,713	विनियोग से प्राप्त ब्याज	5,45,948	
1,34,43,343		1,86,87,929	
(—) 18,571	कम—वर्ष में अदायगी	(—) 79,417	
1,34,24,772			1,86,08,512

पिछला वर्ष (1969-70)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	निगम के कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिए अग्रिम मात्रा भत्ता		
50,237	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	25,650	
66,203	जमा—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	1,00,161	
1,16,440		1,25,811	
(—) 90,790	कम—वर्ष में की गई वसूली	(—) 91,141	
25,650			34,670
	निगम के कर्मचारियों को वाहन क्रयण के लिए अग्रिम राशि		
5,28,810	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,36,580	
5,87,904	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	6,34,385	
11,16,714		13,70,965	
(—) 3,80,134	कम—वर्ष में की गई वसूली	(—) 4,67,062	
7,36,580			9,03,903
	निगम के कर्मचारियों को विविध अग्रिम राशि (त्यौहार अग्रिम राशि)		
1,40,618	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,37,493	
4,47,152	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	9,44,550	
5,87,770		11,82,043	
(—) 3,50,277	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 5,53,556	
2,37,493			6,28,487
	मकान निर्माण हेतु अग्रिम राशि		
1,07,406	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,54,571	
90,556	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	2,74,127	
1,97,962		4,28,698	
(—) 43,391	कम—वर्ष में की गई वसूली	(—) 37,925	
1,54,571			3,90,773
	राज्य सरकारों की ओर से अग्रिम राशि अदायगी		
1,377	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,772	
4,830	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	4,387	
6,207		7,159	
(—) 3,435	कम—वर्ष में की गई वसूली	(—) 3,932	
2,772			3,227

पिछला वर्ष (1969-70)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	निगम के कर्मचारियों की पेंशन आरक्षित निधि		
1,08,98,726	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,69,59,023	
57,13,940	वर्ष में किया गया उपबन्ध	24,60,390	
5,50,407	विनियोग से प्राप्त ब्याज	9,52,887	
1,71,63,073		2,03,72,300	
(—) 2,75,678	कम—वर्ष में की गई अदायगी	(—) 1,60,709	
1,68,87,395		2,02,11,591	
71,628	जमा—निगम भविष्य निधि से हस्तांतरित निधि	2,957	
1,69,59,023			2,02,14,548
	निगम के कर्मचारियों के लिये अनुकंपा आरक्षित निधि		
10,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,000	
700	वर्ष में किया गया उपबन्ध	1,230	
10,700		11,230	
(—) 700	कम—वर्ष में किया गया भुगतान	(—) 1,230	
10,000			10,000
	जमानत जमा		
1,09,377	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,50,247	
1,20,702	जमा—वर्ष में जमानत जमा	1,34,386	
2,30,079		2,84,633	
(—) 79,832	कम—वर्ष में जमानत जमा की प्रति अदायगी	(—) 85,422	
1,50,247			1,99,211
	अन्य पार्टियों को देय बिलों से कटौती		
15,826	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	11,900	
4,98,149	जमा—वर्ष में आंकलित राशि	5,30,247	
5,13,975		5,42,147	
(—) 5,02,075	कम—वर्ष में अदायगी	(—) 4,23,577	
11,900			18,570

पिछला वर्ष (1969-70)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
	चिकित्सालयों/औषधालयों, निगम के कार्यालयों तथा स्टाफ क्वार्टरों की मरम्मत व अनुरक्षण के लिए राज्य सरकारों, राज्य लोक निर्माण विभाग आदि को अग्रिम राशि ।		
	(क) निगम के कार्यालय		
रु०		रु०	रु०
2,69,840	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	6,39,414	
3,69,574	जमा—वर्ष मे की गई अदायगी	1,00,656	
6,39,414		7,40,070	
--	कम—वर्ष में वसूली समायोजन	(--) 1,67,325	
6,39,414			5,72,745
	(ख) चिकित्सालय/औषधालय/अनेक्सियां		
19,16,913	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	23,45,286	
4,46,945	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	13,52,978	
23,63,858		36,98,264	
(--) 18,572	कम—वर्ष में हुई वसूली	(—) 12,195	
23,45,286			36,86,069
	विविध अग्रिम		
8,96,085	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,54,469	
51,579	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	3,74,778	
9,47,664		11,29,247	
(--) 1,93,195	कम—वर्ष मे की गई वसूली	(—) 1,25,113	
7,54,469			10,04,134
	राज्य सरकारों को ऋण		
83,69,766	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,00,00,000	
16,30,234	जमा—वर्ष मे की गई अदायगी	--	
1,00,00,000		1,00,00,000	
--	कम—राज्य सरकारों द्वारा ऋण की वापिसी	(--) 1,66,667	
1,00,00,000			98,33,333

पिछला वर्ष (1969-70)	दायित्व	राशि	योग
	कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि में अदावी जमा		
रु०		रु०	रु०
5,471	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,332	
1,863	जमा—वर्ष मे आकलित राशि	1,775	
7,334		9,097	
(—) 12	कम—वर्ष मे अदायगी	(—) 3,313	
7,322			5,784
	विविध जमा		
1,47,547	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,17,175	
(—) 38,519	कम—वर्ष मे जमा राशि की प्रति अदायगी	(—) 2,390	
1,09,028		1,14,785	
8,147	जमा—वर्ष मे प्राप्त जमा	1,83,510	
1,17,175			2,98,295

पिछला वर्ष (1969-70)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
	प्रेषित धन		
रु०	**नकद प्रेषित धन**	रु०	रु०
6,89,355	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	4,34,601	
57,46,61,839	जमा—वर्ष मे समायोजित विकलन	75,93,71,486	
57,53,51,194		75,98,06,087	
(—) 57,49,16,593	कम—वर्ष मे समायोजित आकलन	(—) 75,88,85,232	
4,34,601			9,20,855
	अन्य प्रेषित धन—विनियम लेखा		
2,051	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	(—) 2,643	
1,72,18,499	जमा वर्ष मे विकलन	1,62,93,398	
1,72,20,550		1,62,90,755	
(—) 1,72,23,193	कम—वर्ष में आकलन	(—) 1,62,90,995	
(—) 2,643			(—) 240
	विनियोग लागत पर		
	1. स्थाई (आंशिक तथा पूर्ण अपंगता) हितलाभ आरक्षित निधि		
5,03,82,916	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	5,90,75,991	
86,93,075	जमा—वर्ष मे किया गया विनियोग	1,50,43,000	
5,90,75,991		7,41,18,991	
—	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 50,21,225	
5,90,75,991			6,90,97,766
	2. आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि		
2,21,93,543	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,62,19,618	
40,26,075	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	89,31,700	
2,62,19,618		3,51,51,318	
2,62,19,618	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 35,78,947	3,15,72,371

पिछला वर्ष (1969-70)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०

पिछला वर्ष (1969-70)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	(3) कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि		
1,17,09,740	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,32,69,740	
19,50,000	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	57,56,900	
1,36,59,740		1,90,26,640	
(—) 3,90,000	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 35,96,890	
1,32,69,740			1,54,29,750
	(4) निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टर सहित) की मूल्य-ह्रास आरक्षित निधि		
4,48,198	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	6,15,636	
1,85,363	जमा— वर्ष मे किया गया विनियोग	6,73,880	
6,33,561		12,89,516	
(—) 17,925	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 4,85,601	
6,15,636			8,03,915
	(5) चिकित्सालयों व परीक्षा केन्द्रों के उपकरणों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
52,600	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	52,600	
—	जमा—वर्ष मे किया गया विनियोग	20,500	
52,600		73,100	
—	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 10,000	
52,600			63,100
	(6) चिकित्सालयों की इमारतों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
35,85,854	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	52,93,469	
17,07,615	जमा—वर्ष मे किया गया विनियोग	59,51,700	
52,93,469		1,12,45,169	
—	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 39,08,227	
52,93,469			73,36,942

पिछला वर्ष (1969-70)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०

पिछला वर्ष (1969-70)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	(7) स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
84,159	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,07,217	
23,058	जमा--वर्ष में किया गया विनियोग	52,500	
1,07,217		1,59,717	
—	कम--विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 21,000	
1,07,217			1,38,717
	(8) निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
9,18,092	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,41,556	
1,43,939	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	3,93,700	
10,62,031		14,35,256	
(—) 20,475	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 2,67,290	
10,41,556			11,67,966
	(9) चिकित्सालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
67,24,387	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,07,85,952	
40,61,565	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	79,00,000	
1,07,85,952		1,86 85,952	
—	कम—विनियोग के कर्मचारियों की बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 38,00,000	
1,07,85,952			1,48,85,952
	(10) निगम के कर्मचारियों की पेंशन आरक्षित निधि		
1,08,96,015	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,68,79,698	
60,31,683	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	96,48 300	
1,69,27,698		2,65,27,998	
(—) 48 000	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 63,32,088	
1,68,79,698			2,01,95,910

पिछला वर्ष (1969-70)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
5,01,92,141	महायोग		51,67,70,357

नई दिल्ली
दिनांक 31 मई, 1971

पिछला वर्ष (1969-70)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	सामान्य रोकड़ शेष		
4,39,19,793	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,01,39,082	
5,39,18,227	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	4,91,64,500	
9,78,38,020		7,93,03,582	
(—) 6,76,98,938	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 7,93,03,582	
3,01,39,082		—	
8,52,215	हाथ रोकड़	17,64,197	
3,98,27,325	बैंक के पास रोकड़	4,47,82,552	
4,06,79,540		4,65,46,749	
7,08,18,622	कुल रोकड़ अतिशेष		4,65,46 749
50,19,21,141	महायोग		51,67,70 357

परिशिष्ट 19

31 मार्च, 1972 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय तथा व्यय का लेखा

नोट : वर्ष 1971-72 के लेखाओं की लेखा परीक्षा हो चुकी है परन्तु महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व से लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त होना शेष है

आय

पिछला वर्ष (1970-71)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	अंशदान द्वारा :		
29,55,06,981	केवल नियोजकों का अंश	33,34,80,630	
16,49,66,819	केवल कर्मचारियों का अंश	17,78,05,192	
46,04,73,800	कुल अंशदान	51,04,85,822	
	निगम द्वारा चिकित्सा हितलाभ प्रारंभिक रूप से किये गये व्यय में राज्य सरकारों/संघ राज्यों का अंश।		
14,29,296		7,50,000	7,50,000
	राजस्व के अन्य शीर्ष		
—	सहायता अनुदान	7,00,000	
37,82,273	ब्याज तथा लाभांश	37,04,897	
4,12,671	क्षतिपूर्ति	45,07,120	
	किराया, महसूल तथा कर		
2,14,769	(1) निगम के कार्यालय (कर्मचारियों के क्वार्टरों सहित)	3,45,633	
2,91,12,763	(2) चिकित्सालय, औषधालय तथा कर्मचारियों के क्वार्टर।	1,45,18,882	
18,886	शुल्क जुर्माना तथा अधिहरण	26,350	
5,44,410	विविध	8,22,992	
3,40,85,752	राजस्व के अन्य शीर्ष का कुल योग		2,46,25,874

व्यय

पिछला वर्ष (1970-71)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	1. बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को हितलाभ		
	(अ) चिकित्सा हितलाभ		
24,13,55,195	(1) चिकित्सा उपचार तथा मातृत्व हित लाभ आदि पर राज्य में होने वाले खर्च में निगम के अंश की राज्य सरकार को अदायगी।	21,80,01,913	
(—) 10,40,19,294	कम—राज्य सरकारों को वर्ष के मध्य चिकित्सा सुविधा संबंधी भुगतान जो पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (संचित) दायित्व आरक्षित निधि हस्तांतरित है।	(—) 5,70,22,913	
13,73,35,901		16,09,79,000	
75,34,675	(2) चिकित्सा उपचार व सुविधा व मातृत्व हित लाभ निगम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से वहन किया गया व्यय।	93,37,811	
14,48,70,576	कुल अ—चिकित्सा हितलाभ		17,03,16,811
	ब नकद लाभ		
13,71,00,949	(1) बीमारी हितलाभ	13,69,64,114	
1,00,86,820	(2) विस्तारित बीमारी हितलाभ	1,04,54,682	
60,23,031	(3) मातृत्व हितलाभ	64,54,499	
	(4) अपंगता हितलाभ		
2,89,90,066	(अ) अस्थाई	3,02,26,619	
3,16,94,000	(ब) स्थाई (पूंजीकृत मूल्य)	2,14,37,135	
66,59 000	(5) आश्रितजन हितलाभ (पूंजीकृत मूल्य)	41,98,506	
7,84,637	(6) अन्त्येष्टि हितलाभ	80,09,982	
22,13,38,503	कुल ब—नकद लाभ		21,05,36,537

पिछला वर्ष (1970-71)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रु०		रु०	रु०

पिछला वर्ष (1970-71)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	स—अन्य हितलाभ		
25,875	(क) अपंग बीमाकृत व्यक्तियों के पुनर्वास पर व्यय	34,538	
2,31,843	(ख) चिकित्सा मंडल तथा अपील अधिकरण	3,06,670	
	(ग) बीमाकृत व्यक्तियों को अदायगी :—		
1,22,746	(1) सवारी शुल्क तथा/या मजदूरी की हानि	1,24,167	
316	(2) परिवार नियोजन के अन्तर्गत प्रासंगिक व्यय	(—) 15	
—	(घ) सहायता अनुदान	—	
2,99,021	(ङ) विविध	2,92,698	
6,79,801	कुल स—अन्य हितलाभ		7,58,058
36,68,88,880	बीमाकृत व्यक्तियों व उनके परिवारों के लिए कुल लाभ		38,16,11,406
	2. प्रशासन व्यय		
	क—अधीक्षण		
39,525	(1) निगम, स्थाई समिति, क्षेत्रीय मंडल आदि	42,658	
1,49,017	(2) प्रधान अधिकारी	1,44,887	
24,36,891	(3) अन्य अधिकारी	24,50,940	
10,315,177	(4) लिपिक वर्गीय स्थापना	1,10,89,674	
17,85,629	(5) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	19,25,109	
27,97,927	(6) आकस्मिक व्यय	33,96,068	
1,75,24,166	कुल क—अधीक्षण		1,90,49,336
	ख—क्षेत्रीय कार्य		
6,63,745	(1) अधिकारी	6,41,950	
12,0,01,780	(2) लिपिक वर्गीय स्थापना	1,31,57,178	
21,03,181	(3) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	21,87,274	
15,04,946	(4) आकस्मिक व्यय	16,82,359	
1,62,73,652	कुल ख—क्षेत्रीय कार्य		1,76,68,761
	ग—अन्य खर्चे		
1,71,986	(1) विधि खर्चे	2,03,825	
—	(2) बीमा न्यायालय	—	
6,598	(3) प्रचार तथा विज्ञापन	31,579	
37,358	(4) बैंकिंग लेखा रखने के व्यय	82,222	
83,590	(5) लेखा परीक्षा शुल्क	91,184	

पिछला वर्ष (1970-71)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
49,59,88,848	महायोग		53,58,61,696

नई दिल्ली
31 मई, 1972

पिछला वर्ष (1970-71)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
1,26,961	(6) छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	1,14,180	
1,71,335	(7) कार्यालयों की इमारतो/स्टाफ क्वार्टरों का मूल्यह्रास	1,73,048	
4,28,693	(8) कार्यालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण	4,28,078	
	(9) अवकाश प्राप्ति हितलाभ :—		
21,70,700	(क) निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन आरक्षित निधि	97,36,419	
2,06,610	(ख) कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि में निगम का अंशदान	2,22,447	
7,63,217	(ग) कर्मचारी रा० बी० नि० भविष्य निधि में दिया गया ब्याज	9,11,988	
(—) 7,91,495	(घ) कम—भविष्य निधि के अतिशेषों के विनियोग द्वारा प्राप्ति ब्याज	(—) 9,76,653	
1,230	(10) अनुकंपा आरक्षित निधि	2,634	
7,545	(11) विविध	—	
9,143	(12) हानियां	8	
33,93,471	कुल स—अन्य खर्चे		1,10,20,959
3,71,91,289	कुल शीर्ष—2 प्रशासन खर्चे		4,77,39,056
	3. चिकित्सालय व औषधालय व संचित दायित्व आदि		
16,39,457	(1) चिकित्सालय की इमारतों व उपकरणों का मूल्य ह्रास	16,45,619	
47,17,209	(2) चिकित्सालय की इमारतों/औषधालयों की मरम्मत व अनुरक्षण	47,09,216	
3,69,64,000	(3) पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (संचित) दायित्व आदि	4,04,35,000	
4,33,20,666	**कुल शीर्ष—3 चिकित्सालय व औषधालय व संचित दायित्व आदि**		4,67,89,835
44,74,00,835	राजस्व लेखा पर कुल व्यय		47,61,40,297
4,85,88,013	व्यय से अधिक आय को सुखनपत्र पर आगे ले जाया गया।		5.97,21,399
49,59,88,848	महायोग		53,58,61,696

परिशिष्ट 20

31 मार्च, 1972 को जैसा था—तुलन पत्र

नोट: वर्ष 1971-72 के लेखाओं की लेखा परीक्षा हो चुकी है परन्तु महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व से लेखापरीक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त होना शेष है ।

पिछला वर्ष (1970-71)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	व्यय से अधिक आय का अतिशेष		
36,51,51,824	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	33,73,18,407	
4,85,88,013	वर्ष के दौरान संचय	5,97,21,399	
41,37,39,837		39,70,39,806	
	कम—पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (संचित) दायित्व आरक्षित निधि को हस्तांतरित राशि		
(—) 3,01,39,082	(क) पिछले वर्ष के संचयन से	—	
(—) 4,62,82,348	(ख) इस वर्ष के संचयन से	(—) 3,18,54,272	
33,73,18,407			36,51,85,534
	पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (संचित) दायित्व आर० निधि		
3,01,39,082	आदि शेष	93,66,136	
4,62,82,348	व्यय से अधिक आय के अतिशेष से हस्तांतरित राशि	3,18,54,272	
3,69,64,000	जमा—वर्ष में किया गया उपबन्ध (नियोजक विशेष अंशदान) बढ़ी हुई दर का 0.5%)	4,04,35,000	
11,33,85,430		8,16,55,408	
(—) 10,40,19,294	कम—वर्ष में किया गया भुगतान	(—) 5,70,22,913	
93,66,136			2,46,32,495
	स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि		
5,90,93,644	पिछले तुलन पत्र के अनुसार	7,35,91,297	
3,16,94,000	वर्ष के दौरान किया गया उपबन्ध	2,88,90,000	
27,91,535	विनियोग से प्राप्त ब्याज	37,75,715	
—	कम—मूल्यांकक द्वारा घोषित अति शेष	(—) 74,52,865	
9,35,79,179		9,88,04,147	
(—) 1,99,87,882	कम—वर्ष के दौरान अदायगी	(—) 2,05,59,586	
7,35,91,297			7,82,44,561

पिछला वर्ष (1970-71)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	भूमि व भवन (निगम के पूर्ण रूप निजी)		
	(क) निगम के कार्यालयों के लिये भवन		
1,09,52,783	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,09,52,783	
—	वर्ष में संकलन	8,35,710	
1,09,52,783		11,78,893	
	(ख) चिकित्सालय व औषधालय		
15,08,75,470	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	16,35,35,108	
1,26,59,638	वर्ष में संकलन	2,96,45,473	
16,35,35,108		19,31,80,581	
	चिकित्सालयों के लिये उपकरण आदि		
—	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	49,542	
49,542	वर्ष में संकलन	—	
49,542		49,542	
17,45,37,433			20,50,18,616
	भूमि व भवन (निगम तथा राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से ली गई) में निगम का भाग		
	(क) चिकित्सालय तथा औषधालय		
7,95,250	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,95,250	
—	वर्ष में संकलन	—	
7,95,250		7,95,250	
	(ख) चिकित्सालयों आदि के लिये उपकरण		
49,680	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	49,680	
—	वर्ष में संकलन	—	
49,680		49,680	
8,44,930			8,44,930

पिछला वर्ष (1970-71)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	आस्थितजन हितलाभ आरक्षित निधि		
2,62,19,906	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,15,73,997	
66,59,000	वर्ष के दौरान किया गया उपबन्ध	66,69,000	
12,49,253	विनियोग से प्राप्त ब्याज	16,63,434	
(—) —	कम—मूल्यांकक द्वारा घोषित अतिशेष	(—) 24,70,494	
3,41,28,159		3,74,35,937	
(—) 25,54,162	कम—वर्ष के दौरान अदायगी	(—) 30,59,344	
3,15,73,997			3,43,76,593
	क० रा० बो० नि० भविष्य निधि		
1,32,80,277	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,54,51,602	
	जमा—वर्ष में अंकलित राशि		
36,23,861	1. कर्मचारी चन्दा	32,30,555	
2,06,610	2 निगम का अंशदान	2,22,447	
7,63,217	3. ब्याज (कर्मचारी तथा निगम के अंशदान पर)	9,05,726	
1,78,73,965		2,08,10,330	
(—) 24,19,406	कम—वर्ष मे की गई अदायगी	(—) 29,21,892	
1,54,54,559		1,78,88,438	
(—) 2,957	कम—पेंशन आरक्षित निधि में हस्तांतरित राशि	—	
1,54,51,602			1,78,88,438
	निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) का मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
6,17,209	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,04,520	
1,48,616	वर्ष में किया गया उपबन्ध	1,48,404	
38,695	विनियोग से प्राप्त ब्याज तथा लाभ	64,824	
8,04,520			10,17,748
	चिकित्सालय तथा परीक्षण केन्द्रों के उपकरण का मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
66,022	पिछले वर्ष के तुलनपत्र के अनुसार	70,689	
2,068	वर्ष मे किया गया उपबन्ध	1,036	
2,599	विनियोग से प्राप्त ब्याज	3,625	
70,689			75,350

पिछला वर्ष (1970-71)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	उचित (1) पूंजीगत व्यय के लिये दी गई अग्रिम राशि		
11,95,06,736	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,69,36,456	
—	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	32,441	
(—) 1,25,70,280	कम—समायोजन तथा वसूली	(—) 2,77,29,320	
10,69,36,456		7,92,39,577	
	(2) पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (संचित) दायित्व आरक्षित निधि में से दी गई अग्रिम राशि।		
—	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	89,60,921	
93,66,136	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	1,52,66,359	
(—) 4,05,215	कम—समायोजन तथा वसूली	(—) 19,87,079	
89,60,921		2,22,40,201	10,14,79,778
	स्टाफ कारें		
2,01,217	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,27,313	
26,096	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	18,785	
2,27,313			2,46,098
	निगम के कार्यालयों के अध्यक्षों को स्थायी अग्रिम अदायगी		
29,112	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	30,632	
1,805	जमा—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	4,145	
30,917		34,777	
(—) 285	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 5	
30,632			34,772
	निगम के कर्मचारियों के स्थानान्तरण के लिये अग्रिम वेतन अदायगी		
22,601	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	15,578	
74,572	जमा—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	1,03,354	
97,173		1,18,932	
(—) 81,595	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 90,235	
15,578			28,697
	निगम के कर्मचारियों के स्थानान्तरण के लिये अग्रिम यात्रा तथा भत्ता		
25,650	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	34,670	
1,00,161	जमा—वर्ष के दौरान की गई अदायगी . . .	1,31,140	
1,25,811		1,65,810	
(—) 91,141	कम—वर्ष में हुई वसूली	(—) 1,00,974	
34,670			64,836

पिछला वर्ष (1970-71)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	चिकित्सालयों की इमारतों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
53,05,679	पिछले वर्ष तुलनपत्र के अनुसार	73,56,514	
16,37,389	वर्ष में किया गया उपबन्ध	16,44,584	
4,13,446	विनियोग से प्राप्त ब्याज	4,84,,842	
73,56,514			94,85,940
	स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
1,11,284	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,39,559	
22,719	वर्ष में किया गया उपबन्ध	24,644	
5,556	विनियोग से प्राप्त ब्याज	10,720	
1,39,599			1,74,923
	निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
13,94,857	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	17,42,716	
4,28,693	वर्ष में किया गया उपबन्ध	4,28,078	
54,648	विनियोग से प्राप्त ब्याज	66,584	
18,78,198		22,37,378	
(—) 1,35,482	कम—वर्ष में की गई अदायगी . . .	(—) 1,17,735	
17,42,716			21,19,643
	चिकित्सालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि का लेखा		
1,34,24,772	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,86,08,512	
47,17,209	वर्ष में किया गया उपबन्ध	47,09,216	
5,45,948	विनियोग से प्राप्त ब्याज	7,87,833	
1,86,87,929		2,41,05,561	
(—) 79,417	कम–वर्ष में अदायगी	(—) 12,27,132	
1,86,08,512			2,28.78 429
	निगम के कर्मचारियों की पेंशन आरक्षित निधि		
1,69,59,023	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,02,14,548	
24,60,390	वर्ष में किया गया उपबन्ध	26,91,925	
9,52,887	विनियोग से प्राप्त ब्याज	12,69,916	
—	जमा—मूल्यांकक द्वारा घोषित कमी	76,04,575	
2,03,72,300		3,17,80,964	
(—) 1,60,709	कम—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	(—) 2,73,335	
2,02,11,591		3,15,07,629	
2,957	जमा–वर्ष निगम भविष्य निधि में हस्तांतरित निधि . .	—	
2,02,14,548			3,15,07,629

पिछला वर्ष (1970-71)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	निगम के कर्मचारियों को वाहन क्रय के लिये अग्रिम राशि		
7,36,580	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	9,03,903	
6,34,385	जमा–वर्ष में की गई अदायगी	4,69,937	
13,70,965		13,83,840	
(—) 4,67,062	कम–वर्ष में की गई वसूली	(—) 5,06,940	
9,03,903			8,76,900
	निगम के कर्मचारियों को विविध अग्रिम राशि (त्यौहार अग्रिम राशि)		
2,37,493	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	6,28,187	
9,44,550	जमा–वर्ष में की गई अदायगी	11,53,186	
11,82,043		17,81,973	
(—) 5,54,556	कम–वर्ष में की गई वसूली . . .	(—) 7,39,073	
6,28,187			10,42,900
	मकान निर्माण हेतु अग्रिम राशि		
1,54,571	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,90,773	
2,74,127	जमा–वर्ष में की गई अदायगी	3,57,237	
4,28,698		7 48,010	
(—) 37,925	कम–वर्ष में की गई वसूली	(—) 42,487	
3,90,773			7,05,523
	राज्य सरकारों की ओर से अग्रिम अदायगी		
2,772	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3 427	
4,387	जमा–वर्ष में की गई अदायगी	4,178	
7,159		7,705	
(—) 3,932	कम–वर्ष में की गई वसूली	(—) 5,424	
3,227			2,281
	चिकित्सालयों/औषधालयों, निगम के कार्यालयों तथा स्टाफ क्वार्टरों की मरम्मत व अनुरक्षण के लिये राज्य सरकारों/राज्य लोक निर्माण विभाग आदि को अग्रिम राशि।		
	(क) निगम के कार्यालय		
6,39,111	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	5 72 745	
1,00 656	जमा–वर्ष में की गई अदायगी	1,19,363	
7 40,070		6 92 608	
(—) 1,67,325	कम–वर्ष में हुई वसूली/समायोजन	—	
5,72,745			6 92,608

पिछला वर्ष (1970-71)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	निगम के कर्मचारियों के लिये अनुकंपा आरक्षित निधि		
10,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,000	
1,230	वर्ष मे किया गया उपबन्ध	2,634	
11,230		12,634	
(—) 1,230	कम—वर्ष के दौरान किया गया भुगतान . . .	(—) 2,634	
10,000			10,000
	जमानत जमा		
1,50,247	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,99,211	
1,34,386	जमा—वर्ष में जमानत जमा	1,71 333	
2,84,633		3,70,544	
(—) 85,422	कम—वर्ष मे जमानत कम की प्रति अदायगी . . .	(—) 82,775	
1,99,211			2,87,769
	क० रा० बो० नि० नि० भविष्य निधि में अदावी जमा		
7,322	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	5,784	
1,775	जमा—वर्ष में आंकलित राशि	2,180	
9,097		7,964	
(—) 3,313	कम—वर्ष में की गई अदायगी	(—) 1,226	
5,784			6,738
	अन्य पार्टियों को देय बिलों से कटौती		
11,900	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	18,570	
5,30,247	जमा-वर्ष में आंकलित राशि	5,02,183	
5,42,147		5,20,753	
(—) 5,23,577	कम—वर्ष मे की गई अदायगी	(—) 4,65,059	
18,570			55,694
	विविधि जमा		
1,17,175	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,98,295	
(—) 2,390	कम—वर्ष मे जमानत जमा की प्रति अदायगी . . .	(—) 98,612	
1,14,785		1,99,683	
1,83,510	जमा—वर्ष में प्राप्त जमा	8,15,329	
2,98,295			10,15,012

पिछला वर्ष (1970-71)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	(ख) चिकित्सालय/औषधालय/अनेक्सियां		
23,45,286	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	36,86,069	
13,52,978	जमा—वर्ष मे की गई अदायगी	17,58,649	
36,98,264		54,44,718	
(—) 12,195	कम—वर्ष में की गई वसूली	(—) 20,33,881	
36,86,069			34,10,837
	विविध अग्रिम		
7,54,469	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,04,134	
3,74 778	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	2,88,015	
11,29,247		12,92,149	
(—) 1,25,113	कम—वर्ष मे की गई वसूली	(—) 1,77,870	
10,04,134			11,14,279
	राज्य सरकारों को ऋण		
1,00,00,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	98,33,333	
—	जमा—वर्ष मे की गई अदायगी	60,00,000	
1,00,00,000		1,58,33,333	
(—) 1,66,667	कम—राज्य सरकारो द्वारा ऋण की वापिसी . . .	(—) 3,33,333	
98,33,333			1,55,00,000
	प्रेषित धन		
	नकद प्रेषित धन		
4,34,601	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	9,20,855	
75,83,71,486	जमा—वर्ष में समायोजित विकलन	1,08,65,02,126	
75,98,06,087		1,08,74,22,981	
(—) 75,88,85,232	कम—वर्ष में समायोजित आंकलन	(—) 1,08,71,89,581	
9,20,855			2,33,400
	अन्य प्रेषित धन/विनिमय लेखा		
(—) 2.643	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	(—) 240	
1,62,93,398	जमा—वर्ष में विकलन	2,92,96,464	
1,62,90,755		2,92,96,224	
(—) 1,62,90,995	कम—वर्ष में आकलन	(—) 2,92,87,911	
(—) 240			8,313

पिछला वर्ष (1970-71)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०

पिछला वर्ष (1970-71)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	विनियोग लागत पर		
	1 स्थायी (आंशिक या पूर्ण) अपंगता हितलाभ आर० निधि		
5,90 75,991	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	6,90,97 766	
1,50,43,000	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	4 04 97,000	
7,41,18,991		10,95,94,766	
(—) 50,21 225	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 3,13 57 837	
6,90,97,766			7 82,36,929
	2 आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि		
2,6[illegible] 19,618	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3 15,72,371	
89 31,700	जमा—वर्ष में किया गया भुगतान	1,72,54,800	
3,51,51,318		4,88,27 171	
(—) 35,78,947	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 1,44,51,664	
3,15,7[illegible],371			3,43,75,507
	3 कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि		
1,32 69 740	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,54,29 750	
57 56 900	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	90,35,400	
1,90,26 610		2,44 65,150	
(—) 35 9[illegible] 890	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 65,78,262	
1 54,29,750			1,78,86,888
	4 निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टर सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
6 15,636	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,03,951	
[illegible] 73,980	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	7,92,594	
1[illegible] 9,516		15,96,509	
(—) 1 85,601	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 5,80,000	10, 16,509
8,03 915			
	5 चिकित्सालयों व परीक्षा केन्द्रों के उपकरणों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
52,600	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	63,100	
20,500	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	34 025	
73,100		97,125	
(—) 10,000	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली .	(—) 22,000	
63 100			75,125

पिछला वर्ष (1970-71)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०

पिछला वर्ष (1970-71)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	6. चिकित्सालयों की इमारतों की मूल्यह्रास आर० निधि		
52,93,469	पिछले तुलनपत्र के अनुसार . .	73,36,942	
59,51,700	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग . .	62,07,300	
1,12,45,169		1,35,44,242	
(—) 39,08,227	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली . . .	(—) 40,69,127	
73,36,942			94 75,115
	7. स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
1,07,217	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,38,717	
52,500	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	65,080	
1,59,717		2,03,797	
(—) 21,000	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली . . .	(—) 30,062	
1,38,717			1,73,735
	8. निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
10,41,556	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	11,67,966	
3,93,700	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग . . .	9,79,400	
14,35,256		21,47,366	
(—) 2,67,290	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली . . .	(—) 7,28,372	
11,67,966			14,18,994
	9. चिकित्सालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
1,07,85,952	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,48,85,952	
79,00,000	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	1,88,21,600	
1,86,85,952		3,37,07,552	
(—) 38,00,000	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली . .	(—) 1,42,47,302	
1,48,85,952			1,94,60 250
	10. निगम के कर्मचारियों की पेंशन आरक्षित निधि		
1,68,79,698	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,01,95,910	
96,48,300	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	2,49,09,700	
2,65 27,998		4,51,05,610	
(—) 63,32,088	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली . . .	(—) 1,36,09,229	
2,01,95,910			3,14,96,381

पिछला वर्ष (1970-71)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
51,67,70 357	कुल महायोग . . .		58,89,62,496

नई दिल्ली
दिनांक 31 मई, 1972

पिछला वर्ष (1970-71)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०	सामान्य रोकड़ शेष	रु०	रु०
3,01,39,082	पिछले तुलनपत्र के अनुसार विनियोग . .	—	
4 91,64,500	जमा—5 वर्ष में किया गया विनियोग . . .	28,90,07,800	
7,93 03,582		28,90,07,800	
(—) 7,93,03,582	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली . .	(—) 26,64,00,000	
—		2,26,07,800	
17,64,197	हाथ रोकड़	13,64,606	
4,47,82,552	बैंक के पास रोकड़	4,00,69,889	
4,65,46,749		4,14,34,495	
4,65,46,749	कुल रोकड़ अतिशेष		6,40,42 295
51,67,70,357	कुल महायोग . . .		58,89,62,496

परिशिष्ट 21

लाभों के भुगतान आदि की तुलना में प्रशासनिक लागत

	1966-67	1967-68	1968-69	1969-70	1970-71	1971-72
1. प्रशासनिक लागत	2,61,98,093	2,87,17,455	3,22,62,514	3,73,59,844	3,71,91,289	4,77,39,056
2. (क) नियोजक विशेष अंशदान	12,93,37,103	13,64,06,909	18,42,65,198	21,25,42,559	29,55,06,981	33,34,80,630
(ख) कर्मचारी अंशदान .	11,50,80,309	12,44,28,148	13,96,81,277	15,20,48,404	16,49,66,819	17,70,05,192
कुल अंशदान	24,44,17,412	26 08,35,057	32,39,46,475	36,45,90,963	46 04,73,800	51,04,85,822
3. कुल व्यय (राजस्व लेखों पर खर्च) .	24,17,37 078	27,17,30,234	31,98,45,968	37,70,16,938	44,74,00,835	47,61,40,297
4. कुल व्यय हितलाभ . . .	21,55,38,985	23,89,64,304	28,32,20,434	33,37,92,992	36,68,88 880	38,16,11,406
प्रशासन व्यय का अनुपात :—						
2.	10 72%	10.01%	9.96%	10 25%	8 08%	9.35%
3.	10.84%	10.57%	10.9%	9.91%	8.31%	10 03%
4.	12.15%	12.02%	11.39%	11.19%	10.14%	12.51%

नोट :—4 में राज्य सरकारों द्वारा वहन किये गये लाभ खर्च का अंश सम्मिलित नहीं है।

बी० एम० के० मट्टू, वित्तीय सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा निगम

[जेड-16016/2/73-एच० आई०]

दलजीत सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION
(Department of Labour and Rehabilitation)

New Delhi, the 28th May, 1973

S.O. 3110.—In pursuance of section 36 of the Employees' State Insurance Act, 1948 ((34 of 1948), the Annual Report of the Employees' State Insurance Corporation for the year 1971-72 is hereby published for general information.

List of Members of the Employees' State Insurance Corporation 1971-72

Chairman

Shri R. K. Khadilkar,

Minister for Labour and Rehabilitation,
Government of India

Vice-Chairman

Shri A. K. Kisku,
Deputy Minister for Health and Family Planning
Government of India

Members

Representatives of Central Government :

3. Shri Bal Govind Verma,
Deputy Minister for Labour and Rehabilitation,
Government of India.

4. Shri P. M. Nayak,
Secretary to the Government of India,
Department of Labour and Employment.

5. Shri D. S. Nim,
Joint Secretary to the Government of India,
Department of Labour and Employment.

6. Dr. J. B. Srivastava,
Director General of Health Services,
Government of India.

7. Shri D. K. Jain,
Deputy Secretary to the Government of India,
Ministry of Finance,
Department of Expenditure.

Representatives of State Governments :

8. Shri E. V. Ram Reddi,
Secretary to the Govt. of Andhra Pradesh,
Home (Labour III) Department.

9. Shri T. S. Gill,
Secretary to the Government of Assam,
Labour Department.

10. Shri I. N. Thakur,
Secretary to the Government of Bihar,
Labour and Employment Department.

11. Shri R. B. Shukla,
Secretary to the Government of Gujarat,
Panchayat and Health Department.

12. Shri Bihari Lal Ahuja,
Secretary to the Government of Haryana,
Labour and Employment Department.

13. Shri K. V. Ramakrishna Ayyar,
Secretary to the Government of Kerala,
Labour Department.

14. Dr. S. L. Shah,
Administrative Medical Officer,
E.S.I. Scheme,
Government of Madhya Pradesh.

15. Shri V. S. Subbiah,
Secretary to the Government of Tamil Nadu,
Labour Department.

16. Shri H. Nanjundiah,
Secretary to the Government of Maharashtra,
Urban Development, Public Health and Housing Department.

17. Shri M. K. Venkateshan,
Secretary to the Government of Mysore,
Food, Civil Supplies and Labour Department.

18. Shri Rabindra Nath Mohanty,
Secretary to the Government of Orissa,
Labour, Employment & Housing Department.

19. Shri N. K. Joshi,
Labour Commissioner and Deputy Secretary to the Government of Rajasthan,
Labour Department.

20. Shri Pritmohinder Singh,
Commissioner for Health and
Secretary to the Government of Punjab,
Health and Family Planning Department.

21. Labour Commissioner,
Uttar Pradesh.

22. Shri S. R. Das,
Secretary to the Government of West Bengal,
Labour Department.

Representatives of Union Territories :

23. Shri V. K. Chanana,
Labour Commissioner,
Delhi Administration.

Representatives of Employers :

24. Shri D. P. Mukherjee.

25. Shri R. N. Joshi.

26. Shri Madanmohan Mangaldas.

27. Shri P. Chentsal Rao.

28. Prof. V. B. Kamath.

Representatives of Employers :

29. Shri T. N. Sidhanta.

30. Shri M. T. Shukla.

31. Shri Bishnu Banerjee.

32. Shri R. Rengasamy.

33. Shri Ram Desai.

Representatives of Medical Profession :

34. Dr. J. Majumdar.

35. Shri Kaviraj Keshav Prasad Atreya.

Representatives of Parliament :

36 Shri S. M. Banerjee.

37. Shri Raja Kulkarni.

Ex-Officio Member.

38. Shri T. C. Puri,
Director General,
E.S.I. Corporation.

List of Members of the Standing Committee of the E.S.I. Corporation 1971-72

Chairman : Shri Bal Govind Verma, Deputy Minister for Labour & Rehabilitation, Government of India.

Representatives of Central Government :

2. Shri P. M. Nayak,
Secretary to the Government of India,
Department of Labour and Employment.

3. Dr. J. B. Srivastava,
Director General of Health Services.

4. Shri D. K. Jain,
Deputy Secretary to the Government of India,
Ministry of Finance,
Department of Expenditure.

Representatives of State Government :

5. Shri R. B. Shukla,
Secretary to the Government of Gujarat.
Panchayat and Health Department.

6. Shri H. Nanjundiah,
Secretary to the Government of Maharashtra,
Urban Development, Public Health and
Housing Department.

7. Shri S. R. Das,
Secretary to the Government of West Bengal,
Labour Department.

Representatives of Employers :

8. Shri R. N. Joshi.
9. Shri Madanmohan Mangaldas.
10. Prof. V. B. Kamath.

Representatives of Employees :

11. Shri T. N. Sidhanta,
12. Shri R. Rengasamy.
13. Shri Ram Desai.

Representatives of Medical Profession :

14. Dr. J. Majumdar.

Representative of Parliament :

15. Shri Raja Kulkarni

Ex-Officio Member :

16. Shri T. C. Puri,
Director General, E.S.I. Corporation.

List of Members of the Medical Benefit Council 1971-72

Chairman : Dr. J. B. Srivastava, Director General, Health Services.

Members

Representatives of Central Government and the Corporation :

2. Dr. I. C. Sachdev,
Deputy Director General of Health Services
(Medical).

3. Medical Commissioner,
E.S.I. Corporation.

Representatives of the State Governments :

4. Dr. P. Seshagiri Rao,
Deputy Director of Medical and Health
Services (E.S.I.),
Government of Andhra Pradesh

5. Shri K. N. Brahma,
Administrative Medical Officer,
E.S.I. Scheme,
Government of Assam.

6. Dr. J. K. P. Sinha,
Deputy Director of Health Services (Medical),
Government of Bihar.

7. Dr. H. N. Patel,
Director of Medical Services, (E.S.I. Scheme)
Government of Gujarat.

8. Dr. Hakumat Roy,
Assistant Director, Health Services,
(Social Insurance), Government of Haryana.

9. Dr. T. N. N. Bhattathiripad,
Deputy Director of Health Services,
(E.S.I. Scheme), Government of Kerala.

10. Dr. S. L. Shah,
Administrative Medical Officer, (E.S.I. Scheme),
Government of Madhya Pradesh.

11. Dr. P. R. Balakrishnan,
Director of Medical Services and Family
Planning,
Government of Tamil Nadu.

12. Dr. L. D. Thatte,
Deputy Director, E.S.I. Scheme,
Government of Maharashtra.

13. Dr. P. R. Desai,
Director of Health & Family Planning Services
Government of Mysore.

14. Dr. N. N. Panda,
Administrative Medical Officer,
E.S.I. Scheme, Government of Orissa.

15. Dr. Sohan Singh,
Director of Health and Family Planning,
Government of Punjab.

16. Dr. R. L. Chopra,
Deputy Director, Medical & Health Services,
(E.S.I. Scheme), Government of Rajasthan.

17. Dr. D. N. Sharma,
Director of Medical & Health Services,
Uttar Pradesh.

18. Shri Quader Nowaz,
Director, E.S.I. (MB) Scheme,
Government of West Bengal.

Representatives of Employers :

19. Dr. Surendra Pranlal Shah.
20. Shri R. N. Joshi.
21. Shri R. L. Moitra.

Representatives of Employees :

22. Shri S. W. Dhabe.
23. Dr. T. Rajagopal.
24. Dr. G. Kannabiran.

Representatives of Medical Profession:

25. Dr. D. S. Munagekar.
26. Dr. Narendera Nath Bhattacharjee.
27. Vaidya Lilavati Patel.

'ESIC' AT A GLANCE

	31-3-1969	31-3-1971	31-3-1972	PROGRESS DURING 1971-72
STATES	16	16	18	2
CENTRES	313	324	318	-6
EMPLOYEES	34,49,000	38,39,000	39,75,500	1,36,500
INSURED PERSONS	37,76,500	42,18,000	43,44,000	1,26,000
FAMILY UNITS	35,74,100	41,97,050	42,95,350	98,300
INSURED WOMEN	2,69,100	2,87,000	2,96,500	9,500
TOTAL BENEFICIARIES	1,40,69,900	1,63,05,500	1,67,14,55	4,09,050
EMPLOYEES	5,65,400	6,23,600	6,15,950	
YET TO BE COVERED	5,65,400	6,23,600		
CASH OFFICIES	502	535	×555	×20
INSPECTION OFFICES	114	116	×113	×(-)3
ESI HOSPITALS	31	41	×46	×5
ESI ANNEXES	20	20	×19	×(-)1
BEDS :				
A ESI HOSPITALS	5,239	6,149	×6,781	×632
B ESI ANNEXES	476	380	×380	-
C RESERVED	3,698	3,186	×3,061	×(-)125
TOTAL	9,413	9,715	×10,222	×507
S I DISPENSARIES	688	694	×723	×29
IMOs & IMPs	6,167	6154	×6,164	×10

CAPITAL CONSTRUCTION (RUPEES IN LAKHS)				
SANCTIONED UPTO	4,388 · 37	4,367 · 07	×4597·32	×230·25
ADANCED UPTO	2,773 · 75	3,011 · 13	3,228·43×	217 · 30×

INCOME & OUTGO (RUPEES IN LAKHS)	1968-69	1970-71	1971 72
REVENUE INCOME	3,321·96	4,959 · 89	5,358 · 62
REVENUE EXPENDITURE	3,198·46	4,474 · 01	4,761 · 40

×PROVISIONAL

ACHIEVEMENTS					
INCREASE IN NO. OF :	1st PLAN 1951-56	2nd PLAN 1956-61	3rd PLAN 1961-66	1966-69	1969-72
CENTRES	31	89	139	54	5
INSURED PERSONS	12,92,000	6,47,000	14,66,000	3,71,500	5,67,500
FAMILY UNITS		6,78,550	23,55,350	5,40,200	7,21,250
BENEFICIARIES	12,92,000	26,01,000	82,49,650	19,27,250	26,44,650
CASH OFFICES	99	129	178	96	* 53
INSPECTION OFFICES	32	32	29	21	* (-) 1
ESI HOSPITALS	-	7	7	17	* 15
ESI ANNEXES	-	-	17	3	* (-) 1
TOTAL BEDS (INCLUDING RESERVED)	878	1,610	3,487	3,438	* 809
S.I. DISPENSARIES	98	236	239	115	* 35
IMOs & IMPs	1,767	1,036	2,660	704	* (-) 8
CAPITAL CONSTRUCTION (RUPEES IN LAKHS)					
SANCTIONED (INCLUDING LOANS SANCTIONED)	17;28	447·67	2614·84	1308·58	*208·95
ADVANCED	10;28	84;06	1619;67	1059,74	*454·68

*PROVISIONAL

1. INTRODUCTION

1.1 The Insurance Medical Practitioners were agitating since long for increasing the capitation fee being paid to them. This matter was left to the Chairman, E.S.I. Corporation for decision. The Chairman after considering all aspects of the case decided that the rate of capitation fee may be raised from Rs. 20 to Rs. 25 per I.P. Family units w.e.f. the quarter commencing from 1st October, 1971.

Consequent upon the increase in the capitation fee payable to Insurance Medical Practitioners, a concerted drive has been launched to improve the medical side of the scheme. The State Governments have been requested to energize their machinery to inspect clinics of panel doctors who have also been advised to resist pressure in the matter of issue of certificates particularly in the times of stress and strain on Account of holidays, strikes, lock-outs. These measures were introduced from January, 1972 and have shown good results during the last quarter of the year 1971-72.

The Corporation also appointed a Committee on Perspective Planning to inter-alia examine and make recommendations to work out a plan for providing medical benefit of uniform standard, viable programme of phased extension of scheme, possibility of introducing a scheme of 'No claim bonus' and to provide adequate financial resources by way of contributions from Central Government or by raising the share of the State Governments etc.

1.2 During the year, the E.S.I. Scheme was further extended to cover 55,000 Insured Persons employed in 31 additional areas in the State of Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Mysore, Punjab and Tamil Nadu. Details will be found later in the report.

Medical care was extended to the families of Insured Persons in the following areas:—

State	Area
1	2
Andhra Pradesh	Tadepally, and Outskirts of Vijayawada.
Assam	Area outside Municipal Limits of Tinsukia.
Bihar	Ramgarh.
Kerala	Edumulakal and Pullur-Muriyad.
Madhya Pradesh	Kumhari, Amlai, Khandwa and Itarsi.
Maharashtra	Nasik.
Mysore	White Field and Kadugodi, Kadugoundanahalli and K.G.F.
Punjab	Samadoo and Dhakanso Villages.
Tamil Nadu	Pottaneri-Nallagoundanpatti, Veerakalpudur, Palani, Nickarapatti, Usilampatti, Perumandi Village, K.Y.M. Industries area, Somanur and Arasur.

The position in regard to the Medical care provided for families in various states is as follows:—

(a) 'Restricted' medical care :

Greater Bombay, Nasik, Pulgaon, Jalgaon, Amalner and Aurangabad in Maharashtra State; Suburbs of Kapurthala, Suburbs of Ludhiana, Suburbs of Jullundur, Suburbs of Phogwara, Malerkotla, Malout Mandi and Nabba in Punjab; Uttar Pradesh (except Suburbs of Naini, Bamrauli, Gorakh-

pur, Hardwar, Kanpur and Modinagar), 24 Parganas and District Hoogly in West Bengal.

Total No. of Family (I.P) Units : = 15.31 Lakhs.

(b) 'Expanded' medical care :

Andhra Pradesh (except Adoni, Shirala, Eluru, Guntakal, Guntur, Hyderabad-Secunderabad, Kurnool, Macherla, Tadepally and outskirts of Markapuram, Masulipatnam, Nattayyapalem, Peddakakani, Ramagundam, Sirpur Kagaznagar, Vijayawada and outskirts of Vijayawada and Warangal); Assam, Bihar, Chandigarh, Delhi, Gujarat, Haryana (except Surajpur, Yamuna, Nagar and Jagadhri); Madhya Pradesh (except Indore), Maharashtra; (except Greater Bombay, Nasik, Pulgaon, Jalgoan, Amalner, Aurangabad, Ichalkaranji, Dhulia and Ballarpur), Mysore; (except Bangalore and its Suburbs, Whitefield, K.G.F., Dharwar, Bellary and Hospet), Orissa, Pondicherry and Mahe, Punjab; (except Suburbs of Jullundur Suburbs of Kapurthala, Suburbs of Ludhiana, Suburbs of Phagwara, Malerkotla, Malout Mandi and Nabha); Rajasthan, Tamil Nadu (except) Coimbatore, Kovilpatti, Somapui and Arasur and Madras); Kanpur and Modinagar in Uttar Pradesh, West Bengal (except 24 Parganas and Ditt., Hoogly.)

Total No. of Family (I.P.) Units : = 20.55 lakhs.

(c) 'Full' medical care :

Adoni, Chirala, Eluru, Guntakal, Guntur, Hyderabad-Secunderabad, Kurnool, Macherla, Tadepally including outskirts of Markapuram, Masulipatnam, Peddakakani, Ramagundam, Sirpur, Kagaznagar, Vijayawada and its outskirts and Warangal in Andhra Pradesh, Indore in Madhya Pradesh, Bangalore and its suburbs, White-field and K.G.F. in Mysore, Coimbatore, Kovilpatti and Madras in Tamil Nadu, Yamunanagar and Jagadhri in Haryana State and entire Kerala State (except Kayamkulam).

Total No. of Family (I.P.) Units : = 7.09 lakhs.

1.3 Five more hospitals were commissioned during the year, one in Andhra Pradesh at Visakhapatnam (30 beds), one in Maharashtra at Mulund (100 beds T.B.), one in Delhi (150 beds), one in Kerala at Udyogmandal (120 beds), another at Madurai in Tamil Nadu (177 beds Genl. and 25 beds T.B.) These were, therefore, 46 full-fledged ESI Hospitals working in the country at the close of the year as per details given below :—

Sl. No.	State	Place	Date of commissioning	No. of beds Genl.	No. of beds T. B.	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
(i)	Mysore	Bangalore	29-12-61	170	—	Provisions for 420 beds made.
			29-2-68	154	40	
(ii)	Uttar Pradesh	Kanpur	26-1-62	112	—	
			27-8-66	100	—	
(iii)	Maharashtra	Bombay	28-3-62	642	—	
(iv)	Tamil Nadu	Madras	1-4-62	175	25	
			27-11-67	425	..	
(v)	Bihar	Monghyr	26-1-63	30	—	
(vi)	Maharashtra	Worli, Bombay	27-3-64	120	—	
			15-8-68	130	—	
(vii)	Andhra Pradesh	Hyderabad	29-3-64	150	—	Provision for 230 beds including 20 TB beds made.
			1-2-68	60	—	
(viii)	West Bengal	Sealdah	17-12-64	100	..	
			25-7-67	150	..	
(ix)	West Bengal	Kumarhati	29-3-64	100	..	
			4-12-65	75	..	
(x)	Andhra Pradesh	Sirpur-Kagaznagar	1-1-65	30	..	Provision for 110 beds including 40 TB beds made.
			25-10-71	30	..	
(xi)	Orissa	Choudwar	23-3-65	50	..	
(xii)	West Bengal	Bellur-Bally	15-4-65	..	100	
(xiii)	West Bengal	Serampore	2-10-65	166	..	
(xiv)	Punjab	Amritsar	1-3-66	25	..	
			1-6-68	25	..	
			30-9-68	75	..	
(xv)	Madhya Pradesh	Indore	15-8-66	90	..	The State Goernment reduced the bed strength from 150 to 90 beds and 75 TB to 40 TB beds at Indore
(xvi)	Madhya Pradesh	Indore	15-8-66	..	40	
(xvii)	Uttar Pradesh	Kanpur (Chest Hospital)	26-1-67	..	180	
(xviii)	West Bengal	Bankra	1-2-67	416	..	
(xix)	West Bengal	Uluberia	26-2-67	166	..	
(xx)	Bihar	Maithan	27-10-67	36	..	
			31-8-68	74	..	
(xxi)	Uttar Pradesh	Modinagar	217-168	100	..	
(xxii)	Haryana	Faridabad	15-2-68	80	..	
(xxiii)	Andhra Pradesh	Vijayawada	26-2-68	30	..	Provision for 90 beds including 40 TB beds made.
			N.A.	..	..	

1	2	3	4	5	6	7
(xxiv)	Andhra Pradesh	Warangal	18-3-68	30	..	Provision for 50 bed made.
(xxv)	Kerala	Mulankunathakavu	25-4-68	..	100	
(xxvi)	Kerala	Arsamam	1-6-68	100	..	
(xxvii)	Uttar Pradesh	Kanpur (Mat. Hospital)	23-7-68	144	..	
(xxviii)	West Bengal	Kalyani	20-12-68	266	..	
(xxix)	Kerala	Alleppey	6-2-69	55	..	
(xxx)	Punjab	Ludhiana	11-2-69	80	..	
(xxxi)	Kerala	Peroorkada	28-3-69	50	..	
(xxxii)	Haryana	Yamunanagar	25-4-68	60	..	
(xxxiii)	Mysore	Dandeli	9-5-69	24	..	
(xxxiv)	Gujarat	Naroda	1-7-70	..	200	
(xxxv)	Tamil Nadu	Coimbatore	31-8-70	300	..	Provision for 500 beds including 25 TB beds made.
(xxxvi)	Andhra Pradesh	Adoni	25-10-70	25	..	Provision for 50 beds made.
(xxxvii)	Maharashtra	Nagpur	1-1-71	50	..	Provision for 150 beds made.
(xxxviii)	Gujarat	Bapunagar Ahmedabad	26-1-67	200	..	Provision for 500 beds made.
(xxxix)	Kerala	Trichur	13-3-71	60	..	
(xl)	Madhya Pradesh	Ujjain	22-3-71	50	15	
(xli)	Haryana	Panipat	15-6-71	15	..	Provision for 50 beds made.
(xlii)	Andhra Pradesh	Visakhapatnam	26-1-72	30	..	Provision for 110 beds made.
(xliii)	Maharashtra	Mulund	23-12-71	..	100	Provision for 600 beds made.
(xliv)	Kerala	Udyogmandal	27-11-71	120	..	
(xlv)	Delhi	Delhi	1-12-71	150	..	
(xlvi)	Tamil Nadu	Madurai	13-4-71	177	25	
				6102	+825	
	TOTAL :				6927	

NOTE : N.A. indicates the dates not available and which are awaited from the State Governments.

The bed strength in respect of hospitals at Bangalore, Hyderabad, Sirpur-Kagaznagar, Vijayawada, Warangal, Coimbatore, Bapunagar, Panipat, Visakhapatnam and Mulund will be raised by 56, 20, 50, 30, 20, 200, 300, 35, 80 and 500 beds respectively in due course.

1.4 The following ESI Hospitals (for construction of which funds were sanctioned by the Corporation) were in various stages of construction (some of which were expected to be ready soon) at the close of the year :—

Sl. No.	State	Place	No. of beds		Remarks
			Genl.	T. B.	
(i)	Bihar	Dalmianagar	50	..	
(ii)	Kerala	Paripally	..	100	
(iii)	Kerala	Vadvathur (Kottayam)	50	..	
(iv)	Kerala	Ernakulam	50	..	
(v)	Kerala	Ezhukone	150	..	
(vi)	Kerala	Arpookara	..	80	
(vii)	Madhya Pradesh	Raipur	..	75	
(viii)	Orissa	Kansbahal	40	..	
(ix)	Punjab	Jullundur	60	..	
(x)	Rajasthan	Jaipur	113	..	
(xi)	West Bengal	Budge-Budge	300	..	
(xii)	West Bengal	Gourhati	150	..	
(xiii)	Maharashtra	Aundh	..	410	
	TOTAL		963	+ 665	= 1628

1.5. In addition to the hospials listed in para 1 3 and 1.4 the Corporation has agreed to the construction of the following three hospitals under the ESI Scheme :—

Sl. No.	State	Place	No. of beds		
			Genl.	TB	
(i)	Mysore	Mangalore	60	..	
(ii)	West Bengal	Monicktolla	400	..	
(iii)	West Bengal	Asansol, Kanyapur	..	150	
	TOTAL		460	+ 150	= 610

1.6. A 84 bed ESI Annexe at Coimbatore which was in use of the ESI Scheme since April 1959, had been discontinued and 4 have been commissioned in Rajasthan. Therefore, there were in all 23 ESI Annexes of the Corporation commissioned as per details given below, at the close of the year:—

Sl. No.	State	Place	Date of Commissioning	No. of beds	
				Genl	TB.
(i)	Andhra Pradesh	Irrumnuma	5-1-59	..	24
(ii)	Maharashtra	Nagpur	1-1-58	..	25
(iii)	Bihar	Itki	1-12-69	..	20
(iv)	Haryana	Faridabad	1-4-68	..	12
(v)	Haryana	Dharampur	1-4-65	..	12
(vi)	Kerala	Pulaynarkota	5-1-64	..	24
(vii)	Mysore	Bangaloro	1-4-61	..	16
			16-8-63	..	16
(viii)	Orissa	Choudwar	23-3-65	..	12
(ix)	Punjab	Amritsar	1-4-65	..	12
(x)	Rajasthan	Jaipur	Dec., 1961	..	15
(xi)	Rajasthan	Bari Udaipur	20-5-66	..	16
(xii)	Rajasthan	Pali	15-3-66	12	..
(xiii)	Rajasthan	Bhilwara	12-3-66	12	..
(xiv)	Rajasthan	Jodhpur	25-8-65	20	..
(xv)	Tamil Nadu	Sivakasi	21-1-61	12	..
(xvi)	Tamil Nadu	Tambaram	20-8-63	..	52
(xvii)	Tamil Nadu	Koilpatti	20-3-68	32	..
(xviii)	Tamil Nadu	Lalgudi	12-3-64	10	..
(xix)	Tamil Nadu	Nagercoil	11-2-69	..	26
(xx)	Rajasthan	Kotah	1-11-71	24	..
(xxi)	Rajasthan	Sriganganagar	1-11-71	6	..
(xxii)	Rajasthan	Udaipur	1-11-71	6	..
(xxiii)	Rajasthan	Bharatpur	1-11-71	10	..
		TOTAL		144 + 282	= 426

1.7. The 10 bed ward at Cauvery Nagar (Tamil Nadu) was almost complete and a 16 bed FSI Ward at Brajrajnagar was also ready for commissioning very shortly at the close of the year. In addition to these annexes as listed in para

1.6 the following annexes were also under construction at the close of the year as per details given below :—

S. No.	State	Place	No. of beds	
			Genl.	TB
1	2	3	4	5
(i)	Tamil Nadu	Pudukottai . .	..	16
(ii)	Tamil Nadu	Virudhunagar . .	..	16
		Total :	..	32

1.8. The position of beds for use of the insured persons and in due course to the members of their families also in the ESI Hospitals and Annexes commissioned, under construction and sanctioned (work yet to start) was as under at the close of the year :

Type of projects	COMMISSIONED			UNDER CONSTRUCTION			SANCTIONED FOR CONSTRUCTION		
	No. of projects	No. of beds		No. of projects	No. of beds		No. of projects	No. of beds	
		Genl.	TB		Genl.	TB		Genl.	TB
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Hospitals . .	46	6102	825	13	1448	180	3	460	15
Annexes . .	23	169	257	2	..	32	..	..	..
TOTAL . .	69	6271	1082	15	1448	212	3	460	150
			7353			1660			610

1.9. The Corporation owned 142 comissioned S.I. Dispensaries at the close of the year. This excludes 6 S.I. Dispensaries in Delhi, housed in buildings owned by the Central Government/Delhi Administration.

1.10. The amount sanctioned as on 31-3-1972 towards Capital Construction Programme under the Scheme in indicated below:

Category of the Project	Amount sanctioned as on 31-3-1971	Amount sanctioned as on 31-3-1972
(a) Hospitals/Annexes/ Dispensries/Equipment and Staff quarters etc.	35,63,62,815-40	36,54,39,730-85
(b) Lone to the State Govt. of Maharashtra	4,00,00,000-00	5,34,00,000-00
(c) Grant-in-aid	1,00,00,000-00	1,00,00,000-00
(d) Offices/Staff quarters of the Corporation	3,03,44 507-39	3,08,92,109-76
	43,67,07,322-79	45,97,31,840-61

1.11. During the year under review, the Corporation disbursed about Rs. 2,113 lakhs by way of cash benefits. Payments towards the Corporations' Share of cost of medical benefits effected during the year amounted to about Rs. 1,703 lakhs. In addition Rs. 570 lakhs were paid during the year under report as Corporations' Share of past accumulated liabilities on account of medical benefit upto 1970-71.

1.12. The chart 'ESIC at a Glance' gives the progress made by the Corporation during the year 1971-72; figures have been arranged to show the position as on 31-3-69, 31-3-71 and 31-3-1972. The progress made in respect of certain important features of the Scheme during each of the three plan periods and during the periods 1966-69 and 1969-72 is also indicated in the chart 'ACHIEVEMENTS'.

2. PROGRESS IN IMPLEMENTATION

During the year under review, the Scheme was implemented in the following areas in the States mentioned below :

State	Place	Coverage
1	2	3
Andhra Pradesh	Natayapalem, Tadepally and Outskirts of Vijayawada. ..	Insured Persons and Families.
Assam	Area Outside Municipal Limits of Tinsukia. ..	Insured Persons and Families.
Bihar	Ramgarh ..	Insured Persons and Families.
Kerala	Pullur-Muriyad and Kayamkulam. ..	Insured Persons and Families.
Madhya Pradesh	Amali, Khandwa and Itarsi ..	Insured Persons and Families.
Maharashtra	Nasik Ichalkaranji Ballarpur and Dhulia ..	Insured Persons and Families.
Mysore	White Field, Kadugodi, Kadugoundanahalli, K.G.F., Dharwar, Bellary and Hospet. ..	Insured Persons and Families.
Punjab	Samadoo and Dhakanso Villages ..	Insured Persons and Families.
Tamil Nadu	Pottaneri-Nallagoundanpatti, Veerakkalpudur, Palani, Niekkarapatti, Usilampatti, Perumandi, Village, K.Y.M. Industries area, Somanur and Arasur. ..	Insured Persons and Families.

The numbers of additional employees covered during the year in the above areas was 51,300 and after taking into account the variation in the number of insured employees in the areas already implemented, the total number of employees as covered at the close of the year stood about 39,75,500. At the close of the year, the Scheme was in force in 318 centres in all the States and Union Territory of Delhi, Pondicherry and Chandigarh.

3. EXTENSION OF MEDICAL CARE TO THE FAMILIES OF INSURED PERSONS

During the year under report, Medical care was extended to about 28,600 family (I.P.) Units (i.e. about 82,350 additional beneficiaries) in the following States with effect from the date shown against each :

State	Area	No. of family (I.P.) Units as on 31-3-72	Date of extension
1	2	3	4
Andhra Pradesh	Tadepally Outskirts of Vijayawada.	Included in Tadepally 1,700	6-2-72 6-2-72
Assam	Area Outside Municipal Limits of Tinsukia.	Included in Tinsukia.	26-12-71
Bihar	Ramgarh	3,750	27-2-72
Kerala	Pullur-Muriyad Edamullakkal	2,100	23-1-72
		850	23-5-71
Madhya Pradesh	Kumhari	1,500	20-6-71
	Amlai	2,700	25-7-71
	Khandwa	2,350	15-8-71
	Itarsi	1,050	15-8-71
Maharashtra	Nasik	3,700	30-1-72
Mysore	White Field and Kadugodi	1,400	26-12-71
	Kadugoundanahalli (Bangalore Suburbs)	Included in Bangalore	6-2-72
	K. G. F.	3,400	26-3-72
Punjab	Samadoo and Dhakanso Villages (Suburbs of Rajpura)	Included in Rajpura	19-9-71
Tamil Nadu	Pottaneri-Nallagoundanpatti and Veerakkalpudur	1,750	29-8-71
	Palani and Niekkarapatti	1,700	26-9-71
	Usilampatti	650	26-9-71
	Perumandi Village	Included in Kumbakonam	28-11-71
	K. Y. M. Industries area	Included in Tirunelveli	28-11-71
TOTAL		28,600	

After taking into account the variation in the employment in the areas already covered, the total number of family (I.P.) Units included for family Medical care at the close of the year stood at about 42,95,350 (i.e. about 1,23,70,550 family members excluding the Insured Persons).

4. EXTENSION OF SCHEME

The Scheme was extended to the following areas in the different States on the dates indicated against each :

State	Area	Date of extension
(1)	(2)	(3)
Andhra Pradesh	Natayapalem	2.1.72
	Tadepally	7.11.71
	Outskirts of Vijayawada	7.11.71
Assam	Area Outside Municipal Limits of Tinsukia	26.9.71
Bihar	Ramgarh	28.11.71
Kerala	Pullur-Muriyad	24.10.71
	Kayamkulam	16.1.72
Madhya Pradesh	Amlai	25.4.71
	Khandwa	16.5.71
	Itarsi	16.5.71
Maharashtra	Nasik	31.10.71
	Ichalkaranji	30.1.72
	Ballarpur	27.2.72
	Dhulia	26.3.72
Mysore	White Field and Kadugodi	26.9.71
	Kadugoundanahalli	7.11.71
	K. G. F.	26.12.71
	Dharwar	16.1.72
	Bellary	26.3.72
	Hospet	26.3.72

State (1)	Area (2)	Date of Extension (3)
Punjab	Samadoo and Dhakanso Villages	20.6.72
Tamil Nadu	Pottaneri-Nallagoundanpatti and Veerakkaloudur	30.5.71
	Palani and Niekkarapatti	27.6.71
	Usilampatti	27.6.71
	Perumandi Village	29.8.71
	K. Y. M. Industries area	29.8.71
	Somanur and Arasur	30.1.72

COMMISSIONS, COMMITTEES AND CONFERENCES

5. CORPORATION

The E.S.I. Corporation held two meetings on 11 August 1971 and 18 February 1972. Important decisions arrived at these meetings are given in Appendix I.

6. STANDING COMMITTEE

The Standing Committee of the E.S.I. Corporation held two meetings on November 16, 1971 and February 17, 1972. Important decisions arrived at these meetings are given in Appendix-II.

7. MEDICAL BENEFIT COUNCIL

The Medical Benefit Council had only one meeting on 9 February, 1972. Important recommendations of the Council are given in Appendix III.

8. REGIONAL BOARDS

At the end of the year, Regional Boards were constituted in all the States except Punjab. The number of meetings of various Regional Boards held during the year is given below :

Name of the Regional Board (1)	Number and date of the meeting (2)	
Andhra Pradesh	1	4.5.71
Assam	1	4.9.71
Bihar	2	24.5.71 & 7.12.71
Delhi	1	6.5.71
Gujarat	2	29.11.71 & 10.12.71
Haryana	2	14.5.71 & 28.10.71
Kerala	4	5.4.71, 7.5.71, 22.7.71 & 22.11.71
Madhya Pradesh	2	5.5.71 & 28.8.71
Maharashtra	3	15.6.71, 2.9.71 & 25.11.71
Mysore	2	21.5.71 & 11.2.72
Pondicherry	3	15.5.71, 5.7.71 & 14.2.72
Orissa	1	24.2.72
Rajasthan	1	5.5.71
Tamil Nadu	3	25.4.71, 17.5.71 & 24.9.71
Uttar Pradesh	1	6.7.71
West Bengal	1	23.6.71

9. LOCAL COMMITTEE

Under Regulation 10-A of the E.S.I. (General) Regulations, 1950, 8 more Local Committees were constituted at the following places during the period under report :

Name of the Region	Area for which set up
1. Bihar	Gaya, Ranchi and Mokameh
2. Gujarat	Surat
3. Maharashtra	Amalner
4. Orissa	Jaykaypur
5. Tamil Nadu	Nellikuppam and Usilampatti

At the close of the year 166 Local Committees had been constituted throughout the country.

ADMINISTRATION

10. REGIONAL ORGANISATION

15 Regional Offices, 1 Sub-Regional Office, 263 Local Offices, 5 Sub-Local Offices, 47 Miniature Local Offices, 235 Pay Offices and 113 Inspection Offices were functioning in all the States and the Union Territories as on 31 March 1972.

11. STRENGTH OF STAFF

The total authorised strength of officers and staff (excluding D.M.D.'s office) in the Corporation as on 31 March 1972 was 7486 as against 7144 as on 31 March 1971. The staff authorised for Headquarters Office and various Regions as on 31 March, 1972 is shown in Appendix IV (Part I). The staff authorised for the office of the Directorate (Medical) Delhi, is shown in Part II of the said Appendix.

12. CONFIRMATION OF STAFF

The approval of the Central Government to the creation of permanent posts in Class I and Class II categories of staff for the year 1968-69 was received during the year and confirmation against these permanent posts is being made. The confirmation of staff against Class III and Class IV posts has also been made against permanent posts sanctioned from time to time in most of the Regions/Offices. Action is being taken for confirming the staff in rest of the offices.

13. PRINCIPAL OFFICERS

Shri V. R. Natesan relinquished charge of the post of Insurance Commissioner, Employees' State Insurance Corporation, with effect from the afternoon of 2 July 1971.

14. TRAINING OF LOCAL OFFICE MANAGERS AND INSURANCE INSPECTORS

Keeping in view the need and utility of training of staff, 2 training courses for Managers Grade II and Insurance Inspectors were held, one each at Bombay and Madras during the year under Report. The total number of officers trained during the year was 42.

15. PROGRESS TOWARDS INTEGRATION OF SOCIAL SECURITY SCHEME

Prof. N. N. Chatterjee, formerly Joint Secretary in the Ministry of Labour & Rehabilitation who had been appointed to examine the legal, administrative and organisational matters connected with the integration of Social Security Schemes has submitted a detailed blue print which is under consideration of the Central Government.

16. PUBLICITY

A number of talks and discussions in different languages were broadcast over various stations of All India Radio. Lectures were also delivered by the Officers of the Corporation to the workers and trainees at different centres. However, unlike the past when the benefits provided under the Scheme were being highlighted, the need to prevent misuse of the benefit provided under the Scheme by a certain section of the Insured population was stressed in such talks and lectures.

As a measure of educative publicity amongst the Insured Persons, to arrest the misuse of the Benefits under the Scheme, a Radio Spot was also introduced over the Commer-

cial Broadcasting Services of All India Radio, Calcutta to broadcast daily for a period of three months from 11 January 1972.

As the misuse of the Scheme has been on the increase, this problem has been engaging the attention of the Corporation. For this purpose, it has been decided to display suitable slogans at strategic places so as to educate the Insured Persons. In order to collect suitable slogans a Competition for slogans has been held amongst the employees of the Employees' State Insurance Corporation and the last date for receipt of slogans was extended to 31 May 1972.

Apart from the above, news items giving progress of the E.S.I. Scheme were published in many important Newspapers in English and Regional languages.

A close liaison continued to be maintained with all the parties concerned in order to ensure the smooth working of the E.S.I. Scheme. Doubts of employers, insured persons and Trade Union representatives who approached the Regional Offices/Local Offices were also removed and necessary guidance rendered.

17. TRAINING OF A FELLOW FROM MALAYSIA IN SOCIAL SECURITY IN INDIA

Shri S. Krishnapillai, Assistant Director for Labour (Malaysia), came to India for training under the Colombo Plan from 5-6-71 to 5-7-71. Necessary facilities for study and training in the E.S.I. Scheme were provided by the Corporation.

COVERAGE

18. NO. OF EMPLOYEES ETC. COVERED (Appendix V & VI)

Appendices V and VI give particulars regarding coverage under the Scheme. About 23,496 factories stood covered under the Scheme as on 31-3-72 as against 21,856 a year back. Of these, about 21,737 factories were in the implemented centres—the corresponding number last year being 20,217 and the remaining 1,759 factories in the areas yet to be implemented. The total number of employees in the implemented centres was about 39.75 lakhs; the number of employees in areas yet to be covered was about 6.16 lakhs. The number of insured persons entitled to medical treatment was about 43.44 lakhs and the number of family (insured person) units about 42.95 lakhs. In all, the total number of beneficiaries (including the insured persons) entitled to medical treatment on 31-3-72 was estimated at about 167.15 lakhs.

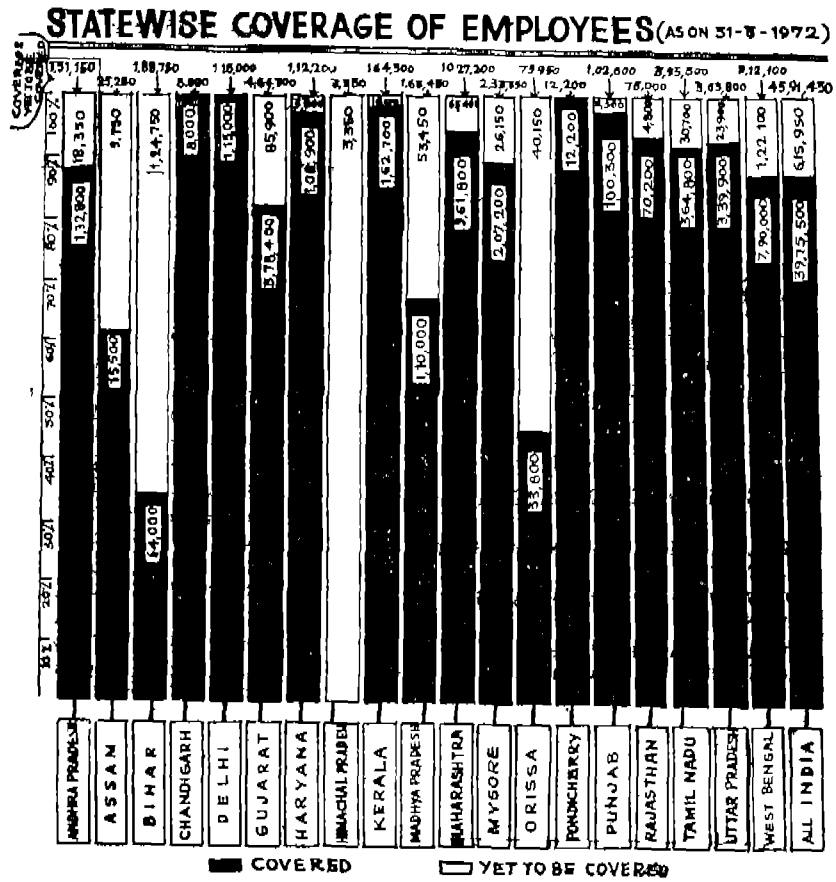

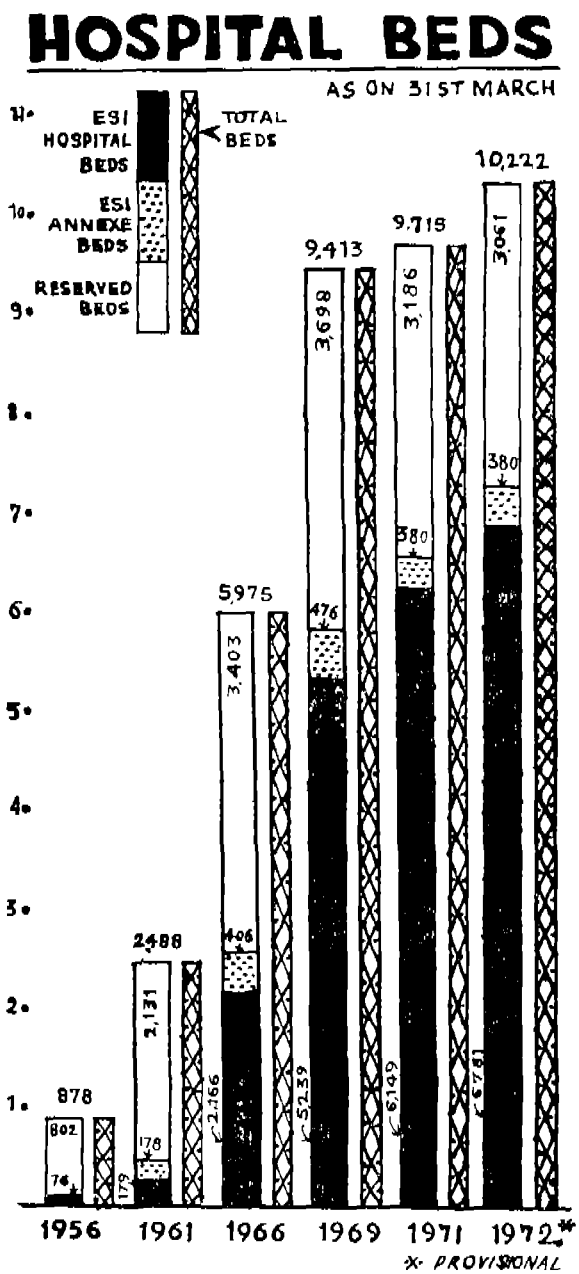

IMPROVEMENT IN THE STANDARD OF MEDICAL CARE

19. PROVISION OF HOSPITAL BEDS FOR IN-PATIENT TREATMENT

19.1. During the year 1971-72, 778 new beds were provided in the following E.S.I. Hospitals.

(i) ESI Hospital, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)	30
(ii) *ESI Hospital, Sirpur Kagaznagar (Andhra Pradesh)	30
(iii) *ESI Hospital, Vijaywada (Andhra Pradesh)	30
(iv) ESI Hospital, Delhi (Delhi)	150
(v) ESI Hospital, Mulund (Maharashtra)	100
(vi) ESI Hospital, Madurai (Tamil Nadu)	202
(vii) **ESI Hospital, Baltikuri (West Bengal)	116
(viii) ESI Hospital, Udyogamandal (Kerala)	120
TOTAL	778

* The hospitals were initially commissioned for 30 beds but now the bed strength has been raised to 60 in each hospital.

** The hospital was initially commissioned for 300 beds but now the bed strength has been raised to 416.

The total number of beds provided under the E.S.I. Scheme as on 31 March, 1972 was 10,257 the details of which are given at Appendix VII.

19.2. During the year under report, the average recurring cost per bed per day of E.S.I. Hospital was as under :

	Rs. Paise
1. E.S.I. Hospital, Hyderabad (Andhra Pradesh 210 beds)	22.74
2. E.S.I. Hospital, Sirpur Kagaznagar (Andhra Pradesh 60 beds)	16.13
3. E.S.I. Hospital, Warangal (Andhra Pradesh 30 beds)	18.22
4. E.S.I. Hospital, Vijayawada (Andhra Pradesh 60 beds)	21.25
5. E.S.I. Hospital, Adoni (Andhra Pradesh 25 beds)	14.48
6. E.S.I. Hospital, Visakhapatnam (Andhra Pradesh 30 beds)	17.75
7. E.S.I. Hospital, Maithon (Bihar 110 beds)	19.94
8. E.S.I. Hospital, Monghyr (Bihar 30 beds)	21.05
9. E.S.I. Hospital, Basaidara Pur, Delhi (Delhi 150 beds)	Not available
10. E.S.I. Hospital, Naroda, Ahmedabad (Gujarat 200 beds)	12.03
11. E.S.I. Hospital, Bapunagar, Ahmedabad (Gujarat 200 beds)	11.53
12. E.S.I. Hospital, Faridabad (Haryana 80 beds)	14.51*
13. E.S.I. Hospital, Jagadhari (Haryana 60 beds)	Not available
14. E.S.I. Hospital, Panipat (Haryana 15 beds)	9.00*
15. E.S.I. Hospital, Mulakunathukavu (Kerala 100 beds)	17.00*
16. E.S.I. Hospital, Asramam (Kerala 100 beds)	17.00*
17. E.S.I. Hospital, Alleppey (Kerala 55 beds)	17.00*
18. E.S.I. Hospital, Peroorkada (Kerala 50 beds)	17.00*
19. E.S.I. Hospital, Trichur (Kerala 60 beds)	17.00*
20. E.S.I. Hospital, Udyogmandal (Kerala 120 beds)	17.00*
21. E.S.I. Hospital, Indore (Madhya Pradesh 90 beds)	11.93
22. E.S.I. Hospital, Indore (Madhya Pradesh 40 beds)	15.90
23. E.S.I. Hospital, Ujjain (Madhya Pradesh 65 beds)	11.96
24. M.G.M. Hospital, Bombay (Maharashtra 642 beds)	22.89
25. E.S.I. Hospital, Worli, Bombay (Maharashtra 250 beds)	26.51
26. E.S.I. Hospital, Mulund, Bombay (Maharashtra 100 beds)	24.02
27. E.S.I. Hospital, Nagpur (Maharashtra 50 beds)	23.00
28. E.S.I. Hospital, Bangalore (Mysore 364 beds)	15.00
29. E.S.I. Hospital, Dandeli (Mysore 24 beds)	14.00
30. E.S.I. Hospital, Choudwar (Orissa 50 beds)	14.00
31. E.S.I. Hospital, Amritsar (Punjab 125 beds)	43.08
32. E.S.I. Hospital, Ludhiana (Punjab 80 beds)	20.70*
33. E.S.I. Hospital, Madras (Tamil Nadu 625 beds)	19.97
34. E.S.I. Hospital, Coimbatore (Tamil Nadu 300 beds)	19.26

35.	E.S.I. Hospital, Madurai (Tamil Nadu 202 beds)	20.00
36.	E.S.I. Hospital, Kanpur (Uttar Pradesh 212 beds)	15.14*
37.	E.S.I. Hospital, Kanpur (Uttar Pradesh 180 beds)	13.77*
38.	E.S.I. Hospital, Kanpur (Uttar Pradesh 144 beds)	Not available
39.	E.S.I. Hospital, Modinagar (Uttar Pradesh 100 beds)	17.94*
40.	E.S.I. Hospital, Sealdah (West Bengal 250 beds)	16.91
41.	E.S.I. Hospital, Kamarhati (West Bengal 175 beds)	15.15
42.	E.S.I. Hospital, Baltikuri (West Bengal 416 beds)	14.25
43.	E.S.I. Hospital, Serampore (West Bengal 166 beds)	15.93
44.	E.S.I. Hospital, Uluberia (West Bengal 166 beds)	20.40
45.	E.S.I. Hospital, Kalyani (West Bengal 266 beds)	19.07
46.	E.S.I. Hospital, Ballur-Bally (West Bengal 100 beds)	16.39

* Indicates approximate cost.

20. STATE INSURANCE DISPENSARIES AND CLINICS OF INSURANCE MEDICAL PRACTITIONERS (PANEL DOCTORS).

Particulars in respect of all dispensaries including part-time, Mobile and Employers' utilisation dispensaries, Insurance Medical Officers/Insurance Medical Practitioners, number of approved chemists and Medical Stores, as on 31-3-1972 are shown in Appendix-VIII.

21. SPECIALISTS SERVICES

The details of specialists available under the E.S.I. Scheme in various states at the end of the year under report are given in Appendix-VII (Cols. 13 and 14).

22. PROVISION OF ARTIFICIAL LIMBS TO INSURED PERSONS

During the year under report, seventy cases were admitted for fitting of artificial limbs. In all 587 insured persons had been or were being fitted or refitted with artificial limbs under the Scheme.

23. PROVISION OF ARTIFICIAL DENTURES

During the year under report, artificial dentures free of cost were provided to 7 insured persons who lost teeth due to employment injury. In all 41 insured persons had been provided with artificial dentures so far under the Scheme.

24. PROVISION OF SPECTACLES

During the year under report spectacles free of cost were provided to 8 insured persons who suffered from loss of vision due to employment injury.

PROVISION OF MEDICAL BENEFIT

25. ATTENDANCES AT DISPENSARIES AND HOSPITALS AND HOME VISITS (Appendix-IX).

25.1 Statistics relating to (a) the attendances per annum per 1000 insured persons and also per 1000 family (insured person) Units, (b) the number of home visits in respect of insured persons and families and (c) the number of cases (i) admitted in hospitals and (ii) referred for specialist investigations in respect of insured persons are given in this Appendix. These figures are based on returns furnished primarily by the dispensaries and panel practitioners. For working out the rates of medical attendances, the number, of insured persons/family (insured person) units attached to the reporting dispensaries/clinics only are deemed to be "exposed".

25.2 During the year under report, the All India rate of new attendances per 1000 insured persons increased from 3,158 in 1970-71 to 3,398 ; the number of old attendances per 1000 insured person has also registered an increase from 6,977 in 1970-71 to 7,391. This year the proportion of old attendances to new has been 2.18 as against 2.21 experienced in 1970-71. This indicates, prima facie that the period requiring medical treatment may have been comparatively smaller. The incidence, of Sickness as measured by the rate of new attendances has, however, slightly increased.

25.3 The All India rate of new attendances per 1000 Family Units decreased from 3,308 in 1970-71 to 3,290 ; the number of old attendances per 1000 family units has also registered an increase from 7,189 in 1970-71 to 7,357. The proportion of old attendances to new has also increased slightly from 2.17 during 1970-71 to 2.24 during 1971-72. Thus in the case of members of family of insured persons, there has been a slight increase in the incidence of sickness requiring medical treatment and the period requiring medical treatment has also shown a slight increase.

25.4 The over-all State-wise incidence, during the year of the combined 'New' and 'Subsequent' attendances, in dispensaries, in respect of insured persons (columns 2 and 3 below) and their family members (columns 4&5 below) is given below. These figures reflect broadly the incidence pattern of outpatient treatment in the respective States:—

State	Total No. of visits to dispensaries per 1000 insured persons		Total No. of visits to dispensaries per 1000 family (insured persons) units	
1	2	3	4	5
	1970-71	1971-72	1970-71	1971-72
Andhra Pradesh	17,713	15,080	22,219	19,823
Assam . .	6,679	5,099	3,877	2,667
Bihar . .	8,738	8,224	12,246	11,286
Chandigarh .	10,243	9,204	3,937	3,372
Delhi . .	9,584	8,496	10,601	9,356
Gujrat . .	10,212	10,060	13,816	13,303
Haryana . .	6,885	8,685	6,567	7,590
Kerala . .	11,628	11,139	9,137	9,760
Madhya Pradesh	16,132	16,652	22,900	22,33
Maharashtra .	11,669	11,781	6,807	6,954
Mysore . .	11,147	11,776	13,102	15,045
Orissa . .	8,575	7,902	7,981	8,104
Pondicherry & Maho	20,370	18,770	9,333	9,537
Punjab . .	9,475	8,881	8,958	8,427
Rajasthan . .	11,187	10,877	13,163	12,264
Tamil Nadu .	13,142	13,954	13,991	14,211
Uttar Pradesh .	8,571	7,598	8,590	9,347
West Bengal .	5,637	8,365	6,691	5,511
ALL INDIA .	10,135	10,789	10,496	10,647

25.5 The total number of home visits in respect of insured persons has increased by about 62 per cent compared to that in 1970-71. In respect of families, there is a decrease of about 8%. The incidence of home visits as measured by the number of visits per 1000 insured persons has shown an increase from 85 in 1970-71 to 142 in 1971-72.

25.6 Column (5) of the Appendix indicates the number of cases admitted in hospitals and column (6) the number of cases referred to specialists for investigation. The total number of cases admitted in hospitals has shown an increase from 1,30,457 in 1970-71 to 1,33,161 in 1971-72. The number of cases referred for specialist investigation has also registered an increase from 8,60,318 in 1970-71 to 8,82,131 in 1971-72.

26. SICKNESS PATTERN (Appendix-X)

26.1 Information on the sickness pattern for the country as a whole, expressed as the 'number of new cases per 1000 insured exposed', is indicated in this Appendix for each of the 51 cause groups, separately for the insured workers and the members of their family.

26.2 The incidence rates for all cause groups taken together is higher in 1971-72 than in 1970-71 in respect of insured persons but the same has declined in respect of their families. For every spell in respect of an insured person, their has been this year 0.968 fresh spell in respect of the member of the family of an insured person, as against 1.047 in the year 1970-71. When it is born in mind that as against one insured person, there are 2.88 family members, the incidence of morbidity, as measured by incidence of new cases, continues to be lower among members of the family of the insured persons when compared with the insured persons themselves.

26.3 Cause group-wise incidence of sickness in respect of insured persons bears a close resemblance to the corresponding rates experienced by members of the family of insured persons for almost all the diseases listed. However, wide deviation in incidence in a few cause-groups only, bring out in high relief the pecular ailments to which the particular group (viz. Insured Persons or families) is comparatively more prone to.

OTHER MATTERS RELATING TO MEDICAL BENEFIT

27. MEDICAL SERVICES AND ALLOCATION COMMITTEES.

The details of the work done by the Committees are indicated in Appendix-XI.

28. MEDICAL REFEREES

The following is a detailed statement of full-time and part-time Medical Referees posted at the end of the year for duties in the respective states :

S. No.	Name of the State	No. of Medical Referees	
		Part time	Full time
1	2	3	4
1.	Andhra Pradesh	13	..
2.	Assam	3	..
3.	Bihar	5	..
4.	Chandigarh Administration	..	
5.	Delhi	..	1
6.	Gujarat	12	2
7.	Haryana	10	..
8.	Kerala	10	..
9.	Madhya Pradesh	13	..
10.	Maharashtra		
	(a) Greater Bombay	..	5
	(b) Nagpur Area	6	..
	(c) Western Maharashtra	2	1
11.	Mysore	7	1
12.	Orissa	6	..
13.	Pondicherry	1	..
14.	Punjab	10	..
15.	Rajasthan	9	..
16.	Tamil Nadu	..	3
17.	Uttar Pradesh	17	1
18.	West Bengal	7	7
	TOTAL	131	21

29. EXPENDITURE ON THE PROVISION OF MEDICAL BENEFIT-PAYMENT AUTHORISED TO STATE GOVERNMENTS

During the year under report, a sum of Rs. 21,80,01,913.49 paise as detailed in Appendix-XII was authorised by the Corporation for the payment to the State Governments against their share of expenditure on the provision of Medical Benefit under the E.S.I. scheme. The break up of the above amount is as under :—

	Rs. P.
1. Final payments for 1964-65	8,48,951.19
2. Final payments for 1965-66	70,194.06
3. Final payments for 1966-67	2,64,832.97
4. Final payments for 1967-68	24 62,130.24
5. "On Account" payments for 1968-69	67,00,000.00
6. Final payments for 1968-69	16,84,297.64
7. "On Account" payments for 1969-70	1,82,50,000.00
8. Final payments for 1969-70	1,53,22,507.39
9. "On Account" payments for 1970-71	1,14,20,000.00
10. "On Account" payments for 1971-72	16,09,79,000.00
TOTAL	21,80,01,913.49

30. MEASURES FOR CONTROL OVER EXPENDITURE ON MEDICAL BENEFIT

With a view to check the high incidence of absenteeism due to sickness and temporary disablement, the Insurance Medical Practitioners in Greater Bombay and West Bengal have been asked to maintain date-wise record of certificates issued and submit monthly return to the Regional Dy. Medical Commissioner for talking appropriate action. The State Govts. of the States where service system is in force and incidence of absenteeism high have been requested to take similar measures as have been taken in areas where panel system is in force. The Medical Referees have also been advised to tighten the inspection of ESI Dispensaries and clinics of the Panel Doctors.

2. The Corporation has entered into the Rate Contract with manufacturers of drugs in respect of 109 medicines, injection and drugs during the years under report. The rate Contracts have been communicated to the State Governments.

31. AGREEMENT BETWEEN THE STATE GOVT. AND THE ESI CORPORATION UNDER SECTION 58 (3) OF THE E.S.I. ACT, 1948

S. No.	Name of the State Govt. with whom negotiations are still going on for agreement	Latest action taken or proposed to be taken
1.	Govt. of Gujarat	Draft agreement deed from the State Govt. is still awaited.
2.	Govt. of Uttar Pradesh	The matter is still under consideration between the State Government and the Corporation.
3.	Govt. of Maharashtra	Agreement on almost all the clauses of Agreement has been arrived at and final draft is under consideration.

IMPROVEMENT IN SERVICE TO INSURED PERSONS

32. EFFICIENCY IN THE WORKING OF LOCAL OFFICES

The ledger system which was introduced to replace the benefit-file system was further extended during the year under report bringing the total number of Local Offices under ledger system to 248.

The 'Teller system' as on 31 March 1972 was in force in 44 Local Offices out of the 45 Local Offices selected for the experiment. The result, of the limited experiment have so far been encouraging.

33. IMPROVEMENTS IN THE CASH BENEFIT

33.1 Speedier payments have now been ensured by reducing the statutory time-limits for payment of various benefits under the E.S.I. Scheme. Regulation 52(i) has been amended so that (a) Sickness Benefit is paid not later than 7 days, (b) Funeral Benefit is paid not later than 15 days, (c) the first payment of maternity benefit is paid not later than 14 days, (d) first payment of Temporary Disablement Benefit is paid not later than one month, (e) first payment of permanent disablement benefit is paid not later than one month and (f) first payment of Dependant Benefit is paid not later than 3 months. These are the maximum time limits and most payments are made well within the limits.

33.2 Delay sometimes occurs in arranging the final payment of the commuted value of permanent disablement benefit where the beneficiary has no documentary evidence of age. To remedy this, the medical boards are now being required to indicate the likely age of an insured person at the time of assessment of his permanent disblement. This age operates only where the insured person cannot otherwise submit a satisfactory proof of his age.

33.3 In all the hard cases of disablement where the estimated disablement is likely to be more than 25% immediate cash relief is afforded in the form of provisional payments upto 75% of the benefit estimated to be due by authorising payment straightway in anticipation of regular assessment in due course by the medical board. Necessary adjustment of dues is effected subsequently when the award of the medical board is known. The operation of this procedure has been extended upto 30 September 1972.

34. OTHER IMPROVEMENTS

34.1 Payment of benefit due to an insured person at the time of his death normally made to his legal heirs, in the absence of any nomination, on production of a succession certificate, if the payment is above Rs. 100/-. The requirement of the succession certificate has now been dispensed with and payment is now authorised upto Rs. 500/- to the legal heirs merely on production of an indemnity bond with one surety of like amount.

34.2 Protection from discharge from service is guaranteed by law to insured persons suffering from long-term diseases. This protection has been extended upto 18 months in cases of diseases mentioned below :—

1. Tuberculosis
2. Leprosy
3. Mental diseases
4. Maligant diseases
5. Paraplegia
6. Hemiplegia
7. Chronic congestive heart failure
8. Immature cataract with vision 6/60 or less in the affected eye; and upto 12 months in case of the following diseases :—
   1. Bronchiectasis and lung abscess
   2. Myocardial infarction
   3. Parkinson's disease
   4. Dislocation and prolapse of intervertebral disc
   5. Aplastic anaemia
   6. Gangerene and its sequale due to peripheral vascular diseases.
   7. Ankylosing spondylitis
   8. Cirrhosis of liver with ascites
   9. Fracture of lower extremity
   10. Detachment of retina

CASH BENEFITS

(Appendix XIII to XV)

35. NUMBER OI CASH BENEFIT PAYMENT (Col. 4 of Appendix-XIII)

35.1 Cash Benefits are at the Local/Miniature/Sub-Local/Pay Offices set up the Corporation in different areas. The number of such offices was about 555 on 31 March, 1972 as against 535 a year earlier.

35.2 The total number of cash benefit payments made in each State during the years 1970-71 and 1971-72 is shown in column 4. In all, about 58.38 lakhs payments (including 8,191 claims relating to lump-sum payments in respect of requests for commutation of permanent disablement claims) were effected during the year 1971-72. These were about 1.48 lakhs less than those during the preceding year. On the average, about 4.87 lakhs payments were effected every month as against 4.99 lakhs payments during 1970-71. The number of payments per employee during 1971-72 works out to 1.54 against 1.66 during 1970-71.

36. SICKNESS BENEFIT (Col. 3 and 6 to 8 of Appendix-XIII)

36.1 As a result of the implementation of the benefit provisions of the Scheme in new centres between 1 July, 1970 and 30 June, 1971 and also dje to the increase in employment in the already implemented areas, an additional 1,88,550 employees became eligible for sickness benefit during the year under report. The total number of employees entitled to claim sickness benefit during 1971-72 is estimated at 37.88 lakhs as against 35.99 lakhs last year (vide column 3).

36.2 During the year, an amount of Rs. 1,369.64 lakhs was paid as sickness cash benefit as against Rs. 1,371.01 lakhs in 1970-71. The decrease is principally due to the decrease in the number of sickness benefit days per annum per employee.

36.3 The average number of fresh spells per employee has decreased from 1.07 in 1970-71 to 0.97 in 1971-72, further the average number of benefit days per annum per employee has also shown decrease from 9.5 in 1970-71 to 8.4 in 1971-72. The amount of daily rate of benefit per employee has, however, registered an increase from Rs. 4.00 to Rs. 4.31 due, perhaps, to an increase in the average wage rate of the employees as also presumably to a shift in the incidence of sickness in relation to wage-groups.

36.4 As in the preceding years this year also witnessed wire varlations among the State interse in respect of incidence and duration of sickness benefit claims. The Director General has, however, been keeping continuous watch over the duration of sickness claims at various centres. The relevant statistics received at the Headquarters every month are analysed periodically, and any abnormal variation in the trend in any centres is taken up with the Regional Directors and Administrative Medical Officers with a view to enable them to take suitable and prompt remedial measures whenever necessary and wherever possible.

37. EXTENDED SICKNESS BENEFIT (Col. 9 and 10 of Appendix-XIII)

37.1 Insured Person suffering from certain specified diseases e.g. tuberculosis, leprosy, mental and malignant diseases etc. are eligible for extended sickness cash benefit at a rate equal to full sickness benefit rate, for an extended period beyond 56 days of sickness benefit.

37.2 For the year 1971-72 a su mof Rs. 104.55 lakhs was paid to insured persons on this account as against Rs. 100.87 lakhs in the previous year. The increase is accounted for by an increase in the coverage and presumably by an increase in the wages as also a shift in the incidence in relation to wage-groups.

37 3 The incidence of extended sickness benefit claims expressed as the number of claims per 1000 employees exposed

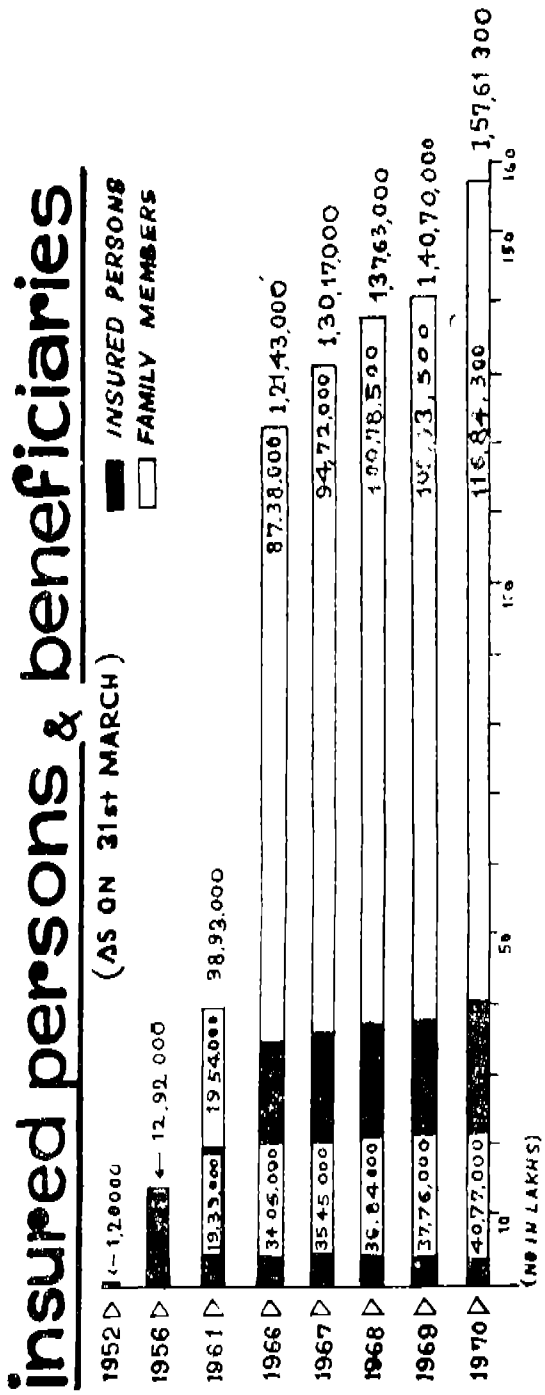

to risk and also the duration of terminated claims are shown for the year 1971-72 and 1970-71 in column 9 and 10.

38. MATERNITY BENEFIT (Cols. 11 and 12 of Appendix-XIII)

38.1 The number of women employees eligible for maternity benefit has increased from 2,49,800 in 1970-71 to 2,59,650 in 1971-72. The total amount paid as maternity claims was Rs. 64.54 lakhs, as against Rs. 60.23 lakhs in 1970-71. The average amount of cash benefit per maternity claim has increased from Rs. 388 in 1970-71 to Rs. 427 and this is possibly due to an increase in the average wages as also to a shift in the incidence of confinement viz-a-viz wage group.

38.2 The number of claims per 1000 insured women employees has decreased from 62.2 in 1970-71 to 58.2 in 1971-72 due possibly to variations in the age and marital status of the female employees as also the effect of family planning programme.

39. TEMPORARY DISABLEMENT BENEFIT (Cols. 3 to 6 of Appendix-XIV)

39.1 During the year 1971-72 the number of employees exposed to employment injury was 38.98 lakhs as against 37.52 lakhs during 1970-71 (vide col. 3). The sum paid as temporary disablement benefit during 1971-72 was 302.27 lakhs as against Rs. 289.90 lakhs in 1970-71. The average number of fresh spells, the number of benefit days per annum per employee and the average benefit rate are 0.09, 1.54 and Rs. 5.04 respectively as against the corresponding figures of 0.10, 1.67 and Rs. 4.64 in 1970-71 (vide cols. 4 to 6). The average duration per spell has increased from 16.41

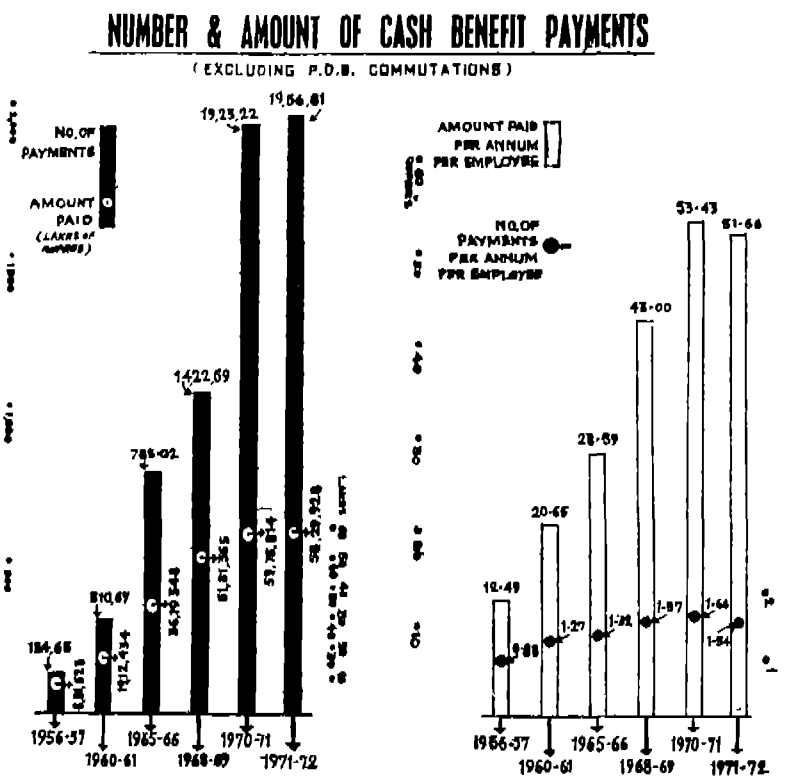

to 16.50. As in the last year, this year also recorded variations in different States in the incidence and duration of these claims.

39.2 There had been an alarming increase in the incidence of Temporary Disablement Benefit in West Bengal last year as measured by the rate of fresh spells per annum per employee; as well as the number of benefit days per annum per employee; the former decreased from 0.25 in 1970-71 to 0.22 in 1971-72 and the latter from 4.49 in 1970-71 to 4.05 in 1971-72.

40. PERMANENT DISABLEMENT BENTFIT (Cols 7 to 10 of Appendix XIV)

40.1 The number of fresh cases admitted during the year 1971-72 was 10,985 as against 13,928 during the previous year. The incidence per 1000 insured employees decreased to 2.82 from 3.71 in 1970-71. The States of Assam, Gujarat & Punjab have experienced a comparatively high incidence.

40.2 The number of claimants on the Fund increased from 30,031 at the beginning of the year to 32,764 at the l (vide column 10). The actual amount disbursed as benefit was Rs. 205.60 lakhs (including the commuted lump-sum of Rs. 128.38 lakhs) as against Rs. 199.88 lakhs (including the commuted amount of Rs. 132.06 lakhs) in 1970-71.

40.3 The capitalised value of Permanent Disablement Benefit Claims in resect of fresh cases admitted during the year was Rs. 288.90 lakhs as against Rs. 316.94 lakhs in 1970-71. The Permanent Disablement Benefit Reserve Fund stood at Rs. 782.45 lakhs at the close of the year, the corresponding amount at the beginning of the financial year being Rs. 735.91 lakhs.

40.4 The number of claimants to permanent disablement benefit who have opted for receipt of commuted value in lieu of periodic payments had decreased from 10,590 in 1970-71 to 8,191 in 1971-72.

41. PERMANENT DISABLEMENT BENEFIT CLAIMS (Appendix XV)

41.1 Analysis of 10,985 cases of permanent disablement admitted during the year was made according to (a) the main groups of industry and (b) the incidence of claims per 1000 employees exposed industry-wise. As in the last year, the highest number of accidents was recorded in 'textiles' followed at a distance by 'engineering' and 'metallic minerals'. The incidence is rather high in 'textiles'; and low in 'non-metallic minerals'. From a comparison of the corresponding incidence for the year 1970-71, it appears that the incidence has gone down in all the industries this year and a significant decrease has been noticed in 'Transport', 'Metallic Minerals' and 'Non-Metallic minerals'.

41.2 The average degree of permanent disablement experienced was 9.81 per cent as against 10.14 per cent for the year. The largest number of accidents occurred in the eighth wage group i.e. between the daily wages of Rs. 8/- and Rs. 15/-.

41.3 The number of Permanent disablement benefit cases that arose among women employees is only 127. The incidence is low presumably because women are not generally employed on hazardous occupations, duties etc.

42. DEPENDANTS' BFNEFIT (Col. 11 and 12 of Appendix XIV)

42.1 The number of fresh claims admitted for dependants' benefit during the year under review decreased from 374 in 1970-71 to 373 (vide columns 11 and 12). Compared to the previous year, the incidence is lower. The total number of dependants admitted during the year was 1,090.

42.2 The category-wise distribution of all the dependants as at the beginning and end of the year is as follows :—

Description	As on 31 March	
	1971	1972
Widow	2,405	2,681
Son and Daughter	4,108	4,521
Father	255	314
Mother	379	450
Other Dependant Children . . .	254	308
Total	7,401	8,274

42.3 The amount paid as dependants benefit has increased from Rs. 25.54 lakhs in 1970-71 to Rs. 30.59 lakhs in 1971-72. The capitalised value in respect of dependants' benefit claims admitted during the year was Rs. 66.69 lakhs as against Rs. 66.59 lakhs in 1970-71. The Dependants' Benefit Reserve Fund stood at Rs. 343.77 lakhs on 31 March, 1972 as against Rs. 315.74 lakhs on 31 March, 1971.

CONTRIBUTIONS AND ENFORCEMENT

43. INCOME FROM CONTRIBUTIONS

The rates of the contributions continue to be the same as in the previous year viz. (i) Employer's Special Contribution in implemented area at the rate of 4 per cent of the total wage bill in respect of covered employees. (ii) Employer's Special Contribution in non-Implemented area at the rate of 3/4 per cent of the total wage bill in respect of coverable employees, (iii) Employee's Contribution approximately 2½ per cent of the employees wages. The total amount collected during the year was Rs. 3,334.81 lakhs as Employer's Special Contribution and Rs. 1,770.05 lakhs as Employees Contribution as against Rs. 2,955.07 lakhs and Rs. 1,649.67 lakhs respectively collected during the previous year.

44. MODE OF COLLECTION OF CONTRIBUTIONS

The mode of collection of contributions, Employer's Special Contribution and Employee's Contribution, remained unchanged. In all 55-new licences were issued during the year under report for the use of franking machine for franking contribution cards. The total number of licences issued till the end of the year was 670 as against 615 at the end of the last year.

45. INSPECTION

During the year under report, the progress of the Inspection work continued to be under close watch of the Headquarters Office. The Inspectors continued to provide guidance and training to employers and their staff in maintaining records and complying with the various provisions of the E.S.I. Act and Regulations.

At the end of the year, there were in all 173 Insurance Inspectors. The total number of inspections carried out during the year 1971-72 was 20,642.

46. EMPLOYEES INSURANCE COURTS

The following Employees' Insurance Courts were set up during the year 1971-72 under Sec. 74 of the E.S.I. Act, 1948 in the implemented areas.

EMPLOYEES' INSURANCE COURTS SET UP UNDER THE EMPLOYEES' STATE INSURANCE ACT

Name of the State	Areas for which E.I. Court set up	Presiding Officer of the court on whom the powers to Act as E.I. Court have been conferred
1	2	3
Maharashtra	(1) Municipal limits of Jalgaon town.	Joint Civil Judge (Senior Division)
	(2) The revenue village Mehrun and	Jalgaon
	(3) Revenue Survey Nos. 191 and 192 of village Pimpralo and 75 and 77 of Village Nemkhedi in Taluka and Distt. Jalgaon.	
Mysore	Municipal limits of Hassan Town and its village Aduvalli, Boovankalli Guddenavalli, Channapatna and Doodnandiganahalli in Distt. Hassan.	District Judge, Hassan

47. LEGAL ACTION

The amount involved in respect of court cases instituted during the year as also the amount recovered under various Section of the E.S.I. Act is shown region-wise in Appendix XVI.

BUDGET & FINANCE

48. FINANCIAL AND ACCOUNTING ARRANGEMENTS

48.1 The Revised Estimates for the year 1971-72 and Budget Estimates for the year 1972-73 were adopted by the Corporation at its meeting held on 18 February, 1972 and approved by the Central Government on 24 March, 1972. These were laid on the table of the Lok Sabha and Rajya Sabha on 25th May, 1972 and 26th May, 1972 respectively.

48.2 The audit of the accounts of the Corporation has been entrusted by the Central Government to the Accountant General, Central Revenues, New Delhi in consultation with the Comptroller & Auditor General of India. The former conducts the audit through the respective State Accountants General acting as Sub-Audit Officers. The consolidated Audit Report is prepared by the Accountant General, Central Revenues. The consolidated Audit Report for the year 1969-70 in respect of the accounts of E.S.I. Corporation was forwarded by the A.G.C.R. to the Central Government on 1 March, 1972 and the same was received in the E.S.I. Corporation on 14 March, 1972. The Audit Report together with audited statement of accounts of the E.S.I. Corporation for the year 1969-70 after being placed and adopted in the meetings of the Standing Committee and Corporation will be forwarded to the Ministry of Labour & Rehabilitation for being placed on the tables of Lok Sabha and the Rajya Sabha.

49. BANKING ARRANGEMENTS

Twenty banking accounts were opened against two closed down during the year for the offices of the Corporation with the branches of the State Bank of India, its subsidiaries and with Nationalised Banks. The total number of Bank Accounts with these Banks stood at 376 as on 31 March, 1972.

Arrangements for the sale of E.S.I. Contribution Stamps were made with 13 more branches of the State Bank of India and its subsidiaries. The total number of branches handling the sale of contribution stamps was 320 as on 31 March, 1972.

A new account styled as Account No. 1. Central has been opened with the State Bank of India New Delhi w.e.f. 1 Sept. 1971 into which all balances exceeding Rs. 10,000/- held in the collection accounts of the Regions are automatically transferred every week. From this account, the payment accounts of the Regional and Local Offices are fed telegraphically. The funds in excess of immediate requirements are invested in terms Deposits with the State Bank of India. This arrangement, besides, ensuring the timely remittance of funds to the Regional and Local Offices, has enabled the Corporation to earn interest amounting to Rs. 32.46 lakhs during the year.

50. INVESTMENTS

There was no investment in General Cash Balance at the beginning of the year. During the year investments aggregating Rs. 28,90,07,800/- were made in Term Deposits of the State Bank of India out of which Rs. 26,64,00,000/- were realized, thus, leaving a balance of Rs. 2,26,07,800/- as investment in General Cash Balance at the end of the year.

The total investments under the various Reserve Funds and General Cash Balance as on 31 March, 1972 stood at Rs. 21,62,23,235.49 as against Rs. 16,06,92,389.33 at the beginning of the year.

Details of the investments are given below :—

	As on 1-4-1971	As on 31-3-1972
	Rs.	Rs.
1. Securities of Central and State Govts. in India	8,65,78,909.33	7,23,28,655.49
2. 12-year postal certificates .	63,17,300.00	56,79,300.00
3. Fixed Deposits with the State Bank of India, New Delhi . .	6,77,96,180.00	13,82,15,280.00
TOTAL . .	16,06,92,389.33	21,62,23,235.49

51. INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT AND BALANCE SHEET

The Income and Expenditure Account for the year 1970-71 and the Balance Sheet of the Corporation as on 31 March, 1971 are given in Appendices XVII and XVIII respectively. These have been audited by the External Auditors but the audit certificate is still awaited from the Accountant General, Central Revenues.

The Income and Expenditure Account for the year 1971-72 and the Balance Sheet of the Corporation as on 31st March, 1972 are given in Appendices XIX and XX respectively. These have also been audited by the External Auditors, but the audit certificate is awaited.

52. RELATIVE COST OF ADMINISTRATION

The Statement at Appendix XXI shows the relative cost of administration since the year 1966-67. The comparative cost of administration during the past five years (1967-68 to 1971-72), judged with reference to the cost of benefits, amount of revenues collected and the ratio of E.S.I.C. staff to insured employees and the number of cash benefit payments is indicated below :—

	1967-68	1968-69	1969-70	1970-71	1971-72
No of cash benefit payments per E. S. I. C. Employee.	721	774	800	838	780
Contributions collected per E. S. I. C. employee.	Rs. 40,839	Rs. 48,357	Rs. 53,459	Rs. 64,456	Rs. 68,192
Ratio of Administrative expenditure to total benefits.	12.02%	11.39%	11.19%	10.14%	12.51%*
Ratio of administrative expenditure to total contribution.	11.01%	9.96%	10.25%	8.08%	9.35%
Ratio of E. S. I. C. staff per 1 lakh insured employees.	188	194	186	190	192

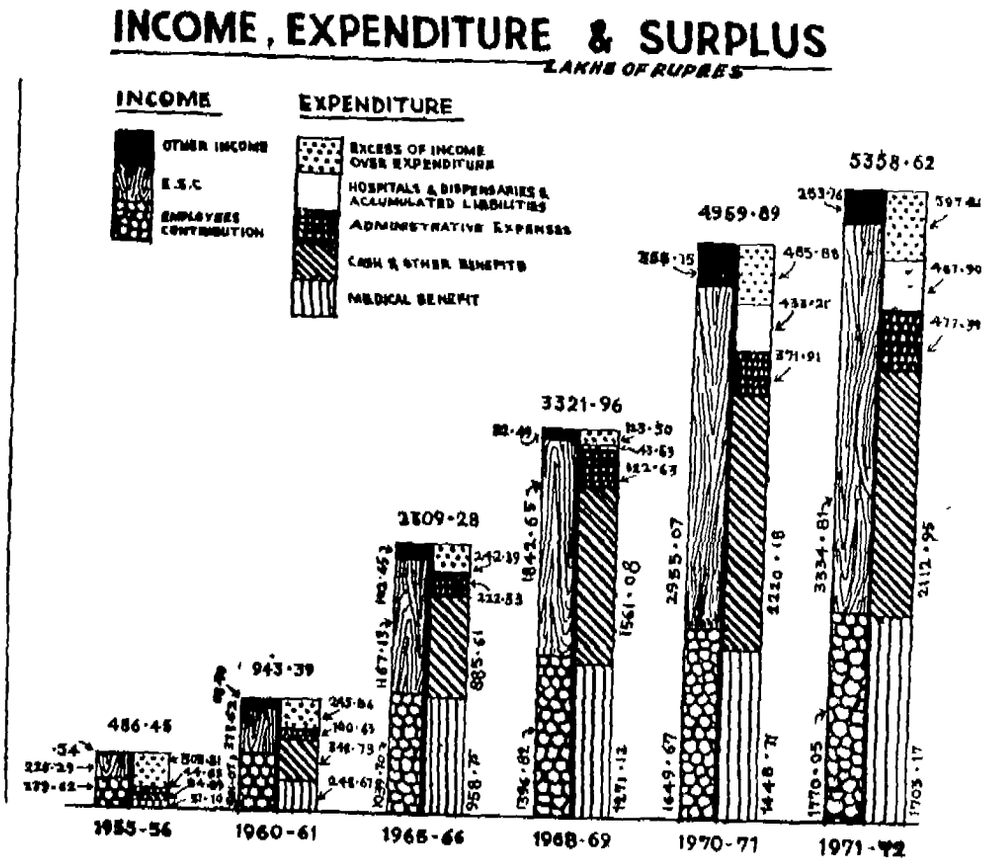

It will be observed that the revenue collected have increased progressively from year to year and were the highest in the year under report. As a result of some administrative measures taken in West Bengal and Maharashtra, the number of cash benefit payment, which had abnormally gone up in the past year, have shown a downward trend.

*Higher administrative expenditure was recorded due to the fact that a deficit of Rs. 76,04,575 for the past year as recommended by the Valuer was made good in Pension Reserve Fund in addition to the normal annual contributions. Exclusive of this provision, the percentages would work out to 10.51 and 7.86 respectively.

DEFINITION OF THE TERMS 'EMPLOYEES' INSURED PERSONS, AND 'BENEFICIARIES' :—

(a) The number of the 'employees' as on a specified date is the estimated number of effective posts in the factories covered under the scheme. This would broadly represent the average number of employees per day employed by the factories round about that date and normally may not vary significantly from the number of employees actually employed on that date. It should, however, be noted that the actual number of persons who have occupied a particular sanctioned post during a period may be more, in as much as a leave reserve or badli worker may have officiated temporarily during absence, leave etc. of a regular worker.

(b) The number of 'insured persons' on any date indicates for purposes of this Report, the number of persons who may be deemed to be entitled to medical benefit on such date. Further, the number of insured persons' on any day would normally be in excess of the number of 'employees' as on that day because, under the eligibility conditions for medical benefit under the Act the persons entitled to medical benefit on any day would comprise not only the persons actually employed on that day but also the ex-employees, who by virtue of the contribution conditions during the period earlier to that would be entitled to such benefit on that date.

(c) The total number of 'beneficiaries' on any date represents all the persons who may be deemed to be entitled to medical benefit under the Scheme on that date. It comprises the 'insured persons' and where medical benefit has been extended to families of insured persons, the member of their families. The total number of members of the family of insured persons (not including the insured person) is arrived at by assuming an average of 2.88 members. for each 'insured person'.

APPENDIX I

Important decisions taken by the Employees' State Insurance Corporation during the year 1971-72

(i) 11 August, 1971.

1. The Corporation elected its following members to be members of the Standing Committee :—

1. Shri Madanmohan Mangaldas	Employer' representatives
2. Shri R.N. Joshi	-do-
3. Prof. V.B. Kamath	-do-
4. Shri R. Rongasamy	Employees' representative
5. Shri T.N. Sidhanta	-do-
6. Shri Ram Desai	-do-
7. Dr. J. Majumdar	Representative of Medical Profession
8. Shri Raja Kulkarni	Member of Parliament

2. The Corporation considered the Report of the Sub-Committee on legislative and other measures suggested to deal with the problem of alarming rise in Temporary Disablement Benefit in West Bengal. It decided that while it was not desirable to withdraw or curtail cash benefits under the law already enjoyed by insured workers the dangerous trend of expenditure should be effectively checked. For this purpose suitable regulatory measures should be taken. It also decided that the position should be reviewed from time to time by the Regional Board and State Governments.

3. The Corporation considered the representation from the Insurance Medical Practitioners under the E.S.I. Scheme regarding the increase in the rate of the capitation fee and decided that the matter may be left to be finally decided by the Chairman of the Corporation. The Chairman of the Corporation in his decision has recommended the increase in the capitation fee from Rs. 20/- to Rs. 25/- per Insured Person family unit per annum.

4. The Corporation decided that the surplus beds in the the State Governments for the exclusive use of the beneficiaries of the Scheme provided that the State Governments under-took to bear full financial liability for equipping the surplus beds and for meeting the revenue expenditure on account of commissioning of these beds over and above the ceiling laid down by the Corporation.

(ii) 18 February, 1972.

1. The Corporation finally adopted an addition to Regulation 76-B(5) as a result of which more expeditious settlement is assured of commuted value of premanent disablement benefit where an insured person has no independent proof of his own age. The Medical Board are now required to indicate the likey clinical age of an insured person also while assessing his residual permanent disablement. This age operates while calculating the amount due and payable to the beneficiary on account of commuted value of his permanent disablement.

2. The Corporation finally adopted substitution of Regulation 98(iii) of the E.S.I. (General) Regulations, 1950 so as to provide for protection against discharge or reduction of an employee under treatment for certain specified long term diseases as under :—

(a) upto eighteen months in case of diseases in Group 'A' mentioned below, and

(b) upto twelve months in case of diseases in Group 'B' mentioned below :—

Group 'A'

1. Tuberculosis
2. Leprosy
3. Mental diseases
4. Malignant diseases
5. Paraplegia
6. Hemiplegia
7. Chronic congestive heard failure
8. Immature cataract with vision 6/60 or less in the affected eye.

Group 'B'

1. Bronchiectasis and lung abscess
2. Myocardial infarction
3. Parkinson's diseases
4. Dislocation and prolapse of intervertebral disc.
5. Apalstic anaemia
6. Gangerene and its sequalae due to peripheral vascular disease
7. Ankylosis spondylitis
8. Cirrhosis of liver with ascites
9. Fracture of lower extremity
10. Detachment of retina

3. The Corporation finally adopted amendment of Regulation 52 (1) of the E.S.I. (General) Regulations, 1950 so as to provide for speedier payments by reducing the maximum time limits for payment of various benefits as under :—

(a) not later than 7 days in case of sickness benefit,

(b) not later than 15 days in case of funeral benefit,

(c) not later than 14 days in case of 1st payment of maternity benefit,

(d) not later than one month in case of 1st payment of temporary disablement benefit;

(e) not later than one month in case of 1st payment of permanent disablement benefit; and

(f) not later than three months in case of 1st payments of dependents benefit:

after the claim therefor together with the relevant medical or other certificates and any other documentary evidence which may be called for under these Regulations has been furnished, complete in all particulars, to be appropriate office.

4. The Corporation finally approved the framing of a new Regulation 31-B in the E.S.I. (General) Regulations, 1950. Under this Regulation any interest on contribution due but not paid in time payable under Regulation 31-A will be recovered as an arrears of Land Revenue.

5. The Corporation approved the amendment of Regulation 75 of the E.S.I. (General) Regulations, 1950 to provide for constitution of the Medical Boards by the Corporation and

wercver necesary to aproach the State Government for constitution of such Medical Board. Previously the Medical Board was constituted by the State Government as there were no separate Hospital for Insured Workers. Now Corporation has constructed several E.S.I. Hospital were specialists for appointment on Medical Board are available.

6. The Corporation finally approved the amendment to Regulation 17 and 95-A and to the introduction of a combined Identity Card in lieu of the present Identity Card and Family Identity Card, all over India.

7. The Corporation approved the recommendation of the Standing Committee that the question of reimbursement of confinement charges may be left to be finally decided by the State Governments according to the condition prevailing in each State.

8. The Corporation accorded approval to the making of an ad-hoc grant of 5 Lakhs to the National Safety Council and for participation in its activities as recommended by the Standing Committee.

9. The Corporation finally approved the amendment to Regulation 10(9) so as to make it mandatory for the Regional Board to meet at least once a quarter.

10. The Corporation finally approved the amendment to Regulation 10(14) as under :—

"(14) A Regional Board shall perform the following functions in respect of the Region for which it is set up :—

(a) Such administrative and/or executive functions as may, from time to time be entrusted or delegated to it by a resolution, by the Corporation or the Standing Committee.

(b) To make recommendations from time to time in regard to changes which may in its opinion be advisable in the Act, Rules and Regulations and forms and procedure to be followed in the running of the Scheme.

(c) To decide within the broad frame work of the general decisions and programme of priorities of the Corporation, the following matters provided that where the specific approval of the Corporation or the appropriate Government is required, such approval shall be taken :—

(i) Extension of the Scheme to other categories of establishments in accordance with the order of priorities laid down by the Corporation ;

(ii) Extension of Scheme to new areas and extension of Medical Care to families ;

(iii) Adoption of Special measures to meet peculiar conditions in the area ;

(iv) Improvement in benefits ;

(v) Provision of indoor medical treatment ;

(vi) Measures and arrangements for the rehabilitation of insured persons in the areas, who are permanently disabled ;

(vii) Securing compliance by employers with the various provisions of the E.S.I. Act, the Regulations and other Rules and Instructions.

(d) To review from time to time the working of the Scheme in the State both on the medical side as well as cash benefit side and to advise the Corporation and the State Government on measures to improve the working of the Scheme both in regard to payment of cash benefits and administration of medical benefit and in particular to promote preventive health measures, safety and personal hygiene and to review and check lax certificaton and other abuses of the Scheme.

(e) To look into general grievances, complaints and difficulties of insured persons, employers etc. as it may consider necessary.

(f) To advise the Corporation on such matters as may be referred to it for advice by the Standing Committee or the Director General.

The Regional Board may set up suitable Sub-Committee for carrying out any of its functions and may seek the assistance or advice of Local Committees where necessary."

APPENDIX II

Important decisions taken by the Standing Committee of the E.S.I. Corporation during the year 1971-72

16 November, 1971

1. The Committee decided that the Employer's Guide may be distributed free as an effective medium of publicity.

2. The consensus of opinion in the Committee was that the exemption policy now in force for sick textile mills needs review in the light of the following objectives :—

(i) Workers should not be deprived of benefits and their consent to exemption in a particular undertaking should not be taken as indicative of their true interests.

(ii) Every means should be explored to effect recoveries of dues from these mills or alternatively the Government should be approached to compensate the Corporation for loss incurred by the Corporation on benefits given without realisation of contributions,

(iii) The Employees' State Insurance Scheme should not frustrate efforts made by the Government to rehabilitate sick textile mills in order to prevent closure.

3. The Committee approved on the recommendation of the Medical Benefit Council, the proposal to grant E.S.I. special allowance of Rs.100/-per month to the Deputy Medical Commissioners whose posts were interchargeable with the Insurance Medical Officers in the cadre of G.D.O. Gr. I to which such allowances are already admissible.

4. The Committee decided to accord sanction to ad-hoc grant of Rs. 5 Lakhs to the National Safety Council and authorised the Director General E.S.I. Corporation to work out the details for making the contribution and for participation of the E.S.I. Corporation in the activities of the National Safety Council.

5. The Committee authorised the Director General, E.S.I. Corporation to sanction the provision of vehicle for use in the Hospitals, Offices of the administrative Medical Officers of the Scheme in the States and various Offices of the Corporation.

APPENDIX III

Important Recommendations of the Medical Benefit Council during the year 1971-72

9 February, 1972

1. The Medical Benefit Council recommended that keeping in view the difficulties and the cost involved in the system of photographs, the experiment regarding affixing of Photographs on the Identity Cards of the Insured Persons and Family Identity Cards, the experiment being done at Warrangal in Andhra Pradesh need not be pursued further.

2. The Medical Benefit Council considered the question of inclusion of rent payable to the Corporation by the State Governments in respect of the buildings constructed by the Corporation for Hospital/Dispensaries etc. in the ceiling fixed on medical care. The Council after a careful consideration recommended that the rent could not be excluded under any system of accounting.

3. The Council recommended that the question of grant of E.S.I. Special pay and other allowances to the Para-Medical staff working in the E.S.I. Hospitals and Dispensaries may be left to be decided by each State Govt. in consultation with the Corporation.

4. The Medical Benefit Council adopted the Report submitted by the Sub-Committee set up to review the Yardstick for provision of Specialist service-scale of honorarium for part-time Specialists etc. with some modifications.

APPENDIX

PART

E.S.I.C. Staff authorised as on

S. No.	Designation of posts	Hqrs.	Andhra Pradesh		Assam		Bihar		Delhi	
			RO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	LO
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	Director General	1	..	..	..	..	..	..	..	..
2.	Ins. Commissioner	1	..	..	..	..	..	..	..	..
3.	F.A. & C.A.O.	1	..	..	..	..	..	..	..	..
4.	Med. Commissioner	1	..	..	..	..	..	..	..	..
5.	Actuary	1	..	..	..	..	..	..	..	..
6.	Dir. of Admn.	1	..	..	..	..	..	..	..	..
7.	J.I.C./R.D. Gr. I.	1	..	..	..	..	..	..	..	..
8.	Dir. (O&M)/Dy. F.A./R.D. Gr. II	1	..	..	..	..	..	..	..	..
9.	A.O./D.I.C./R.D. Gr. III/Dy. C.A.O./J.R.D.	6	1	..	..	..	..	..	1	..
10.	Dy. M.C./M.R.	4	1	..	..	..	1	..	1	..
11.	R.D. Gr. IV/Dy. A.O./A.I.C/Dy. R.D./Asstt. Actuary/Accounts Officer	7	2	..	1	..	1	..	2	..
12.	A.R.D./Mgr. Gr. 1/Dy. Acctts. Officers/Section Officers	19	1	..	..	..	2	..	1	2
13.	I.I./Audit Insp./Dy. Mgr./Inspector (O&M)	2	9	13	..	3	6	5	12	2
14.	P.S. to D.G.	1	..	..	..	..	..	..	..	..
15.	Mgr. Gr. III/H.C./Assistants/H.C. (Cashier)	69	5	9	1	1	5	5	5	3
16.	P.A.	8	1	..	..	..	..	..	1	..
17.	Technical Asstt.	1	..	..	..	..	..	..	..	..
18.	Artist	1	..	..	..	..	..	..	..	..
19.	Care-taker	1	..	..	..	..	..	..	..	..
20.	Librarian	1	..	..	..	..	..	..	..	..
21.	Receptionist	1	..	..	..	..	..	..	..	..
22.	U.D.C.I/c/U.D.C. Cashier/U.D.C.	61	25	37	3	4	17	12	23	17
23.	Stenographer	13	1	..	1	..	2	..	2	..
24.	Computors	4	..	..	..	..	..	..	..	..
25.	L.D.C./Adrema Operators/Telex Operator	85	52	39	7	4	30	11	46	12
26.	Gestetner Operator	1	..	..	..	..	..	..	..	..
27.	Staff Car Driver	4	1	..	..	..	..	..	..	..
28.	Jr. Library Attendant	1	..	..	..	..	..	..	..	..
29.	Jamadar	1	..	..	..	..	..	..	..	..
30.	Record Sorter/Daftry (Including Selection grade daftry)	26	12	17	1	4	8	9	12	7
31.	Peon	48	9	12	4	..	9	6	9	9
32.	Chowkidars	3	2	..	1	..	1	..	1	..
33.	Farash	7	1	..	..	..	1	..	1	..
34.	Sweeper	8	2	..	..	..	1	..	1	..
35.	Mali	1	1	..	..	..	..	..	..	..
36.	Liftman	..	..	..	..	..	..	..	..	..
37.	Armed Guards	..	..	..	..	..	..	..	..	..
	TOTAL	392	126	127	19	16	84	48	118	52

IV

I

31 March, 1972

Gujarat		Kerala		Madhya Pradesh		Maharashtra			Mysore		Orissa		Punjab		Rajasthan		Tamil Nadu		Uttar Pradesh		West Bengal		Total
RO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	SRO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	LO	
12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..		..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
..	..	..	..	..	..	..		..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
..	..	..	..	..	.	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
1	..	..	..	..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1	..	..	..	1	..	5
..	..	..	..	..	..	..	..	..	1	..	..	..	1	..	..	..	..	..	1	..	..	..	4
..	..	1	..	1	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1	..	12
3	..	2	..	1	..	12	..	..	2	..	..	..	2	..	1	..	4	..	3	..	10	..	47
4	..	2	..	2	..	9	..	..	2	..	1	..	2	..	1	..	4	..	4	..	9	..	53
3	1	1	1	1	3	8	1	27	2	3	1	..	2	..	2	..	5	8	3	1	9	35	142
18	23	12	22	7	9	62	..	37	13	11	3	4	15	11	5	5	31	25	16	15	90	34	520
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
15	4	7	9	5	6	42	2	36	9	8	3	3	10	5	5	7	16	20	14	7	40	46	422
1	..	1	..	1	..	1	..	..	1	..	..	..	1	..	..	..	1	..	1	..	..	..	18
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	.	..	..	..	..	1
..	..	..	..	..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	2
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
66	66	32	61	23	30	168	8	209	37	49	8	9	39	19	14	7	68	113	54	31	181	224	1715
3	..	1	..	2	..	8	1	..	2	..	2	..	2	..	2	..	4	..	4	..	10	..	60
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	4
144	47	68	71	48	27	390	14	254	82	36	17	8	83	33	30	16	155	115	119	36	405	338	2822
..	..	..	..	..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1	..	1	..	1	..	5
1	..	1	..	..	..	1	..	..	1	..	..	..	1	..	..	..	1	..	1	..	2	..	14
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	
24	28	15	32	9	19	52	3	104	16	20	4	7	15	17	7	12	28	50	27	21	71	138	815
19	30	12	28	8	11	47	3	89	12	20	6	5	12	19	7	6	20	50	19	19	52	103	703
1	..	1	..	2	..	3	1	..	2	..	1	..	2	..	1	..	3	..	2	..	4	..	31
2	..	1	..	1	..	2	1*	..	1	..	1	..	2	..	1	..	2	..	1	..	5	..	30
2	..	1	..	1	..	4	..	..	1	..	1	..	2	..	1	..	3	..	1	..	8	..	37
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1	..	..	..	3
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1	..	1
..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	8	..	8
307	199	158	224	112	105	813	34	756	184	147	48	36	191	104	77	53	347	381	272	130	908	918	7486

*Farash-Cum-Sweeper

PART II

Statement showing the position of staff authorised and in position in respect of Directorate (Medical) Delhi and E.S.I. Dispensaries as on 31 March, 1972

S.No.	Designation of posts	Director's Office		E.S.I. Dispensaries		Total	
		Authorised	In position	Authorised	In position	Authorised	In position
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Director (M) Delhi	1	1	..	..	1	1
2.	Administrative Medical Officer	1	..	..	..	1	..
3.	Dy. Admn. Officer (M)	1	1	..	..	1	1
4.	Accounts Officer (M)	1	1	..	..	1	1
5.	I.M.O. Gr. I/II	..	..	103	98	103	98
6.	Audit Inspector	1	1	..	..	1	1
7.	P.A. to D(M)D	1	1	..	..	1	1
8.	Head Clerk/Assistant	9	8	..	..	9	8
9.	U.D.C. Cashier	1	1	..	..	1	1
10.	U.D.Cs	25	25	19	19	44	44
11.	Stenographers	2	2	..	..	2	2
12.	L.D.Cs	42	42	56	56	98	98
13.	Pharmacists	5	5	84	80	89	85
14.	Social Guide	2	1	..	..	2	1
15.	Nurse A/B Gr.	..	..	23	19	23	19
16.	Midwife/Dias	..	..	51	51	51	51
17.	Lady Health Visitor	..	..	18	27	18	27
18.	Lab. Technician	..	..	18	9	18	9
19.	Radiographer	..	..	1	1	1	1
20.	Dark Room Assistant	..	..	1	1	1	
21.	Ambulance Driver	..	..	4	4	4	4
22.	Gest. Opertaor	1	1		..	1	1
23.	Daftries	4	3	..	..	4	3
24.	Ambulance Attendant	..	..	3	2	3	2
25.	Dresser	..	..	55	53	55	53
26.	Peons	11	13	39	35	50	48
27.	Ayas	..	..	28	33	28	33
28.	Chowkidars	..	..	19	19	19	19
29.	Sweepers	..	..	57	62	57	62

The total number of authorised posts shown in Column No. 3, 5 & 7 do not include the posts rendered surplus which are required to be adjusted against the future vacancies/posts to be created for E.S.I. Hospital, Basaidarapur, New Delhi.

APPENDIX V

Number of Factories and Employees covered under the F.S.I. Act during 1971-72 — State-wise

State	Implemented Area		Non-Implemented Area		All Areas	
	No. of Factories *	No. of Employees as on 31-3-72	No. of Factories *	No. of Employees as on 31-3-72	No. of Factories *	No. of Employees as on 31-3-72
1	2	3	4	5	6	7
Andhra Pradesh	867	1,32,800	78	18,350	945	1,51,150
Assam	176	15,500	42	9,750	218	25,250
Bihar	416	64,000	223	1,24,750	639	1,88,750
Chandigarh	72	8,000	..	..	72	8,000
Delhi	1,372	1,15,000	..	..	1,372	1,15,000
Gujarat	1,614	3,78,400	376	85,900	1,990	4,64,300
Haryana	694	1,08,900	18	3,300	712	1,12,200
Himachal Pradesh	.	..	21	3,350	21	3,350
Kerala & Mahe	1,061	1,62,700	9	1,600	1,070	1,64,300
Madhya Pradesh	531	1,10,000	64	53,450	595	1,63,450
Maharashtra	5,380	9,61,800	419	65,400	5,799	10,27,200
Mysore	915	2,07,200	81	26,150	996	2,33,350
Orissa	122	33,800	79	40,150	201	73,950
Pondicherry	31	12,200	..	..	31	12,200
Punjab	1,278	1,00,300	19	2,300	1,297	1,02,600
Rajasthan	421	70,200	38	4,800	459	75,000
Tamil Nadu	1,895	3,64,800	157	30,700	2,052	3,95,500
Uttar Pradesh	1,481	3,39,900	27	23,900	1,508	3,63,800
West Bengal	3,411	7,90,000	108	1,22,100	3,519	9,12,100
ALL-INDIA (1972)	21,737	39,75,500	1,759	6,15,950	23,496	45,91,450
ALL-INDIA (1971)	20,217	38,39,000	1,639	6,23,600	21,856	44,62,600

*Also include offices etc. of factories covered under the Scheme.

APPENDIX VI

Number of Centres, Employees, Insured Persons, Family (Insured Person) Units and Beneficiaries covered as on 31-3-1972—State-wise

State	No. of Centres	No. of Employees	No. of Insured Persons	No. of Family (Insured Person) Units	No. of Beneficiaries
1	2	3	4	5	6
Andhra Pradesh	34	1,32,800	1,41,000	1,39,750	5,43,500
Assam	7	15,500	17,000	17,000	65,950
Bihar	18	64,000	80,000	80,000	3,10,400
Chandigarh	1	8,000	9,500	9,500	36,850
Delhi	1	1,15,000	1,22,500	1,22,500	4,75,300
Gujarat	14	3,78,400	4,45,000	4,45,000	17,26,600
Haryana	16	1,08,900	1,25,000	1,23,500	4,80,700
Kerala & Mahe	49	1,62,700	1,72,500	1,65,800	6,50,000
Madhya Pradesh	19	1,10,000	1,16,500	1,16,500	4,52,000
Maharashtra	17	9,61,800	10,22,500	10,08,100	39,25,800
Mysore	17	,207,200	2,19,500	2,14,500	8,37,250
Orissa	11	33,800	36,000	36,000	1,39,700
Pondicherry	1	12,200	13,000	13,000	50,450
Punjab	21	1,00,300	1,14,000	1,14,000	4,42,300
Rajasthan	16	70,200	79,500	79,500	3,08,450
Tamil Nadu	37	3,64,800	3,90,000	3,88,600	15,09,150
Uttar Pradesh	35	3,39,900	3,90,500	3,72,100	14,62,150
West Bengal	4	7,90,000	8,50,000	8,50,000	32,98,000
ALL-INDIA (1972)	318*	39,75,500	43,44,000	42,95,350	167,14,550
ALL-INDIA (1971)	324	38,39,000	42,18,000	41,97,050	163,05,500

*Decreased due to amalgamation of certain centres in West Bengal.

APPENDIX VII

Number of beds, specialists and ambulances as on 31-3-1972

S. No.	State	Number of beds provided										Specialists		Ambulances	Remarks
		ESI Hospitals			Annexes			Other Hospitals			Total	Part Time	Full Time		
		General	Maternity	T.B.	General	Maternity	T.B.	General	Maternity	T.B.					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
1.	Andhra Pradesh	415	..	..	..	..	24	4	1	12	456	60	..	12	One Tempo
2.	Assam	..	..	..	..	..	..	3	1	11	15	..	..	2	
3.	Bihar	140	..	..	..	..	20	24	..	10	194	..	2	12	
4.	Chandigarh Administration	..	..	..	..	..	..	2	..	..	2	5	..	..	
5.	Delhi	150	..	..	..	..	..	50	..	90	290	29	..	5	
6.	Gujarat	200	..	200	..	..	..	280	26	63	769	242	3	3	
7.	Haryana	155	..	..	..	..	24	30	..	36	245	22	12	2	
8.	Kerala	385	..	100	..	..	24	64	23	41	637	50	23	3	
9.	Madhya Pradesh	140	..	55	..	..	..	80	..	53	328	83	8	6	
10.	Maharashtra														
	(a) Gr. Bombay	892	..	100	..	..	..	127	£	510	1629	104	23	12	£ 11 Maternity Homes for Greater Bombay and 6 for Western Maharashtra recognised for insured women @ Rs. 52.50 P per confinement, if the stay is less than 7 days and Rs. 60/- if the stay is more than 7 days.
	(b) Nagpur Area	50	..	..	..	..	25	43	11	29	158	15	..	2	
	(c) Western Maharashtra	..	..	..	..	..	..	89	£	56	145	27	..	2	
11.	Mysore	324	24	40	..	..	32	65	23	47	555	26	7	8	One delivery van
12.	Orissa	50	..	..	..	..	12	..	..	..	62	5	..	3	
13.	Pondicherry	..	..	..	..	..	..	14	4	10	28	5	..	..	
14.	Punjab	205	..	..	..	..	12	41	..	17	275	21	9	4	
15.	Rajasthan	..	..	..	90	..	31	6	1	..	128	11	..	1	
16.	Tamil Nadu	877	200	50	54	..	78	102	37	199	1597	78	48	22	
17.	Uttar Pradesh	312	144	180	..	..	..	..	..	..	636	..	21	4	
18.	West Bengal	1439	..	100	..	..	..	101	..	468	2108	302	..	14	One Utility Van
	TOTAL	5734	368	825	144	..	282	1125	127	1652	10257	1085	156	117	

APPENDIX VIII

Number of State Insurance Dispensaries, Panel Doctors etc. as on 31-3-1972

S. No.	State	Dispensaries					Total No. of I.M.Os.		Total No. of I.M.Ps.	Total No. of Doctors in Employers Dispensaries	Approved Chemists/Medical Stores/Depots.	Remarks
		Full Time	Part Time	Mobile	Employers'	Total	Sanctioned	Present				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1.	Andhra Pradesh	49	8	..	1	58	108	104	1	2	1 Medical Store	
2.	Assam	12	..	..	..	12	14	14	..	..	1 Medical Store	
3.	Bihar	24	1	7	..	32	86	66	..	..	..	
4.	Chandigarh Admn.	1	..	..	..	1	2	2	2	..	1 Medical Store 4 Chemists	
5.	Delhi	19	4	..	..	23	107	98	..	..	1 Medical Store 1 Chemist	
6.	Gujarat	76	..	2	..	78	329	285	184	..	6 Medical Stores 25 Chemists	
7.	Haryana	23	..	..	3	26	73	70	8	6	1 Medical Store 6 Chemists	
8.	Kerala	65	11	4	2	82	143	124	..	2	5 Medical Stores	
9.	Madhya Pradesh	47	..	..	1	48	142	120	2	1	2 Chemists	
10.	Maharashtra											
	(a) Gr. Bombay	3	..	1	3	7	5	3	1722	2	8 Medical Stores 152 Chemists	
	(b) Nagpur Area	20	..	1	..	21	65	54	..	..	..	
	(c) Western Maharashtra	13	..	..	..	13	32	19	232	..	1 Medical Store 20 Chemists	
11.	Mysore	55	4	..	7	66	172	153	..	27	4 Medical Stores 85 Chemists	
12.	Orissa	13	..	..	..	13	30	30	..	..	1 Medical Store	
13.	Pondicherry	6	..	..	..	6	11	11	..	..	1 Medical Store	
14.	Punjab	16	..	..	..	16	38	22	77	..	5 Medical Stores	
15.	Rajasthan	22	..	5	1	28	70	70	..	2	9 Chemists	
16.	Tamil Nadu	93	3	8	3	107	350	328	..	8	3 Medical Stores	
17.	Uttar Pradesh	78	..	9	..	87	238	183	..	..	1 Medical Store 2 Chemists	
18.	West Bengal	..	..	..	5	5	..	..	1691	27	34 Govt. Chemist Shops 179 Chemists	
	TOTAL	635	31	37	26	729	2015	1756	3919	77	485 Chemists 34 Govt. Chemists Shops 40 Medical Stores	

APPENDIX IX

Incidence of Dispensary Attendances, References to Hospitals and No. of Home Visits during 1970-71 and 1971-72 —State-wise

(In respect of Insured Persons and their Family Members)

State	Period	Insured Persons					Family (I.P.) Units		
		No. of attendences per 1000 Insured persons per annum		No. of cases admitted in Hospitals	No. of cases referred to Specialists for investigation	No. of Home Visits	No. of attendences per 1000 Family (I.P.) Units per annum		No. of Home Visits
		New Cases	Old Cases				New Cases	Old Cases	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Andhra Pradesh . . (SS)	1970-71@	3,154	14,559	328	42,253	21,990	5,515	16,704	19,354
	1971-72	2,914	12,166	112	38,684	4,949	4,966	14,857	15,766
Assam . . . . (SS)	1970-71@	2,980	3,699	59	4,737	2,655	2,004	1,873	360
	1971-72*	2,438	2,661	68	4,416	2,099	1,533	1,134	200
Bihar . . . . (SS)	1970-71	2,804	5,934	4,104	20,698	10,016	4,548	7,699	11,205
	1971-72**	2,680	5,544	3,670	25,011	10,142	4,241	7,045	11,989
Chandigarh . . . (SS)	1970-71	2,614	7,629	306	4,000	240	2,134	1,802	185
	1971-72	2,032	7,172	351	4,236	680	2,041	1,331	348
Delhi . . . . (SS)	1970-71	1,380	8,204	366	23,560	23,749	3,442	7,159	23,817
	1971-72	1,441	7,055	559	24,595	23,815	3,029	6,327	17,961
Gujarat . . . . (SS)	1970-71	1,632	8,830	13,736	71,015	7,614	2,609	11,507	6,495
	1971-72	1,533	8,657	14,046	92,235	5,782	2,448	11,098	5,729
Gujarat . . . . (PS)	1970-71	3,721	4,741	1,163	13,020	2,446	5,434	6,175	1,822
	1971-72	4,087	4,985	1,093	12,437	2,052	5,448	6,007	956
Haryana . . . (SS)	1970-71	2,146	4,363	835	4,041	3,785	1,988	3,825	4,494
	1971-72	2,778	5,995	711	9,810	7,028	2,391	5,065	4,756
Haryana . . . (PS)	1970-71	3,688	4,835	3,354	10,619	4,393	4,010	5,900	2,195
	1971-72	3,380	4,723	751	9,713	2,762	3,405	5,079	2,241
Kerala . . . . (SS)	1970-71	2,629	9,000	10,962	12,438	7,261	2,277	6,860	1,045
	1971-72	2,823	8,242	14,310	13,721	8,716	2,603	6,892	644
Kerala . . . . (PS)	1970-71	—Included in Kerala (SS)							
	1971-72	4,537	10,375	874	2,439	..	4,827	19,440	..
Madhya Pradesh . . (SS)	1970-71	2,242	13,890	4,614	41,118	15,269	5,711	17,189	9,483
	1971-72	2,392	14,361	5,574	42,997	14,585	5,428	17,068	10,307
Madhya Pradesh . (PS)	1970-71	—Included in Madhya Pradesh (SS)							
	1971-72	2,399	7,933	85	631	102	3,767	8,313	101
Maharashtra									
(i) Bombay Area . (SS)	1970-71	3,566	7,342	..	396	..	2,492	4,725	..
	1971-72	3,999	7,843	..	1,013	3	3,197	5,004	..
(ii) Bombay Area . . (PS)	1970-71	5,062	6,104	30,899£	1,38,119	31,800	2,653	2,771	11,584
	1971-72	5,297	6,000	32,116£	1,29,571	28,869	2,687	2,706	5,720
(iii) Nagpur Area . . (SS)	1970-71	3,445	16,329	1,839	18,414	15,548	4,933	23,157	3,992
	1971-72	3,747	14,921	2,603	18,520	17,989	5,087	23,698	4,748
Mysore . . . . (SS)	1970-71	3,178	7,969	15,552	53,108	22,476	4,774	8,328	7,676
	1971-72	3,464	8,312	16,876	64,651	29,451	5,416	9,629	9,790
Orissa . . . . (SS)	1970-71	3,575	5,000	1,006	7,941	6,931	3,660	4,321	3,491
	1971-72	3,501	4,401	1,345	10,788	7,277	3,891	4,213	2,592
Pondicherry & Mahe . (SS)	1970-71	2,689	17,681	356	5,259	1,436	1,670	7,663	1,334
	1971-72	2,566	16,204	486	7,010	947	1,989	7,548	2,263
Punjab . . . . (SS)	1970-71	5,416	4,699	2,343	4,302	5,003	5,093	4,545	2,239
	1971-72	4,433	3,424	1,150	5,230	3,823	4,090	3,492	2,223
Punjab . . . . (PS)	1970-71	4,474	4,456	2,423	10,812	12,450	4,394	3,990	975
	1971-72	5,270	4,570	3,566	10,129	9,780	4,965	4,236	3,167
Rajasthan . . . (SS)	1970-71	2,883	8,305	3,810	24,742	3,422	4,138	9,025	1,297
	1971-72	2,819	8,058	3,556	30,706	3,651	3,884	8,380	1,315
Tamil Nadu . . . (SS)	1970-71	2,946	10,132	19,441	1,63,960	6,017	3,350	10,555	13,337
	1971-72	3,239	10,690	18,212	1,68,410	1,877	3,634	10,482	8,585
Tamil Nadu . . . (PS)	1970-71	4,590	12,710	909	1,843	2,151	7,371	13,554	3,773
	1971-72	5,299	10,387	1,033	2,539	2,686	7,285	14,979	3,309
Uttar Pradesh . . . (SS)	1970-71	2,547	6,024	6,385	81,490	6,623	2,434	6,156	23,951
	1971-72	2,722	4,876	6,458	68,951	5,279	2,317	7,030	29,389
West Bengal . . . (PS)	1970-71@	2,836	2,801	5,607	1,02,423	1,12,535	3,136	3,555	29,801
	1971-72†	4,007	4,358	3,556	83,688	3,32,324	2,798	2,713	24,675
ALL-INDIA . .	1970-71@	3,158	6,977	1,30,457	8,60,318	3,25,810	3,308	7,189	1,83,905
	1971-72	3,398	7,391	1,33,161	8,82,131	5,26,758	3,290	7,357	1,68,774

@Figures brought upto date.

*Figures for June '71, July '71, February '72 and March '72 not received ; weighted average taken.

**Figures for March '72 not received; weighted average taken.

†Figures for December, 71 to March, 72 not received; weighted average taken.

£Includes (SS).

SS—Service System.

PS—Panel System.

APPENDIX-X

Incidence of Morbidity i.e. number of new cases per 1000 Insured Persons and 1000 Family (I.P.) Units 1970-71 and 1971-72—ALL-INDIA

Cause group No.	Disease	Insured Persons		Families	
		1970-71	1971-72	1970-71	1971-72
1	2	3	4	5	6
1.	T.B. of respiratory system	14.7	14.4	11.5	10.8
2.	T.B. other forms	5.1	5.0	4.8	4.1
3.	Syphilis and its scqueale	3.8	3.5	1.4	1.1
4.	Gonococcal infection	7.2	6.7	3.7	3.1
5.	Dysentery, all forms	224.6	245.3	223.5	203.2
6.	Cholera, Enteric fever, other infective diseases arising in intestinal tract	18.2	20.9	23.8	19.6
7.	Scarlet fever, Diptheria, Whooping Cough, Measles, Mumps, Chicken-pox	13.4	16.3	37.7	34.5
8.	Typhus and other riskettsial diseases	0.5	1.1	0.6	1.0
9.	Malaria	14.4	16.6	13.3	14.6
10.	Filariasis, Ankylostomiasis and other Helminths	41.4	45.7	68.4	72.9
11.	All other diseases classified as infective and parasitic	47.7	42.2	55.0	54.5
12.	Malignant neoplasms all sites	0.5	0.4	0.6	0.3
13.	Benign neoplasms all sites	0.6	0.5	0.8	0.6
14.	Allergic disorders	87.0	82.5	96.8	85.1
15.	Diseases of Thyroid gland	1.3	1.6	1.7	1.3
16.	Diabetes mellitus	3.3	4.5	4.6	4.0
17.	Avitaminosis and other deficiency states	137.3	128.2	146.0	123.0
18.	Anaemias	102.4	92.7	125.0	113.0
19.	Psychoneuroses and Psychoses	2.7	2.5	2.2	2.7
20.	Vascular Lesiones C.N.S.	0.7	0.8	1.6	0.8
21.	Diseases of eye	109.4	165.4	105.8	139.9
22.	Diseases of ear and Mostoid process	45.9	50.3	68.2	70.3
23.	Rheumatic fever	11.6	9.7	8.7	7.4
24.	Chornic Rheumatic heart diseases	1.2	1.1	1.2	0.9
25.	Arteriosclerotic and degenerative heart diseases	0.9	0.9	1.1	0.6
26.	Hypertensive diseases	5.7	5.8	6.4	6.6
27.	Diseases of Veins	7.3	7.7	6.6	7.0
28.	Acute nasopharyngitis (Common Cold)	293.6	313.0	311.7	305.6
29.	Acute Pharyngitis and tonsillitis	98.0	100.6	110.8	110.5
30.	Influenza	189.2	180.8	158.5	158.2
31.	Pneumonia	7.3	6.0	12.5	10.2
32.	Bronchitis	249.3	268.6	254.6	256.6
33.	Silicosis and occupational pulmonary fibrosis	1.1	0.4	0.6	0.2
34.	Other respiratory	54.5	69.2	65.6	76.2
35.	Diseases of stomach and duodenum	132.4	104.3	109.6	105.6
36.	Appendicitis	2.4	3.0	2.8	1.9
37.	Hernia of abdominal cavity	2.4	3.2	1.5	1.4
38.	Diarrhoea and enteritis	195.1	200.5	229.0	215.0
39.	Diseases of gallbladder and bile ducts	2.7	2.9	2.7	1.9
40.	Other diseases of digestive system	153.6	162.0	140.7	143.9
41.	Nephritis and nephrosis	2.4	3.0	2.7	2.7
42.	Diseases of genital organs	21.1	14.4	37.6	35.9
43.	Deliveries, complications of pregnancy, Child birth and the puerperium	49.5*	48.1*	15.9	15.3
44.	Boil, abscess, cellulitis and other skin infections	162.8	167.3	213.7	193.6
45.	Other diseases of skin	75.8	82.9	87.0	85.7
46.	Arthritis and rheumatism	177.4	189.2	125.0	129.4
47.	Diseases of bones and other organs of movement	13.2	14.5	7.4	7.0
48.	Congenital Malformations and diseases peculiar to early infancy	0.6	0.5	0.8	0.8
49.	Other specific and ill-defined diseases	242.1	280.5	270.9	286.9
50.	Accidents, poisoning and violence	190.8	212.3	155.9	160.9
51.	Other Miscellaneous Groups	3.3	2.1	2.0	1.5
	TOTAL NO. OF NEW CASES	3,158.4@	3,397.9	3,307.5@	3,289.6

*Per 1000 insured women employees.

@Brought Upto date.

APPENDIX XI

Medical Service and Allocation Committees during 1971-72

S. No.	Name of the State	Number of meetings	No. of cases brought on the list	No. of cases pending	Remarks
1	2	3	4	5	6
1.	Haryana	..	2	2	
2.	Gujarat	9	41	..	
3.	Greater Bombay	7	197	15	
4.	Western Maharashtra	3	12	2	
5.	Punjab	1	1	..	
6.	West Bengal	12	88	31	

APPENDIX XII

Payments effected to State Governments and cost of medical care per family/Insured Persons—State-wise

S. No.	State	Year	Total amount paid	Approximate cost per employee on family unit per annum	Whether medical care extended to Insured persons only or insured persons with families	Nature of payment
1	2	3	4	5	6	7
			Rs. P.	Rs. P.		
1.	Andhra Pradesh	1965-66	21,694.73		For insured persons & their families	Final
		1966-67	81,250.54			Final
		1967-68	84,681.03			Final
		1970-71	8,50,000.00			"On Account"
		1971-72	59,40,000.00	79.46		"On Account"
2.	Assam	1971-72	5,68,000.00	46.79	-do-	"On Account"
3.	Bihar	1967-68	61,252.87			Final
		1971-72	26,73,000.00	74.50	-do-	"On Account"
4.	Chandigarh Administration	1966-67	3,805.75			Final
		1967-68	6,066.38			-do-
		1968-69	3,545.25			-do-
		1969-70	4,054.75		-do-	-do-
		1970-71	20,000.00			"On Account"
		1971-72	1,30,000.00	29.37		-do-
5.	Gujarat	1964-65	7,92,425.32			Final
		1965-66	15,633.28			-do-
		1966-67	10,787.84			-do-
		1967-68	16,909.12			-do-
		1968-69	2,24,296.73			-do-
		1969-70	17,23,042.63			-do-
		1970-71	15,00,000.00			"On Account"
		1971-72	1,67,68,000.00	63.47	-do-	-do-
6.	Haryana	1970-71	8,00,000.00		-do-	"On Account"
		1971-72	44,05,000.00	55.27		-do-

1	2	3	4	5	6	7
			Rs. P.	Rs. P.		
7.	Kerala	1967-68	1,45,430.33		For insured persons & their families	Final
		1968-69	8,58,320.97			-do-
		1970-71	5,00,000.00			"On Account"
		1971-72	69,60,000.00	58.68		-do-
8.	Madhya Pradesh	1964-65	49,888.81			Final
		1965-66	7,883.28			Final
		1966-67	23,331.36			-do-
		1970-71	5,00,000.00			"On Account"
		1971-72	50,42,000.00	60.41	-do-	-do-
9.	**Maharashtra**					
	(a) Gr. Bombay	1969-70	85,00,000.00			"On Account"
		1971-72	3,29,54,000.00	51.75	-do-	"On Account"
	(b) Nagpur Area	1969-70	8,72,529.91			Final
		1971-72	18,40,000.00		-do-	"On Account"
	(c) Western Maharashtra	1971-72	32,50,000.00		-do-	"On Account"
10.	Mysore	1967-68	16,72,990.33			Final
		1968-79	7,00,000.00			"On Account"
		1969-70	24,23,090.39			Final
		1970-71	8,00,000.00			"On Account"
		1971-72	98,40,000.00	68.65	-do-	-do-
11.	Orissa	1964-65	6,637.06			Final
		1965-66	24,982.77			Final
		1966-67	17,532.83			-do-
		1967-68	22,417.76			-do-
		1968-69	20,920.98			-do-
		1969-70	5,50,000 00			"On Account"
		1970-71	1,15,000.00			-do-
		1971-72	12,14,000.00	48.04		-do-
12.	Pondicherry	1969-70	1,10,338.35			Final
		1970-71	85,000.00			"On Account"
		1971-72	4,70,000.00	43.18		-do-
13.	Punjab	1969-70	7,00,000 00			" On Account"
		1970-71	2,50,000.00			-do-
		1971-72	40,03,000.00	47.46	-do-	-do-
14.	Rajasthan	1967-68	79,291.56			Final
		1968-69	4,58,834.61			-do-
		1971-72	30,34,000.00	55.52	-do-	"On Account"
15.	Tamil Nadu	1966-67	98,283.02			Final
		1967-68	52,265.62			-do-
		1968-69	60,000.00			"On Account"
		1969-70	82,89,451.36			-do-
		1970-71	35,00,000.00			-do-
		1971-72	1,82,74,000.00	91 61 Appx.	-do-	-do-
16.	Uttar Pradesh	1966-67	29,841.63			Final
		1967-68	60,764.43			-do-
		1968-69	58,379.10			-do-
		1969-70	19,00,000.00			"On Account"
		1970-71	10,00,000.00			-do-
		1971-72	79,40,000.00	30.80	-do-	-do-
17.	West Bengal	1967-68	2,60,060.81			Final
		1968-69	60,00,000.00			"On Account"
		1969-70	85,00,000.00			-do-
		1970-71	15,00,000 00			-do-
		1971-72	3,56,74,000.00	57.78	-do-	do
18.	Delhi	1971-72	..	66.40	-do-	
	Total		21,80,01,913.49	59.07		

NOTES : 1. The information under column No. 5 is entirely for 1971-72.

2. Payments made during 1971-72, includes amounts viz. Rs. 1,44,75,818.00 paise representing rents of E.S.I. Corporation Buildings and Rs. 44,64,587.00 paise on account of High Incidence of Sickness which were not actually paid to State Governments but only adjusted.

3. The above total payments do not include the expenditure met by the Corporation in respect of Union Territory of Delhi and confinement charges in Bombay.

APPENDIX XIII

Incidence of Sickness and Maternity Benefit Claims in 1970-71 and 1971-72 STATE-WISE

State	Period	No of employees deemed exposed to risk for sickness/ Ext. Sickness Benefit	Total No of Cash Benefit pay-ments	Average No of Cash Benefit pay-ments per employee per annum	Sickness Benefit: Rate of Fresh spells per emplo-yee per annum	Sickness Benefit: Average No of S B. days per emplo-yee per annum	Sickness Benefit: Average daily rate	Extended Sickness Benefit: Rate of fresh cases per 1000 emplo-yees per annum	Extended Sickness Benefit: Average dura-tion per termi-nated case	Maternity Benefit: Rate of confine-ment per annum per 1000 insured women em-ployees exposed	Maternity Benefit: Average amou-nt paid per confine-ment
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
							Rs.				Rs.
Andhra Pradesh	1970-71	1,12,300	2,00,038	1 8	1.22	9 3	3 15	3 5	184 4	68 4	315
	1971-72	1,20,150	2,22,230	1 8	1 19	9 0	3 36	3 1	201 5	62 1	417
Assam	1970-71	14,350	27,576	1 9	1 01	7 0	3 27	3 4	202 2	18 3	372
	1971-72	14,800	25,524	1 7	1 12	7 5	3 49	3 9	222 0	13 9	273
Bihar	1970-71	58,550	67,905	1 2	0 74	7 3	3 52	5 5	222.7	55 4	283
	1971-72	59,600	72,978	1 2	0 79	8 0	3 77	3 6	241 1	63 6	277
Chandigarh	1970-71	4,800	1,986	0 4	0 26	2 3	3 82	2.3	*	34.3	380
	1971-72	6,100	2,54	0 4	0 29	2.1	4 38	2 5	100 0	27 1	305
Delhi	1970-71	1,02,150	88,036	0 9	0 46	5 3	4 08	10 0	212 1	16 7	305
	1971-72	1,08,950	76,828	0 7	0 36	4 1	4 38	4 6	217.8	14.8	391
Gujarat	1970-71	3,47,050	3,42,955	1 0	0 52	4 5	4 49	3 7	158 1	88 2	353
	1971-72	3,67,600	3,50,062	1 0	0.50	4 3	4 60	4 1	161 1	83 2	319
Haryana	1970-71	94,600	43,498	0 5	0 25	2 8	3 58	2 0	*	22 5	249
	1971-72	1 01,200	50,619	0 5	0 28	3 0	3 74	2 0	177 1	19.2	353
Kerala	1970-71	1,49,850	3,52,877	2 4	1 38	10 4	2 74	5 3	166.2	109 1	2844
	1971-72	1,51,650	3,23,467	2 1	1 35	9 7	3.15	4 5	192 7	107.4	30
Madhya Pradesh	1970-71	1,01,350	0,91,324	1 9	1.07	10.6	3 62	5.2	192 4	57.9	329
	1971-72	1,05,750	2,17,611	2 1	1 15	11 3	3 96	4 6	203 6	57 4	289
Maharashtra	1970-71	8,62 650	14,71,189	1 7	1 16	10 1	4 75	6 7	162 1	41.9	666
	1971-72	9,07,950	13,32,481	1 5	0 98	8 2	4 86	7 6	158 9	38 4	705
Mysore	1970-71	1,90,200	2,77,829	1 5	1 10	7 9	3 75	2 5	174 9	73 9	467
	1971-72	1,95,400	2,88,453	1.5	1 07	8 1	4 02	2 9	165.3	80 3	474
Orissa	1970-71	29,100	43,669	1 5	0 91	8 5	2 92	1 8	202 2	55.8	265
	1971-72	31,050	50,014	1 6	1 03	7 6	3 13	1 7	200 0	59.1	337
Pondicherry	1970-71				Included in Tamil Nadu						
	1971-72	11,450	35,526	3 1	1 11	14 5	3 78	8 5	241 8	74 4	510
Punjab	1970-71	93,950	37,356	0 4	0 21	1 9	3 18	1 7	197 1	13 2	182
	1971-72	98,600	39,087	0 4	0 21	1 7	3 28	1 2	168 2	10 1	282
Rajasthan	1970-71	65,300	64,333	1 0	0 59	4 7	3 26	4 1	172 7	52 3	346
	1971-72	67,650	69,231	1 0	0 59	5 0	3.51	3.9	191 3	57.0	300
Tamil Nadu	1970-71	3,32,500	6,97,697	2 1	1 49	10 5	3 90	4 5	163 3	48 9	402
	1971-72	3,46,600	7,74,291	2 2	1 79	10 9	4 46	3 7	160 9	44 7	470
Uttar Pradesh	1970-71	2,71,800	1,97,895	0 7	0 54	5 3	3 48	3 1	238 7	31 5	202
	1971-72	3,07,500	2,03,873	0 7	0 43	4 7	3 82	2 3	335 4	16 9	352
West Bengal	1970-71	7,68,850	18,80,240	2 4	1 50	15 4	3 86	3 3	219 0	40 6	528
	1971-72	7,85,900	17,03,260	2 2	1 19	12 7	4 36	3 7	229 6	44 6	619
TOTAL	1970-71	35,99,350	59,86,404	1 7	1 07	9.5	4 00	4 5	177 4	62 2	388
	1971-72	37,87,900	58,38,119	1 5	0 97	8 4	4.31	4.5	178.7	58.2	427

*Included in Punjab

APPENDIX XIV

Incidence of Disablement and Dependants, Benefit Claims admitted in 1970-71 and 1971-72 STATE-WISE

State	Period	No of employees deemed exposed to risk	Temporary Disablement Benefit: Rate of fresh spells per employees per annum	Temporary Disablement Benefit: No of T D B days per employee per annum	Temporary Disablement Benefit: Average daily rate of T D B	Permanent Disablement Benefit: No of fresh cases admitted per annum	Permanent Disablement Benefit: Rate of fresh cases per 1000 employees per annum	Permanent Disablement Benefit: No of cases commuted for lump sum	Permanent Disablement Benefit: No of Beneficiaries at the end of the year	Dependants' Benefit: No of death cases admitted	Dependants' Benefit: No of Beneficiaries at the end of the year
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
					Rs						
Andhra Pradesh	1970-71	1,18,050	0 06	0 88	3 60	116 IS	0 99	125	212	20	230
	1971-72	1,27,450	0 06	0 90	3 89	388 IS	3 05	299	302	8	241
Assam .	1970-71	14,650	0 04	1 32	3 61	68	4 64	34	69	2	42
	1971-72	15,200	0 04	0 98	3 69	82	5 39	56	93	2	48
Bihar	1970-71	59,400	0 04	0 82	3 78	63	1 06	46	239	3	158
	1971-72	61,250	0 03	0 79	3 91	67	1.09	23	283	1	154
Chandigarh .	1970-71	5,750	0 01	0 35	3 94	8	1 39	4	11	1	1
	1971-72	7,250	0 02	0 30	3 63	21	2 90	17	12	1	2
Delhi .	1970-71	1,07,750	0 05	0 88	5 00	334	3 10	302	1,147	5	288
	1971-72	1,12,500	0 04	0 86	4 95	362 15S	3 35	250	1,273	11	315
Gujarat . . .	1970-71	3,65,200	0 07	1 06	5 10	1,377 39S	3 88	1,379	516	31	475
	1971-72	3,74,750	0 07	1 02	5 26	1,531 62S	4 25	1,365	744	58	621
Haryana .	1970-71	99,600	0 04	0 77	3 94	218	2 19	129	449	13	230
	1971-72	1,05,900	0 01	0 73	4 17	287	2 71	279	446	20	267
Kerala .	1970-71	1,51,300	0.06	0 86	4 07	201	1 33	191	192	19	350
	1971-72	1,54,050	0.07	0 84	4 26	282	1 83	179	291	18	395
Madhya Pradesh	1970-71	1,05,000	0 11	1 70	4 26	147	1 40	115	277	10	278
	1971-72	1,10,350	0 14	2 07	4 68	227 3S	2 08	113	393	14	307
Maharashtra .	1970-71	9,00,550	0 06	0 82	5 50	3,782 112S	4 32	3,325	9,045	99	2,192
	1971-72	9,28,950	0 05	0 74	5 57	2,980 107S	3 32	2,580	9,548	113	2,458
Mysore . . .	1970-71	1,94,750	0 06	0 69	3 91	374	1 92	250	420	16	296
	1971-72	1,98,400	0 06	0 77	4 17	373 1S	1 89	502	284	16	336
Orissa . .	1970-71	30,200	0 09	2 31	3 59	92	3 05	47	232	5	58
	1971-72	32,750	0 10	1 54	3 70	68	2 08	50	239	4	72
Pondicherry	1970-71		.. ..			Indlcuded inTamil Nadu		.	...	. ..	
	1971-72	11,850	0 19	3 00	4 81	23	1 94	13	10	.	..
Punjab .	1970-71	97,900	0 03	0 59	3 43	168	1 72	216	439	14	212
	1971-72	1,00,700	0 03	0 57	3 75	381	3 78	260	557	19	255
Rajasthan	1970 71	67,250	0 08	1 04	3 61	185	2 75	171	199	7	219
	1971-72	69,000	0 07	1 11	3 83	158	2 29	139	209	1	219
Tamil Nadu	1970-71@	3,53,000	0 09	1 06	4 64	819 15S	2 36	785	527	34	432
	1971-72	3,64,600	0 08	0 89	5 17	759 19S	2 13	530	771	21	489
Uttar Pradesh	1970-71	2,98 300	0 05	0 81	4 08	378	1 27	187	3,821	33	675
	1971-72	3,28,100	0 04	0 90	4 56	401	1 22	371	3,851	34	747
West Bengal	1970 71	7,82,950	0 25	4 49	4 63	5,431	6 94	3,284	12,236	62	1,265
	1971-72	7,94,750	0 22	4 05	5 19	2,387	3 00	1,165	13,458	32	1,348
TOTAL	1970-71	37,51,600	0 10	1 67	4 64	13,761 167S	3 71	10,590	30,031	374	7,401
	1971-72	38,97,800	0 09	1 54	5 04	10,777 208S	2 82	8,191	32,764	373	8,274

S-Relates to Second Accident

@Includes Pondicherry

APPENDIX XV

Incidence of Permanent Disablement Benefit Claims admitted in 1970-71 and 1971-72—INDUSTRY-WISE

Industry	Period	Estimated No. of employees exposed to risk	No. of accident cases admitted	Rate of PDB cases per 1000 employees per annum.
1	2	3	4	5
Food, Beverages and Tobacco	1970-71	1,93,671	295	1.52
	1971-72	2,03,471	270	1.33
Textiles	1970-71	15,24,472	7,131	4.68
	1971-72	13,70,682	5,621	4.10
Leather and Rubber	1970-71	88,865	229	2.58
	1971-72	99,141	222	2.24
Chemicals and Chemical Products	1970-71	2,17,411	444	2.04
	1971-72	2,36,344	413	1.75
Non-Metallic Minerals	1970-71	1,69,182	345	2.04
	1971-72	2,27,824	294	1.29
Metallic Minerals	1970-71	3,24,136	1,403	4.33
	1971-72	4,34,955	1,153	2.65
Engineering	1970-71	5,57,800	2,130	3.82
	1971-72	5,80,968	1,479	2.55
Transport	1970-71	2,44,753	1,062	4.34
	1971-72	2,84,318	735	2.59
Paper and Printing	1970-71	1,71,490	353	2.06
	1971-72	1,64,099	310	1.89
Miscellaneous	1970-71	2,59,820	536	2.06
	1971-72	2,95,998	488	1.65
TOTAL	1970-71	37,51,600	13,928	3.71
	1971-72	38,97,800	10,985	2.82

APPENDIX XVI

Particulars of Legal action taken during the year 1971-72 Under the E.S.I. Act.

State	Amount involved in cases filed under				Amount recovered by action under section				No of prose-cutions
	Section 66	Section 67	Section 73-D	Section 75(2)/45B	Section 66	Section 67	Section 73-D	Sections 75(2)/45-B	filed under Section 85
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Andhra Pradesh	..	..	15,90,326	3,61,189	..	..	55,240	25,138	15
Assam	..	..	1,95,228	28,898	..	..	1,15,115	14,235	4
Bihar	..	..	18,60,440	1,04,179	..	..	1,31,931	64,987	12
Delhi	..	..	4,12,274	2,32,276	6,016	..	1,65,166	68,785	22
Gujarat	..	..	10,40,854	1,82,359	10,419	..	46,911	34,407	38
Kerala	..	..	22,06,591	10,55,532	..	..	10,67,174	4,13,343	10
Madhya Pradesh	..	..	36,17,183	10,04,694	19,169	..	15,374	2,27,338	18
Maharashtra	6,503	..	43,86,207	18,78,616	20,671	..	67,55,362	5,94,525	183
Nagpur Area	..	..	7,49,362	3,69,414	..	..	2,95,172	1,22,529	51
Mysore	..	11,585	13,26,731	10,08,413	..	..	6,14,730	4,89,391	62
Orissa	..	..	4,57,018	2,93,912	..	..	25,452	11,026	04
Punjab	..	..	19,58,847	11,80,351	9,219	..	4,52,106	3,08,501	456
Rajasthan	..	..	5,25,160	94,322	11,037	..	3,02,667	84,072	26
Tamil Nadu	..	..	1,50,77,456	8,90,779	..	..	14,873	2,069	116
Uttar Pradesh	13,915	..	15,68,166	3,69,871	1,719	..	4,27,260	2,04,837	41
West Bengal	..	..	80,00,359	5,13,927	470	..	7,62,432	47,683	105
TOTAL	20,418	11,585	4,49,72,202	95,68,732	78,720	..	1,12,46,965	27,12,866	1,163

APPENDIX XVII

Income and Expenditure Account for the year ended 31 March 1971

Audit Certificate is still awaited from A.G.C.R.

INCOME

N.B.—The Accounts for the year 1970-71 have since been audited but

Previous Year (1969-70)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	By Contributions		
21,25,42,559	Employers' Share only	29,55,06,981	
15,20,48,404	Employees' share only	16,49,66,819	
36,45,90,963	Total Contribution		46,04,73,800
6,84,513	State Govts./Union Territories share towards medical benefits initially incurred by the Corporation	14,29,296	14,29,296
	Other Heads of Revenue		
33,46,082	Interest & Dividends	37,82,273	
21,17,306	Compensations	4,12,671	
	Rents,Rates & Taxes		
1,34,103	(i) Offices of the Corporation (including staff quarters)	2,14,769	
1,15,99,250	(ii) Hospitals, Dispensaries & staff quarters	2,91,12,763	
32,977	Fees, Fines & Forefeitures	18,866	
5,28,852	Miscellaneous	5,44,410	
1,77,58,570	Total of other Heads of Revenue		3,40,85,752
38,30,34,046	Total Carried Over		49,59,88,848

EXPENDITURE

Previous Year (1969-70)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	1. Benefits to Insured Persons & their families		
	A.—Medical Benefits.		
14,42,32,703	(i) Payments to State Govts. etc. as Corporations' share of their expenses on providing medical treatment and maternity facilities etc.	24,13,55,195	
	Deduct—Payments to State Govts. towards medical care during the year transferred to the Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund	(—)10,40,19,294	
14,42,32,703		13,73,35,901	
73,98,467	(ii) Medical treatment & care & maternity facilities (expenses incurred direct by the Corporation)	75,34,675	
			14,48,70,576
15,16,31,170	TOTAL A-Medical Benefits		
	B—Cash Benefits		
11,62,25,881	1. Sickness Benefit	13,71,00,949	
96,31,862	2. Extended Sickness Benefit	1.00,86,820	
61,02,649	3. Maternity Benefit	60,23,031	
	4. Disablement Benefit		
1,96,16,014	(a) Temporary	2,89,90,066	
2,40,03,000	(b) Permanent (Capitalised Value)	3,16,94,000	
49,79,000	5. Dependants' Benefit (Capitalised Value)	66,59,000	
7,26,322	6. Funeral Benefit	7,84,637	
18,12,84,728	TOTAL B—Cash Benefits		22,13,38,503
	C—Other Benefits		
79,693	(a) Expenditure on the Rehabilitation of Disabled Insured Persons	25,875	
1,71,216	(b) Medical Boards and Appeal Tribunals	2,31,843	
	(c) Payments to Insured Persons:-		
1,15,854	(1) Conveyance charges and /or loss of wages	1,22,746	
2,12,308	(2) Incidental charges under family planning	316	
—	(d) Grants-in-aid	—	
2,98,023	(e) Miscellaneous	2,99,021	
8,77,094	TOTAL C—Other Benefits		6,79,801
33,37,92,992	Total Benefits to Insured Persons and their families		36,68,88,880
33,37,92,992	TOTAL Carried Over		36,68,88,880

Previous Year (1969-70)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
38,30,34,046	Total Brought Forward		49,59,88,848
38,30,34,046	Total Carried Over		49,59,88,848

New Delhi
Dated 31st May, 1971.

Previous year (1969-70)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
33,37,92,992	Total Brought Forward		36,68,88,880
	2. Administration Expenses		
	A-Superintendence		
32,136	1. Corporation, Standing Committee, Regional Boards etc	39,525	
1,77,724	2. Principal Officers	1,49,017	
20,75,740	3. Other Officers	24,36,891	
(—)1,000	4. Engineering Cell	—	
98,48,133	5. Ministerial Establishment	1,03,15,177	
16,16,472	6. Class IV Servants	17,85,629	
28,35,753	7. Contingencies	27,97,927	
1,57,84,988	TOTAL A—Superintendence		1,75,24,166
	B—Field Work		
5,56,310	1. Officers	6,63,745	
1,06,67,221	2. Ministerial Establishment	1,20,01,780	
18,78,766	3. Class IV Servants	21,03,181	
15,19,278	4. Contingencies	15,04,946	
1,46,21,575	TOTAL B—Field Work		1,62,73,652
	C—Other Charges		
1,74,275	1. Legal Charges	1,71,986	
1,12,857	2. Insurance Courts	—	
5,984	3. Publicity & Advertisement charges	6,598	
7,305	4. Charges for maintaing Banking Accounts	37,358	
42,103	5. Audit Fees	83,590	
83,472	6. Leave & Pension Contributions	1,26,961	
1,67,835	7. Depreciation of Office Buildings/Staff Cars	1,71,335	
4,20,700	8. Repairs and Maintenance of Office Buildings	4,28,693	
	9. **Retirement Benifits**		
55,78,500	(a) Pension Reserve Funds for the Employees' of the Corporation	21,70,700	
2,15,290	(b) Corporations' Contribution towards Employees' State Insurance Corporation Provident Fund	2,06,610	
6,20,233	(c) Interest paid to ESIC Provident Fund	7,63,217	
(—)4,75,981	(d) LESS Interest realised on investments of provident Fund Balances	(—)7,91,495	
700	10. Compassionate Reserve Fund	1,230	
8	11. Miscellaneous	7,545	
—	12. Losses	9,143	
69,53,281	TOTAL C—Other Charges		33,93,471
3,73,59,844	TOTAL Head 2—Administration Expenses		3,71,91,289
37,11,52,836	TOTAL Carried Over		40,40,80,169
	Total Broght Forward		40,40,80,169
	3. Hospitals and Dispensaries & Accumulated Liabilitels		
15,18,356	(1) Depreciation of Hospital Buildings & Equipments	16,39,457	
43,45,646	(2) Repairs & Maintenance of Hospital Buildings/Dispensaries	47,17,209	
—	(3) Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities etc.	3,69,64,000	
58,64,102	TOTAL Head 3—Hospitals & Dispensaries & Accumulated Liabilities		4,33,20,666
37,70,16,938	TOTAL Expenditure on Revenue Account		44,74,00,835
60,17,108	To excess of Income over Expenditure carried over to Balance Sheet		4,85,88,013
38,30,34,046	Grand Total		49,59,88,848

APPENDIX

Balance Sheet as

N.B.:—The Accounts for the year 1970-71 have since been audited but

Previous Year (1969-70)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Balance of Excess of Income over Expenditure		
35,91,34,716	As per last Balance Sheet	36,51,51,824	
60,17,108	Accumulations during the year	4,85,88,013	
36,51,51,824		41,37,39,837	
	Less Amount transferred to Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund		
..	(a) From last year's accumulations	(—)3,01,39,082	
..	(b) From this year's accumulations	(—)4,62,82,348	
36,51,51,824			33,73,18,407
	Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund		
	Opening Balance	3,01,39,082	
..	Amount transferred from Balance of Excess of Income over Expenditure	4,62,82,348	
..	Amount transferred from Permanent Disablement Benefit Reserve Fund	..	
..	ADD Provision made during the year (0.5% of enhanced rate of E.S.C.)	3,69,64,000	
—		11,33,85,430	
..	**Less** Payments made during the year	(—)10,40,19,294	
..			93,66,136
	Permanent (Partial & Total) Disablement Benefit Reserve Fund		
5,03,83,531	As per last Balance Sheet	5,90,93,644	
2,40,03,000	Provision made during the year	3,16,94,000	
25,21,369	Interest received from investments	27,91,535	
7,69,07,900		9,35,79,179	
(—)1,78,14,256	**Less** Payments made during the year	(—)1,99,87,882	
5,90,93,644			7,35,91,2)
	Dependants' Benefit Reserve Fund		
2,21,94,863	As per last Balance Sheet	2,62,19,906	
49,79,000	Provision made during the year	66,59,000	
11,51,704	Interest received from investments	12,49,253	
2,83,25,567	TOTAL Carried over of this head	3,41,28,159	
42,42,45,468	TOTAL Carried Over		42,02,75,840

XVIII

on 31 March 1971

Audit Certificate is still awaited from A.G.C.R.

Previous year (1969-70)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Lands and Buildings (wholly owned by the Corporation)		
	(a) Buildings for the offices of the Corporation		
1,09,30,627	As per last Balance Sheet	1,09,52,783	
22,156	Additions during the year	..	
1,09,52,783		1,09,52,783	
	(b) Hospital & Dispensaries		
12,86,87,751	As per last Balance Sheet	15,08,75,470	
2,21,87,719	Additions during the year	1,26,59,638	
15,08,75,470		16,35,35,108	
	(c) Equipments for Hospitals etc.		
..	As per last Balance Sheet	..	
..	Additions during the year	49,542	
		49,542	
16,18,28,253			17,45,37,433
	Lands & Buildings (Jointly owned by the Corporation and State Governments) Corpns' Share		
	(a) Hospital and Dispensaries		
7,95,250	As per last Balance Sheet	7,95,250	
..	Additions during the year	..	
7,95,250		7,95,250	
	(b) Equipments' for Hospitals etc.		
49,680	As per last Balance Sheet	49,680	
..	Additions during the year	..	
49,680		49,680	
8,44,930			8,44,930
	Suspense—(i) Amount advanced for Capital Expenditure		
12,85,42,353	As per last Balance Sheet	11,95,06,736	
1,33,76,845	Add Payments made during the year	..	
14,19,19,198	**(ii) Amount advanced from Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund**	11,95,06,736	
..	As per last Balance Sheet	..	
..	Add payments made during the year	93,66,136	
(—)2,24,12,462	Less Adjustments & Recoveries	(—)1,29,75,495	
11,95,06,736			11,58,97,377
28,21,79,919	Total Carried Over		29,12,79,740

Previous Year (1969-70)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
42,42,45,468	Total Brought Forward		42,02,75,840
2,83,25,567	Total Brought forward of this head	3,41,28,159	
(—)21,05,661	Less Payments made during the year	(—)25, 54,162	
2,62,19,906			3,15,73,997
	Employees' State Insurance Corporation Provident Fund		
1,17,43,202	As per last balance Sheet	1,32,80,277	
	Add amount credited during the year		
31,33,976	(i) Employees' Subscription	36,23,861	
2,15,290	(ii) Corporations' Contribution	2,06,610	
6,20,233	(iii) Interest on (Employees' and Corporation's Shares)	7,63,217	
1,57,12,701		1,78,73,965	
(—)23,60,796	Less Payments made during the year	(—)24,19,406	
1,33,51,905		1,54,54,559	
(—)71,628	Less Amount transferred to Pension Reserve Fund	(—) 2,957	
1,32,80,277			1,54,51,602
	Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including staff quarters)		
4,51,085	As per last Balance Sheet	6,17,209	
1,45,860	Provision made during the year	1,48,616	
20,264	Interest and gain received from investments	38,695	
6,17,209			8,04,520
	Depreciation Reserve Fund of Equipments in Hospitals and Examination Centres		
59,371	As per last Balance Sheet	66,022	
4,052	Provision made during the year	20,688	
2,599	Interest received from investments	2,599	
66,022			70,689
46,44,28,882	Total Carried Over		46,81,76,648

Previous Year (1969-70)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
28,21,79,919	Total Brought Forward		29,12,79,740
	Staff Cars		
1,63,514	As per last Balance Sheet	2,01,217	
37,703	Add payments made during the year	26,096	
2,01,217			2,27,313
	Permanent Advance to the Heads of Offices of the Corporation		
27,112	As per last Balance Sheet	29,112	
2,145	Add Payments made during the year	1,805	
29,257		30,917	
(—) 145	Less Recoveries made during the year	(—) 285	
29,112			30,632
	Advance of Pay on transfer to the Employees of the Corporation		
39,988	As per last Balance Sheet	22,601	
62,769	Add Payments made during the year	74,572	
1,02,757		97,173	
(—)80,156	Less Recoveries made during the year	(—) 81,595	
22,601			15,578
	Advance of T.A. on transfer to the Employees of the Corporation		
50,237	As per last Balance Sheet	25,650	
66,203	Add Payments made during the year	1,00,161	
1,16,440		1,25,811	
(—)90,790	Less Recoveries made during the year	(—) 91,141	
25,650			34,670
	Advance for the purchase of Conveyance to the Employees,' of the Corporation		
5,28,810	As per last Balance Sheet	7,36,580	
5,87,904	Add—Payments made during the year	6,34,385	
11,16,714		13,70,965	
(—)3,80,134	Less Recoveries made during the year	(—) 4,67,062	
7,36,580			9,03,903
28,31,95,079	Total Carried Over		29,24,91,836

Previous Year (1969-70)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs	Rs.
46,44,28,882	Total Brought Forward		46,81,76,648
	Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings		
36,02,874	As per last Balance Sheet	53,05,679	
15,14,304	Provision made during the year	16,37,389	
1,88,501	Interest received from investments	4,13,446	
53,05,679			73,56,514
	Depreciation Reserve Fund of Staff Cars		
84,676	As per last Balance Sheet	1,11,284	
21,975	Provision made during the year	22,719	
4,633	Interest received from investments	5,556	
1,11,284			1,39,559
	Repairs and Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters)		
9,33,454	As per last Balance Sheet	13,94,857	
4,20,700	Provision made during the year	4,28,693	
45,739	Interest received from investments	54,648	
13,99,893		18,78,198	
(—) 5,036	**Less : Payments made during the year**	(—) 1,35,482	
13,94,857			17,42,716
	Repairs and Maintenance Reserve Fund Account of Hospital Buildings		
87,69,884	As per last Balance Sheet	1,34,24,772	
43,45,746	Provision made during the year	47,17,209	
3,27,713	Interest received from investments	5,45,948	
1,34,43,343		1,86,87,929	
(—) 18,571	Less : Payments made during the year	(—) 79,417	
1,34,24,772			1,86,08,512
48,46,65,474	Total Carried Over		49,60,23,949

Previous Year (1969-70)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
28,31,95,079	Total Brought Forward		29,24,91,836
	Miscellaneous Advances to the Employees of the Corporation (Festival Advances etc)		
1,40,618	As per last Balance Sheet	2,37,493	
4,47,152	Add Payments made during the year	9,44,550	
5,87,770		11,82,043	
(—)3,50,277	Less Recoveries made during the year	(—) 5,53,556	
2,37,493			6,28,487
	House Building Advance		
1,07,406	As per last Balance Sheet	1,54,571	
90,556	Add Payments made during the year	2,74,127	
1,97,962		4,28,698	
(—) 43,391	Less Recoveries made during the year	(—)37,925	
1,54,571			3,90,773
	Advance Payments on behalf of State Governments		
1,377	As per last Balance Sheet	2,772	
4,830	Add Payments made during the year	4,387	
6,207		7,159	
(—)3,435	Less Recoveries made during the year	(—) 3,932	
2,772			3,227
	Amount Advanced to State Govts./State P.W.D. etc. towards Repairs and Maintenance of Hospitals/Dispensaries, Offices of the Corporation & Staff Quarters		
	(a) Offices of the Corporation		
2,69,840	As per last Balance Sheet	6,39,414	
3,69,574	Add Payments made during the year	1,00,656	
6,39,414		7,40,070	
..	Less Recoveries /Adjustments made during the year	(—)1,67,325	
6,39,414			5,72,745
	(b) Hospitals/Dispensaries/Annexies		
19,16,913	As per last Balance Sheet	23,45,286	
4,46,945	Add payments made during the year	13,52,978	
23,63,858		36,98,264	
(—)18,572	Less Receipts during the year	(—12,195	
23,45,286			36,86,069
28,65,74,615	Total Carried Over		29,77,73,137

Previous Year (1969-70)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
48,46,65,474	Total Brought Forward		49,60,23,949
	Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation		
1,08,98,726	As per last Balance Sheet	1,69,59,023	
57,13,940	Provision made during the year	24,60,390	
5,50,407	Interest received from investments	9,52,887	
1,71,63,073		2,03,72,300	
(—) 2,75,678	Less Payments made during the year	(—)1,60,709	
1,68,87,395		2,02,11,591	
71,628	Add Amount transferred from ESIC Provident Fund	2,957	
1,69,59,023			2,02,14,548
	Compassionate Reserve Fund for the Employees of the Corporation		
10,000	As per last Balance Sheet	1,0000	
700	Provision made during the year	1,230	
10,700		11,230	
(—)700	Less Payments made during the year	(—)1,230	
10,000			10,000
	Deposit of Securities		
1,09,377	As per last Balance Sheet	1,50,247	
1,20,702	Add Deposits during the year	1,34,386	
2,30,079		2,84,633	
(—)79,832	Less Deposits repaid during the year	(—)85,422	
1,50,247			1,99,211
	Deductions from Bills Payable to other Parties		
15,826	As per last Balance Sheet	11,900	
4,98,149	Add Amount Credited during the year	5,30,247	
5,13,975		5,42,147	
(—)5,02,075	Less Payments made during the year	(—)5,23,577	
11 900			18,570
	Unclaimed Deposits in the ESIC Provident Fund		
5,471	As per last Balance Sheet	7,322	
1,863	Add Amount Credited during the year	1,775	
7,334		9,097	
(—)12	Less Payments made during the year	(—)3,313	
7,322			5,784
50,18,03,966	Total Carried Over		51,64,72,062

Previous Year (1969-70)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
28,65,74,615	Total Brought Forward		29,77,73,137
	Miscellaneous Advances		
8,96,085	As per last Balance Sheet	7,54,469	
51,579	**Add** Payments made during the year	3,74,778	
9,47,664		11,29,247	
(—)1,93,195	**Less** Receipts during the year	(—)1,25,113	
7,54,469			10,04,134
	Loans to State Governments		
83,69,766	As per last Balance Sheet	1,00,00,000	
16,30,234	**Add** Payments made during the year	..	
1,00,00,000		1,00,00,000	
—	**Less** amount refunded by State Govts.	(—)1,66,667	
1,00,00,000			98,33,333
	Remittances		
	Cash Remittances		
6,89,335	As per last Balance Sheet	4,34,601	
57,46,61,839	**Add** Debits adjusted during the year	75,93,71,486	
57,53,51,194		75,98,06,087	
(—)57,49,16,593	**Less** Credits adjusted during the year	(—)75,88,85,232	
4,34,601			9,20,855
	Other Remittances-Exchange Account		
2,051	As per last Balance Sheet	(—)2,643	
1,72,18,499	**Add** Debits during the year	1,62,93,398	
1,72,20,550		1,62,90,755	
(—)1,72,23,193	**Less** Credits during the year	(—)1,62,90,995	
(—)2,643			(—)240
	Investments at Cost		
	(1) Permanent (Partial & Total) Disablement Benefit Reserve Fund		
5,03,82,916	As per last Balance Sheet	5,90,75,991	
86,93,075	**Add** Investments made during the year	1,50,43,000	
5,90,75,991		7,41,18,991	
—	**Less** Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—) 50,21,225	
5,90,75,991			6,90,97,766
35,68,37,033	Total Carried Over		37,86,28,985

Previous Year (1969-70)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
50,18,03,966	Total Brought Forward		51,64,72,062
	Miscellaneous Deposits		
1,47,547	As per last Balance Sheet	1,17,175	
(—)38,519	**Less** Deposits repaid during the year	(—)2,390	
1,09,028		1,14,785	
8,147	**Add** Deposits Received during the year	1,83,510	
1,17,175			2,98,295
50,19,21,141	Total carried Over		51,67, 70,357

Previous Year (1969-70)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
35,68,37,033	Total Brought Forward		37,86,28,985
	(2) Dependants' Benefit Reserve Fund		
2,21,93,543	As per last Balance Sheet	2,62,19,618	
40,26,075	**Add** Investments made during the year	89,31,700	
2,62,19,618		3,51,51,318	
—	**Less** Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)35,78,947	
2,62,19,618			3,15,72,371
	(3) Employees' State Insurance Corporation Provident Fund		
1,17,09,740	As per last Balance Sheet	1,32,69,740	
19,50,000	**Add** Investments made during the year	57,56,900	
1,36,59,740		1,90,26,640	
(—)3,90,000	**Less** Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)35,96,890	
1,32,69,740			1,54,29,750
	(4) Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (Including Staff Quarters)		
4,48,198	As per last Balance Sheet	6,15,636	
1,85,363	**Add** Investments made during the year	6,73,880	
6,33,561		12,89,516	
(—)17,925	**Less** Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)4,85,601	
6,15,636			8,03,915
	(5) Depreciation Reserve Fund of Equipments in Hospitals & Examination Centres		
52,600	As per last Balance Sheet	52,600	
—	**Add** Investments during the year	20,500	
52,600		73,100	
—	**Less** Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)10,000	
52,600			63,100
36,69,94,627	Total Carried Over		42,64,98,121

Previous Year (1969-70)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
50,19,21,141	Total Brought Forward		51,67,70,357
50,19,21,141	Grand Total.		51,67,70,357

New Delhi
Dated 31st May, 1971.

Previous Year (1969-70)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
39,69,94,627	Total Brought Forward		42,64,98,121
	(6) Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings		
35,85,854	As per last Balance Sheet	52,93,469	
17,07,615	Add Investments made during the year	59,51,700	
52,93,469		1,12,45,169	
..	Less Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)39,08,227	
52,93,469			73,36,942
	(7) Depreciation Reserve Fund of Staff Cars		
84,159	As per last Balance Sheet	1,07,217	
23,085	Add Investments made during the year	52,500	
1,07,217		1,59,717	
—	Less Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)21,000	
1,07,217			1,38,717
	(8) Repairs & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation including Staff Quarters		
9,18,092	As per last Balance Sheet	10,41,556	
1,43,939	Add Investments made during the year	3,93,700	
10,62,031		14,35,256	
(—)20,475	Less Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)2,67,290	
10,41,556			11,67,966
	(9) Repairs & Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings		
67,24,387	As per last Balance Sheet	1,07,85,952	
40,61,565	Add Investments made during the year	79,00,000	
1,07,85,952		1,86,85,952	
—	Less Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)38,00,000	
1,07,85,952			1,48,85,952
41,42,22,821			45,00,27,698
	(10) Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation		
1,08,96,015	As per last Balance Sheet	1,68,79,698	
60,31,683	Add Investments made during the year	96,48,300	
1,69,27,698		2,65,27,998	
(—)48,000	Less Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)63,32,088	
1,67,79,698			2,01,95,910
	General Cash Balance		
4,39,19,793	Investments as per last Balance Sheet	3,01,39,082	
5,39,18,227	Add Investments made during the year	4,91,64,500	
9,78,38,020		7,93,03,582	
(—)6,76,98,938	Less Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)7,93,03,582	
3,01,39,082		—	
8,25,215	Cash in hand	17,64,197	
3,98,27,325	Cash with Bankers	4,47,82,552	
4,06,79,540		4,65,46,749	
7,08,18,622	Total Cash Balance		4,65,46,749
50,19,21,141	Grand Total.		51,67,70,357

APPENDIX

Income & Expenditure Account for

N.B. :—The Accounts for the year 1971-72

INCOME

Previous Year (1970-71)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	By Contributions		
29,55,06,981	Employers' Share only	33,34,80,630	
16,49,66,819	Employees' Share only	17,70,05,192	
46,04,73,800	**Total Contributions**		51,04,85,822
14,29,296	State Governments/Union Territories share towards medical benefits initially incurred by the Corporation	7,50,000	7,50,000
	Other Heads of Revenue		
	Grants-in-aid	7,00,000	
37,82,273	Interest & Dividends	37,04,897	
4,12,671	Compensations	45,07,120	
	Rents, Rates and Taxes		
2,14,769	(i) Offices of the Corporation (including staff quarters)	3,45,633	
2,91,12,763	(ii) Hospitals, Dispensaries & staff quarters	1,45,18,822	
18,866	Fees, Fines & Forfeitures	26,350	
5,44,410	Miscellaneous	8,22,992	
3,40,85,752	Total of Other Heads of Revenue		2,46,25,874
49,59,88,848	Total Carried Over		53,58,61,696

XIX

the year ended 31 March 1972

have been audited but Audit Certificate is awaited from A.G.C.R.

EXPENDITURE

Previous Year (1970-71)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	1. Benefits to Insured Persons & their families		
	A—Medical Benefits		
24,13,55,195	(i) Payments to State Govts. etc. as Corporations' share of their expenses on providing medical treatment and maternity facilities etc.	21,80,01,913	
(—)10,40,19,294	**Deduct :**—Payments to State Govts. towards medical care during the year transferred to the Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund	(—)5,70,22,913	
13,73,35,901		16,09,79,000	
75,34,675	(ii) Medical treatment & care & maternity facilities (expenses incurred direct by the Corporation)	93,37,811	
14,48,70,576	**Total—A—Medical Benefits**		17,03,16,811
	B—Cash Benefits		
13,71,00,949	1. Sickness Benefit	13,69,64,114	
1,00,86,820	2. Extended Sickness Benefit	1,04,54,682	
60,23,031	3. Maternity Benefit	64,54,499	
	4. Disablement Benefit		
2,89,90,066	%(a) Temporary	3,02,26,619 %	
3,16,94,000	(b) Permanent (Capitalised Value)	2,14,37,135	
66,59,000	5. Dependents' Benefit (Capitalised Value)	41,98,506	
7,84,637	6. Funeral Benefit	8,00,982	
22,13,38,503	**Total B —Cash Benefits**		21,05,36,537
	C—Other Benefits		
25,875	(a) Expenditure on the Rehabilitation of Disabled Insured Persons	34,538	
2,31,843	(b) Medical Boards and Appeal Tribunals	3,06,670	
	(c) Payments to Insured Persons :—		
1,22,746	(1) Conveyance charges and/or loss of wages	1,24,167	
316	(2) Incidential charges under family planning	(—)15	
—	(d) Grants-in-aid	—	
2,99,021	(e) Miscellaneous	2,92,698	
6,79,801	**Total C—Other Benefits**		7,58,058
36,68,88,880	Total Benefits to Insured Persons and their families		38,16,11,406
36,68,88,880	Total Carried Over		38,16,11,406

Previous Year (1970-71)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	R.
49,59,88,848	Total Brought Forward		53,58,61,696
49,59,88,84	Total Carried Over		53,58,61,696

Previous Year (1970-71)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
36,68,88,880	Total Brought Forward		38,16,11,406
	2. Administration Expenses		
	A—Superintendence		
39,525	1. Corporation, Standing Committee, Regional Boards etc.	42,658	
1,49,017	2. Principal Officers	1,44,887	
24,36,891	3. Other Officers	24,50,940	
1,03,15,177	4. Ministerial Establishment	1,10,89,674	
17,85,629	5. Class IV Servants	19,25,109	
27,97,927	6. Contingencies	33,96,068	
1,75,24,166	**Total A—Superintendence**		1,90,49,336
	B—Field Work		
6,63,745	1. Officers	6,41,950	
1,20,01,780	2. Ministerial Establishment	1,31,57,178	
21,03,181	3. Class IV Servants	21,87,274	
15,04,946	4. Contingencies	16,82,359	
1,62,73,652	**Total B—Field Work**		1,76,68, 761
	C—Other Charges		
1,71,986	1. Legal Charges	2,03,825	
—	2. Insurance Courts	—	
6,598	3. Publicity & Advertisement Charges	31,579	
37,358	4. Charges for maintaining Banking Accounts	82,222	
83,590	5. Audit Fees	91,184	
1,26,961	6. Leave & Pension Contributions	1,14,180	
1,71,335	7. Depreciation of Office Buildings/Staff Cars	1,73,048	
4,28,693	8. Repairs and Maintenance of Office Building	4,28,078	
	9. **Retirement Benefits**		
21,70,700	(a) Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation	97,36,419	
2,06,610	(b) Corporations' Contribution towards Employees' State Insurance Corporation Provident Fund	2,22,447	
7,63,217	(c) Interest paid to ESIC Provident Fund	9,11,988	
(—)7,91,495	(d) Less Interest realised on investments of Provident Fund Balances	(—)9,76,653	
1,230	10. Compassionate Reserve Fund	2,634	
7,545	11. Miscellaneous	—	
9,143	12. Losses	8	
33,93,471	**Total C—Other Charges**		1,10,20,959
3,71,91,289	**Total Head 2—Administration Expenses**		4,77,39,056
	3. Hospitals and Dispensaries & Accumulated Liabilities		
16,39,457	1. Depreciation of Hospital Buildings and Equipments	16,45,619	
47,17,209	2. Repairs & Maintenance of Hospital Buildings/Dispensaries	47,09,216	
3,69,64,000	3. Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities etc.	4,04,35,000	
4,33,20,666	**Total Head 3—Hospitals & Dispensaries & Accumulated Liabilities**		4,67,89,835
44,74,00,835	**Total Expenditure on Revenue Account**		47,61,40,297
4,58,88,013	To excess of Income over Expenditure carried over to Balance Sheet		5,97,21,399
49,59,88,848	GRAND TOTAL		53,58,61,696

APPENDIX

Balance Sheet as

N.B :—The Accounts for the year 1971-72

Previous Year (1970-71)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Balance of Excess of Income over Expenditure		
36,51,51,824	As per last Balance Sheet	33,73,18,407	
4,85,88,013	Accumulations during the year	5,97,21,399	
41,37,39,837		39,70,39,806	
	LESS Amount transferred to Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund		
(—)3,01,39,082	(a) From last year's accumulations		
(—)4,62,82,348	(b) From this year's accumulations	(—)3,18,54,272	
33,73,18,407			36,51,85,534
	Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund		
3,01,39,082	Opening Balance	93,66,136	
4,62,82,348	Amount transferred from Balance of Excess of Income over Expenditure	3,18,54,272	
3,69,64,000	ADD Provision made during the year (0.5% of enhanced rate of E.S.C.)	4,04,35,000	
11,33,85,430		8,16,55,408	
(—)10,40,19,294	LESS Payments made during the year	(—)5,70,22,913	
93,66,136			2,46,32,495
	Permanent (Partial & Total) Disablement Benefit Reserve Fund		
5,90,93,644	As per last Balance Sheet	7,35,91,297	
3,16,94,000	Provision made during the year	2,88,90,000	
27,91,535	Interest received from investments	37,75,715	
—	LESS surplus declared by Valuer	(—)74,52,865	
9,35,79,179		9,88,04,147	
(—)1,99,87,882	LESS Payments made during the year	(—)2,05,59,586	
7,35,91,297			7,82,44,561
	Dependant's Benefits Reserve Fund		
2,62,19,906	As per last Balance Sheet	3,15,73,997	
66,59,000	Provision made during the year	66,69,000	
12,49,253	Interest received from investments	16,63,434	
—	LESS surplus declared by Valuer	(—)24,70,494	
3,41,28,159	**Total Carried over of this Head**	3,74,35,937	
42,02,75,840	Total Carried Over		46,80,62,590

XX

on 31 March 1972

have been audited but Audit Certificate is awaited from A.G.C.R.

Previous Year (1970-71)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Lands and Buildings (wholly owned by the Corporation)		
	(a) Buildings for offices of the Corporation		
1,09,52,783	As per last Balance Sheet	1,09,52,783	
—	Additions during the year	8,35,710	
1,09,52,783		1,17,88,493	
	(b) Hospitals and Dispensaries		
15,08,75,470	As per last Balance Sheet	16,35,35,108	
1,26,59,638	Additions during the year	2,96,45,473	
16,35,35,108		19,31,80,581	
	(c) Equipments for Hospitals etc.		
—	As per last Balance Sheet	49,542	
49,542	Additions during the year	—	
49,542		49,542	
17,45,37,433			20,50,18,616
	Lands & Buildings (Jointly owned by the Corporation and State Governments)— Corporations' Share		
	(a) Hospitals and Dispensaries		
7,95,250	As per last Balance Sheet	7,95,250	
—	Additions during the year	—	
7,95,250		7,95,250	
	(b) Equipments for Hospitals etc.		
49,680	As per last Balance Sheet	49,680	
—	Additions during the year	—	
49,680		49,680	
8,44,930			8,44,930
	Suspense—(I) Amount Advanced for Capital Expenditure		
11,95,06,736	As per last Balance Sheet	10,69,36,456	
—	**ADD** Payments made during the year	32,441	
(—)1,25,70,280	LESS Adjustments & Recoveries	(—)2,77,29,320	
10,69,36,456	**Total Carried Over of this Sub-Head**	7,92,39,577	
17,53,82,363	Total Carried Over		20,58,63,546

Previous Year (1970-71)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
42,02,75,840	Total Brought Forward		46,80,62,590
3,41,28,159	Total Brought Forward of this Head	3,74,35,937	
(—)25,54,162	LESS Payments made during the year	(—)30,59,344	
3,15,73,997			3,43,76,593
	Employees' State Insurance Corporation Provident Fund		
1,32,80,277	As per last Balance Sheet	1,54,51,602	
	ADD amount credited during the year		
36,23,861	(i) Employees Subscription	42,30,555	
2,06,610	(ii) Corporation's Contribution	2,22,447	
7,63,217	(iii) Interest on (Employees and Corporation's Shares)	9,05,726	
1,78,73,965		2,08,10,330	
(—)24,19,406	LESS Payments made during the year	(—)29,21,892	
1,54,54,559		1,78,88,438	
(—)2,957	LESS Amount transferred to Pension Reserve Fund	..	
1,54,51,602			1,78,88,438
	Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including staff quarters)		
6,17,209	As per last Balance Sheet	8,04,520	
1,48,616	Provision made during the year	1,48,404	
38,695	Interest and gain received from investments	64,824	
8,04,520			10,17,748
	Depreciation Reserve Fund of Equipments in Hospitals and Examination Centres		
66,022	As per last Balance Sheet	70,689	
2,068	Provision made during the year	1,036	
2599	Interest received from Investments	3,625	
70,689			75,350
	Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings		
53,05,679	As per last Balance Sheet	73,56,514	
16,37,389	Provision made during the Year	16,44,584	
4,13,446	Interest received from investments	4,84,842	
73,56,514			94,85,940
	Depreciation Reserve Fund of Staff Cars		
1,11,284	As per last Balance Sheet	1,39,559	
22,719	Provision made during the year	24,644	
5,556	Interest received from investments	10,720	
1,39,559			1,74,923
	Repairs & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters)		
13,94,857	As per last Balance Sheet	17,42,716	
4,28,693	Provision made during the year	4,28,078	
54,648	Interest received from investments	66,584	
18,78,198		[22,37 378	
(—)1,35,482	LESS Payments made during the Year	(—)1,17,735	
17,42,716			21,19,643
	Repairs & Maintenance Reserve Fund Account of Hospital Buildings		
1,34,24,772	As per last Balance Sheet	1,86,08,512	
47,17,209	Provision made during the year	47,09,216	
5,45,948	Interest received from investments	7,87,833	
		2,41,05,561	
1,86,87,929			
(—)79,417	LESS Payments made during the year	(—)12,27,132	
1,86,08,512			2,28,78,429
49,60,23,949	Total Carried Over		55,60,79,654

Previous Year (1970-71)	Assets	Amount	Total
Rs		Rs	Rs
17,53,82,363	Total Brought Forward		20,58,63,546
10,69,36,456	Total Brought Forward of this Sub-Head	7,92,39,577	
	(ii) Amount advanced from Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund		
	As per last Balance Sheet	89,60,921	
93,66,136	ADD Payments made during the year	1,52,66,359	
(—)4,05,215	LESS Adjustments & Recoveries	(—)19,87,079	
89,60,921		2,22,40,201	
11,58,97,377			10,14,79,778
	Staff Cars		
2,01,217	As per last Balance Sheet	2,27,313	
26,096	ADD Payments made during the year	18,785	
2,27,313			2,46,098
	Permanent Advance to the Heads of Offices of the Corporation		
29,112	As per last Balance Sheet	30,632	
1,805	ADD Payments made during the year	4,145	
30,917		34,777	
(—)285	LESS Recoveries made during the year	(—)5	
30,632			34,772
	Advance of Pay on transfer to the Employees of the Corporation		
22,601	As per last Balance Sheet	15,578	
74,572	ADD Payments made during the year	1,03,354	
97,173		1,18,932	
(—)81,595	LESS Recoveries made during the year	(—)90,235	
15,578			28,697
	Advance of T.A. on transfer to the Employees of the Corporation		
25,650	As per last Balance Sheet	34,670	
1,00,161	ADD Payments made during the year	1,31,140	
1,25,811		1,65,810	
(—)91,141	LESS Recoveries made during the year	(—)1,00,974	
34,670			64,836
	Advance for purchase of Conveyance to the Employees of the Corporation		
7,36,580	As per last Balance Sheet	9,03,903	
6,34,385	ADD Payments made during the year	4,79,937	
13,70,965		13,83,840	
(—)4,67,062	LESS Recoveries made during the year	(—)5,06,940	
9,03,903			8,76,900
	Miscellaneous Advances to the Employees of the Corporation (Festival Advances)		
2,37,493	As per last Balance Sheet	6,28,487	
9,44,550	ADD Payments made during the year	11,53,486	
11,82,043		17,81,973	
(—)5,53,556	LESS Recoveries made during the year	(—)7,39,073	
6,28,487			10,42,900
	House Building Advance		
1,54,571	As per last Balance Sheet	3,90,773	
2,74,127	ADD Payments made during the year	3,57,237	
4,28,698		7,48,010	
(—)37,925	LESS Recoveries made during the year	(—)42,487	
3,90,773			7,05,523
	Advance Payments on behalf of State Governments		
2,772	As per last Balance Sheet	3,227	
4,387	ADD Payments made during the year	4,478	
7,159		7,705	
(—)3,932	LESS Recoveries made during the year	(—)5,424	
3,227			2,281
	Amount Advanced to State Govts./State P.W.D. etc. towards Repairs and Maintenance of Hospitals/Dispensaries, Offices of the Corporation & Staff Quarters		
	(a) Offices of the Corporation		
6,39,414	As per last Balance Sheet	5,72,745	
1,00,656	ADD Payments made during the year	1,19,863	
7,40,070		6,92,608	
(—)1,67,325	LESS Recoveries/Adjustments during the year		
5,72,745			6,92,608
29,40,87,068	Total Carried Over		31,10,37,939

Previous Year (1970-71)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
49,60,23,949	Total Brought Forward		55,60,79,654
	Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation		
1,69,59,023	As per last Balance Sheet	2,02,14,548	
24,60,390	Provision made during the year	26,91,925	
9,52,887	Interest received from investments	12,69,916	
—	ADD deficit declared by Valuer	76,04,575	
2,03,72,300		3,17,80,964	
(—)1,60,709	LESS Payments made during the year	(—)2,73,335	
2,02,11,591		3,15,07,629	
2,957	ADD Amount transferred from ESIC Provident Fund	—	
2,02,14,548			3,15,07,629
	Compassionate Reserve Fund for the Employees of the Corporation		
10,000	As per last Balance Sheet	10,000	
1,230	Provision made during the year	2,634	
11,230		12,634	
(—)1,230	LESS Payments made during the year	(—)2,634	
10,000			10,000
	Deposits of Securities		
1,50,247	As per last Balance Sheet	1,99,211	
1,34,386	ADD Deposits during the year	1,71,333	
2,84,633		3,70,544	
(—)85,422	LESS Deposits repaid during the year	(—)82,775	
1,99,211			2,87,769
	Deductions from Bills Payable to other Parties		
11,900	As per last Balance Sheet	18,570	
5,30,247	ADD Amount credited during the year	5,02,183	
5,42,147		5,20,753	
(—)5,23,577	LESS Payments made during the year	(—)4,65,059	
18,570			55,694
	Unclaimed Deposits in the ESIC Provident Fund		
7,322	As per last Balance Sheet	5,784	
1,775	ADD Amount credited during the year	2,180	
9,097		7,964	
(—)3,313	LESS Payments made during the year	(—)1,226	
5,784			6,738
	Miscellaneous Deposits		
1,17,175	As per last Balance Sheet	2,98,295	
(—)2,390	LESS Deposits repaid during the year	(—)98,612	
1,14,785		1,99,683	
1,83,510	ADD Deposits Received during the year	8,15,329	
2,98,295			10,15,012
51,67,70,357	Total Carried Over		58,89,62,496

Previous Year (1970-71)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
29,40,87,068	Total Brought Forward		31,10,37,939
	(b) Hospitals/Dispensaries/Annexes		
23,45,286	As per last Balance Sheet	36,86,069	
13,52,978	ADD Payments made during the year	17,58,649	
36,98,264		54,44,718	
(—)12,195	LESS Receipts during the year	(—)20,33,881	
36,86,069			34,10,837
	Miscellaneous Advances		
7,54,469	As per last Balance Sheet	10,04,134	
3,74,778	ADD Payments made during the year	2,88,015	
11,29,247		12,92,149	
(—)1,25,113	LESS Receipts during the year	(—)1,77,870	
10,04,134			11,14,279
	Loans to State Governments		
1,00,00,000	As per last Balance Sheet	98,33,333	
—	ADD Payments made during the year	60,00,000	
1,00,00,000		1,58,33,333	
(—)1,66,667	LESS amount refunded by State Govts.	(—)3,33,333	
98,33,333			1,55,00,000
	Remittances		
	Cash Remittances		
4,34,601	As per last Balance Sheet	9,20,855	
75,93,71,486	ADD Debits adjusted during the year	1,08,65,02,126	
75,98,06,087		1,08,74,22,981	
(—)75,88,85,232	LESS Credits adjusted during the year	(—)1,08,71,89,581	
9,20,855			2,33,400
	Other Remittances-Exchange Account		
(—)2,643	As per last Balance Sheet	(—)240	
1,62,93,398	ADD Debits during the year	2,92,96,464	
1,62,90,755		2,92,96,224	
(—)1,62,90,995	LESS Credits during the year	(—)2,92,87,911	
(—)240			8,313
	Investments at Cost		
	(1) Permanent (Partial & Total) Disablement Benefit Reserve Fund		
5,90,75,991	As per last Balance Sheet	6,90,97,766	
1,50,43,000	ADD Investments made during the year	4,04,97,000	
7,41,18,991		10,95,94,766	
(—)50,21,225	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)3,13,57,837	
6,90,97,766			7,82,36,929
	(2) Dependants' Benefit Reserve Fund		
2,62,19,618	As per last Balance Sheet	3,15,72,371	
89,31,700	ADD Investments made during the year	1,72,54,800	
3,51,51,318		4,88,27,171	
(—)35,78,947	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)1,44,51,664	
3,15,72,371			3,43,75,507
	(3) Employees' State Insurance Corporation Provident Fund		
1,32,69,740	As per last Balance Sheet	1,54,29,750	
57,56,900	ADD Investments made during the year	90,35,400	
1,90,26,640		2,44,65,150	
(—)35,96,890	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)65,78,262	
1,54,29,750			1,78,86,888
	(4) Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters)		
6,15,636	As per last Balance Sheet	8,03,915	
6,73,880	ADD Investments made during the year	7,92,594	
12,89,516		15,96,509	
(—)4,85,601	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)5,80,000	
8,03,915			10,16,509
	(5) Depreciation Reserve Fund of Equipments in Hospitals & Examination Centres		
52,600	As per last Balance Sheet	63,100	
20,500	ADD Investments made during the year	34,025	
73,100		97,125	
(—)10,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)22,000	
63,100			75,125
42,64,98,121	Total Carried Over		46,28,95,726

Previous Year (1970-71)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
51,67,70,357	Total Brought Forward		58,89,62,496
51,67,70,357	Total carried Over		58,89,62,496

Previous Year (1970-71)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
42,64,98,121	Total Brought Forward		46,28,95,726
	(6) Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings		
52,93,469	As per last Balance Sheet	73,36,942	
59,51,700	ADD Investments made during the year	62,07,300	
1,12,45,169		1,35,44,242	
(—)39,08,227	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)40,69,127	
73,36,942			94,75,115
	(7) Depreciation Reserve Fund of Staff Cars		
1,07,217	As per last Balance Sheet	1,38,717	
52,500	ADD Investments made during the year	65,080	
1,59,717		2,03,797	
(—)21,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)30,062	
1,38,717			1,73,735
	(8) Repairs & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Officfoe of the Corporation (including Staff Quarters)		
10,41,556	As per last Balance Sheet	11,67,966	
3,93,700	ADD Investments made during theyear	9,79,400	
14,35,256		21,47,366	
(—)2,67,290	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)7,28,372	
11,67,966			41,18,994
	(9) Repairs & Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings		
1,07,85,952	As per last Balance Sheet	1,48,85,952	
79,00,000	ADD Investments made during the year	1,88,21,600	
1,86,85,952		3,37,07,552	
(—)38,00,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)1,42,47,302	
1,48,85,952			1,94,60,250
	(10) Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation		
1,68,79,698	As per last Balance Sheet	2,01,95,910	
96,48,300	ADD Investments made during the year	2,49,09,700	
2,65,27,998		4,51,05,610	
(—)63,32,088	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)1,36,09,229	
2,01,95,910			3,14,96,381
	General Cash Balance		
3,01,39,082	Investments as per last Balance Sheet		
4,91,64,500	ADD Investments made during the year	28,90,07,800	
7,93,03,582		28,90,07,800	
(—)7,93,03,582	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)26,64,00,000	
		2,26,07,800	
17,64,197	Cash in hand	13,64,606	
4,47,82,552	Cash with Bankers	4,00,69,889	
4,65,46,749		4,14,34,495	
4,65,46,749	Total Cash Balance		6,40,42,295
51,67,70,357	Grand Total		58,89,62,496

APPENDIX XXI

Administrative cost comparred with Benefits paid etc.

	1966-67	1967-68	1968-69	1969-70	1970-71	1971-72
I. Total Administrative Cost . .	2,61,98,093	2,87,17,455	3,22,62,514	3,73,59,844	3,71,91,289	4,77,39,056
II. (a) Employer's Special Contribution .	12,93,37,103	13,64,06,909	18,42,65,198	21,25,42,559	29,55,06,981	33,34,80,630
(b) Employees' Contribution . .	11,50,80,309	12,44,28,148	13,96,81,277	15,20,48,404	16,49,66,819	17,70,05,192
Total Contributions . .	24,44,17,412	26,08,35,057	32,39,46,475	36,45,90,963	46,04,73,800	51,04,85,822
III. Total outgoings (Expenditure on Revenue Accounts) . .	24,17,37,078	27,17,30,234	31,98,45,968	37,70,16,938	44,74,00,835	47,61,40,297
IV. Total Benefits . .	21,55,38,985	23,89,64,304	28,32,20,434	33,37,92,992	36,68,88,880	38,16,11,406
Ratio of Administrative Cost to :—						
II.	10.72%	11.01%	9.96%	10.25%	8.08%	9.35%
III.	10.84%	10.57%	10.09%	9.91%	8.31%	10.03%
IV.	12.15%	12.02%	11.39%	11.19%	10.14%	12.51%

Note :—IV does not include share of benefit expenditure borne by the State Governments.

B.M.K. MATTOO,
Financial Adviser & Chief Accounts Officer
Employees' State Insurance Corporation
[No. Z. 16016/2/73—HI]
DALJIT SINGH, Under Secy.

PRINTED BY THE MANAGER GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110006, 1974